राष्ट्रीय संस्करण

दैनिक जागरण

वर्ष 8 अंक 205 | मूल्य ₹8 .00 नई दिल्ली, बुधवार, 1 जनवरी, 2025 | www.jagran.com | पृष्ठ 14

2025

विकसित भारत का मजबूत पायदान बनेगा वर्ष 2025

जेएनएन, नई दिल्ली : आज हम नए वर्ष 2025 का स्वागत कर रहे हैं। 21 वीं सदी के पहले 25 वर्ष में भारत ने खुद को एक विकासशील देश से उभरती वैश्विक शक्ति के तौर पर स्थापित किया है। भारत अमेरिका और चीन जैसी वैश्विक ताकतों की कतार में खड़ा होकर बहुध्रुवीय वैश्विक व्यवस्था को मजबूती देगा। उम्मीद है वर्ष 2025 अर्थव्यवस्था, रक्षा, वैश्विक कूटनीति के साथ विकसित भारत के लिए मजबूत पायदान बनेगा। महिला सशक्तीकरण और जनकल्याण की नीतियों के तहत केंद्र सरकार ने पिछले 8 वर्षों में प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) के जरिये 26.5 लाख करोड़ रुपये से अधिक रकम लाभार्थियों के खाते में ट्रांसफर किए हैं। इससे प्रति व्यक्ति आय में इजाफा होगा।

26.5 लाख करोड़
रुपये लाभार्थियों के खातों में पहुंचे हैं, प्रति व्यक्ति आय में हो सकता है इजाफा

2 करोड़ युवाओं को रोजगार मुहैया कराने के साथ अंतरिक्ष में चमकदार उपलब्धियों का गवाह बनेगा नया वर्ष

करीब होगा तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था का ताज

पिछले कई वर्षों से भारत की अर्थव्यवस्था दुनिया में सबसे तेजी से आगे बढ़ रही है। दूसरी तिमाही के आकड़े कुछ कमजोर रहे हैं लेकिन केंद्र सरकार का मानना है कि तीसरी तिमाही में सार्वजनिक खर्च का असर दिखेगा और अर्थव्यवस्था फिर रफ्तार पकड़ेगी। रिजर्व बैंक ने 2025-26 में आर्थिक वृद्धि दर 6.6% रहने का अनुमान जताया है।

नए वर्ष में रिजर्व बैंक ब्याज दरों में कटौती भी कर सकता है। इससे कर्ज सस्ता होगा और कारोबारी गतिविधियां तेजी होंगी। इस वर्ष भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के और करीब पहुंचेगा।

रक्षा विनिर्माण क्षमताओं में होगा इजाफा

2025 में वायुसेना को स्वदेशी लड़ाकू विमान तेजस के उन्नत संस्करण (मार्क 1ए) की डिलिवरी भी शुरू हो सकती है। रक्षा मंत्रालय ने 2021 में 83 तेजस का आर्डर हिंदुस्तान एयरोनाटिक्स लिमिटेड (एचएएल) को दिया था। एचएएल ने 31 मार्च को पहला विमान सौंपने की समय सीमा तय की है। वायुसेना इन विमानों के साथ तेजी से अपने बेड़े को मजबूत बना पाएगी। नए वर्ष में भारत स्वार्म ड्रोन और रक्षा क्षेत्र में तकनीक के मोर्चे पर अपनी क्षमताओं को और मजबूत बना सकता है।

युवाओं को मिलेंगे बड़ी संख्या में रोजगार के अवसर

केंद्र सरकार ने वित्त वर्ष 2024-25 के बजट में नौकरियों के सृजन और युवाओं को इंडस्ट्री के लिए जरूरी स्किल से लैस करने के लिए योजनाएं शुरू की थीं। इन योजनाओं का लक्ष्य अलगे दो वर्ष में 2 करोड़ नौकरियों का सृजन करना है। उम्मीद है कि 2025 में इनके नतीजे दिखने शुरू हो जाएंगे और बड़ी संख्या में नौकरियां मिलेंगी।

निसार मिशन लांच करेगा इसरो

पहली बार इसरो व नासा मिलकर निसार मिशन लांच करने वाले हैं। यह प्राकृतिक आपदाओं और सीमा सुरक्षा की निगरानी करेगा। धरती पर पारिस्थितिकी तंत्र, बर्फ पिघलने, और भूकंप जैसी गतिविधियों भी की सटीक जानकारी देगा।

इसरो ISRO

वैश्विक मंच पर अहम भूमिका

2025 वैश्विक कूटनीति के मोर्चे पर भारत के लिए ज्यादा अनुकूल वर्ष साबित हो सकता है। उम्मीद है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का कार्यकाल भी भारत के लिए बेहतर साबित होगा। इसी वर्ष भारत क्वाड की मेजबानी भी करेगा।

नए वर्ष की खुशी...

चेन्नई के मरीना बीच में घड़ी की सुइयों के 12 पर पहुंचने के पल को कैमरे में कैद करने की होड़ के बीच नव वर्ष का स्वागत करने के लिए जुटी भारी भीड़। प्रेट्र

शुभ नववर्ष

नए कालखंड का आगमन सबके लिए मंगलकारी हो और हम सभी को चुनौतियों से पार पाने की सामर्थ्य प्रदान कर सर्वत्र सुख-शांति एवं सद्भाव को बल दे, इस आशा के साथ सभी को नूतन वर्ष 2025 की शुभकामनाएं।

प्रधान संपादक

अब देशभर में किसी भी बैंक से पेंशन ले सकेंगे ईपीएफओ के पेंशनर

आज से लागू होगी केंद्रीकृत पेंशन भुगतान प्रणाली, 78 लाख पेंशनधारकों को होगा फायदा

जेएनएन, नई दिल्ली

- सेवानिवृत्त होने के बाद अपने गृहनगर में रहने वाले लोगों के लिए यह एक बड़ी सहूलियत होगी
- पेंशन शुरू होने के बाद कर्मचारियों को सत्यापन के लिए बैंक की शाखा में जाने की नहीं होगी जरूरत

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) की कर्मचारी पेंशन योजना (ईपीएस) से जुड़े पेंशनधारकों के लिए नया साल एक बड़ी राहत लेकर आया है। आज से वह देश में स्थित किसी भी बैंक, शाखा या स्थान से अपनी पेंशन प्राप्त कर सकेंगे। सेवानिवृत्त होने के बाद अपने गृहनगर में रहने वाले लोगों के लिए यह एक बड़ी सहूलियत होगी। दरअसल, कुछ दिनों पहले कर्मचारी पेंशन योजना, 1995 के लिए केंद्रीकृत पेंशन भुगतान प्रणाली (सीपीपीएस) के प्रस्ताव को श्रम एवं रोजगार मंत्री मनसुख मांडविया और ईपीएफ के केंद्रीय न्यासी बोर्ड के चेयरमैन द्वारा स्वीकृत किया गया था, जिसके बाद नए साल से यह सुविधा कर्मचारियों को मिलने लगेगी। सीपीपीएस के लागू होने से लगभग 78 लाख पेंशनधारकों को फायदा होगा।

ईपीएस पेंशन के लिए पात्रता

- उसे ईपीएफओ का सदस्य होना चाहिए
- उसने 10 साल की सेवा पूरी की हो
- वह 58 वर्ष की उम्र तक पहुंच गया हो
- वह 50 वर्ष पूरा होने के बाद कम दर पर अपनी ईपीएस निकाल भी सकता है
- वह अपनी पेंशन को दो साल (60 वर्ष की उम्र तक) के लिए आगे भी बढ़ा सकता है, जिसके बाद उसे प्रत्येक वर्ष वार प्रतिशत की अतिरिक्त दर पर पेंशन मिलेगी

ईपीएफओ के एक सहायक आयुक्त के मुताबिक, वर्तमान व्यवस्था के तहत प्रत्येक ईपीएफओ जोनल कार्यालय केवल तीन से चार बैंकों के साथ एक व्यवस्था बनाते हैं। ऐसे में जब सेवानिवृत्त कर्मचारी अपने गृहनगर चला जाता है तो बैंक शाखा (जिस बैंक के साथ ईपीएफओ ने करार किया है) की अनुपस्थिति के चलते उसे पेंशन प्राप्त करने में परेशानी होती है। हालांकि सीपीपीएस के लागू होने के बाद पेंशन प्राप्त करने में आसानी होगी। इसके अलावा, अब पेंशनधारकों को पेंशन शुरू होने के बाद सत्यापन के लिए किसी बैंक की शाखा में भी जाने की जरूरत नहीं होगी। पेंशन जारी होने के बाद तुरंत उस बैंक में जमा हो जाएगी, जिसका उल्लेख कर्मचारियों ने अपने दस्तावेजों में किया है। इतना ही नहीं यदि कोई पेंशनधारक स्थानांतरित होता है या वह बैंक या शाखा बदलता है तो भी परेशान नहीं होना पड़ेगा, क्योंकि सीपीपीएस एक कार्यालय से दूसरे कार्यालय में पेंशन भुगतान आदेश (पीपीओ) के हस्तांतरण की आवश्यकता के बिना पूरे भारत में पेंशन वितरण की गारंटी देता है। ईपीएफओ को उम्मीद है कि नई प्रणाली के लागू होने से पेंशन भुगतान में लगने वाली बड़ी लागत की बचत होगी।

आज से बदलेंगे एफडी के नियम, कार खरीदना होगा महंगा पेज>>10

आज से रेलवे की नई समय सारिणी से चलेंगी ट्रेनें

अरविंद शर्मा ● जागरण

- नई व्यवस्था में 2,875 यात्री ट्रेनों के नंबर बदले गए
- टिकट बुकिंग से पहले समय सारणी और नंबर जरूर देखें

नई दिल्ली : ट्रेनों की नई समय सारिणी बुधवार से प्रभावी हो जाएगी। रेलवे ने इसे मंगलवार देर शाम जारी कर दिया। नई व्यवस्था में 2,875 यात्री ट्रेनों के नंबर बदल दिए गए हैं। इनमें एक्सप्रेस एवं पैसेंजर दोनों तरह की ट्रेनें हैं। इसी तरह कई ट्रेनों के स्टेशन से चलने और गंतव्य तक पहुंचने के समय में भी परिवर्तन किया गया है। पहले यह परिवर्तन प्रत्येक वर्ष 30 जून को होता था, जिसे एक जुलाई से लागू कर दिया जाता था। किंतु पिछले वर्ष नया टाइम टेबल एक अक्टूबर को लागू किया गया था जो 31 दिसंबर तक लागू रहा।

रेलवे के अनुसार, एक्सप्रेस ट्रेनों के समय में पांच मिनट से लेकर एक घंटा और पैसेंजर ट्रेनों के समय में पांच मिनट से 20 मिनट तक का फेरबदल किया गया है। अधिकतर ट्रेनों के शुरू होने के समय में कमी कर दी गई है। उन ट्रेनों के नंबर भी बदल जाएंगे, कोविड के समय जिनके नंबर के पहले जीरो लगा दिया गया था। इस परिवर्तन के बाद टिकट बुक कराने से पहले विशेष सावधानी बरतनी होगी। इसके मद्देनजर यात्रियों से अनुरोध किया गया है कि ट्रेन नंबर कन्फर्म करने के बाद ही टिकट बुक कराएं। सफर पर निकलने से पहले नई समय सारणी और नंबर जरूर देख लें।

नई समय सारणी में वंदे भारत ट्रेनों को भी शामिल किया गया है। साथ ही 62 (31 जोड़ी) ऐसी विशेष ट्रेनों को शामिल किया गया है, जिनका संचालन पिछले वर्ष शुरू किया गया है। साथ ही 90 ऐसी ट्रेनें भी हैं, जिन्हें कोहरे के कारण आंशिक रूप से रद कर दिया गया है या उनकी आवृत्ति घटा दी गई है। 46 जोड़ी ट्रेनों का विस्तार किया गया है।

संपादकीय

संभावनाओं भरा समय: 2025 में भारत के लिए अनेक संभावनाएं दिख रही हैं,

लेकिन उसे कई चुनौतियों का सामना करने के लिए भी तैयार रहना होगा। **गिरीश्वर मिश्र** का आकलन।

नए वर्ष में राजनीति की रंगत: वर्ष 2024 बता रहा है कि 2025 में भी पक्ष और विपक्ष के बीच टकराव की राजनीति जारी रहेगी। **राज कुमार सिंह** का दृष्टिकोण। ● पेज-8

विमर्श

आर्थिक प्रगति की दिशा में अग्रसर भारत: भारत में आर्थिक प्रगति की दर निरंतर तेज होती दिखाई दे रही है। भारत के सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर भी अन्य देशों की तुलना में तेजी से बढ़ रही है। देश की इस आर्थिक बेहतरी से सभी को लाभ हो, नववर्ष का एक यह भी संकल्प हो। **प्रह्लाद सबनानी** का आलेख।

विभाजनकारी तत्वों पर लगाम: विविधताओं में एकत्व की भावना ही भारत का आत्मा है। यह विविधता और एकता ही भारतीयता का सौंदर्य है। नववर्ष के अवसर पर हम इसे कायम रखने का संकल्प लें। **डा. वेदप्रकाश** का दृष्टिकोण। ● पेज-9

डल्लेवाल को मनाने के लिए पंजाब सरकार को मिले और तीन दिन

नई दिल्ली: फसलों पर न्यूनतम समर्थन मूल्य लागू करने सहित कई मांगों को लेकर 36 दिनों से संगरूर के खनौरी में आमरण अनशन कर रहे किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल को चिकित्सा सहायता के लिए मनाने को सुप्रीम कोर्ट ने पंजाब सरकार को तीन दिन का और समय दे दिया। अगली सुनवाई दो जनवरी को होगी। (पेज-5)

ओडिशा में मतांतरण कराने के आरोप में दो महिलाओं को पीटा

बालेश्वर : ओडिशा में बालेश्वर जिले के रेमुणा थाना क्षेत्र में मतांतरण कराने का आरोप लगा दो आदिवासी महिलाओं को एक पेड़ से बांधकर पिटाई कर दी गई। इंटरनेट मीडिया पर संबंधित वीडियो प्रसारित होने के बाद मामला तूल पकड़ लिया है। घटना 26 दिसंबर की बताई जा रही है। मामले में चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। (पेज-7)

मणिपुर के मुख्यमंत्री ने राज्य में हिंसा के लिए मांगी माफी

इंफाल, प्रेट्र : मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने राज्य में हुए जातीय संघर्ष के लिए मंगलवार को माफी मांगी और सभी समुदायों से पिछली गलतियों को भूलने तथा शांतिपूर्ण तरीके से एक साथ रहने की अपील की। उम्मीद जताई कि नए साल में सामान्य स्थिति बहाल हो जाएगी। बता दें कि प्रदेश में कुकी और मैतेयी समुदाय के बीच छिड़ी जातीय हिंसा में 250 से अधिक लोगों की जान गई जबकि हजारों लोग बेघर हो गए।

मुख्यमंत्री ने यहां संवाददाताओं से कहा -'राज्य में जो कुछ हुआ, उसके लिए मैं खेद जताता हूं। कई लोगों ने अपने प्रियजन को खो दिया तो कई को अपना घर छोड़ना पड़ा। मुझे खेद है और मैं माफी मांगता हूं। लेकिन पिछले तीन से चार महीनों में अपेक्षाकृत शांति देखने के बाद मुझे उम्मीद है कि आने वाले वर्ष में सामान्य स्थिति बहाल हो जाएगी।' उन्होंने आगे कहा-' जो कुछ भी हुआ, सो हुआ। मैं सभी समुदायों से अपील करना चाहता हूं कि वे पिछली गलतियों को माफ करें और भूल जाएं तथा शांतिपूर्ण तरीके से नए सिरे से जीवन शुरू करें।'

- बीरेन सिंह ने कहा- अतीत को भूलकर अब नई शुरुआत करने का समय
- सीएम ने उम्मीद जताई- नए साल में सामान्य स्थिति बहाल हो जाएगी

मणिपुर के मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह। प्रेट्र

बीरेन सिंह ने कहा कि मई 2023 में जातीय संघर्ष शुरू हुआ था, लेकिन पिछले कुछ महीनों में राज्य में गोलीबारी की घटनाओं में कमी आई है। मई से अक्टूबर 2023 तक गोलीबारी की 408 घटनाएं हुईं जबकि नवंबर 2023 से अप्रैल 2024 तक 345 घटनाएं। मई 2024 से अब तक गोलीबारी की 112 घटनाएं हुई हैं। लूटे गए हथियारों में से 3,112 बरामद कर लिए गए हैं।

पीएम मणिपुर जाकर यह बात क्यों नहीं कह सकते: कांग्रेस

नई दिल्ली: कांग्रेस ने मणिपुर के मुख्यमंत्री द्वारा राज्य में हुई जातीय हिंसा के लिए माफी मांगने के बाद कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी राज्य का दौरा करके यही बात क्यों नहीं कह सकते। पार्टी के संचार महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि पीएम नरेन्द्र मोदी दुनियाभर की यात्रा तो कर रहे हैं, लेकिन मणिपुर जाने से उन्हें परहेज है। उन्होंने बीरेन सिंह के बयान का वीडियो री-पोस्ट करते हुए एक्स पर अपनी प्रतिक्रिया दी। जयराम ने कहा कि मणिपुर के लोग प्रधानमंत्री द्वारा की जा रही इस उपेक्षा को समझ नहीं पा रहे।

कांगपोकपी में भीड़ की सुरक्षा बलों से झड़प

ताजा घटनाक्रम में मणिपुर के कांगपोकपी जिले में मंगलवार को कुकी-जो महिलाओं के नेतृत्व में भीड़ की सुरक्षा बलों के साथ झड़प हो गई। घटना उयोकचिंग में हुई। भीड़ ने सेना, बीएसएफ और सीआरपीएफ की संयुक्त टीम की तैनाती को बाधित करने की कोशिश की। संयुक्त बलों ने हल्का बल प्रयोग भीड़ को तितर-बितर कर दिया।

उम्मीदें 2025

यह कहानी राज-समाज के उन नायकों की है, जो बिना किसी लोभ लालच के राष्ट्र निर्माण और जन कल्याण में लगे हैं। इनके अनवरत अनथक प्रयास बताते हैं कि अगर आपकी इच्छाशक्ति दृढ़ और प्रयास ईमानदार हैं तो समय को आपकी मुट्ठी में करने से कोई ताकत नहीं रोक सकती। किसी भी पहचान से विरत अपने लक्ष्य में धूनी रमाए ये लोग हर दिन स्वस्थ समाज, सुशिक्षित समाज की तस्वीर बदल रहे हैं। नव वर्ष पर दैनिक जागरण ऐसे ही लोगों और उनके प्रयासों से बदलाव की कहानी आप तक पहुंचाएगा। ● पेज-7

पीएम मोदी ने काव्यात्मक अंदाज में देशवासियों को दी शुभकामना पेज>>7

सप्तरंग

सेहत भरे जीवन का

सेहत का रहेखयाल खुशहाल होगा नया साल

दिनचर्या का अनिवार्य अंग बनेयोग-व्यायाम

● पेज-13

बनेगी व्यवस्था

एकीकृत जल संसाधन प्राधिकरण हर साल करेगा शुल्क की समीक्षा, सबसे अच्छे इस्तेमाल व कम बर्बादी करने वाले क्षेत्रों को मिलेगा प्रोत्साहन

मुफ्त या घटी दर पर पानी देने पर सरकारों को करनी होगी भरपाई

मनीष तिवारी ● जागरण

- मुफ्त पानी ने कई राज्यों में जल बोर्डों की आर्थिक हालत कर दी बेहद खराब
- स्थिति से निपटने के लिए केंद्र सरकार की पहल बनेगी व्यवस्था
- तय करना होगा पानी का टैरिफ

नई दिल्ली : पानी के प्रबंधन को लेकर अपनाई जा रही नई प्रणाली में केंद्र सरकार ने इसकी चिंता की है कि यह सबसे अधिक आवश्यक संसाधन कु-प्रबंधन की भेंट न चढ़ने पाए, खासकर राजनीतिक स्वार्थ को पूरा करने के लिए मुफ्त या घटी दर पर पानी की आपूर्ति की कोशिशों पर विराम लगे। अगर कोई सरकार घटे शुल्क अथवा मुफ्त पानी देने का निर्णय करती है तो उसे इसकी भरपाई जलापूर्ति से संबंधित विभागों को करनी ही होगी ताकि लागत और रखरखाव का खर्च निकाला जा सके।

दिल्ली सरीखे राज्यों में सरकार की ओर से दिए जा रहे मुफ्त पानी ने जल बोर्ड को इस हद तक दिवालिया बना दिया है कि उसके लिए रखरखाव का खर्च तक निकालना मुश्किल हो गया है। वित्त विभाग की एक रिपोर्ट के मुताबिक बोर्ड को हर साल 1200 करोड़ रुपये का नुकसान हो रहा है। यही स्थिति कर्नाटक में भी है, जहां उपमुख्यमंत्री और जल संसाधन मंत्री डीके शिवकुमार ने स्वीकार किया कि बेंगुलुरु में स्थिति इतनी खराब है कि पानी का शुल्क 20 से 30 प्रतिशत बढ़ाने के अलावा कोई विकल्प नहीं, क्योंकि जल बोर्ड के स्टाफ का वेतन भी नहीं निकल पा रहा है। उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र जैसे राज्यों का हाल भी इसी तरह का है।

मुफ्त पानी की राजनीति पर लगेगी लगाम। प्रतीकात्मक

केंद्र सरकार की पहल पर राज्यों में एकीकृत जल संसाधन प्राधिकरण बन जाने के बाद यह स्थिति समाप्त हो सकती है। इससे संबंधित विधेयक में कहा गया है कि राज्य जल एकीकृत जल संसाधन प्राधिकरण (आइडब्ल्यूआरएम) को पूरे प्रदेश के लिए हर सेक्टर और प्रयोगकर्ताओं के लिए पानी का टैरिफ तय करना होगा। इनमें सिंचाई, घरेलू इस्तेमाल, औद्योगिक क्षेत्र शामिल हैं। इन टैरिफ की हर साल समीक्षा होगी और इन्हें संशोधित किया जाएगा। अगर हर साल यह काम नहीं हो सकता तो अधिकतम तीन साल के भीतर तो अनिवार्य रूप से इसे किया जाना चाहिए।

टैरिफ का निर्धारण जिन सिद्धांतों के आधार पर किया जाएगा, उनमें सबसे पहला संचालन, रखरखाव और वितरण में आई लागत की वसूली है। दूसरा मानक अलग-अलग सेक्टरों की जरूरत और उनका प्रदर्शन।

इसके साथ ही पानी के बुनियादी ढांचे के निर्माण में लगी पूंजी की चरणबद्ध तरीके से वसूली। शुल्क तय करने में यह भी ध्यान रखा जाएगा कि पानी का सबसे अच्छे तरीके से इस्तेमाल कहां किया जा रहा है और बर्बादी को कम से कम रखने वाले सेक्टर कौन से हैं। शुल्क अत्यधिक न हो, इसके लिए लोगों की क्षमता का भी ध्यान रखना होगा। अलग-अलग क्षेत्रों और जल का उपयोग करने वाले लोगों के बीच आवंटन, वितरण और मूल्य निर्धारण में समानता होनी चाहिए।

****

10 लाख रिश्वत लेते पकड़े गए पूर्व सीबीआइ इंस्पेक्टर का मेडल छिना

नई दिल्ली, प्रेट्र : दस लाख रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार होने के बाद सेवा से बर्खास्त किए गए सीबीआइ के इंस्पेक्टर राहुल राज से सरकार ने 'जांच में उत्कृष्टता के लिए केंद्रीय गृह मंत्रालय का पदक' वापस ले लिया है। उन्हें और 14 अन्य सीबीआइ अधिकारियों को यह पदक वर्ष 2023 में प्रदान किया गया था।

- मप्र में रिश्वतखोरी मामले में गिरफ्तारी पर राहुल राज पर की गई कार्रवाई
- वर्ष 2023 में उत्कृष्ट सेवा के लिए दिया गया था मेडल

सीबीआइ निदेशक प्रवीण सूद की सिफारिश पर यह कार्रवाई की गई है जिन्होंने एजेंसी की आंतरिक सतर्कता प्रक्रिया में भ्रष्ट पाए गए तत्वों पर कार्रवाई की है। एक अधिकारी ने बताया कि प्रतिष्ठित पदक से सम्मानित राज को मध्य प्रदेश के मलय कालेज आफ नर्सिंग के चेयरमैन अनिल भास्करन एवं उनकी पत्नी सुमा अनिल से 10 लाख रुपये रिश्वत लेते हुए 19 मई, 2024 को रंगे हाथों पकड़ा गया था। सीबीआइ ने यह कार्रवाई उसको मिले इनपुट और आंतरिक सतर्कता इकाई की रिपोर्ट के आधार पर की थी जिसमें कहा गया था कि मध्य प्रदेश में नर्सिंग कालेजों में बुनियादी ढांचे की जांच के लिए हाई कोर्ट के आदेश पर गठित सपोर्ट टीमों से एक भ्रष्टाचार में लिप्त है।

सीबीआइ ने अपने अधिकारी को गिरफ्तारी के कुछ दिनों के भीतर बर्खास्त कर दिया। उनके पदक को रद करने की भी सिफारिश की, जिसे गृह मंत्रालय ने स्वीकार कर लिया है। 2023-24 में तीन सीबीआइ अधिकारियों को अनुच्छेद-311 के तहत बिना जांच के बर्खास्त कर दिया गया।

3 दिन जनवरी के पहले हफ्ते में तापमान थोड़ा ज्यादा ही रहेगा, पांच अथवा छह तारीख को हल्की वर्षा भी हो सकती, इससे एक बार फिर ठंड बढ़ जाएगी।

www.jagran.com राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
बुधवार 1 जनवरी, 2025

आज का मौसम

स्मॉग एवं मध्यम श्रेणी का कोहरा रहने की संभावना है। शाम एवं रात के समय भी यही स्थिति रहेगी।

पूर्वानुमान	अधिकतम	न्यूनतम
दिल्ली		
1 जनवरी	17.0	8.0
2 जनवरी	18.0	9.0
नोएडा		
1 जनवरी	18.0	9.0
2 जनवरी	21.0	11.0
गुरुग्राम		
1 जनवरी	16.0	10.0
2 जनवरी	18.0	11.0

डिग्री सेल्सियस में

न्यूज गैलरी

कबूतरों को दाना खिलाने पर प्रतिबंध लगाने को याचिका

नई दिल्ली : राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) में आठवीं कक्षा के एक 13 वर्षीय छात्र ने याचिका दायर कर सार्वजनिक स्थानों पर कबूतरों को दाना खिलाने पर रोक लगाने और पक्षियों के लिए दाना बेचने वाले सभी अवैध विक्रेताओं को हटाने के लिए दिल्ली सरकार से अनुरोध किया है। याचिकाकर्ता अरमान पल्लीवाल ने अपने अधिवक्ता के माध्यम से दायर याचिका में एक अखबार में प्रकाशित रिपोर्ट का हवाला दिया। (जास)

आप सहसचिव सरबजीत सिंह समेत कई कांग्रेस में शामिल

नई दिल्ली : प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने सोमवार को कहा कि आम आदमी पार्टी का जहाज डूब रहा है। दिल्ली की जनता सहित इनके मंत्री, विधायक, पार्षद और क्षेत्रीय नेताओं का भी अरविंद केजरीवाल के प्रति मोह भंग हो चुका है। पार्टी में भ्रष्टाचार और कुशासन के कारण भगदड़ मची हुई है। यादव ने सोमवार को बादली विधानसभा से आम आदमी पार्टी के सहसचिव सरबजीत सिंह, 2020 के विधानसभा चुनाव के स्टार प्रचारक फरीद शाह सहित मुस्तफाबाद विधानसभा से पार्टी के पूर्व निगम पार्षद परवीन और मोहम्मद मारुफ एवं 2022 में निगम चुनाव में बीएसपी प्रत्याशी रजनी सूर्यवंशी को कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण कराकर उन्हें पार्टी का पटका पहना कर कांग्रेस में शामिल कराया। (राब्यू)

विनोद गर्ग आम आदमी पार्टी में हुए शामिल

नई दिल्ली : राजेंद्र नगर विधानसभा क्षेत्र के रहने वाले समाजसेवी दुलीचंद गर्ग के बेटे विनोद गर्ग मंगलवार को आम आदमी पार्टी में शामिल हो गए। आप विधायक दुर्गेश पाठक ने कहा कि पिता के समाज सेवा कार्य को आगे बढ़ा रहे गर्ग पार्टी में शामिल हुए हैं। पाठक ने पटका और टोपी पहनाकर उन्हें पार्टी की सदस्यता दिलाई। पाठक ने कहा कि गर्ग और उनका परिवार सालों से कई सामाजिक कार्य कर रहा है। (राब्यू)

केजरीवाल ने अब शुरू किया पुजारी-ग्रंथी सम्मान योजना के लिए पंजीकरण

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने मंगलवार को मरघट वाले बाबा हनुमान मंदिर से 'पुजारी-ग्रंथी सम्मान योजना' की शुरुआत की। उन्होंने पुजारी सावित्री देवी का पंजीकरण किया। पहले उन्होंने कनाट प्लेस स्थित हनुमान मंदिर से योजना की शुरुआत करने की घोषणा की थी, लेकिन भाजपा के विरोध की घोषणा और मंदिर परिसर में एकत्र हुए पुजारियों की नारेबाजी के बाद स्थान बदल दिया गया। दूसरी ओर, मुख्यमंत्री आतिशी ने करोल बाग स्थित संत सुजान सिंह महाराज गुरुद्वारा पहुंचकर ग्रंथियों का पंजीकरण किया।

अरविंद केजरीवाल ने एक्स पर लिखा, भाजपा ने मंगलवार को पंजीकरण प्रक्रिया रोकने की पूरी कोशिश की, लेकिन भक्त को अपने भगवान से मिलने से कोई नहीं रोक सकता। केजरीवाल पत्नी सुनीता केजरीवाल के साथ मंदिर पहुंचे थे। इससे पहले उन्होंने लिखा कि भाजपा वाले मुझे कल से गालियां दे रहे हैं। मेरा उनसे प्रश्न है - मुझे गाली देने से देश को क्या फ़ायदा होगा। आपकी 20 राज्यों में सरकारें हैं। अभी तक आपने वहां पुजारियों और ग्रंथियों का सम्मान क्यों नहीं किया। मरघट बाबा हनुमान मंदिर के पुजारी वैभव शर्मा ने कहा कि केजरीवाल एक पुस्तिका लेकर आए थे और उन्होंने मुख्य पुजारी सावित्री देवी का पंजीकरण किया। हमने कहा कि मंदिर में 12 पुजारी हैं। उन्हें 15 हजार, 16 हजार और 25 हजार रुपये तक वेतन दिया जाता है। वह उन पुजारियों की सहायता करें, जिन मंदिरों पर कम श्रद्धालु आते हैं।

मरघट वाला हनुमान मंदिर में पत्नी सुनीता के साथ पहुंचे अरविंद केजरीवाल ने मुख्य पुजारी सावित्री देवी का पंजीकरण कराकर पुजारी-ग्रंथी सम्मान योजना की शुरुआत की। जागरण

पुजारियों के वेतन के मुद्दे को आम आदमी पार्टी ने छीना

भाजपा मंदिरों के पुजारियों को वेतन देने का जो मुद्दा जोरशोर से उठा रही थी, दिल्ली विधानसभा चुनाव में आप ने पुजारी-ग्रंथी सम्मान योजना की घोषणा कर इस मुद्दे को छीन लिया है। इससे पहले भाजपा ने यह मुद्दा वर्ष 2019 में उस समय उठाया था, जब आप सरकार ने मस्जिदों के इमाम का वेतन बढ़ाकर 18 हजार करने की घोषणा की थी।

रुके वेतन की मांग के लिए पूर्व सीएम के आवास का घेराव करेंगे इमाम

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

दिल्ली के इमामों व मुअज्जिनों के बकाया वेतन को लेकर आल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआइएमआइएम) ने दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के आवास के घेराव की तैयारी की है। पुजारियों-ग्रंथियों को प्रतिमाह सम्मान राशि देने की घोषणा को दिल्ली के मुस्लिमों के लिए तमाचा बताया है। एआइएमआइएम दिल्ली के अध्यक्ष शोएब जामई ने कहा कि केजरीवाल दिल्ली के पुजारियों को 18-18 हजार रुपये देंगे। उन लोगों को इस पर आपत्ति नहीं है, लेकिन जब दिल्ली के तमाम इमाम वेतन की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्हें पिछले 17-18 माह से वेतन नहीं मिल रहा है।

शोएब जामई ने कहा कि जो मुसलमानों के तथाकथित मसीहा कहलाते थे, आज वो मुस्लिमों के मुद्दे पर वाले इमामों के प्रतिनिधिमंडल से नहीं मिलते हैं। एआइएमआइएम के प्रवक्ता हाजी मेहरबोन रंगरेज ने बताया कि बुधवार को इमामों और मुअज्जिन के साथ पूर्व सीएम आवास के बाहर प्रदर्शन किया जाएगा।

इमाम संगठन ने पुजारियों-ग्रंथियों को चेताया

रुके वेतन की मांग को लेकर आंदोलनरत दिल्ली के इमामों ने पुजारियों-ग्रंथियों को चेताया है। कहा कि वह लोग दिल्ली सरकार से अपने 18 माह से रुके वेतन की मांग कर रहे हैं, जो नहीं मिल रहा है, जबकि आप द्वारा अब पुजारियों व ग्रंथियों को सम्मान राशि देने के लिए पंजीकरण शुरू किया गया है। यह चुनाव के लिए प्रलोभन है। यह कब तक मिलेगा पता नहीं, इसलिए सोच-समझकर निर्णय लें।

डीयू में सीईएस के जरिये हर आयु वर्ग के लोगों के लिए पढ़ाई का मौका

जासं, नई दिल्ली : दिल्ली विश्वविद्यालय ने कम्पिटेन्स इन्हेंसमेंट स्कीम (सीईएस) के लिए इच्छुक उम्मीदवारों से आवेदन आमंत्रित किए हैं। योजना के तहत विभागों में दूसरे व चौथे सेमेस्टर और कालेजों के दूसरे, चौथे और छठवें सेमेस्टर के लिए शैक्षणिक सत्र 2024-25 में प्रस्तुत किए जाने वाले पेपरों के लिए आवेदन किए जा सकते हैं। सीईएस में पंजीकरण के लिए आवेदन 28 दिसंबर से शुरू हो चुके हैं और आठ जनवरी तक किए जा सकते हैं।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसार डीयू सीईएस के तहत किसी भी आयु के शिक्षार्थियों को अपने विभागों और कालेजों द्वारा प्रस्तुत मौजूदा पाठ्यक्रमों के नियमित छात्रों के साथ नामांकित होने और अध्ययन करने का अवसर प्रदान करता है। इस योजना का उद्देश्य उन लोगों के शैक्षिक सपनों को पूरा करना है जिन्हें किन्हीं कारणों से अवसर नहीं मिल पाया था। वह व्यक्ति योजना के तहत नवीनतम तकनीक, ज्ञान और नवाचार का उपयोग करके शैक्षणिक और व्यावसायिक कौशल को उन्नत कर सकते हैं।

भाटिया बोले, अरविंद देश के सबसे झूठे व बेईमान नेता, गंदी राजनीति के लिए कर रहे बच्चों का इस्तेमाल

जमीन खिसकी तो सनातन विरोधी केजरीवाल को याद आ रहे हैं हिंदू और सिख : भाजपा

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

पुजारियों और ग्रंथियों को 18 हजार रुपये प्रतिमाह देने का वादा करने वाले आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल को भाजपा ने देश का सबसे झूठा और बेईमान नेता बताया है। भाजपा प्रवक्ता गौरव भाटिया ने कहा कि पैरों तले से जमीन खिसकी तो अब सनातन विरोधी केजरीवाल को हिंदू और सिख याद आ रहे हैं। तुष्टिकरण की राजनीति करने वाले ये वही केजरीवाल हैं, जिन्होंने हिंदुओं के पवित्र स्वास्तिक को झाड़ू से मारते हुए फोटो इंटरनेट मीडिया पर साझा किया था। साथ ही दिल्ली में मंदिरों और गुरुद्वारों के बाहर शराब की दुकानें खुलवाईं।

भाजपा प्रवक्ता भाटिया ने मंगलवार को आरोप लगाया कि दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और वर्तमान मुख्यमंत्री आतिशी मार्लेना अपनी गंदी राजनीति की स्वार्थपूर्ति के लिए मासूम और अबोध बच्चों का इस्तेमाल कर रहे हैं। 30 दिसंबर को राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने एक आदेश पारित किया, जिसमें कहा गया कि अरविंद केजरीवाल और आतिशी मार्लेना के एक्स पोस्ट में बच्चों को राजनीति में घसीटते हुए उनके भविष्य को अंधकारमय बनाने का कृत्य स्वीकार नहीं किया जाएगा। इस एक्स पोस्ट को तुरंत हटाया जाए। इसके बावजूद उन्होंने अभी तक पोस्ट को नहीं हटाया है। यह कारनामा जुवेनाइल जस्टिस एक्ट-2015 और निर्वाचन आयोग की गाइडलाइन का उल्लंघन है।

भाजपा प्रवक्ता ने केजरीवाल की नमाज पढ़ते हुए की तस्वीर दिखाते हुए कहा कि केजरीवाल का हिंदू विरोधी सोच उजागर हो चुका है। सनातन विरोधी केजरीवाल अब नए-नए वादे कर रहे हैं कि पुजारियों और ग्रंथियों को 18 हजार रुपये प्रति माह देंगे, जबकि मौलवियों को 18 हजार रुपये प्रति माह देने का वादा किया था, लेकिन उन्हें 17 महीनों से वह पैसा नहीं मिला। भाटिया ने दावा किया कि आम आदमी पार्टी ने अब तक अपना कोई वादा पूरा नहीं किया है। जब दिल्ली की जनता के सामने रिपोर्ट कार्ड पेश करने का समय आया है तो केजरीवाल अब नए-नए झूठे वादों को लेकर आए हैं।

गौरव भाटिया। फाइल

पश्चिमी दिल्ली की 10 विधानसभा सीटों की 'चार्जशीट' जारी की

सांसद कमलजीत सहरावत ने आप की महिला सम्मान योजना को भ्रामक करार दिया

सांसद कमलजीत सहरावत ने अपने संसदीय क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले सभी विधानसभा क्षेत्रों के विधायकों के खिलाफ जारी की चार्जशीट जागरण >>

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

पश्चिमी दिल्ली की सांसद कमलजीत सहरावत ने महावीर नगर स्थित भाजपा कार्यालय में संसदीय क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले 10 विधानसभा क्षेत्रों के चार्जशीट जारी की। विधायकों पर क्षेत्र की अनदेखी का आरोप लगाया व केजरीवाल पर निशाना साधा।

सहरावत ने कहा कि चुनाव के समय महिला सम्मान योजना की भ्रामक बात करते हैं। दिल्ली सरकार के ही स्वास्थ्य एवं महिला कल्याण विभाग ने साफ कहा है कि ऐसी कोई योजना नहीं है। आप का ऐसा भ्रामक प्रचार जारी रहा तो कोर्ट जाने पर भी फैसला ले सकते हैं। भाजपा की जिन राज्यों में सरकार है, वहां भी महिलाओं को सम्मान राशि दी जाती है, लेकिन पूरी योजना तैयार करने के बाद। योजना कैसे लागू होगी, धन की व्यवस्था कहां से होगी, इसकी सारी तैयारी पहले की गई। उन्होंने कहा कि पश्चिमी दिल्ली संसदीय क्षेत्र के विधानसभा क्षेत्र में दिल्ली सरकार व निगम से जुड़ी समस्याओं की भरमार है। इस अवसर पर नजफगढ़ जिला भाजपा के अध्यक्ष रमेश शौकंदा, पश्चिमी जिला अध्यक्ष चंद्रपाल बक्शी, नजफगढ़ जोन के चेयरमैन अमित खरखड़ी सहित अनेक व्यक्ति उपस्थित रहे।

आतिशी बोलीं, दिल्ली में मंदिर या बौद्ध धार्मिक स्थल न तोड़ा जाए, एलजी ने किया खारिज

राज्य ब्यूरो, जागरण, नई दिल्ली

मुख्यमंत्री आतिशी ने उपराज्यपाल वीके सक्सेना को एक पत्र लिखकर दिल्ली में मंदिरों और बौद्ध धार्मिक स्थलों को न तोड़ने की मांग की है। उन्होंने कहा है कि इन धार्मिक स्थलों को तोड़ने का आदेश न केवल धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाएगा, बल्कि सामाजिक तनाव भी पैदा कर सकता है। सीएम आतिशी ने उपराज्यपाल से कहा है कि एलजी ने मंदिरों और बौद्ध धार्मिक स्थलों को तोड़ने के निर्देश दिए हैं। दिल्ली में कोई भी मंदिर या धार्मिक स्थल न तोड़ा जाए। उधर उपराज्यपाल वीके सक्सेना के सचिवालय ने पूजा स्थलों को तोड़े जाने के आरोप का खंडन किया है। एलजी सचिवालय ने कहा है कि न तो कोई मंदिर, मस्जिद, चर्च या अन्य पूजा स्थलों को तोड़ा या ध्वस्त किया जा रहा है और न ही इस आशय की कोई फाइल आई है।एलजी सचिवालय ने कहा कि मुख्यमंत्री अपनी और अपने पूर्ववर्ती मुख्यमंत्री की विफलताओं से ध्यान भटकाने के लिए घटिया राजनीति कर रही हैं। उपराज्यपाल की ओर से पुलिस को उन ताकतों के खिलाफ अतिरिक्त निगरानी रखने के सख्त निर्देश दिए गए हैं जो राजनीतिक लाभ के लिए जानबूझकर इस तरह की हरकतें कर सकते हैं।

सीएम आतिशी ने पत्र में कहा कि कोई भी धार्मिक स्थल तोड़ने से लोगों की भावनाएं आहत हो सकती हैं। बौद्ध धार्मिक स्थलों से दलितों की आस्था जुड़ी है। धार्मिक कमेटी ने बिना मुख्यमंत्री को दिखाए मंदिर तोड़ने की फाइल एलजी को भेजी है। सीएम ने अपने पत्र में 22 नवंबर, 2024 को धार्मिक समिति की बैठक के संदर्भ का उल्लेख किया है, जिसमें दिल्ली के कई धार्मिक स्थलों को तोड़ने का आदेश दिया गया था। उन्होंने आरोप लगाया कि इस आदेश में मुख्यमंत्री और दिल्ली के गृह मंत्री को दरकिनार कर सीधे एलजी को फाइल भेजी गई। सीएम ने कहा कि धार्मिक स्थलों का विध्वंस लोगों की धार्मिक भावनाओं को आहत करेगा। मैं आपसे अनुरोध करती हूं कि इन मंदिरों और बौद्ध स्थलों को तोड़ने से बचा जाए।

सीएम आतिशी द्वारा लिखे पत्र में उन धार्मिक स्थलों की सूची भी दी गई है, जिन्हें तोड़ने का प्रस्ताव है।

सीएम आतिशी ने एलजी वीके सक्सेना को लिखा पत्र

वीके सक्सेना और आतिशी। फाइल

पूर्व सीएम झूठे, आतिशी व संजय पर करूंगा मानहानि का केस : संदीप

राज्य ब्यूरो, जागरण • नई दिल्ली

वरिष्ठ कांग्रेस नेता संदीप दीक्षित ने मंगलवार को कहा कि दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी और आम आदमी पार्टी (आप) सांसद संजय सिंह ने उन पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से पैसे लेने के झूठे आरोप लगाए हैं, इसलिए वह इन दोनों के खिलाफ मानहानि का मामला दर्ज कराएंगे। उन्होंने यह भी कहा कि वह इस मुकदमे में 10 करोड़ रुपये की मांग करेंगे तथा यह राशि मिलने पर पांच करोड़ यमुना नदी की सफाई और पांच करोड़ प्रदूषण पर अंकुश लगाने के लिए दान करेंगे। पूर्व सांसद दीक्षित ने कांस्टीट्यूशन क्लब में पत्रकार वार्ता के दौरान कहा कि आप संयोजक अरविंद केजरीवाल 'पैथोलाजिकल लायर' (आदतन झूठे) हैं क्योंकि उन्होंने पिछले 13 वर्षों में जितने आरोप लगाए तथा दावे किए, उन्हें साबित नहीं कर पाए।

नई दिल्ली विधानसभा क्षेत्र से केजरीवाल के खिलाफ चुनाव लड़ रहे दीक्षित ने कहा कि केजरीवाल ने उनकी दिवंगत मां और पूर्व मुख्यमंत्री शीला दीक्षित को बेबुनियाद आरोप लगाकर बदनाम किया था, लेकिन आज तक कोई सुबूत नहीं दे सके। दीक्षित ने कहा, पांच छह दिन पूर्व सीएम आतिशी और सांसद संजय सिंह ने कहा था कि मैं भाजपा से पैसे ले रहा हूं। जिस दिन उन्होंने आरोप लगाए, उसी दिन पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का निधन हो गया। इसलिए हम जवाब में संवाददाता सम्मेलन नहीं कर पाए।

नई दिल्ली से कांग्रेस प्रत्याशी संदीप दीक्षित।

कहा, यह राशि मिलने पर पांच करोड़ रुपया यमुना नदी की सफाई और पांच करोड़ रुपये प्रदूषण पर अंकुश लगाने के लिए दान करेंगे

2024 के चार माह में 2023 के मुकाबले साफ रही हवा : सीएक्यूएम

राज्य ब्यूरो, जागरण • नई दिल्ली : राजधानी में इस साल चार माह ऐसे रहे हैं, जब हवा पिछले साल के मुकाबले हवा साफ रही है। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने वायु प्रदूषण के स्तर का विश्लेषण के आधार पर इसका आंकलन किया है। आयोग के मुताबिक, 2024 में फरवरी, अगस्त, सितंबर और दिसंबर के महीने ऐसे रहे हैं, जब महीने का औसत एक्यूआइ 2023 से बेहतर रहा है। बाकी महीनों में 2023 की तुलना में औसत एक्यूआइ ज्यादा रहा है। 2024 में फरवरी का औसत एक्यूआइ 218 रहा। 2023 के फरवरी का 237 रहा था।

इसी प्रकार, अगस्त का पिछले साल के औसत एक्यूआइ 116 के मुकाबले इस बार 72, सितंबर का पिछले साल के औसत एक्यूआइ 108 के मुकाबले इस साल 105 और दिसंबर का पिछले साल के औसत एक्यूआइ 348 के मुकाबले इस साल 294 रहा है। 2024 के अंतिम दिन दिल्ली का एक्यूआइ 283 यानी खराब श्रेणी में दर्ज किया गया।

विधानसभा का विशेष सत्र बुलाने के लिए स्पीकर कक्ष में भाजपा विधायकों का धरना

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

कैग की 14 रिपोर्ट सदन पटल पर रखने के लिए दिल्ली विधानसभा का विशेष सत्र बुलाने की मांग को लेकर भाजपा विधायकों ने मंगलवार को स्पीकर कक्ष में धरना दिया। साथ ही स्पीकर को ज्ञापन सौंपकर उनसे सरकार को इस संबंध में निर्देश देने की मांग की। बाद में दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि सरकार ने बेशर्मी की सभी हदें पार कर ली हैं। चौतरफा दबाव के बावजूद इस मामले में जानबूझकर देरी कर रही है ताकि सरकार का कार्यकाल किसी तरह पूरा हो जाए और इन रिपोर्ट में छिपी उसके भ्रष्टाचार की कहानी जनता के सामने न आ सके।

विधानसभा अध्यक्ष कक्ष में धरना देने वालों में नेता प्रतिपक्ष विजेंद्र गुप्ता के साथ भाजपा विधायक मोहन सिंह बिष्ट, ओम प्रकाश शर्मा, अभय वर्मा, अजय महावर, अनिल बाजपेयी और जितेंद्र महाजन शामिल थे। विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि 19 दिसंबर को भी भाजपा विधायक दल स्पीकर से मिला था। ज्ञापन में कहा गया है कि कैग ने सरकार के विभिन्न विभागों का आडिट करते हुए वर्ष 2017-18 से 2021-22 तक 14 रिपोर्ट सरकार को प्रस्तुत कीं। ये रिपोर्ट पिछले दो वर्षों से सरकार के पास लंबित हैं । दिल्ली हाई कोर्ट ने सुनवाई के दौरान स्पीकर को नोटिस भेजकर जवाब देने को कहा था। 24 दिसंबर को सुनवाई के दौरान सरकार ने उच्च न्यायालय को सूचित किया कि कैग रिपोर्ट उसी दिन सचिव, विधानसभा को भेजी जा चुकी हैं। अगली सुनवाई नौ जनवरी को होनी है। गुप्ता ने कहा कि वर्तमान विस का कार्यकाल आगामी फरवरी में समाप्त हो रहा है और चुनाव की घोषणा कभी भी हो सकती है। ऐसे में विशेष सत्र बुलाने की तत्काल आवश्यकता है।

विधानसभा में स्पीकर के कक्ष में धरना देते भाजपा के विधायक। जागरण

चिकित्सा सेवा से असंतोष को डाक्टरों की लापरवाही नहीं माना जाएगा : हाई कोर्ट

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली : दिल्ली हाई कोर्ट ने एक व्यक्ति की पत्नी की मौत पर डाक्टरों के खिलाफ कार्रवाई की मांग वाली याचिका खारिज कर दी। न्यायमूर्ति संजीव नरूला ने कहा कि डाक्टरों को मरीज के परिवार द्वारा निर्धारित अपेक्षाओं या समय-सीमा से बंधा नहीं होना चाहिए। चिकित्सा लापरवाही केवल असंतोष के दावे से तय नहीं होती है। यदि कोई डाक्टर उचित कौशल और क्षमता के साथ कर्तव्यों का निर्वहन करता है, तो उसे लापरवाह नहीं माना जा सकता है।

हाई कोर्ट ने याचिका खारिज करते हुए कहा कि वो चिकित्सा लापरवाही जैसे मामलों में विशेषज्ञ संस्थानों के निष्कर्षों का पुनर्मूल्यांकन नहीं कर सकता है। याचिकाकर्ता ने दावा किया कि वर्ष 2016 में एक निजी अस्पताल में कुछ डाक्टरों की चिकित्सा लापरवाही के कारण उनकी पत्नी की मृत्यु हो गई थी। उन्होंने तीन डाक्टरों के खिलाफ दायर याचिका में राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) से अनुरोध किया कि वह उन्हें लापरवाही के लिए यथासंभव दंडित करे।

आवेदन

करीब पांच लाख आवेदनों में तीन लाख से अधिक महिलाएं हैं, नई दिल्ली विस क्षेत्र में भी आठ हजार में से छह हजार महिलाएं, पहली बार मतदाता बनने वालों में नई दिल्ली की युवतियां सर्वाधिक

नई दिल्ली में मतदाता बनने को महिलाएं आगे

अजय राय • जागरण

नई दिल्ली : राष्ट्रीय राजधानी को छह बार मुख्यमंत्री देने वाला नई दिल्ली विधानसभा क्षेत्र राजनीतिक दलों के लिए सबसे बड़ा रणक्षेत्र बना हुआ है। यहां मतदाता सूची में मतदाताओं के नाम काटने और जोड़ने को लेकर सत्ताधारी आम आदमी पार्टी और भाजपा एक दूसरे पर आरोप प्रत्यारोप लगा रहे हैं। राजनीतिक बयानबाजी के बीच राजधानीवासी मतदाता पहचान पत्र बनवाने के लिए बड़ी संख्या में आवेदन कर रहे हैं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय के डाटा के अनुसार करीब पांच लाख लोगों ने वोटर कार्ड बनवाने के लिए फार्म छह भरा है। इन आवेदकों में सबसे अधिक महिलाएं हैं।

दिल्ली में आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर तैयारियों में जुटे चुनाव आयोग छह जनवरी को अंतिम मतदाता सूची जारी करेगा। इसी क्रम में 28 नवंबर से 24 दिसंबर तक पूरी दिल्ली में मतदाता सूची में नाम जोड़वाने के लिए फार्म-छह 4.8 लाख लोगों ने भरा है। सूत्रों के मुताबिक, इसमें करीब 3.20 लाख आवेदक महिलाएं हैं और 1.20 लाख पुरुष हैं। वहीं, नाम कटवाने के लिए फार्म-सात 82,450 लोगों ने भरा है। इसमें सर्वाधिक पुरुष हैं। नई दिल्ली क्षेत्र में भी सूची में नाम जोड़वाने को लेकर लोगों में उत्साह है। यहां 29 दिसंबर तक फार्म-छह के तहत 8,194 आवेदन मिले हैं। इसमें पांच हजार से अधिक आवेदन महिलाओं के हैं और तीन हजार पुरुषों के हैं। इसमें 1,030 आवेदन पहली बार मतदान करने वालों के हैं। इसमें 659 युवतियां और 371 युवक हैं। इसी प्रकार फार्म-सात के अंतर्गत कुल छह हजार आवेदन किए गए। इसमें 3,386 पुरुषों और 2,636 महिलाओं ने आवेदन किया है। इसमें अधिकांश आवेदन आनलाइन माध्यम से किया गया है।

नई दिल्ली निर्वाचन कार्यालय के बाहर आवेदक। जागरण

दृष्टिबाधित युवा मतदाताओं के लिए ईवीएम का किया विशेष प्रदर्शन

दृष्टिबाधित मतदाताओं को ईवीएम की विशेषताओं से परिचित कराने और लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए नई दिल्ली निर्वाचन कार्यालय ने एक विशेष आयोजन किया। ब्लाइंड रिलीफ एसोसिएशन के सहयोग से दृष्टिबाधित युवा मतदाताओं को सशक्त बनाने पर ध्यान केंद्रित करते हुए इलेक्ट्रानिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) और वोटर वेरिफिएबल पेपर आडिट ट्रेल (वीवीपीएटी) सिस्टम से परिचित कराया गया।

दृष्टिबाधित युवा मतदाताओं के लिए विशेष सत्र का आयोजन किया गया। सौ.- जिला प्रशासन

जनकपुरी-कृष्णा पार्क एक्सटेंशन पर इस हफ्ते हो सकती है शुरू मेट्रो

राज्य ब्यूरो, जागरण • नई दिल्ली

फेज चार के जनकपुरी पश्चिम-कृष्णा पार्क एक्सटेंशन कारिडोर पर चार माह से मेट्रो परिचालन शुरू होने का इंतजार है। अभी तक इस कारिडोर पर मेट्रो का परिचालन शुरू करने के लिए कोई तारीख घोषित नहीं हुई है लेकिन दिल्ली विधानसभा चुनाव की घोषणा से पहले फेज चार में निर्माणाधीन जनकपुरी पश्चिम-आरके आश्रम कारिडोर के इस हिस्से पर मेट्रो का परिचालन शुरू होने की उम्मीद है। इसके लिए तैयारी भी है। इस कारिडोर पर परिचालन शुरू होने के साथ-साथ रिठाला-कुंडली कारिडोर के निर्माण का शिलान्यास भी हो सकता है।

29.26 किलोमीटर लंबी निर्माणाधीन जनकपुरी पश्चिम-आरके आश्रम मेट्रो लाइन वर्तमान मजेंटा लाइन की विस्तार परियोजना है। मौजूदा समय में मजेंटा लाइन पर नोएडा के बोटैनिकल गार्डन से जनकपुरी पश्चिम तक मेट्रो सेवा उपलब्ध है। जनकपुरी पश्चिम से आगे करीब दो किमी का भूमिगत कारिडोर बनकर तैयार है। मेट्रो रेल संरक्षा आयुक्त (सीएमआरएस) ने 30 जुलाई को इस कारिडोर के मेट्रो ट्रैक, सिग्नल सिस्टम, कृष्णा पार्क एक्सटेंशन मेट्रो स्टेशन के प्लेटफार्म, कंट्रोल रूम इत्यादि के मानकों का निरीक्षण किया था और अगस्त में ही परिचालन शुरू करने की तैयारी थी।

मेट्रो का परिचालन शुरू होने की उम्मीद। फाइल

जीएसएलवी मिशन के साथ इसरो 100वीं लांचिंग की तैयारी में जुटा

इसी महीने करेगा नेविगेशन उपग्रह एनवीएस -02 का प्रक्षेपण

श्रीहरिकोटा, प्रेट्र: वर्ष 2024 में एक के बाद एक कामयाबी हासिल करने के बाद इसरो नए वर्ष में भी इतिहास के सुनहरे अध्याय लिखने जा रहा है। इसरो जनवरी में ही श्रीहरिकोटा के अंतरिक्ष केंद्र से जियोसिंक्रोनस लांच व्हीकल (जीएसएलवी) मिशन के साथ लांचिंग का शतक लगाएगा। इसरो ने एक दिन पहले ही पीएसएलवी-सी-60 राकेट से स्पैडेक्स मिशन लांच किया था। यह श्रीहरिकोटा से 99वीं सफल लांचिंग थी। मिशन के तहत पीएसएलवी-सी60 राकेट ने दो छोटे अंतरिक्ष यानों चेजर और टारगेट को 475 किलोमीटर की वृत्ताकार कक्षा में स्थापित कर दिया है। उम्मीद है कि डाकिंग प्रक्रिया संभवतः सात जनवरी को पूरी होगी। स्पैडेक्स मिशन के साथ भारत डाकिंग और अनडाकिंग क्षमता वाला चौथा देश बनेगा। इस समय दुनिया में सिर्फ तीन देश- अमेरिका, रूस और चीन अंतरिक्षयान को अंतरिक्ष में डाक करने में सक्षम हैं। अंतरिक्षयान से दूसरे अंतरिक्षयान के जुड़ने को डाकिंग और जुड़े दो अंतरिक्ष यानों के अलग होने को अनडाकिंग कहते हैं।

इसरो अध्यक्ष एस. सोमनाथ ने सोमवार को कहा, हम जनवरी में श्रीहरिकोटा से 100वीं लांचिंग करने जा रहे हैं। इसके तहत जीएसएलवी नेविगेशन उपग्रह एनवीएस-02 को प्रक्षेपित करेंगे। इसरो ने मई 2023 में एनवीएस-01नेविगेशन उपग्रह को लांच किया था। एनवीएस-01 नेविगेशन विद इंडियन कांस्टिलेशन (नाविक) सेवाओं के साथ नेविगेशन के लिए दूसरी पीढ़ी के उपग्रहों में से पहला है। एनवीएस-02 मिशन के साथ नेविगेशन प्रणाली और मजबूत होगी।

नई दिल्ली में मंगलवार को इसरो के स्पैडेक्स मिशन के सफल प्रक्षेपण के संदर्भ में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह। प्रेट्र

डाकिंग सिस्टम विकसित करने वाला दुनिया का चौथा देश बना भारत

केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी राज्यमंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा कि भारत स्वदेशी डाकिंग सिस्टम विकसित करने वाला दुनिया का चौथा देश बन गया है। इसरो का यह मिशन अंतरिक्ष के क्षेत्र में एक नए युग की शुरुआत का प्रतीक है। स्पैडेक्स मिशन छोटे अंतरिक्षयानों के साथ पहला ऐसा मिशन है। नए साल में इसरो सिंथेटिक एपर्चर रडार उपग्रह लांच करने के लिए तैयार है। भारत के पहले मानव अंतरिक्ष मिशन गगनयान के तहत व्योममित्र रोबोट को भी इस वर्ष लांच करने की तैयारी है। मार्च से पहले गगनयान मिशन के लिए क्रू एस्केप सिस्टम के परीक्षण की योजना है। 2025 के अंत तक या 2026 की शुरुआत में गगनयान को लांच किया जाएगा। गगनयान मिशन के तहत अंतरिक्षयात्रियों को 400 किमी की कक्षा में भेजा जाएगा और उन्हें भारतीय समुद्री क्षेत्र में उतारा जाएगा।

छोटे परमाणु रिएक्टर स्थापित करने के लिए मांगे प्रस्ताव

प्रतीकात्मक

नई दिल्ली, प्रेट्र : न्यूक्लियर पावर कारपोरेशन आफ इंडिया लिमिटेड (एनपीसीआइएल) ने मौजूदा कोयला आधारित थर्मल पावर प्लांटों की जगह 220 मेगावाट के छोटे परमाणु रिएक्टर स्थापित करने के लिए मंगलवार को उद्योग जगत से प्रस्ताव आमंत्रित किए।

एनपीसीआइएल के अनुसार, छोटे रिएक्टर उत्कृष्ट प्रदर्शन रिकार्ड के साथ 220 मेगावाट के दबाव वाले भारी पानी रिएक्टर (पीएचडब्ल्यूआर) होते हैं। 220 मेगावाट के भारत स्माल रिएक्टर (बीएसआर) की स्थापना के लिए भारतीय उद्योगों से प्रस्तावों के लिए अनुरोध (आरएफपी) आमंत्रित किया है।

इससे उद्योगों को कार्बन उत्सर्जन से संबंधित करों में बचत होगी। जिससे वैश्विक बाजारों में उनके उत्पादों की प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ेगी। प्राइवेट क्षेत्र के साथ साझेदारी में अगले दशक में 40-50 परमाणु रिएक्टर तैनात करने की सरकार की योजना है। इससे देश में स्वच्छ ऊर्जा के स्रोत बढ़ेंगे और ऊर्जा की उपलब्धता भी बढ़ेगी।

विश्वविद्यालयों में अनधिकृत प्रवेश रोकने के लिए सीसीटीवी से हो निगरानी : एनसीडब्ल्यू

मुंबई, प्रेट्र: राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) की दो सदस्यीय कमेटी के सदस्य प्रवीण दीक्षित ने विश्वविद्यालयों और कालेजों में अनधिकृत प्रवेश को रोकने के लिए सीसीटीवी से निगरानी का सुझाव दिया है। अन्ना विश्वविद्यालय यौन उत्पीड़न मामले की जांच करने वाली इस कमेटी के सदस्य दीक्षित ने सरकारी बसों में सीसीटीवी और कैब में अलार्म बटन लगाए जाने का भी जरूरत जताई।

उन्होंने यह भी कहा कि एफआइआर या प्राथमिकी दर्ज करने के लिए आडियो-विजुअल तकनीक का इस्तेमाल किया जाना चाहिए। यौन उत्पीड़न के मामलों की जांच की निगरानी महिलाओं सहित आइपीएस अधिकारियों द्वारा होनी चाहिए। ऐसे मामलों की सुनवाई भी तेजी से होनी चाहिए।

गौरतलब है कि एनसीडब्ल्यू टीम के सदस्यों ने विश्वविद्यालय परिसर में छात्रा से दुष्कर्म मामले की सोमवार को जांच की। कमेटी की सदस्य मामले की जांच के लिए विश्वविद्यालय पहुंचे थे। अन्ना विश्वविद्यालय की इंजीनियरिंग छात्रा के साथ कैंपस के अंदर दो लोगों ने सामूहिक दुष्कर्म किया था। पुलिस ने इस सिलसिले में ज्ञानशेखरन को गिरफ्तार कर लिया है। दूसरे अभियुक्त की तलाश जारी है।

मामले में स्वतः संज्ञान लेकर एनसीडब्ल्यू ने तथ्यों का पता लगाने के लिए कमेटी का गठन किया था। कमेटी में एनसीडब्ल्यू सदस्य ममता कुमारी और महाराष्ट्र पूर्व पुलिस महानिदेशक प्रवीण दीक्षित शामिल हैं।

दौरे के बाद दीक्षित ने 112 इंडिया एप आपातकालीन सहायता सुविधा को लागू करने और इलेक्ट्रानिक और प्रिंट मीडिया और कालेजों, विश्वविद्यालयों, बस स्टैंड, रेलवे और मेट्रो स्टेशनों जैसे स्थानों पर इसका प्रचार करने का भी सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि यौन उत्पीड़न और छेड़छाड़ के मामलों में पुलिस स्टेशन के प्रभारी अधिकारी द्वारा सीसीटीएनएस (अपराध और आपराधिक ट्रैकिंग नेटवर्क और सिस्टम) की नियमित रूप से जांच की जानी चाहिए ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि पीड़िता की पहचान किसी भी हाल में उजागर नहीं हो।

अन्ना विश्वविद्यालय दुष्कर्म कांड की जांच करने वाली कमेटी के सदस्य ने दिया सुझाव

इन मामलों में एफआइआर दर्ज करने के लिए आडियो-विजुअल तकनीक का इस्तेमाल हो

प्रवीण दीक्षित। फाइल

मदुरै से चेन्नई तक 'न्याय रैली' निकालेगी भाजपा

भाजपा महिला मोर्चा पीड़िता के लिए न्याय की मांग करते हुए मदुरै से चेन्नई तक 'न्याय रैली' निकालेगी। तमिलनाडु प्रदेश भाजपा अध्यक्ष के. अन्नामलाई ने विरोध प्रदर्शन की घोषणा करते हुए आरोप लगाया कि आरोपित द्रमुक से जुड़े रहे हैं। मामले में सच्चाई को छिपाने का प्रयास किया गया। भाजपा की राज्य महिला मोर्चा मदुरै से चेन्नई तक 'न्याय रैली' निकालेगी। रैली तीन जनवरी को मदुरै से रवाना होगी। रैली के समापन पर महिला मोर्चा की मांगों पर तमिलनाडु के राज्यपाल को ज्ञापन सौंपा जाएगा। उन्होंने इस घटना के विरोध में पहले भी वह विरोध जता चुके हैं।

क्वाड का वादा, स्वतंत्र हिंद-प्रशांत क्षेत्र के लिए लगातार करेंगे काम

भारत समेत चार देशों के विदेश मंत्रियों का संयुक्त बयान

क्षेत्र में चीन की बढ़ती सैन्य ताकत के बीच कही यह बात

नई दिल्ली, प्रेट्र: भारत समेत चार देशों के समूह क्वाड ने मंगलवार को स्वतंत्र, खुला और शांतिपूर्ण हिंद-प्रशांत क्षेत्र सुनिश्चित करने की दिशा में लगातार काम करने के अपने वादे को दोहराया। समूह का यह बयान ऐसे समय आया है, जब क्षेत्र में चीन अपनी सैन्य ताकत बढ़ाने में जुटा है। क्वाड में भारत के अलावा अमेरिका, आस्ट्रेलिया और जापान शामिल हैं।

इन देशों के विदेश मंत्रियों ने 'क्वाड सहयोग' की 20वीं वर्षगांठ पर एक संयुक्त बयान जारी कर यह प्रतिबद्धता दोहराई। भारत, अमेरिका, आस्ट्रेलिया और जापान 2004 में हिंद महासागर में आए भूकंप और सुनामी के बाद मदद मुहैया कराने के लिए एक साथ आगे आए थे। इस समूह ने बाद में क्वाड का रूप लिया। विदेश मंत्रियों ने कहा कि क्वाड हिंद-प्रशांत क्षेत्र की भावी की जरूरतों को पूरा करने के लिए मिलकर काम करेगा। उस सुनामी में 14 देशों में लगभग 25 लाख लोगों की जान गई थी और करीब 17 लाख लोग विस्थापित हुए थे।

प्रतीकात्मक

क्वाड ने पिछले कुछ वर्षों में हिंद-प्रशांत क्षेत्र में समुद्री सुरक्षा, बुनियादी ढांचे और संपर्क सुविधा समेत कुछ अहम जरूरतों और चुनौतियों से निपटने के लिए कई कदम उठाए हैं। इस क्षेत्र में चीन लगातार अपनी सैन्य ताकत को बढ़ा रहा है। भारत अगले क्वाड शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेगा, जो 2025 की दूसरी छमाही में हो सकती है।

रोहिंग्याओं का डाटाबेस तैयार हो रहा, कार्रवाई बंद नहीं होगी : सिन्हा

नवीन नवाज • जागरण

जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल ने कहा-अवैध तौर पर घुसे लोगों की पहचान और प्रत्यर्पण एक सतत प्रक्रिया

रोहिंग्याओं को अवैध तौर पर दिए गए बिजली-पानी के कनेक्शन काटने पर जम्मू कश्मीर की नेकां सरकार ने जताई थी आपत्ति

जम्मू: बांग्लादेशी घुसपैठियों और रोहिंग्याओं के प्रति सुरक्षा एजेंसियों द्वारा जताई जा रही चिंताओं पर प्रदेश प्रशासन सतर्क है और उपराज्यपाल मनोज सिन्हा के अनुसार घुसपैठियों के साथ उन्हें शरण देने वालों पर कार्रवाई की जा रही है। प्रशासन और पुलिस मिलकर रोहिंग्याओं का डाटा बेस तैयार कर रहा है। घुसपैठियों को बिजली, पानी और राशनकार्ड की सुविधा देने वाले कानून के अपराधी हैं और कानून अपने स्तर पर काम कर रहा है।

उपराज्यपाल दैनिक जागरण से विशेष बातचीत कर रहे थे। उन्होंने दो टूक कहा कि अवैध प्रवासियों पर कार्रवाई नहीं रोकी जाएगी। यहां बता दें कि रोहिंग्याओं को अवैध तौर पर दिए गए बिजली-पानी के कनेक्शन काटने पर प्रदेश में नेकां सरकार ने आपत्ति जताई थी और मानवीय आधार पर बिजली-पानी के कनेक्शन न काटने का सुझाव दिया था। अब उपराज्यपाल ने साफ कर दिया है कि यह कार्रवाई नहीं थमेगी।

उन्होंने एक सवाल के जवाब में कहा कि अवैध तौर पर घुसे लोगों की पहचान और प्रत्यर्पण एक सतत प्रक्रिया है। बार-बार रोहिंग्याओं के आधार कार्ड और अन्य पहचानपत्र बनाने की शिकायत मिली है और कोई अधिकारी इसमें सम्मिलित है तो कानून उसके अनुसार काम करेगा।

उपराज्यपाल ने शक्तियों और अधिकारों को लेकर निर्वाचित सरकार के साथ किसी भी तरह मतभेद से इन्कार किया। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम में सब कुछ स्पष्ट रूप से परिभाषित है। प्रदेश सरकार के कामकाज तथा संचालन संबंधी विषयों को तय करने के लिए कैबिनेट उपसमिति का गठन किया जा चुका है। वह रिपोर्ट देगी तो उस पर नियमानुसार कार्रवाई होगी। वहीं नशा कारोबारियों और उनके मददगारों के नेटवर्क पर अंतिम प्रहार की तैयारी हो चुकी है।

मनोज सिन्हा। फाइल

निकाय व पंचायत चुनाव जल्द

स्थानीय नगर निकायों और पंचायत चुनावों के बारे में उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने कहा कि हम जम्मू कश्मीर में लोकतांत्रिक संस्थानों को पूरी तरह मजबूत और सशक्त बनाने के लिए संकल्पबद्ध हैं। नगर निकायों और पंचायत चुनाव के लिए संबंधित तैयारी जारी है। प्रदेश चुनाव आयुक्त और उनका कार्यालय सभी औपचारिकताओं को पूरा करने में लगे हैं। जल्द चुनाव कराए जाएंगे।

यहां खुशहाली देख पाकिस्तान के पेट में होता है दर्द

आतंकी हिंसा का उल्लेख किए जाने पर उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने कहा कि लोगों के चेहरों पर सुरक्षा और विश्वास की जो भावना है, वह बता देती है कि जम्मू कश्मीर में अब आतंकियों का दबदबा या डर समाप्त हो चुका है। यह आतंकियों और उनके संरक्षकों की हार है। इस वर्ष मारे गए 75 आतंकियों में 45 विदेशी ही हैं।

उन्होंने कहा कि जम्मू के राजौरी-पुंछ, डोडा-किश्तवाड़ में एक भी स्थानीय आतंकी नहीं है। यह सभी विदेशी आतंकी हैं। हमारे पड़ोसी मुल्क को यहां की शांति, खुशहाली देख पेट में दर्द होने लगता है। आतंकी संगठनों में भर्ती होने वाले स्थानीय युवकों की सबसे कम संख्या है।

जम्मू-कश्मीर में औद्योगिक विकास के केंद्र सरकार से मांगा है अतिरिक्त पैकेज

जम्मू-कश्मीर में औद्योगिक विकास के संदर्भ में उन्होंने कहा कि वर्ष 2021 में केंद्र सरकार ने 28400 करोड़ के पैकेज पर आधारित यह नीति जम्मू कश्मीर के लिए घोषित की थी। इससे जम्मू-कश्मीर में देश-विदेश के निवेशक और उद्योगपति निवेश के लिए प्रोत्साहित हुए। हमारे पास 1.60 लाख करोड़ के प्रस्ताव आए। इनमें से आठ हजार करोड़ की परियोजनाएं क्रियाशील हो चुकी हैं। 19-20 हजार करोड़ की परियोजनाओं पर काम हो रहा है। कई लंबित प्रस्ताव हैं, क्योंकि जमीन आवंटित नहीं हुई है। पैकेज भी खत्म हो गया है। इस पैकेज को और विस्तार देने के लिए हमने केंद्र से आग्रह किया है। जम्मू-कश्मीर में नशीले पदार्थों के बढ़ते मकड़जाल संबंधी सवाल के जवाब में उपराज्यपाल ने कहा कि यह बड़ी चुनौती है। नशा कारोबारियों और उनके मददगारों के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। अब उनकी संपत्तियों को जब्त किया जा रहा है। नशा कारोबारियों, उनके साथियों, संरक्षकों का डेटाबेस तैयार किया जा रहा है ताकि उनके तंत्र के नाश लिए प्रभावी प्रहार किया जा सके। इसे प्रभावी कार्ययोजना को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

परेड की तैयारी...

26 जनवरी को गणतंत्र दिवस के अवसर पर नई दिल्ली में होने वाली मुख्य परेड के लिए मंगलवार को कर्तव्य पथ तैयारी करते नौसेना के जवान। इस परेड में भारतीय सैन्य बल अपनी क्षमता और शौर्य का प्रदर्शन करते हैं। प्रेट्र

सालाना भूजल रिचार्ज में मामूली गिरावट

नई दिल्ली, आइएनएस : भारतीय केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल ने मंगलवार को 2024 के लिए सालाना भूजल गुणवत्ता रिपोर्ट जारी की। भूजल गुणवत्ता का मूल्यांकन केंद्रीय भूजल बोर्ड (सीजीडब्ल्यूबी) और राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों द्वारा संयुक्त रूप से किया गया था। इसका इस्तेमाल विभिन्न हितधारकों द्वारा आवश्यक कदम उठाने और आगे की योजना बनाने के लिए किया जा सकता है।

यह रिपोर्ट भूजल गुणवत्ता निगरानी के लिए मानक संचालन प्रक्रिया यानी एसओपी को अपनाने वाली पहली रिपोर्ट है जो कि डाटा संग्रह, विश्लेषण और व्याख्या में एकरूपता सुनिश्चित करती है। रिपोर्ट में कहा गया है कि 15,200 से अधिक निगरानी स्थानों और 4,982 प्रवृत्ति स्टेशनों पर केंद्रित आकलन से प्राप्त मजबूत डाटासेट के साथ यह रिपोर्ट तैयार की गई है। देश में कुल वार्षिक भूजल रिचार्ज 446.90 अरब घन मीटर(बीसीएम) है, जबकि 2023 की रिपोर्ट के अनुसार, वार्षिक भूजल रिचार्ज 449.08 अरब घन मीटर था।

2023 में पूर्वोत्तर की कुल हिंसा में 77% सिर्फ मणिपुर में : गृह मंत्रालय

ताजा रिपोर्ट में कहा, नक्सली नए क्षेत्रों में घुसपैठ की कर रहे कोशिश

किसी अन्य क्षेत्र में पैर जमाने में नहीं मिल पाई है कोई उल्लेखनीय सफलता

नई दिल्ली, प्रेट्र: केंद्रीय गृह मंत्रालय की ताजा वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2023 में पूर्वोत्तर में हुई कुल हिंसा की 77 प्रतिशत सिर्फ मणिपुर में हुई। मणिपुर तीन मई, 2023 से बहुसंख्यक मैतेयी और आदिवासी कुकी समुदाय के बीच जातीय हिंसा से जूझ रहा है।

रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2023 में पूर्वोत्तर में हुई कुल 243 हिंसक घटनाओं में से 187 मणिपुर में हुई थीं। मणिपुर में उग्रवाद विरोधी अभियानों में 33 उग्रवादी मारे गए और 49 हथियार बरामद हुए। 80 उग्रवादियों ने 31 हथियारों के साथ आत्मसमर्पण किया।

रिपोर्ट में नक्सल प्रभावित इलाकों का भी उल्लेख किया गया है। इसमें बताया गया है कि सुरक्षा बलों की कड़ी कार्रवाई की वजह से नक्सली अंतरराज्यीय सीमाओं के जरिये नए क्षेत्रों में घुसपैठ करने का प्रयास कर रहे हैं, लेकिन उन्हें कोई उल्लेखनीय सफलता नहीं मिल पाई है। अर्धसैनिक बलों व राज्य पुलिस द्वारा नक्सल विरोधी अभियान और नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में एक साथ विकास की पहल जैसे सरकार के बहुआयामी दृष्टिकोण से हिंसक घटनाओं में 48 प्रतिशत की कमी आई है, जो 2013 में 1,136 से घटकर 2023 में 594 रह गई। नागरिकों और सुरक्षा बलों की मौतों में भी 65 प्रतिशत की कमी देखी गई, जो 2013 में 397 की तुलना में 2023 में 138 हुई। सरकार ने मार्च 2026 तक देश को नक्सल हिंसा से मुक्त करने का लक्ष्य तय किया है।

असम के कछार जिले के चार गांव बाल विवाह मुक्त : हिमंत

गुवाहाटी, प्रेट्र: असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने बताया कि राज्य के कछार जिले के चार गांवों को बाल विवाह मुक्त घोषित किया गया है। बालिकाओं के जनकल्याण के ध्यान केंद्रित करने की पहल पर यह उपलब्धि हासिल हुई है।

भाजपा नेता सरमा ने एक्स पर एक पोस्ट में बताया कि बाल विवाह के खिलाफ असम ने कड़ा रुख अपनाया है। इसलिए प्रदेश भर में इस सामाजिक कुरीति के खिलाफ ताबूत में आखिरी कील गाड़ने का काम किया जा रहा है। इसके उदाहरण के तौर पर प्रदेश के कछार जिले के चार गांवों में बाल विवाह पूरी तरह से बंद हो चुका है। बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत पालीनघाट ब्लाक के रुकनी पार्ट-4, कलैन ब्लाक के तहत भैरबपुर पार्ट-1 और रोजकैंडी ग्रांट-1 व रोजकैंडी ग्रांट-2 में बच्चों के विवाह पर पूर्ण प्रतिबंध लग गया है। निजुत मोइना स्कीम व असम कंपल्सरी रेजिस्ट्रेशन आफ मुस्लिम मैरिज एंड डायवोर्स एक्ट से लोगों पर इस कुरीति से निजात लेने का दबाव पड़ा है।

प्रविधान

केंद्र सरकार ने मार्ग संकेतकों के लिए जारी की गाइडलाइन, 24 जनवरी से किया जाना है अमल, नो पार्किंग की सूचना हर पांच किमी में देना अनिवार्य, एंट्री प्वाइंट से पहले सूचना देना भी जरूरी

हाईवे, एक्सप्रेसवे पर हर पांच किमी पर होंगे गति सीमा के संकेतक

मनीष तिवारी• जागरण

नई दिल्ली: हाईवे और एक्सप्रेसवे पर लोगों की सहूलियत और सड़क सुरक्षा की स्थिति में सुधार के लिए केंद्र सरकार ने मार्ग संकेतकों यानी साइन बोर्डों के लिए नए सिरे से दिशानिर्देश जारी किए हैं। इन पर 24 जनवरी से अमल किया जाएगा। इन दिशानिर्देशों के अनुसार अधिकतम गति सीमा की जानकारी देने वाला बोर्ड वाहनों के चित्र के साथ हर पांच किलोमीटर में सड़क के किनारे और डिवाइडर के बीच क्रमशः लगाना अनिवार्य है। चूंकि अलग-अलग वाहनों के लिए अलग-अलग स्पीड लिमिट निर्धारित होती है, इसलिए इस बार एक नया बोर्ड भी अमल में लाया जाएगा जो एक पैटर्न पर सभी वाहनों के लिए स्पीड लिमिट एक साथ बताएगा। यह हिस्से केवल सड़क के मध्य में स्थापित होगा।

इसी तरह हाईवे और एक्सप्रेसवे पर नो पार्किंग की सूचना भी हर पांच किलोमीटर में देना अनिवार्य है। तीव्र यातायात वाली इन सड़कों पर अनुचित तरीके से खड़े वाहन दुर्घटना और ट्रैफिक में भीड़भाड़ बढ़ाने का कारण बनते हैं। पैदल चलने वाले लोगों को सड़क पार करने में जोखिम से बचाने के लिए क्रासिंग की सूचना पहले से देना अनिवार्य किया गया है। इसी तरह एंट्री प्वाइंट यानी उन जगहों पर जहां ट्रैफिक मर्ज हो रहा है, की सूचना भी पहले से देना जरूरी है ताकि लोग अपने वाहनों की रफ्तार कम कर सकें। रंबल स्ट्रिप के लिए कम से कम 250 मीटर पहले बोर्ड होगा, फिर इसे सौ और पचास मीटर की दूरी पर दोहराया जाएगा। दिशानिर्देशों में संकेतकों में प्रयोग किए जाने वाले अक्षर और संख्या का मानक आकार भी बताया गया है। इससे लोग साइनेज प्रणाली के अभ्यस्त होंगे।

सड़क परिवहन मंत्रालय ने एक्सप्रेसवे और हाईवे पर मार्ग संकेतकों को लेकर पिछले साल जुलाई में अपनी एजेंसियों के लिए दिशानिर्देश जारी किए थे, जिन पर प्राथमिकता के आधार पर अमल किया जाना था, लेकिन इसमें कई विसंगतियां सामने आईं। इसके बाद केंद्र सरकार ने इनके अध्ययन और विश्व के अन्य देशों में प्रचलित प्रणाली के आधार पर संकेतों को नए सिरे से तय करने के लिए एक विशेषज्ञ समिति का गठन किया। समिति की सिफारिशों के आधार पर सड़क परिवहन मंत्रालय ने नए सिरे से दिशानिर्देश जारी किए हैं। इनके अनुसार संकेतकों को तीन श्रेणी में विभाजित किया गया है-अनिवार्य यानी नियमन के लिए आवश्यक, सचेत करने वाले संकेतक और तीसरी श्रेणी सूचना यानी रास्ता दिखाने के लिए। स्पीड लिमिट, नो एंट्री, नो पार्किंग, हाइट लिमिट आदि अनिवार्य संकेतकों की श्रेणी में हैं। पद यात्रियों के लिए क्रासिंग, ट्रैफिक मर्जिंग, ओवरहेड केबल, रंबल स्ट्रिप, रोड की चौड़ाई आगे घटने जैसी जानकारी सचेत करने वाली हैं और पेट्रोल पंप, रेस्ट एरिया, रेस्त्रां, वे साइड एमेनिटिज, दिशा संबंधी जानकारियां आदि लोगों को सूचित करने के लिए हैं।

प्रतीकात्मक

सवाल जिम्मेदारी का : विशेषज्ञ

सड़क सुरक्षा विशेषज्ञ रोहित बलूजा ने कहा कि गाइडलाइन में या गाइडलाइन की कोई कमी नहीं है। सवाल जिम्मेदारी का है। एक हाईवे और एक्सप्रेसवे पर यह किसकी जिम्मेदारी होगी-हाईवे पुलिस की या टोल वसूलने वाले सड़क निर्माता की या एनएचएआइ की अथवा डीएम-डीसी की। ट्रैफिक और रोड इंजीनियरिंग तीस प्रतिशत मौतों के लिए जिम्मेदार है। इसे ईमानदारी से हल करना होगा, तभी कुछ सुधार हो सकता है।

****

कह कर रहेंगे — माधव जोशी

30 सार्वजनिक शौचालयों के इस्तेमाल पर शुल्क वसूलने पर चर्चा हुई थी शिमला नगर निगम की बैठक में। नए साल से यह लागू होना था, लेकिन विरोध के बीच मेयर इस पर यू टर्न ले लिया है।

www.jagran.com राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
बुधवार 1 जनवरी, 2025

अब सुवेंदु पहुंचे संदेशखाली, बोले–भाजपा सरकार बनी तो ममता को जेल भेजेंगे

कहा–बंगाल में भाजपा सत्ता में आई तो संदेशखाली मामले में आयोग का किया जाएगा गठन

राज्य ब्यूरो, जागरण ● कोलकाता

बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के सोमवार को उत्तर 24 परगना जिले के संदेशखाली के प्रशासनिक दौरे के ठीक अगले दिन मंगलवार को राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी ने भी वहां का दौरा किया। इस दौरान नेता प्रतिपक्ष ने ममता बनर्जी पर हमला बोलते हुए कहा कि मुख्यमंत्री यहां लोगों से कह रही हैं कि आप पिछली घटनाओं को भूल जाइए, लेकिन जनता संदेशखाली की घटना को नहीं भूली है। ममता ने निर्दोष महिलाओं को जेल में डाल दिया। राज्य में भाजपा की सरकार बनी तो संदेशखाली मामले में आयोग का गठन किया जाएगा। भाजपा ममता को भी जेल भेजेगी।

इतना ही नहीं सुवेंदु ने ममता को संदेशखाली से भी हराने की चुनौती दे डाली। बता दें कि सुवेंदु ने 2021 के विधानसभा चुनाव में नंदीग्राम सीट पर ममता बनर्जी को हराया था। बता दें कि पिछले साल के अंत में महिलाओं के यौन उत्पीड़न, अत्याचार और जबरन जमीन हड़पने की घटनाएं सामने आने के बाद संदेशखाली काफी सुर्खियों में रहा था। स्थानीय महिलाओं व लोगों ने आरोपित तृणमूल कांग्रेस नेताओं के खिलाफ सड़क पर उतरकर बड़े स्तर पर आंदोलन किया था। सुवेंदु ने संदेशखाली के त्रिमणि बाजार में सभा को संबोधित करते हुए कहा कि ममता लोगों को सलाह दे रही हैं कि वे दुष्ट लोगों के झांसे में न पड़ें, पर सबसे बड़ी दुष्ट खुद मुख्यमंत्री हैं। कानून और संविधान के दायरे में रहकर संदेशखाली की घटना का बदला लिया जाएगा।

संदेशखाली प्रकरण में जिन महिलाओं को झूठे आरोप में गिरफ्तार किया गया था, उनका कंबल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष सुवेंदु अधिकारी ने मंगलवार को उत्तर 24 परगना स्थित संदेशखाली में सम्मान और अभिवादन किया। एएनआइ

- कहा, ममता पिछली घटनाओं को भूलने को कह रहीं, पर जनता नहीं भूली
- सुवेंदु ने 2021 के विस चुनाव में नंदीग्राम सीट पर ममता को हराया था

मुस्लिम इलाकों से भाजपा का कोई लेना–देना नहीं

नेता प्रतिपक्ष सुवेंदु अधिकारी ने यह भी कहा कि मुस्लिम इलाकों से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का कोई लेना-देना नहीं है। संदेशखाली में जनवरी से गीता का वितरण किया जाएगा। इसके अलावा उन्होंने माकपा पर भी हमला बोलते हुए कहा कि राज्य में इसका कोई वजूद नहीं रह गया है। यह सिर्फ वोट काटती है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सत्ता में आएगी तो बुनियादी सुविधाओं का विकास करेगी। ढेर सारी जनकल्याण की योजनाएं शुरू की जाएंगी। बता दें कि सीमावर्ती इलाके में सुरक्षा के मद्देनजर बंगाल की पुलिस ने सुवेंदु को सभा अनुमति नहीं दी थी।

'आरजी कर मामले का विरोध करने वाले कलाकारों का करें बहिष्कार'

राज्य ब्यूरो, जागरण ● कोलकाता

- तृणमूल नेता ने पार्टी नेताओं से की अजीबोगरीब अपील
- विपक्षी दलों ने की कड़ी निंदा, बताया 'धमकाने की संस्कृति'

तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कुणाल घोष ने आरजी कर मामले को लेकर विरोध करने वाले कलाकारों के एक वर्ग पर बंगाल सरकार के खिलाफ दुष्प्रचार का आरोप लगाते हुए पार्टी नेताओं से उनके बहिष्कार की अपील की है। कुणाल ने प्रश्न किया कि उन कलाकारों को तृणमूल नेताओं की ओर से आयोजित किए जा रहे विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों में क्यों आमंत्रित किया जा रहा है, जो आरजी कर मामले को लेकर विरोध कर रहे हैं?

कुणाल ने कहा-'कुछ महीने पहले ये कलाकार सड़कों पर उतरकर बंगाल सरकार को गिराने की बात कर रहे थे। उनका बहिष्कार किया जाना चाहिए। तृणमूल नेताओं की ओर से आयोजित किए जाने वाले किसी भी सांस्कृतिक कार्यक्रम के मंच में उन्हें जगह नहीं दी जानी चाहिए।' मालूम हो कि आरजी कर मेडिकल कालेज एवं अस्पताल में प्रशिक्षु महिला डाक्टर से दरिंदगी की वारदात का बांग्ला फिल्म, टीवी व संगीत जगत के कई कलाकारों ने सड़कों पर उतरकर विरोध जताया था।

उन्होंने मामले की जांच में राज्य सरकार की भूमिका पर भी सवाल उठाया था। दूसरी तरफ विपक्षी दलों ने कुणाल की अपील की निंदा करते हुए इसे अजीबोगरीब बताया है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक अग्निमित्रा पाल ने कहा-'तृणमूल की विकृत मानसिकता एक बार फिर उजागर हो गई है। अपनी प्रतिभा के लिए राज्य सरकार से सम्मान पाने वाले अथवा सरकारी कार्यक्रमों में भाग लेने वाले कलाकारों को क्या कुछ गलत दिखने पर सरकार का विरोध करने का अधिकार नहीं है? यह दरअसल तृणमूल की धमकाने की संस्कृति है।'

वहीं, माकपा की केंद्रीय समिति के सदस्य सुजन चक्रवर्ती ने कहा-'यह एक तरह का फतवा है। किसी के साथ मत नहीं मिलने पर उसका बहिष्कार करना तृणमूल की मानसिकता है।'

कुणाल घोष। फाइल

बिहार में भाजपा विधायक बोले- हारना मंजूर, मुस्लिम वोट नहीं चाहिए

जागरण संवाददाता, भागलपुर : बिहार में बिहपुर के भाजपा विधायक इंजीनियर शैलेंद्र ने कहा कि संविधान, सनातन, मंदिर व मोदी का मुसलमान विरोध करता है। मैं हारना पसंद करूंगा, मुझे मुस्लिमों का वोट नहीं चाहिए। राजद वाले भाजपा को हिंदू की पार्टी कहते हैं तो हमलोगों को बुरा नहीं लगता है। फिर राजद को मुसलमान की पार्टी कहना गलत कैसे हो गया। बाद में उन्होंने स्पष्ट करते कहा कि वह सिर्फ देश को तोड़ने वाले मुसलमानों का विरोध कर रहे हैं।

इंजीनियर शैलेंद्र। जागरण

विधायक ने कहा कि उन्होंने पिछले 10 वर्षों में मुसलमानों के लिए सड़क, बिजली, जल निकासी, ट्रांसफार्मर की समस्या दूर की, लेकिन उन्हें मुसलमानों के 10 वोट भी नहीं मिले।

कहा कि मुसलमान 10-12 बच्चे पैदा कर देश की आर्थिक स्थिति कमजोर कर रहे हैं। सीमा पर सैनिकों को कौन मार रहा है? राजद वाले मस्जिद में टोपी पहन कर जाते हैं, लेकिन तिलक-चोटी का विरोध करते हैं। बांग्लादेश में हिंदुओं के साथ अत्याचार हो रहा है, लेकिन राजद वाले चुप हैं।

राहुल गांधी पूर्व निर्धारित कार्यक्रम से गए वियतनाम : प्रमोद तिवारी

जागरण संवाददाता, प्रतापगढ़

- राज्यसभा में विपक्ष के उपनेता बोले-भाजपा ने किया पूर्व पीएम का अपमान

लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी के वियतनाम दौरे को लेकर भाजपा की आलोचना पर राज्यसभा में विपक्ष के उपनेता प्रमोद तिवारी ने उसका बचाव किया। उन्होंने मंगलवार को कहा कि राहुल गांधी अपने पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार वियतनाम गए हैं। पूर्व प्रधानमंत्री डा. मनमोहन सिंह के निधन पर राहुल के आंसू को करोड़ों लोगों ने देखा है। भाजपा जबर्दस्ती इसको मुद्दा बना रही है।

कांग्रेस नेता प्रमोद तिवारी ने कहा कि अगर राहुल गांधी विदेश नहीं जा सकते हैं तो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को भी बाहर नहीं जाना चाहिए, उन्हें घर में रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री के निधन पर भाजपा ने उनका अपमान किया। उनका अंतिम संस्कार वहां किया जाना चाहिए था, जहां पर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी, इंदिरा गांधी, लाल बहादुर शास्त्री व राजीव गांधी का हुआ था।

प्रमोद तिवारी ने कहा कि पूर्व विदेश मंत्री अरुण जेटली का जब निधन हुआ था तो प्रधानमंत्री मोदी उनके अंतिम संस्कार में शामिल नहीं हुए थे, जबकि उनको प्रधानमंत्री बनाने में अरुण जेटली की बहुत बड़ी भूमिका थी। भाजपा पहले खुद के दामन में झांक ले। फिर दूसरों पर आरोप लगाए। जनता को गुमराह न करे।

प्रमोद तिवारी। फाइल

मप्र भाजपा को इस माह मिल सकता है नया अध्यक्ष

राज्य ब्यूरो, जागरण ● भोपाल

- प्रदेश अध्यक्ष विष्णु दत्त शर्मा पांच वर्ष का कार्यकाल हो रहा पूरा, राष्ट्रीय स्तर पर मिल सकती है नई जिम्मेदारी
- आदिवासी वर्ग से कुलस्ते, सामान्य से हेमंत खंडेलवाल, डा. नरोत्तम मिश्रा और अरविंद भदौरिया का नाम चर्चा में

भाजपा को जनवरी में नया प्रदेश अध्यक्ष मिल सकता है। पार्टी के संगठन चुनाव के तीसरे चरण में पांच जनवरी तक जिलाध्यक्षों का चुनाव करने का निर्णय किया गया है। इसके बाद प्रदेश अध्यक्ष के चुनाव की प्रक्रिया आरंभ की जाएगी। फिलहाल पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व ने प्रदेश अध्यक्ष को लेकर किसी प्रकार के पत्ते नहीं खोले हैं, लेकिन माना जा रहा है कि नया अध्यक्ष सामान्य, आदिवासी या महिला वर्ग के बीच से चुना जा सकता है। मौजूदा प्रदेश अध्यक्ष विष्णु दत्त शर्मा के कार्यकाल को पांच वर्ष पूर्ण हो रहे हैं। उनके नेतृत्व में प्रदेश भाजपा को विधानसभा चुनाव में बड़ी सफलता मिली और लोकसभा चुनाव में भी पहली बार सभी 29 सीटों पर विजय हासिल हुई।

जिलाध्यक्ष चुनाव की रायशुमारी पूरी होने के बाद प्रदेश अध्यक्ष के चयन की प्रक्रिया की कवायद भी आरंभ हो गई है। पार्टी सूत्रों के अनुसार विष्णु दत्त को अब प्रदेश की जगह केंद्रीय संगठन में स्थान दिए जाने की चर्चा चल रही है। इसी तरह मध्य प्रदेश के नए अध्यक्ष को लेकर आदिवासी वर्ग से फग्गन सिंह कुलस्ते का नाम चर्चा में है। कुलस्ते को मोदी कैबिनेट में मंत्री नहीं बनाया गया है। इसलिए संभावना है कि मप्र में अध्यक्ष बनाकर उनका पुनर्वास किया जा सकता है। इसकी कई अन्य वजह भी हैं। प्रदेश में आदिवासी वर्ग की भूमिका सरकार बनाने में अहम होती है। यह वर्ग 2018 से भाजपा के साथ पूरी तरह नहीं है। झारखंड के आदिवासी वर्ग ने भी भाजपा का साथ नहीं दिया। दूसरा, ओबीसी मुख्यमंत्री होने के कारण सामान्य वर्ग का अध्यक्ष बनाए जाने की भी अटकलें तेज हैं। यदि इस वर्ग की बात करें तो हेमंत खंडेलवाल, डा. नरोत्तम मिश्रा का नाम है। हेमंत खंडेलवाल का नाम संगठन के कुछ लोगों द्वारा आगे बढ़ाया गया है।

फग्गन सिंह कुलस्ते

हेमंत खंडेलवाल

अरविंद भदौरिया।

नरोत्तम मिश्रा।

इधर, डा. नरोत्तम मिश्रा को भी प्रदेश अध्यक्ष का प्रबल दावेदार माना जा रहा है। पार्टी ने उन्हें महाराष्ट्र चुनाव में भी अहम जिम्मेदारी दी थी। कई अन्य राज्यों में भी वे चुनाव प्रबंधन में लगाए गए थे। फिलहाल उनके पास कोई अन्य जिम्मेदारी नहीं है। इसलिए सामान्य वर्ग से मिश्रा को वजनदार दावेदार माना जा रहा है। महिला अध्यक्ष बनाए जाने की भी बात चल रही है, ऐसे में कविता पाटीदार या सुमित्रा वाल्मीकि का नाम चर्चा में है। पूर्व मंत्री डा अरविंद भदौरिया का नाम भी चर्चा में है।

शिवसेना (यूबीटी) ने महाराष्ट्र में सपा को भाजपा की 'बी' टीम बताया

मुंबई, एएनआइ : शिवसेना (यूबीटी) नेता आनंद दुबे ने मंगलवार को सपा पर हमला बोला। कहा कि उनकी पार्टी के वरिष्ठ नेता समाजवादी पार्टी (सपा) के प्रमुख अखिलेश यादव से मिलेंगे और महाराष्ट्र में समाजवादी पार्टी (सपा) की खराब नीतियों से अवगत कराएंगे। यह बयान उस संदर्भ में आया है जिसमें सपा महाराष्ट्र इकाई ने आगामी बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) चुनाव लड़ने का निर्णय लिया है।

शिवसेना (यूबीटी) नेता आनंद दुबे ने ने कहा कि राज्य में महाविकास आघाड़ी के बिना सपा की कोई पहचान नहीं है। यह उजागर हो चुका है कि महाराष्ट्र में सपा भाजपा की 'बी' टीम है, खासकर अबू आजमी और रईस शेख। जब हमारे नेता दिल्ली में अखिलेश यादव से मिलेंगे तो हम निश्चित रूप से उन्हें महाराष्ट्र में सपा की खराब नीतियों के बारे में बताएंगे।

शिवसेना (यूबीटी) नेता आनंद दुबे ने कहा कि हमने बहुत मशक्कत से सपा को महाविकास आघाड़ी में शामिल किया था,

- कहा, महाविकास आघाड़ी के बिना महाराष्ट्र में सपा की कोई पहचान नहीं

आनंद दुबे। फाइल

लेकिन हमें नहीं पता था कि वे हमारी पीठ में छुरा घोंप सकते हैं। इससे पहले सपा महाराष्ट्र के नेता अबू आजमी ने कहा कि सपा बीएमसी चुनाव एक अलग पार्टी के तौर पर लड़ेगी। हम कम से कम 150 सीटों पर चुनाव लड़ेंगे। महाविकास आघाड़ी में अब कोई तालमेल नहीं है। हमने पहले भी कहा है कि हम ऐसे किसी भी व्यक्ति के साथ खड़े नहीं होंगे जो धर्मनिरपेक्ष विचारधारा में विश्वास नहीं करता है।

एसजीपीसी ने चौड़ा को पंथ से निष्कासित करने का प्रस्ताव किया रद

जागरण संवाददाता, अमृतसर : शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एसजीपीसी) ने शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष पद से त्याग-पत्र दे चुके सुखबीर बादल पर हमला करने के आरोपित आर्तकी नारायण सिंह चौड़ा को पंथ से निष्कासित करने का पारित प्रस्ताव रद कर दिया है। एसजीपीसी ने पांच तख्तों के सिंह साहिब एवं गर्मखयाली सिख संगठनों के दबाव में आकर यह फैसला लिया है। मंगलवार को एसजीपीसी की कार्यकारिणी की बैठक में सर्वसम्मति से उक्त प्रस्ताव रद किया गया। नौ दिसंबर को पारित प्रस्ताव श्री अकालतख्त साहिब के जत्थेदार ज्ञानी रघबीर सिंह को भी सौंपा गया था। इसके तहत जत्थेदार रघबीर सिंह से चौड़ा को पंथ से निष्कासित करने की अपील की गई थी। बाद में अध्यक्ष हरजिंदर सिंह धामी ने स्वयं जत्थेदार से मुलाकात करके इसे स्वीकार करने की अपील भी की थी। पांच तख्तों के सिंह साहिब ने दो दिसंबर को बादल सरकार में हुई गलतियों के लिए सुखबीर बादल को धार्मिक सजा सुनाई थी।

मेरे खिलाफ भाजपा के अभियान में सुबूतों का अभाव : प्रियांक खरगे

बेंगलुरु, प्रेट्र : कर्नाटक सरकार के मंत्री प्रियांक खरगे ने मंगलवार को कहा कि ठेकेदार की आत्महत्या के मामले में उनके खिलाफ भाजपा के अभियान में सुबूतों का अभाव है। वह अपने गृह जिले कलबुर्गी में अपने खिलाफ भाजपा के पोस्टरों का जवाब दे रहे थे। भाजपा बीदर जिले में ठेकेदार सचिन पांचाल की आत्महत्या के मामले में खरगे पर निशाना साध रही है। बेंगलुरु में पत्रकारों से बात करते हुए प्रियांक खरगे ने कहा क उन्हें पोस्टर लगाने दीजिए और अपना आरोप साबित करने दीजिए। सिर्फ पोस्टर लगाने से काम नहीं चलेगा। उन्होंने कहा कि जब भाजपा सत्ता में थी तो कांग्रेस ने 'पेसीएम' पोस्टर अभियान चलाया क्योंकि इस बात के सुबूत थे कि भाजपा 40 प्रतिशत कमीशन वसूल रही थी, लेकिन पांचाल मामले में उनके खिलाफ कोई सुबूत नहीं है। चार जनवरी को भाजपा के प्रस्तावित आंदोलन के बारे में खरगे ने कहा कि जब वे उनके पिता और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के आवास का घेराव करने आएंगे तो वह उनका स्वागत करेंगे।

- गृह मंत्री परमेश्वर ने कहा, सीआइडी जांच से सच्चाई सामने आएगी
- भाजपा ने मुख्यमंत्री से की प्रियांक खरगे को इस्तीफा दिलाने की मांग

प्रियांक खरगे। फाइल

वहीं, कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने प्रियांक खरगे का बचाव करते हुए कहा कि उनके खिलाफ अनावश्यक आरोप लगाए जा रहे हैं। गृह मंत्री ने यह भी उम्मीद जताई कि सीआइडी जांच से सच्चाई सामने आएगी। ठेकेदार ने सात पन्नों का एक नोट छोड़ा था, जिसमें उसने प्रियांक खरगे के सहयोगी के खिलाफ आरोप लगाए हैं।

बिहार में मंत्रियों ने सार्वजनिक किया संपत्ति का ब्योरा, सीएम नीतीश के पास 21 हजार नकद

राज्य ब्यूरो, जागरण ● पटना

बिहार में नियमित प्रक्रिया के तहत विगत कई वर्षों से 31 दिसंबर को मुख्यमंत्री सहित राज्य मंत्रिमंडल के सभी सदस्य अपनी चल और अचल संपत्ति को सार्वजनिक करते रहे हैं। मुख्यमंत्री सहित मंत्रियों ने मंगलवार देर शाम संपत्ति का ब्योरा जारी किया। इसके अनुसार, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के दिल्ली में संसद भवन स्थित एसबीआइ की शाखा में 3,358 रुपये जमा हैं। पटना में सचिवालय स्थित एसबीआइ की शाखा में उनका 31,448 रुपये तथा पीएनबी की बोरिंग रोड शाखा में 26 हजार रुपये है। मुख्यमंत्री के पास नकद के रूप में मात्र 21,052 रुपये हैं। वाहन के नाम पर उनके पास 2015 माडल फोर्ड इकोस्पोर्ट कार है। मुख्यमंत्री के पास सोने की दो अंगूठी जो 20 ग्राम की है। एक मोती जड़ी चांदी की अंगूठी भी है। उनके पास अपना एक एसी, कंप्यूटर, एयरकूलर, ट्रेड मिल मशीन चार, 12 गायें, नौ बछड़े, एक ओटीजी, वाशिंग मशीन व एक्सरसाइज साइकिल है। मुख्यमंत्री के नाम पर किसी तरह की कृषि योग्य और गैर कृषि योग्य जमीन नहीं है। दिल्ली के द्वारका में एक हजार वर्ग फीट का एक फ्लैट है, जिसे 13.78 लाख रुपये में खरीदा था।

मुख्यमंत्री के संसद भवन की एसबीआइ शाखा में जमा है तीन हजार

उप मुख्यमंत्री एवं वित्त मंत्री सम्राट चौधरी आभूषणों के शौकीन हैं। लेकिन पत्नी से कम सोना उनके पास है। सम्राट के पास चार सौ तो पत्नी के पास आधा किलो सोना है। बेटी तीन सौ ग्राम सोना रखती है। बेटा के पास सिर्फ सौ ग्राम सोना है। पत्नी के पास दो किलो और बेटी के पास सवा किलो चांदी है। सम्राट के पास चार लाख रुपये की एक राइफल और 13 लाख रुपये की बोलेरो है। सम्राट तीन करोड़ 41 लाख के कृषि भूमि के मालिक हैं। गैर कृषि भूमि की कीमत चार करोड़, 87 लाख रुपये है। पटना में एक अपार्टमेंट में पत्नी के नाम से एक फ्लैट है।

उप मुख्यमंत्री एवं पथ निर्माण मंत्री विजय कुमार सिन्हा रिवाल्वर और राइफल भी रखते हैं। सोने के आभूषण शादी के समय या अन्य अवसरों पर उपहार में मिले हैं। उनके पास 90 ग्राम और पत्नी के पास साढ़े चार सौ ग्राम के स्वर्ण आभूषण हैं। कुछ कंपनियों के शेयर उनके पास है। कैनरा बैंक एवं एसबीआइ में उनके छह खाते हैं। लखीसराय एवं मरांची में उनके पास खेती की जमीन है। पूणे में तीन, पटना के रानीपुर एवं बाढ़ में आवासीय भूखंड है। पटना के बहादुरपुर एवं संदलपुर में व्यवसायिक परिसर और भूखंड है। पुनाईचक बोर्ड कालोनी में भी उनकी जमीन है, जो पिता से मिली है। एक्जबीशन रोड और कदमकुंआ में आवासीय एवं व्यवसायिक परिसर है। पहाड़ी पर भी जमीन है।

बीपीएससी अभ्यर्थियों के समर्थन में कांग्रेस व वाम दलों ने निकाला मार्च

जागरण संवाददाता, पटना : पटना स्थित बापू परीक्षा परिसर सहित 26 केंद्रों पर गड़बड़ी की शिकायतों को लेकर आंदोलनरत बीपीएससी अभ्यर्थियों के समर्थन में मंगलवार को कांग्रेस और वाम दलों के विधायकों ने धरनास्थल से राजभवन तक मार्च निकाला और राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपकर अभ्यर्थियों की मांगों की ओर ध्यान दिलाया। इसके पहले विधायकों और पुलिस पदाधिकारियों के बीच मार्च को लेकर जमकर बहस हुई। विधायक राजभवन की ओर जाने लगे तो पुलिस ने उन्हें रोक दिया। विधायक के यह पूछने पर कि उन्हें किस नियम के आधार पर रोका जा रहा है, पुलिस ने उन्हें रास्ता दिया। उधर, बीपीएससी अभ्यर्थियों ने कहा कि चौबीस घंटे में मुख्य सचिव ने मांगों पर सरकार के पक्ष से अवगत कराने का आश्वासन दिया था। चौबीस घंटे बीत चुके हैं। मुख्य सचिव कार्यालय से किसी तरह की सूचना नहीं मिली है। आयोग के पदाधिकारी अभ्यर्थियों से ही प्रमाण मांगते हैं।

राष्ट्रीय फलक

चिकित्सक ने बाएं की जगह कर दिया दाहिने पैर का आपरेशन

जागरण संवाददाता, सुलतानपुर : चिकित्सक पर एक बुजुर्ग महिला के बाएं की जगह दाहिने पैर का आपरेशन करने का आरोप लगा है। उनके पुत्र ने चिकित्सक पर लापरवाही का आरोप लगाकर कोतवाली नगर में तहरीर दी है। शिकायत करने पर चिकित्सक ने बाद में बाएं पैर का आपरेशन किया। इससे महिला दोनों पैरों से चलने में असमर्थ हो गईं। प्रतापगढ़ के कंधई हनुमानगंज निवासी गणेश कुमार प्रजापति के मुताबिक, उनकी मां भुलइया देवी बाएं पैर में चोट लगने से चलने-फिरने में असमर्थ थीं। उन्हें गोलाघाट स्थित सुलतानपुर हास्पिटल में भर्ती कराया गया। यहां 26 दिसंबर को चिकित्सक डा. पीके पांडेय ने बाएं पैर में फ्रैक्चर बताते हुए एक्सरे करवाया और आपरेशन के लिए अंदर ले गए। जब उनकी मां को बाहर लाया गया तो बाएं के बजाय दाहिने पैर का आपरेशन देख परिवारजन आक्रोशित हो गए।

कश्मीर से रेल संपर्क जोड़ने से पूरा होगा जम्मू रेल मंडल का सपना, प्रधानमंत्री छह को करेंगे शुभारंभ

जागरण संवाददाता, जम्मू

कश्मीर को रेलसेवा से जोड़ने से पूर्व ही जम्मू में नए रेलमंडल का सपना फाइलों से निकलकर साकार होने जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी छह जनवरी को नए रेल मंडल का वर्चुअल माध्यम से शुभारंभ करने जा रहे हैं। जम्मू रेलवे स्टेशन पर तैयारियों के लिए बैठकों का सिलसिला जारी है। रेलवे मैदान में भी इसका उद्घाटन कार्यक्रम होगा। इस अवसर पर जम्मू-कश्मीर के गणमान्य लोगों को बुलाया जाएगा। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी वर्चुअली संबोधित भी करेंगे। जम्मू रेलवे स्टेशन के अतिरिक्त डिवीजनल रेलवे मैनेजर (एडीआरएम) राजीव कुमार ने बताया कि रेलवे मुख्यालय से मिली सूचना के आधार पर तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी। फाइल

नए भवनों के निर्माण व अन्य तकनीकी कार्यों के लिए लगभग 198.33 करोड़ रुपये खर्च आएगा और अधिकारियों के 399 पद सृजित होंगे। इसके लिए अधिकारियों के जम्मू पहुंचने का सिलसिला भी आरंभ हो चुका है। नए रेल मंडल के दायरे में जम्मू-कश्मीर के साथ पंजाब व हिमाचल का कुछ क्षेत्र शामिल रहेगा। अभी तक जम्मू-कश्मीर फिरोजपुर रेलवे मंडल के अधीन आता था। नए रेल मंडल की कई बार घोषणाएं हुई पर हर बार यह फाइल से आगे नहीं बढ़ पाया।

जनवरी में ही ट्रेन से शेष भारत से जुड़ेगी कश्मीर घाटी

कश्मीर को देश से रेल सेवा से जोड़ने के लिए ट्रैक का निर्माण पूरा हो चुका है और इस दौरान सुरक्षा ट्रायल चल रहे हैं। अनुमान है कि प्रधानमंत्री मोदी 20 जनवरी माह के आसपास रेल सेवा का शुभारंभ कर सकते हैं। कश्मीर में बारामुला से श्रीनगर और इसके आगे जम्मू संभाग के बनिहाल तक पहले से रेल सेवा चल रही थी। इसके आगे के रामबन के संगलदान क्षेत्र तक लगभग 58 किलोमीटर का पिछले वर्ष विस्तार दिया गया था।

जिले व संभाग निरस्त मामले में राजस्थान सरकार ने हाई कोर्ट में दाखिल की केविएट

जागरण टीम, जयपुर : राजस्थान में पूर्ववर्ती अशोक गहलोत सरकार की ओर से बनाए नौ नए जिलों और तीन संभागों को मौजूद भाजपा सरकार द्वारा निरस्त किए जाने के बाद से प्रदेश में कई जगहों पर विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। सरकार को आशंका है कि फैसले के खिलाफ लोग स्टे के लिए कोर्ट जा सकते हैं। इसे ध्यान में रखते हुए सरकार ने राजस्थान हाई कोर्ट की मुख्य पीठ जोधपुर सहित जयपुर पीठ में केविएट दायर कर दी है। इसमें सरकार ने जिलों को समाप्त कर पुरानी यथावत स्थिति करने का निर्णय भू राजस्व अधिनियम 1956 के तहत किया जाना बताया है। इसमें सरकार को नए जिले बनाने और बदलने का अधिकार प्राप्त है। इसी तरह नए संभाग में भी सरकार बदलाव कर सकती है।

अतिरिक्त महाधिवक्ता ने बताया कि हाई कोर्ट से आग्रह किया गया कि सरकार के आदेश के विरुद्ध अगर याचिका दायर होती है तो उस पर किसी तरह का आदेश जारी करने से पहले सरकार के पक्ष को सुना जाए। उधर, प्रदेश के कानून मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा कि कांग्रेस ने बिना सोच विचार जिलों का गठन कर दिया। सरकार ने मानक के आधार पर निर्णय किया है।

बता दें कि नीम का थाना जिले को खत्म करने के विरोध में कलेक्टर कार्यालय के समक्ष सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू की है। भाजपा के टिकट पर जीती जिला परिषद और पंचायत समिति की एक-एक महिला सदस्य ने अपने पद से इस्तीफा दिया है। अनूपगढ़ में जिला बचाओ संघर्ष समिति का गठन कर स्थानीय लोगों ने अनिश्चितकालीन धरना शुरू किया है। सांचौर जिले को खत्म किए जाने के विरोध में पूर्व मंत्री सुखराम बिश्नोई के नेतृत्व में महापड़ाव मंगलवार को दूसरे दिन भी जारी रहा।

नहर से बरामद शव को कचरा गाड़ी में ले जाया गया अस्पताल

मेहसाणा, प्रेट्र : गुजरात के मेहसाणा जिले में नगरपालिका की कचरा उठाने वाली गाड़ी द्वारा शव को पोस्टमार्टम के लिए स्थानीय अस्पताल ले जाते हुए एक वीडियो प्रसारित हुआ है। लोगों द्वारा आपत्ति जताए जाने के बाद नगरपालिका के अधिकारियों ने कहा कि शव को ले जाने के लिए कचरा गाड़ी भेजने का निर्णय निचले स्तर के कर्मचारियों द्वारा लिया गया था। नगरपालिका के पास वर्तमान में कोई शव वाहन नहीं है। उन्होंने कहा कि शहर की सीमा के बाहर एक नहर से शव बरामद किया गया था। चूंकि, यह बहुत सड़ चुका था, इसलिए कोई भी इसे अस्पताल ले जाने के लिए तैयार नहीं था। यह मामला 29 दिसंबर का है। प्रसारित संक्षिप्त वीडियो में नगरपालिका की कचरा उठाने वाली गाड़ी को नर्मदा नहर के पास एक स्थान से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तक शव ले जाते हुए देखा जा सकता है।

2.5 करोड़ रुपये की ड्रग्स रखने के लिए बेंगलुरु में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर 27 दिसंबर को गिरफ्तारी की गई।

न्यूज गैलरी

एनआइसीएसआइ डेटा सेंटर में बिजली गुल, वेबसाइटें ठप

नई दिल्ली: राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र सेवा (एनआइसीएसआइ) के डाटा सेंटर में बिजली गुल होने के कारण हुए आर्थिक मामलों के विभाग, वाणिज्य मंत्रालय और दूरसंचार विभाग सहित सरकारी वेबसाइटों की सेवाएं कुछ देर के लिए ठप हो गईं। कुछ देर के बाद वेबसाइटों को फिर चालू कर दिया गया। सूत्रों ने कहा, एनआइसीएसआइ के शास्त्री पार्क डाटा सेंटर में बिजली गुल होने के कारण कुछ सरकारी वेबसाइटों के कामकाज में बाधा उत्पन्न हुई। एनआइसीएसआइ का डाटा सेंटर अधिकांश सरकारी वेबसाइटों का प्रबंधन करता है। इस मामले में इलेक्ट्रानिक्स और आइटी मंत्रालय ने इस घटना पर अपनी टिप्पणी नहीं की है। (प्रेट्र)

इन्फोसिस परिसर में दिखा तेंदुआ, तलाशी जारी

मैसुरु: मैसुरु के इन्फोसिस परिसर में मंगलवार भोर में एक तेंदुआ देखा गया। इसके बाद वन विभाग ने तलाशी अभियान शुरू कर दिया है। तेंदुआ दिखने के बाद सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए आइटी कंपनी के कर्मचारियों को घर से ही काम करने को कहा गया है। तेंदुए को कंपनी के कर्मचारियों ने 3:30 बजे भोर के आसपास भूमिगत कार पार्किंग में देखा। सीसीटीवी फुटेज में भी तेंदुआ दिखा। (प्रेट्र)

केरल के कालेज परिसर में जला शव मिला

तिरुअनंतपुरम: तिरुअनंतपुरम के समीप पीए अजीज कालेज आफ इंजीनियरिंग के निर्माणाधीन भवन में मंगलवार सुबह एक जला हुआ शव मिला। 80 प्रतिशत झुलसा शव मिलने की जगह के समीप कालेज के मालिक मोहम्मद अब्दुल अजीज ताहा की कार और मोबाइल फोन मिलने से संदेह गहरा गया है। खाद्य मंत्री जीआर अनिल ने कहा कि डीएनए जांच से ही पहचान सुनिश्चित हो सकेगी। (आइएएनएस)

नव वर्ष पर दूरदर्शन में श्याम बेनेगल की 'मंथन' का प्रसारण

नई दिल्ली: दूरदर्शन ने मंगलवार को कहा कि श्याम बेनेगल की फिल्म 'मंथन' का बुधवार को प्रसारण कर चैनल फिल्म निर्माता को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए नव वर्ष का स्वागत करेगा। 1970 से 1980 के बीच भारतीय सिनेमा में समानांतर सिनेमा आंदोलन के अग्रदूत श्याम बेनेगल का 23 दिसंबर को निधन हो गया था। वह 90 वर्ष के थे। (प्रेट्र)

कर्नाटक में आग से झुलसे दो और अयप्पा श्रद्धालुओं की मौत

हुबली: एलपीजी सिलिंडर विस्फोट के बाद आग में झुलस गए भगवान अयप्पा के दो और श्रद्धालुओं की मौत होने के साथ ही मरने वालों की संख्या आठ हो गई है। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि अयप्पा श्रद्धालु जिस कमरे में ठहरे हुए थे एक सप्ताह पहले वहीं विस्फोट हो गया था। एक श्रद्धालु की सोमवार रात और दूसरे की मंगलवार सुबह मौत हुई। (प्रेट्र)

मदुरै अस्पताल में आग लगी, दो घंटे में पाया गया काबू

मदुरै: मदुरै के पुदुर में एक अस्पताल में आग लगने के बाद क्षेत्र में घबराहट फैल गई। आग से कोई भी घायल नहीं हुआ। अस्पताल की तीसरी मंजिल पर बिजली शार्ट सर्किट के कारण आग लगने का संदेह है। तीसरे माले का प्रयोग नर्सों के निवास के लिए किया जाता है। दो घंटे के परिश्रम से अग्निशमन दस्ते ने आग पर काबू पा लिया। (प्रेट्र)

केरल की कांग्रेस विधायक की स्थिति में सुधार

कोच्चि: कांग्रेस विधायक उमा थामस की स्थिति में सुधार हो रहा है। कोच्चि में रविवार शाम जवाहरलाल नेहरू अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में लगभग 15 फीट ऊंची वीआइपी गैलरी से गिरने के कारण विधायक के मस्तिष्क और रीढ़ की हड्डी में गंभीर चोटें आई थीं। डाक्टरों ने मंगलवार को उनकी स्थिति में सुधार की जानकारी दी। रेनाई मेडिसिटी मल्टी सुपर स्पेशलिटी अस्पताल ने कहा कि वर्तमान में विधायक वेंटीलेटर पर हैं। (प्रेट्र)

डल्लेवाल को मनाने के लिए पंजाब सरकार को मिले और तीन दिन

राज्य सरकार ने किसान नेता को मनाने के लिए मांगा था और समय

आमरण अनशन कर रहे किसान नेता केंद्र से वार्ता निमंत्रण मिलने तक चिकित्सा सहायता लेने को तैयार नहीं

सोमवार रात डल्लेवाल का ब्लड प्रेशर खतरनाक स्तर तक गिरा, डाक्टरों ने पैरों की मूवमेंट करवाकर संभाला

जगजीत सिंह डल्लेवाल। फाइल

जागरण टीम, नई दिल्ली

फसलों पर न्यूनतम समर्थन मूल्य लागू करने सहित कई मांगों को लेकर 36 दिनों से संगरूर के खनौरी में आमरण अनशन कर रहे किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल को चिकित्सा सहायता के लिए मनाने को सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को पंजाब सरकार को तीन दिन का और समय दे दिया। अगली सुनवाई दो जनवरी को होगी।

पंजाब सरकार ने जस्टिस सूर्यकांत व जस्टिस सुधांशु धूलिया की अवकाशकालीन पीठ को सूचित किया कि डल्लेवाल चिकित्सा सहायता लेने के लिए तभी सहमत होंगे, यदि केंद्र सरकार किसानों से बातचीत करने का उनका प्रस्ताव स्वीकार करेगी। पंजाब के महाधिवक्ता ने कहा कि वार्ताकारों ने किसानों से बातचीत कर अदालत के निर्देशों का पालन करने की कोशिश की। सरकार ने विरोध स्थल पर 7,000 कर्मियों को जुटाया था, पर 30 दिसंबर को अन्य किसान संगठनों द्वारा पंजाब बंद का आह्वान किया गया, जिससे प्रयासों में बाधा उत्पन्न हुई। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के 20 दिसंबर के आदेश के अनुपालन के लिए और तीन दिन का समय मांगा।

20 दिसंबर को शीर्ष अदालत ने डल्लेवाल को अस्पताल में भर्ती कराने का निर्णय लेने की जिम्मेदारी पंजाब सरकार पर डाली थी। उधर, अनशन के कारण सोमवार देर रात डल्लेवाल का ब्लड प्रेशर खतरनाक स्तर तक गिर गया। ब्लड प्रेशर का अपर लेवल 76 व लोअर लेवल 44 दर्ज किया गया। ऐसी स्थिति डेढ़ घंटे बनी रही। डाक्टर उनके पैरों की मूवमेंट करवाकर ब्लड प्रेशर का अपर लेवल 95 तक ले गए। यह लेवल वहीं बना रहा, पर यह नार्मल नहीं है।

देश के किसानों से मिलना चाहते हैं डल्लेवाल, महापंचायत चार को

आमरण अनशन पर बैठे जगजीत सिंह डल्लेवाल देश के किसानों से मुलाकात करना चाहते हैं। उनकी इच्छा के अनुसार चार जनवरी को खनौरी में राष्ट्रीय स्तरीय किसान महापंचायत बुलाई गई है। इसमें डल्लेवाल वीडियो काल से संबोधित करेंगे। किसान नेता अभिमन्यु कोहाड़ ने बताया कि महापंचायत की तैयारी शुरू है। बुधवार को कर्नाटक से किसानों का जत्था पहुंच रहा है, वह यहीं रहेगा। हरियाणा व पंजाब में किसानों की जिलावार ड्यूटियां लगाई जा रही हैं।

ओवैसी बोले–वक्फ की संपत्ति पर बन रही संभल में चौकी, डीएम का इन्कार

असदुद्दीन ओवैसी। फाइल

जागरण संवाददाता, संभल : आल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने संभल में जामा मस्जिद के सामने निर्माणाधीन पुलिस चौकी की जमीन को वक्फ की संपत्ति बताया है। उन्होंने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि जामा मस्जिद के सामने जिस भूमि पर पुलिस चौकी बनवाई जा रही है, वह वक्फ की जमीन है। उन्होंने इसके दस्तावेज भी इंटरनेट मीडिया पर साझा किए हैं। इसके अलावा कहा कि प्राचीन स्मारक अधिनियम के तहत संरक्षित स्मारकों के पास निर्माण कार्य प्रतिबंधित है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को उन्होंने टैग करते हुए लिखा कि संभल में खतरनाक माहौल बनाने के वह दोनों जिम्मेदार हैं। इस आरोप पर संभल के डीएम डा. राजेंद्र पैंसिया ने कहा कि अभी तक जितने भी दस्तावेज उपलब्ध हैं, उनको लेकर कोई भी प्रभावित और विधिक पक्षकार हमारे पास नहीं आया है। भूमि वक्फ की नहीं है। पुलिस चौकी का निर्माण सरकारी भूमि पर कराया जा रहा है।

मुरादाबाद में गौरी शंकर मंदिर की पुताई शुरू, मूर्तियों की प्राण प्रतिष्ठा होगी

जागरण संवाददाता, मुरादाबाद

- नगर निगम के सहयोग से जिला प्रशासन करवा रहा भगवा रंग
- दूसरे दिन भी अधिकारियों ने लिया जायजा, पीएसी रही तैनात

गौरी शंकर मंदिर प्रांगण की पुताई करते पेंटर। जागरण

मुरादाबाद में गौरी शंकर मंदिर में गर्भगृह की खोदाई के साथ मंदिर में मंगलवार को रंगाई-पुताई भी शुरू करा दी गई है। तीन फीट गहरे गर्भगृह में खंडित मूर्तियों को डालकर पाट दिया गया है। खोदाई के बाद गर्भगृह की दीवारों को नए सिरे से बनवाने के साथ ज्योतिर्लिंग, शिव परिवार, गणेश भगवान, हनुमान समेत अन्य देवी देवताओं की मूर्तियों की प्राण-प्रतिष्ठा की जाएगी। इसकी तिथि जिला प्रशासन से वार्ता के बाद तय की जाएगी। मंदिर में भगवा रंग किया जा रहा है। द्वार पर जय श्रीराम लिखवाया है और त्रिशूल व डमरू बनवाया है। मंदिर की सुरक्षा व्यवस्था के लिए पीएसी तैनात की गई है।

प्रशासन ने सेवा राम सैनी की शिकायत पर मुस्लिम बहुल दौलत बाग में सोमवार को 1980 के दंगे के बाद बंद गौरीशंकर मंदिर को खुलवाया गया। मंदिर का जीर्णोद्धार 1954 में हुआ था। करीब सौ गज में बने इस मंदिर की बाहर की दीवार को तोड़कर अंदर दूसरी दीवार बना दी गई है। बाहर जगह को पार्किंग में इस्तेमाल किया जा रहा है। मंदिर में गर्भगृह के अलावा एक बरामदा और आंगन है। गर्भगृह में चार दरवाजे भी हैं। परिसर में एक पीपल का पेड़ है। हिंदुओं के पलायन के बाद गर्भगृह के चारों दरवाजों को भी बंद करा दिया गया था। इनमें एक दरवाजे को तोड़कर गर्भगृह की खोदाई कराई जा रही है। भारतीय संस्कृति रक्षा समिति ने मठों और बाबा विश्वनाथ मंदिर की जमीन पर भी कब्जे का मुद्दा भी उठाया है।

मोहिनी किन्नर तीन साल से बंद मंदिर के बाहर जला रही दीपक : तीन साल से मंदिर के बाहर दीपावली पर दीपक जलाने वाली किन्नर मोहिनी ने बताया कि दीपावली पर मंदिर की दीवार को सजवाती हूं और दीपक जलाती हूं। पलायन कर गए सैनी समाज के लोग भी आकर समय-समय पर आकर मुझसे मिलकर जाते थे और खुश होते थे कि कम से मैं मंदिर परिसर में दीपक जलाती हूं। इधर, सेवा राम ने बताया कि मेरे परदादा स्व.भीमसेन ने यह मंदिर अपनी जमीन पर सौ वर्ष पहले बनवाया था। 1980 में दंगे में मेरे दादा गंगाराम की हत्या कर दी गई थी।

यूनियन कार्बाइड के कचरा निस्तारण मामले में मप्र के मंत्रियों में मतभेद

टीम नईदुनिया, भोपाल

- जब तक जनप्रतिनिधि संतुष्ट नहीं होंगे, तब तक पीथमपुर नहीं आने देंगे कचरा : कैलाश विजयवर्गीय

यूनियन कार्बाइड का 337 टन जहरीला कचरा निस्तारण के लिए भोपाल से पीथमपुर लाने की कवायद और स्थानीय लोगों द्वारा किए जा रहे विरोध के बीच नगरीय प्रशासन एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने मंगलवार को कहा कि जब तक जनप्रतिनिधि संतुष्ट नहीं हो जाते कि इससे नागरिकों के स्वास्थ्य को हानि नहीं है, तब तक इसे पीथमपुर नहीं आने देंगे। हम इस बारे में प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारियों से भी चर्चा करेंगे। वहीं, प्रदेश के गैस त्रासदी राहत एवं पुनर्वास विभाग के मंत्री विजय शाह का कहना है कि कचरा निष्पादन की कार्रवाई लंबे समय से अटकी है। उच्च न्यायालय के आदेश पर कचरा निष्पादन के लिए पीथमपुर भेजा जा रहा है। अब अगर किसी को इस प्रक्रिया पर आपत्ति है तो वह न्यायालय जा सकता है।

उधर, यूनियन कार्बाइड परिसर में कचरा भरकर कंटेनर खड़े हैं। अधिकारियों ने बताया कि जिन पांच जिलों से ट्रक गुजरने हैं, उनके कलेक्टरों से सुरक्षा संबंधी प्रतिवेदन मांगा गया है। इनमें से भोपाल और धार के कलेक्टरों ने प्रतिवेदन दे दिया है कि वे कचरा परिवहन के लिए ग्रीन कारिडोर बनाने के लिए तैयार हैं। इस बीच, पीथमपुर में कचरा शिफ्टिंग के विरुद्ध एमजीएम मेडिकल कालेज के एलुमिनाई एसोसिएशन ने हाई कोर्ट की इंदौर खंडपीठ में जो जनहित याचिका दायर की थी, उस पर मंगलवार को सुनवाई नहीं हो सकी।

बंगाल के हावरा में दो बांग्लादेशी महिला घुसपैठिया गिरफ्तार

राज्य ब्यूरो, जागरण • कोलकाता: पुलिस ने मंगलवार को बंगाल में उत्तर 24 परगना जिले के हावरा से दो बांग्लादेशी महिला घुसपैठियों को गिरफ्तार किया। उनके कब्जे से दो फर्जी भारतीय आधार कार्ड बरामद किए गए हैं। दोनों घुसपैठियों की पहचान 43 वर्षीय संध्या राय और 18 वर्षीय सुपर्णा राय के रूप में की गई है। पुलिस उनकी घुसपैठ का कारण जानने के लिए उनसे पूछताछ कर रही है। वहीं, 36 वर्षीय स्थानीय अमित मंडल को महिला घुसपैठियों को शरण देने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है।

मंडल बांग्लादेशी घुसपैठियों के लिए नकली भारतीय पहचान पत्र की व्यवस्था करने वाले रैकेट का हिस्सा है। मंडल से पूछताछ के बाद इसी रैकेट से जुड़े तीन अन्य लोगों को गिरफ्तार किया गया है। उनकी पहचान मतिउर रहमान, मिंटू दास और सायन हुसैन के रूप में की गई है। सभी छह को निचली अदालत में पेश किया गया और पूछताछ को पुलिस हिरासत में भेज दिया गया।

मंदिर–मस्जिद विवाद पर भागवत की टिप्पणी समाज से समझदारी की अपेक्षा : पांचजन्य

28 दिसंबर के अंक में पांचजन्य के संपादक ने संपादकीय में कहा

- संपादकीय में इस मुद्दे पर अनावश्यक बहस व भ्रामक प्रचार के विरुद्ध किया आगाह
- पूछा, समाज के रूप में क्या हम ऐसे विषयों के परिणामों का सामना करने को तैयार हैं

नई दिल्ली, प्रेट्र : आरएसएस से जुड़ी साप्ताहिक पत्रिका पांचजन्य ने कहा है कि मंदिर-मस्जिद विवाद फिर उठने पर संघ प्रमुख मोहन भागवत की हाल ही में की गई टिप्पणी समाज से इस मामले में समझदारी भरा रुख अपनाने का स्पष्ट आह्वान है। पत्रिका ने इस मुद्दे पर अनावश्यक बहस और भ्रामक प्रचार के विरुद्ध भी आगाह किया है।

संघ प्रमुख ने हाल में देशभर में मंदिर-मस्जिद विवाद फिर उठने पर चिंता व्यक्त की थी और कहा था कि अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के बाद कुछ व्यक्तियों को लगने लगा है कि वे ऐसे मुद्दे उठाकर हिंदुओं के नेता बन सकते हैं। भागवत ने समावेशी समाज की वकालत की थी और कहा था कि दुनिया को दिखाने की जरूरत है कि भारत सद्भावना से रह सकता है।

28 दिसंबर के अंक में पांचजन्य के संपादक हितेश शंकर ने संपादकीय में कहा, 'मंदिरों पर आरएसएस प्रमुख मोहनराव भागवत के हालिया बयान के बाद मीडिया जगत में तीखी बहस छिड़ गई है। या यूं कहें कि इसे जानबूझकर किया जा रहा है। एक स्पष्ट बयान के अलग-अलग अर्थ निकाले जा रहे हैं। हर दिन नई प्रतिक्रियाएं आ रही हैं।" संपादकीय में कहा गया है कि मंदिर हिंदुओं की आस्था के केंद्र हैं, लेकिन राजनीतिक लाभ के लिए उनका इस्तेमाल कतई स्वीकार्य नहीं है। आज के दौर में मंदिरों से जुड़े मुद्दों पर अनावश्यक बहस और भ्रामक प्रचार को बढ़ावा देना चिंताजनक है। इंटरनेट मीडिया ने इस प्रवृत्ति को और तेज किया है। खुद को सामाजिक कहने वाले कुछ असामाजिक तत्व इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म पर स्वयंभू रक्षक और विचारक बन गए हैं। ऐसे अविवेकी विचारकों से दूर रहने की जरूरत है जो भावनात्मक मुद्दों पर जनता की भावनाओं का शोषण करते हैं। मंदिरों की खोज को सनसनीखेज तरीके से पेश करना शायद मीडिया के लिए भी चलन बन गया है और यह एक तरह का मसाला है जो 24 घंटे चलने वाले (समाचार) चैनलों की भूख मिटाता है। सवाल यह है कि ऐसी खबरों और हर दिन आने वाले विषयों से समाज को क्या संदेश मिल रहा है? एक समाज के रूप में, क्या हम ऐसे विषयों को उठाने और उसके परिणामों का सामना करने को तैयार हैं?

पांचजन्य का संपादकीय उसके सहयोगी प्रकाशन आर्गनाइजर में इस उल्लेख के कुछ दिनों बाद आया है कि सोमनाथ से संभल और उससे आगे, ऐतिहासिक सत्य जानने और सभ्यतागत न्याय मांगने की लड़ाई है।

धोखाधड़ी में 22 साल बाद पूर्व बैंक मैनेजर को सश्रम कारावास की सजा

अहमदाबाद, प्रेट्र : अहमदाबाद में एक राष्ट्रीयकृत बैंक से 38.75 लाख रुपये की धोखाधड़ी के 22 साल से अधिक समय बाद एक विशेष सीबीआइ अदालत ने मंगलवार को इसके पूर्व शाखा प्रबंधक और 18 अन्य को तीन से पांच साल तक के सश्रम कारावास की सजा सुनाई। अदालत ने दोषियों पर 15.35 लाख रुपये का सामूहिक जुर्माना भी लगाया। अदालत ने 18 जुलाई, 2002 के एक मामले में अहमदाबाद में स्टेट बैंक आफ सौराष्ट्र की नरोदा रोड शाखा के तत्कालीन शाखा प्रबंधक बेचारभाई जाला और 18 अन्य को सजा सुनाई। अभियोजन पक्ष के अनुसार, जाला ने अपने पद का दुरुपयोग कर सार्वजनिक आवास योजना में बैंक को धोखा देने के लिए अन्य लोगों के साथ साजिश रची। सीबीआइ ने कहा है कि जाला जिस बैंक में कार्यरत था, उसे नुकसान पहुंचाकर अपने और अन्य लोगों के लिए 38.75 लाख रुपये का आर्थिक लाभ प्राप्त किया। कुल मिलाकर अलग-अलग तारीखों में 12 अलग-अलग आरोपपत्र दाखिल किए गए।

केरल में दूसरी कक्षा की छात्रा से दुष्कर्म के दोषी शिक्षक को 111 वर्ष की सजा

- फास्ट ट्रैक कोर्ट ने दोषी पर 1.05 लाख रुपये जुर्माना भी लगाया
- दुष्कर्म की जानकारी होने पर शिक्षक की पत्नी ने दे दी थी जान

तिरुअनंतपुरम, प्रेट्र: केरल में एक विशेष फास्ट ट्रैक कोर्ट ने मंगलवार को एक ट्यूशन शिक्षक को पांच साल पहले दूसरी कक्षा की छात्रा से दुष्कर्म के दोषी को 111 साल की कठोर कारावास और 1.05 लाख रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है। अगर जुर्माना नहीं भरा गया तो दोषी 44 वर्षीय मनोज को एक साल की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। इससे पहले अपने पति द्वारा नाबालिग लड़की के साथ दुष्कर्म के बारे में जानने पर मनोज की पत्नी ने अपनी जान दे दी थी।

न्यायाधीश आर रेखा ने कहा कि मनोज को बच्ची का अभिभावक भी माना जाता था। उसने ऐसा अपराध किया है, जिसके लिए कोई दया की आवश्यकता नहीं है। घटना दो जुलाई 2019 की है। दोषी एक सरकारी कर्मचारी है। वह अपने आवास पर कक्षाएं चलाता था। उसने बच्ची को एक विशेष कक्षा के लिए बुलाया और बाद में उसके साथ दुष्कर्म किया, साथ ही अपने मोबाइल फोन पर इसकी तस्वीरें भी ली थीं। घटना के बाद बच्ची ने डर से ट्यूशन जाना बंद कर दिया था। इसके बाद ट्यूशन शिक्षक ने घटना की तस्वीरें प्रसारित कर दीं। घटना के बारे में जानकर बच्ची के परिवार ने फोर्ट पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मनोज को गिरफ्तार कर उसका फोन जब्त कर लिया और फोरेंसिक जांच के लिए भेज दिया, जिसमें बच्चे के साथ दुष्कर्म की तस्वीरें सामने आईं।

छात्राओं से अश्लील हरकत में शिक्षक निलंबित

जागरण संवाददाता, हाथरस : एक सहायक अध्यापक अपनी मर्यादाओं को ही भूल गया। विद्यालय में पढ़ने वाली छात्राओं से अश्लील हरकत करता था। शिकायत पर मारपीट की धमकी देता था। कई दिन से प्रताड़ना झेल रहीं छात्राओं की शिकायत पर की गई जांच में आरोप प्रथमदृष्टया सही पाए गए। बीएसए स्वाति भारती ने सहायक अध्यापक अखिलेश कुमार अंबेश को निलंबित कर दिया है।

मामला प्राथमिक विद्यालय, पहाड़पुर का है। यहां अखिलेश कुमार अंबेश कई वर्षों से सहायक अध्यापक के रूप में कार्यरत है। विद्यालय में लगी शिकायत पेटिका 21 दिसंबर को खोली गई तो उसमें अखिलेश की शिकायत के चार पत्र मिले।

रामपुर में ग्रामीणों ने नहीं दिया बिल, विभाग ने पूरे गांव की काटी बिजली

जागरण संवाददाता, रामपुर

32 लाख का बकाया होने पर की कार्रवाई, प्रधान बोले– नहीं मिलता बिजली का बिल

बिल न जमा करने पर बिजली विभाग ने मंगलवार को पूरे गांव की बिजली काट दी। करीब 4,000 की आबादी वाले जटपुरा गांव में बिजली विभाग के 158 उपभोक्ताओं पर 32 लाख रुपये बिजली का बिल बकाया है, जिसके लिए विभाग ने ओटीएस (वन टाइम सेटलमेंट) के तहत गांव के उपभोक्ताओं को चिह्नित कर उन्हें नोटिस भेजा था। इसके बाद भी ग्रामीणों ने बकाया बिल नहीं जमा किया। वहीं, ग्राम प्रधान उस्मान अली सहित ग्रामीणों का कहना है कि उन्हें बिजली का बिल मिला ही नहीं, जिसके चलते बिल जमा नहीं किया गया।

खौद बिजली घर से जटपुरा गांव में बिजली आपूर्ति दी जाती है। बिजली विभाग ने इस गांव में 158 उपभोक्ताओं को कनेक्शन दे रखा है। ग्रामीणों ने काफी समय से बिल जमा नहीं किया, जिसके चलते विभाग ने बिल वसूली के लिए एक मुश्त समाधान (वन टाइम सेटलमेंट) के उपभोक्ताओं को चिह्नित कर उनकी सूची तैयार की। विभागीय अधिकारियों ने बताया कि गांव पर 32 लाख रुपये का बकाया हो गया। बिल जमा करने के लिए सभी उपभोक्ताओं को नोटिस दिया गया। गांव में विभाग ने बकाया जमा करने के लिए कैंप लगाया। गांव के चार लोगों ने ही बिल जमा करने को रजिस्ट्रेशन कराया।

अधिकारी देर शाम तक बकाया बिल जमा करने के लिए उपभोक्ताओं के आने का इंतजार करते रहे, लेकिन कोई नहीं आया, जिसके बाद उन्होंने गांव की मौजूदा स्थिति से विभाग के उच्चाधिकारियों को अवगत कराया। उनके दिशा-निर्देश पर पूरे गांव की बिजली आपूर्ति रोक दी गई। एसडीओ असबनी वेदी ने बताया कि नोटिस जारी करने पर भी भुगतान नहीं किया, जिसके बाद बिजली आपूर्ति रोकने की कार्रवाई की गई है।

हेमंत की हिम्मत

2001 में डान की मुंबई की संपत्ति की नीलामी में खरीदी थी दुकान, 19 दिसंबर को जीती मालिकाना हक की लड़ाई, कब्जा पाना बाकी

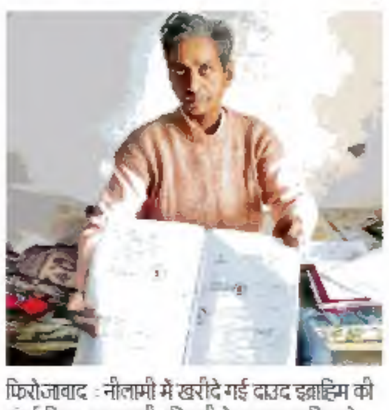

हारा दाऊद का डर, 23 साल बाद दुकान की रजिस्ट्री

जागरण संवाददाता, फिरोजाबाद

फिरोजाबाद : नीलामी में खरीदे गई दाउद इब्राहिम की मुंबई स्थित दुकान की रजिस्ट्री के कागजात दिखाते हेमंत जैन। जागरण

अंडरवर्ल्ड डान दाऊद इब्राहिम की मुंबई की संपत्ति की नीलामी में दुकान खरीदने वाले हेमंत की हिम्मत से दाऊद का डर हार गया। सबसे बड़ी बोली लगाकर दुकान तो खरीद ली, लेकिन विभाग रजिस्ट्री करने की हिम्मत नहीं जुटा पाया। 23 साल तक चली लड़ाई में हेमंत की एक-एक कर शहर की पांच दुकानें बिक गईं, लेकिन हिम्मत नहीं हारी। पांच साल तक हाई कोर्ट में मुकदमा लड़ा और जंग जीती। कोर्ट के आदेश पर आयकर विभाग ने 19 दिसंबर को दुकान की रजिस्ट्री कर दी। 144 वर्ग फीट की दुकान पर अभी कब्जा लेना बाकी है।

हेमंत जैन बिजली उपकरण की दुकान चलाते थे। उनकी अन्य चार दुकानें थीं, जो किराये पर उठा रखी थीं। 55 वर्ष के हेमंत जैन ने बताया कि 11 जनवरी 2001 को उन्होंने एक समाचार पढ़ा कि दाऊद इब्राहिम की संपत्ति नीलाम हो रही है, लेकिन डर के कारण कोई खरीददार आगे नहीं आ रहा है। इसके बाद उन्होंने डान के डर को हराने का फैसला लिया और 1200 किमी दूर मुंबई पहुंच गए। मुंबई स्थित आयकर विभाग के कार्यालय पहुंचे और दाऊद की जयराज भाई स्ट्रीट स्थित 144 वर्ग फीट की दुकान को खरीदने की इच्छा जताई। पहले तो अधिकारियों ने कई बार टरकाया, बाद में नीलामी में बुला लिया। नौ महीने बाद हुई नीलामी में सबसे बड़ी बोली लगाकर दो लाख रुपये में दुकान खरीद ली। पैसे जमा करने के बाद जब कब्जा लेने महाराष्ट्र पुलिस के पास पहुंचे तो उन्होंने आयकर विभाग के पास भेज दिया। जैन बताते हैं कि आयकर विभाग के अधिकारी उन्हें तारीख पर तारीख देते रहे। आयकर कार्यालय, मुंबई पुलिस और सब निबंधक कार्यालय ग्रेटर मुंबई के अनगिनत चक्कर लगाए, लेकिन रजिस्ट्री नहीं हो पाई। इसके बाद उन्होंने बांबे हाई कोर्ट की शरण ली। प्रधानमंत्री कार्यालय को पत्र भेजकर मदद की गुहार लगाई। पांच वर्ष तक मुकदमा चला। हाई कोर्ट का आदेश उनके पक्ष में आने पर विभाग ने विभिन्न मदों में 1.54 लाख रुपये जमा करवाए। इसके बाद 19 दिसंबर को दुकान की रजिस्ट्री कर दी। कोर्ट की लड़ाई में उनकी पांचों दुकानें बिक गईं। हेमंत जैन ने बताया कि वर्तमान में दुकान पर दाऊद का एक गुर्गा खराद मशीन चलाता है। अब दुकान की कीमत 23 लाख रुपये से अधिक है। 21 जनवरी को कब्जा लेने मुंबई पुलिस के पास जाएंगे।

****

मालदा में ग्राम पंचायत प्रधान के बांग्लादेशी घुसपैठिया होने का आरोप

राज्य ब्यूरो, जागरण • कोलकाता

- पांच ग्रामीणों ने कलकत्ता हाई कोर्ट में मामला दायर कर लगाए हैं आरोप
- नकली माता-पिता व फर्जी दस्तावेज से पहचान पत्र बनाने का आरोप

बंगाल में मालदा जिले के हरिश्चंद्रपुर की रशीदाबाद ग्राम पंचायत की मुखिया लवली खातून के बांग्लादेशी घुसपैठिया होने के आरोप लगे हैं। पंचायत चुनाव में लवली से हारने वाली रेहाना सुल्ताना समेत पांच ग्रामीणों ने कलकत्ता हाई कोर्ट में मामला दायर कर यह आरोप लगाए हैं। हालांकि, हाई कोर्ट के आदेश पर दो बार अनुमंडल दंडाधिकारी कार्यालय में इस मामले की सुनवाई हो चुकी है।

रेहाना के वकील ने कोर्ट में दावा किया है कि लवली खातून, जिनका असली नाम नसिया शेख है, बांग्लादेश से अवैध रूप से भारत में आईं और फर्जी दस्तावेज के जरिये भारतीय नागरिकता हासिल कर पंचायत चुनाव लड़ा। इसके बाद वह पंचायत प्रमुख बन गईं। लवली खातून पर आरोप है कि उनका वोटर कार्ड 2015 में और जन्म प्रमाण पत्र 2018 में जारी हुआ, लेकिन जांच में पता चला है कि दस्तावेज में उनके पिता का नाम शेख मुस्तफा दर्ज है, जबकि असली नाम जमील बिस्वास है। रेहाना के वकील ने कहा कि राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टार में भी लवली का कोई रिकार्ड मौजूद नहीं है। उनके द्वारा प्रस्तुत ओबीसी प्रमाण पत्र भी फर्जी है। उन्होंने नकली माता-पिता और 11 लोगों की झूठी गवाही का उपयोग करके भारतीय पहचान पत्र बनाए। गवाहों के बयानों पर हस्ताक्षर भी फर्जी हैं। हाई कोर्ट ने चांचल के एसडीओ को मामले की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने का आदेश दिया, लेकिन छह महीने बीतने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हुई।

आय से अधिक संपत्ति में सेवानिवृत्त आइआरएस अधिकारी व पत्नी को सजा

नई दिल्ली, एएनआइ : सीबीआइ की अदालत ने आय से अधिक संपत्ति के मामले में दो आरोपितों को सजा सुनाई है। इसमें आरवीएल नरसिम्हा राव सेवानिवृत्त आंध्र प्रदेश कैडर के आइआरएस अधिकारी और उनकी पत्नी आर गौरी रत्नम शामिल हैं। सीबीआइ ने इस मामले में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। आरवीएल नरसिम्हा राव और उनकी पत्नी के नाम पर जो चल और अचल संपत्तियां थीं, आय के ज्ञात स्रोतों से लगभग 31.20 लाख रुपये अधिक थीं। इसका वे संतोषजनक हिसाब नहीं दे सके। आर गौरी रत्नम ने अपने पति को अपने नाम पर संपत्ति अर्जित करने की अनुमति देकर अपराध को बढ़ावा दिया। कहा गया है कि विशेष न्यायालय विशाखापत्तनम ने सीबीआइ को लगभग 27.57 लाख रुपये की आय से अधिक संपत्ति जब्त करने के लिए उचित कार्यवाही शुरू करने का आदेश दिया।

25 दिसंबर से अयोध्या में रामलला के दर्शनार्थियों की संख्या प्रतिदिन एक लाख से ज्यादा रही है। 30 दिसंबर को 1,15,530 भक्तों ने रामलला के दर्शन किए।

www.jagran.com राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
बुधवार 1 जनवरी, 2025

महाकुंभ में शाही नहीं, अब अमृत स्नान

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बोले-भारतीय संस्कृति से चिढ़ने वाले महाकुंभ को लेकर कर रहे दुष्प्रचार

सुरक्षा एजेंसियों व खुफिया तंत्र को 24 घंटे सक्रिय रहने के निर्देश

जागरण संवाददाता, महाकुंभ नगर

सनातन की पताका फहराने वाले संतों व सनातनी धर्मावलंबियों की बड़ी मांग पर सहमति प्रदान करते हुए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को प्रयागराज मेला प्राधिकरण परिसर में शाही स्नान को अमृत स्नान घोषित कर दिया। उन्होंने कहा कि पावन संगम में अमृत की बूंदें गिरी थीं, जिसके बाद से कुंभ का आयोजन हुआ, जिससे इसे अमृत स्नान ही कहा जाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय संस्कृति और परंपरा से चिढ़ने वाले लोग महाकुंभ को लेकर दुष्प्रचार कर रहे हैं, उन्हें यथोचित जवाब दिया जाना चाहिए। सुरक्षा एजेंसियों को 24 घंटे सक्रिय रहने के निर्देश देते हुए खुफिया तंत्र को विशेष तौर पर सतर्कता बरतने को कहा। निर्देशित किया कि फर्जी वेबसाइट व फेक न्यूज पर अंकुश लगाया जाए। महाकुंभ को लेकर यातायात प्रबंधन पर जोर दिया।

मुख्यमंत्री महाकुंभ की तैयारियां परखने मंगलवार को इस माह में पांचवीं बार संगम नगरी पहुंचे। योगी ने कहा कि 13 जनवरी को पौष पूर्णिमा का पहला स्नान संपन्न होगा। मकर संक्रांति 14 जनवरी को दूसरा स्नान होगा, जो अमृत स्नान भी होगा। फिर 29 जनवरी को मौनी अमावस्या का स्नान होगा, जो मुख्य स्नान पर्वों में से एक है, जिसमें सबसे ज्यादा भीड़ आएगी। अनुमान है कि उस दिन छह से आठ करोड़ श्रद्धालु यहां पर आएंगे और अमृत स्नान में सहभागी बनेंगे। यह पवित्र मुहूर्त भी होगा। तीन फरवरी को बसंत पंचमी है, फिर 12 फरवरी और 26 फरवरी, यह दो अतिरिक्त स्नान समेत यहां पर कुल छह स्नान होने हैं। मुख्य स्नान के दिन कोई भी प्रोटोकाल नहीं होगा।

कहा-फर्जी वेब साइट व फेक न्यूज पर लगाया जाए अंकुश

आचमन योग्य गंगा : महाकुंभ-2025 की तैयारियां परखने मंगलवार को महाकुंभ नगर पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पावन संगम तट पर गंगा जल से आचमन किया। इस दौरान उनके चेहरे पर स्वच्छ और निर्मल गंगा के प्रति आश्वस्ति व संतुष्टि के भाव दिखे। सूचना विभाग

दैनिक जागरण के अभियान पर मुहर

सनातन धर्म की आस्था और वैभव के प्रतीक कुंभ-महाकुंभ में सदियों से अखाड़ों की परंपरा में पेशवाई व शाही स्नान शब्द का प्रयोग हो रहा था। शाही उर्दू व पेशवाई फारसी शब्द है। सनातन धर्मावलंबियों की मंशा के अनुरूप दैनिक जागरण ने छह से 18 सितंबर 2024 तक समाचारीय अभियान चलाया। इसमें संतों, भाषाविद, शिक्षकों व सनातन धर्म के विद्वानों की राय प्रकाशित की गई। हर किसी ने शाही स्नान व पेशवाई का नाम हटाने पर सहमति व्यक्त की थी। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद ने अपनी बैठक में प्रस्ताव पारित किया था। जनभावनाओं के अनुरूप मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शाही स्नान का नाम बदलकर अमृत स्नान कर दिया है। वहीं, पेशवाई को अखाड़ा नगर प्रवेश व छावनी प्रवेश लिखने लगे हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शाही स्नान का नाम बदलकर अमृत स्नान करके गुलामी के चिह्न को खत्म कर दिया है। इससे दुनियाभर के करोड़ों-अरबों सनातन धर्मावलंबी गौरवांवित और प्रफुल्लित हैं। उन्होंने एक बार फिर साबित कर दिया कि वह सच्चे संत हैं। हमें योगी आदित्यनाथ पर गर्व है। हम आश्वस्त हैं कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में सनातन धर्म व भारत तथा उत्तर प्रदेश का गौरव निरंतर बढ़ता रहेगा।

-श्रीमहंत रवींद्र पुरी, अध्यक्ष, अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद व मनसा देवी ट्रस्ट हरिद्वार

माथे के तिलक में छिपा है संत परंपरा व पंथ का रहस्य

अखाड़ों का संसार

जागरण संवाददाता, महाकुंभ नगर

भगवा, सफेद व पीला वस्त्र, कंठी-माला के साथ माथे के मध्य में लगा तिलक संतों की पहचान है। इसमें सबसे खास है तिलक, जिसमें उनकी परंपरा व पंथ का रहस्य छिपा है। संत कुमकुम, चंदन, हल्दी व भस्म का तिलक लगाते हैं। मान्यता है कि माथे के मध्य भाग में तिलक लगाने से एकाग्रता, संयम, आत्म शक्ति में वृद्धि होती है।

शैव संप्रदाय के संत ललाट पर चंदन की आड़ी रेखा या त्रिपुंड लगाते हैं। वहीं, शाक्त सिंदूर का तिलक लगाते हैं। इसे उग्रता का प्रतीक माना जाता है, जिससे साधक की शक्ति व तेज में वृद्धि होती है। इसी प्रकार वैष्णव संप्रदाय के संत 64 प्रकार से तिलक लगाते हैं। इनमें से प्रमुख श्री तिलक है, जिसमें चंदन के तिलक के बीच कुमकुम या हल्दी की खड़ी रेखा बनती है। वहीं, श्यामश्री तिलक को भगवान श्रीकृष्ण के उपासक धारण करते हैं। इसमें चंदन के बीच काले रंग की मोटी रेखा होती है। विष्णु स्वामी तिलक और रामानंद तिलक प्रमुख रूप से लगाया जाता है। विष्णु स्वामी तिलक दो चौड़ी खड़ी रेखाओं से बनती है, यह तिलक दोनों भौहों के बीच तक लगाया जाता है। रामानंद तिलक धारण करते समय विष्णु स्वामी तिलक के बीच में कुमकुम की खड़ी रेखा खींची जाती है।

शास्त्रों के अनुसार तिलक लगाने में अंगुली का विशेष महत्व होता है। जो मोक्ष की इच्छा रखते हैं, उन्हें अंगूठे से तिलक लगाना चाहिए। धनवान बनने की इच्छा रखने वाले मध्यमा अंगुली से तिलक लगाएं। सुख-शांति की प्राप्ति के लिए अनामिका का प्रयोग करना चाहिए।

शैव, शाक्त, वैष्णव सहित हर समुदाय का अलग है तिलक

संगम क्षेत्र में स्नान के बाद तिलक लगाते संत-महात्मा। जागरण आर्काइव

गंगासागर तीर्थ आसान करने में जुटी ममता सरकार, परिवहन की विशेष व्यवस्था

राज्य ब्यूरो, जागरण ● कोलकाता : सदियों पुरानी कहावत है-सब तीरथ बार-बार, गंगासागर एक बार।' इसका कारण वहां की दुर्गम यात्रा है। गंगासागर चारों तरफ से पानी से घिरा द्वीप है, जहां पहुंचने के लिए विशाल मूड़ी गंगा नदी पार करनी पड़ती है। इसके लिए स्टीमर एकमात्र साधन है। मूड़ी गंगा में प्रचुर गाद जमा होने के कारण भाटा के समय जलस्तर काफी घट जाता है, जिससे स्टीमर का परिचालन घंटों बंद करना पड़ता है। बंगाल सरकार की ओर से कहा गया है कि नदी की ड्रेजिंग का जोर-शोर से काम चल रहा है। इसके फलस्वरूप भाटा पड़ने पर भी 18 से 20 घंटे स्टीमर सेवा चालू रहेगी। 100 स्टीमर की व्यवस्था की जाएगी व 21 जेटी का इस्तेमाल किया जा सकेगा।

दूसरी ओर, बंगाल सरकार के अनुरोध पर रेलवे की ओर से मकर संक्रांति के समय गंगासागर के लिए हावड़ा, सियालदह व नामखाना स्टेशनों से 71 अतिरिक्त ट्रेनें चलाई जाएंगी। राज्य सरकार की ओर से 2250 सरकारी व 250 निजी बसों की भी व्यवस्था की जा रही है। तीर्थयात्रियों के लिए सिंगल टिकट की व्यवस्था की जाएगी। मालूम हो कि बंगाल सरकार अपने पिछले राज्य बजट में मूड़ी गंगा पर अपने कोष से सेतु के निर्माण की भी घोषणा कर चुकी है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा है कि इसकी विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार हो चुकी है।

तेलगी स्टांप घोटाले के पांच दोषियों को तीन साल जेल की सजा

नई दिल्ली, एएनआइ : तेलगी स्टांप घोटाले के पांच दोषियों को सीबीआइ मामलों के विशेष जज ने सोमवार को तीन साल जेल की सजा सुनाई है। इन दोषियों में फाल्गुनी बेन बाबूभाई पटेल, किशोर कुमार पुरषोत्तम भाई पटेल, प्रशांत नंगप्पा पाटिल, अमजद अली और जाकिर हुसैन शामिल हैं। दोषियों पर कुल 2.5 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है।

सीबीआइ ने मंगलवार को कहा, इन व्यक्तियों को भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत आपराधिक साजिश, स्टांप की जालसाजी, धोखाधड़ी, और जाली दस्तावेज बनाने या रखने आदि के अपराधों के लिए दोषी पाया गया। यह घोटाला 2001 में उजागर हुआ था। सूरत और अहमदाबाद में स्टांप विक्रेताओं पर छापेमारी के दौरान धोखाधड़ी की गतिविधियों का पता चला था। बड़ी संख्या में फर्जी स्टांप जब्त किए गए थे। अब्दुल करीम तेलगी इस घोटाले का मास्टरमाइंड था।

मामले में सीबीआइ ने 16 आरोपितों के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया था। इनमें से दो आरोपितों की मुकदमे

- सीबीआइ मामलों के विशेष जज ने 2.5 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया
- 2001 में उजागर हुए इस घोटाले का मास्टरमाइंड था अब्दुल करीम तेलगी

के दौरान मृत्यु हो गई, जबकि नौ अन्य को पहले दोषी ठहराया गया था। आरोप लगाया गया था कि आरोपितों ने अहमदाबाद और सूरत में विभिन्न मूल्यवर्ग के जाली स्टांप पेपर, कोर्ट शुल्क स्टांप, शेयर ट्रांसफर स्टांप आदि का इस्तेमाल किया या बेचा।

कोर्ट ने इससे पहले 20 अगस्त, 2008 को पांच लोगों को पांच साल कैद और प्रत्येक को 25 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई गई। 19 मार्च 2009 को अदालत ने सादिक इब्राहिम हुडली और अब्दुल करीम तेलगी को सात साल की कैद और 35-35 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई थी। सिद्धार्थ उर्फ सिद्धू को पांच साल कैद 30 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई थी। वर्ष 2010 में कोर्ट ने राजू नायक को दो साल कैद की सजा सुनाई थी।

गलत दिशा में खोदी सुरंग, 9वें दिन भी बोरवेल से नहीं निकाली गई बच्ची

जागरण संवाददाता, जयपुर

- अब कलेक्टर ने कहा - कोशिश जारी है, टीम ने हिम्मत नहीं हारी है

राजस्थान में कोटपुतली जिले के किरतपुरा गांव में 700 फीट गहरे बोरवेल में गिरकर 120 फीट पर फंसी तीन साल की बच्ची चेतना को मंगलवार को नौवें दिन भी बाहर नहीं निकाला जा सका। एनडीआरएफ की टीम ने बोरवेल के निकट 170 फीट गहराई का अलग गड्ढा खोदा था। गड्ढे से बोरवेल तक सुरंग बनाई गई थी। मंगलवार को सामने आया कि जो सुरंग खोदी जा रही थी, उसकी दिशा ही गलत थी। सुरंग बोरवेल में वहां तक पहुंची ही नहीं, जहां बच्ची अटकी है।

सोमवार को देर रात तक बच्ची को निकाल लेने का दावा कर रहीं जिला कलेक्टर कल्पना अग्रवाल ने कहा कि अब तक बोरवेल को ट्रेस नहीं किया जा सका है। कोशिश की जा रही है। टीमों ने हिम्मत नहीं हारी है, हम आशान्वित हैं। बता दें कि पिछले छह दिनों से एनडीआरएफ के जवान 10 फीट की सुरंग खोदने में जुटे थे। गलत दिशा में खोदी गई सुरंग ने प्रशासनिक अधिकारियों

कोटपुतली में चल रहा बचाव अभियान। फाइल

व एनडीआरएफ टीम की योजना पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। लोगों ने प्रशासन पर लापरवाही बरतने का आरोप लगाया है।

चेतना 23 दिसंबर को घर के बाहर खेलते खुले बोरवेल में गिरी थी। अब बोरवेल की सही दिशा पता लगाने के लिए जीपीआर (ग्राउंड पेनेट्रेटिंग रडार) मशीन मंगवाई गई है। मशीन से सही दिशा का अनुमान लगाया जाएगा। इसके बाद बचाव कार्य शुरू होगा। एनडीआरएफ टीम प्रभारी योगेश मीणा ने कहा कि जमीन में पत्थर आने से ब्लास्ट नहीं कर सकते हैं।

महाकुंभ को लेकर फिर धमकी, स्क्रीन शाट प्रसारित, जांच शुरू

जार्ज, प्रयागराज : खालिस्तान समर्थक आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू के बाद महाकुंभ को लेकर एक और धमकी दी गई है। इंस्टाग्राम पर दी गई धमकी का स्क्रीन शाट इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हुआ है। मामले को गंभीरता से लेते हुए महाकुंभ पुलिस और साइबर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

इंस्टाग्राम पर नसर पठान नामक अकाउंट से हिंदुओं पर आपत्तिजनक टिप्पणी करते हुए महाकुंभ को लेकर धमकी दी गई है। प्रसारित स्क्रीन शाट पुलिस अधिकारियों तक पहुंचा तो संज्ञान लिया गया। शुरुआती छानबीन में पता चला है कि नसर पठान नाम से बने इस अकाउंट के शून्य फालोवर हैं। एसएसपी महाकुंभ राजेश द्विवेदी का कहना है कि मामले की जांच कराई जा रही है। सच्चाई का पता चलने पर मुकदमा दर्ज कर आरोपित के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। गौरतलब है कि पीलीभीत में तीन खालिस्तानी आतंकियों की मुठभेड़ में मौत के बाद पन्नू ने धमकी दी थी।

कोलकाता में साढ़े छह करोड़ रुपये की नकली दवाएं जब्त

राज्य ब्यूरो, जागरण ● कोलकाता

- नकली दवाओं पर आयरलैंड, तुर्किये, अमेरिका और बांग्लादेश सहित विभिन्न देश से संबंधित लगे हैं लेबल

केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) और औषधि नियंत्रण निदेशालय, पश्चिम बंगाल ने एक प्रतिष्ठान से संबंधित परिसरों में संयुक्त रूप से छापामारी कर छह करोड़, 60 लाख रुपये मूल्य की नकली दवाएं जब्त की हैं। कार्रवाई में एक महिला को गिरफ्तार किया गया है, जो उक्त प्रतिष्ठान की मालकिन है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने मंगलवार को बयान जारी कर इसकी जानकारी दी।

बयान के मुताबिक कोलकाता स्थित 'एम/एस केयर एंड क्योर फार यू' नामक प्रतिष्ठान के परिसरों में की गई छापामारी में बड़ी मात्रा में कैंसर, मधुमेह और अन्य रोग के इलाज में प्रयुक्त होने वाली दवाएं जब्त की गई हैं, जिनके नकली होने का संदेह है। इन दवाओं पर आयरलैंड, तुर्किये, अमेरिका और बांग्लादेश सहित विभिन्न देश से संबंधित लेबल लगे हैं। भारत में इनके वैध आयात को साबित करने के लिए कोई सहायक दस्तावेज नहीं मिला है। मंत्रालय ने कहा कि ऐसे दस्तावेज के अभाव में इन दवाओं को नकली माना जाता है। जांच दल को कई खाली पैकिंग सामग्रियां भी मिली है, जो जब्त उत्पादों की प्रामाणिकता पर सवाल खड़ा करती है। दवाओं के नमूनों को परीक्षण के लिए प्रयोगशाला भेजा गया है। मामले में गिरफ्तार महिला को सीडीएससीओ के पूर्वी जोन के औषधि निरीक्षक ने हिरासत में लेकर अदालत में पेश किया। वहां से उसे 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

प्रेमिका से मिलने गया अलीगढ़ का युवक पाकिस्तान में गिरफ्तार, स्वजन अनजान

जागरण संवाददाता, अलीगढ़

- मीडिया रिपोर्ट्स में दावा-अर्धरूप से पाकिस्तान में किया प्रवेश, भेजा गया जेल
- दीपावली से पहले बिना बताए गया था, 30 अक्टूबर से नहीं हुआ स्वजन से संपर्क

अलीगढ़ के युवक बादल बाबू को पाकिस्तान में गिरफ्तार कर लिया गया है। मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि फेसबुक पर एक महिला से युवक की दोस्ती हुई थी। उससे मिलने के लिए उसने बिना वीजा सीमा पार की। 27 दिसंबर को पाकिस्तान की पंजाब पुलिस ने मंडी बहाउद्दीन इलाके से उसे गिरफ्तार किया। वहां की अदालत ने उसे 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। मंगलवार को स्वजन को इंटरनेट मीडिया से इसकी जानकारी मिली। उनका कहना है कि बेटा दिल्ली में नौकरी करता था। दीपावली से पहले बिना बताए चला गया था। 30 अक्टूबर को वीडियो काल आई। 15 मिनट बात हुई। उसने कहा कि जहां पहुंचना था, वहां पहुंच गया हूं। दोस्त के मोबाइल फोन से बात कर रहा हूं। जब अपना फोन लूंगा, तब बात करूंगा। इसके बाद से स्वजन का कोई संपर्क नहीं हुआ।

बादल बाबू। सौ. स्वजन

पिता कृपाल सिंह ने बताया कि बादल दिल्ली में निजी कंपनी में सिलाई का कार्य करता था। रक्षाबंधन से पहले उसने दुबई जाकर काम करने की बात कही, लेकिन स्वजन ने मना कर दिया। दीपावली से

अगस्त में भी बार्डर पर पहुंचा था

पिता के अनुसार अगस्त में बादल को दुबई जाना था। इसके लिए जम्मू से फ्लाइट थी। बरसात होने से वह एयरपोर्ट पर देरी से पहुंचा। इसके चलते फ्लाइट छूट गई। वहां से पाकिस्तान बार्डर की तरफ चला गया था। वहां पाकिस्तानी सेना के जवानों ने रोका था। तब भारतीय सैनिकों ने अपने कब्जे में लेकर स्वजन के हवाले कर दिया था। एसपी देहात अमृत जैन ने बताया कि इंटरनेट मीडिया से युवक की पाकिस्तान में गिरफ्तारी की जानकारी मिली है। आधिकारिक सूचना नहीं है। उसके स्वजन से बात की गई है। बेटे के पाकिस्तान में जाने के बारे में उन्हें भी कोई जानकारी नहीं है।

15 दिन पहले वह कहीं चला गया। फोन करने पर बोला कि काम के सिलसिले में आया हूं। दीपावली पर आ जाऊंगा। फिर दीपावली से एक दिन पहले 30 अक्टूबर को वीडियो काल किया।

श्रीलंका की महिला और उसके दोस्त का अमृतसर में अपहरण, दो गिरफ्तार

जागरण संवाददाता, अमृतसर : श्रीलंका से भारत पहुंची महिला और उसके दोस्त का सोमवार को अमृतसर बस अड्डे के पास से कार सवार दो ट्रैवल एजेंटों ने अपहरण कर लिया। आरोपितों ने तीन हजार यूएस डालर वसूलने के बाद इनके अमृतसर में बैठे चार दोस्तों से आठ हजार यूरो की और मांग की। विरोध करने पर आरोपितों ने अपहृत दोनों दोस्तों की हत्या की धमकी दी। पता चलते ही पुलिस ने दोनों ट्रैवल एजेंटों को गिरफ्तार कर लिया है। अपहृत दोनों महिला व उसके दोस्त को भी बरामद कर लिया गया है। हालांकि, इस संबंध में कोई पुलिस अधिकारी बोलने को तैयार नहीं है।

श्रीलंका के बेटीकोलो में रहने वाले लीलजीथन ने अमृतसर पुलिस को दी शिकायत में बताया कि दो दिसंबर को वह अपने दोस्तों जोहन, कारथीका, ललित प्रियंथा, कनिष्का और सुमरधन के साथ दिल्ली पहुंचे थे। दिल्ली में उन्हें श्रीलंका का ही असीथा नामक युवक मिला। आरोपित ने उन्हें बताया था कि वह सभी को वर्क वीजा पर अल्बानिया भेज सकता है।

महाराष्ट्र के सरपंच हत्याकांड के मास्टरमाइंड ने किया आत्मसमर्पण

राज्य ब्यूरो, जागरण ● मुंबई

- आरोपित को राकांपा कोटे से मंत्री धनंजय मुंडे का माना जाता है करीबी

महाराष्ट्र के बीड जिले में नौ दिसंबर को हुई सरपंच की हत्या में वांछित वाल्मीक कराड ने मंगलवार को पुणे सीआइडी के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। कराड को राकांपा कोटे से मंत्री धनंजय मुंडे का करीबी माना जाता है। कराड के आत्मसमर्पण के बाद मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा है कि बीड में गुंडागर्दी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

बीड के मस्सजोग गांव के सरपंच संतोष देशमुख का नौ दिसंबर को अपहरण कर लिया गया था। बाद में उनका क्षत-विक्षत शव मिलने से सनसनी फैल गई थी। बताया जाता है कि यह हत्या क्षेत्र में पवनचक्की लगाने वाली एक कंपनी से धन वसूली का संतोष देशमुख द्वारा विरोध करने के कारण हुई थी। हालांकि, इस हत्या के मामले में पुलिस अब तक चार आरोपितों को गिरफ्तार कर चुकी है। लेकिन इस हत्याकांड का मास्टरमाइंड मंत्री धनंजय मुंडे के करीबी वाल्मीक कराड को माना जा रहा था।

मुंबई होर्डिंग हादसे का मुख्य आरोपित लखनऊ से गिरफ्तार

मुंबई, प्रेट्र : मुंबई पुलिस ने घाटकोपर में होर्डिंग ढहने के मामले के मुख्य आरोपित को लखनऊ से गिरफ्तार किया है। उसकी पहचान कारोबारी अरशद खान के रूप में हुई है। वह सात माह से फरार था। घाटकोपर में विगत वर्ष 13 मई को तेज हवाओं और वर्षा के बीच एक पेट्रोल पंप पर विशालकाय अवैध होर्डिंग गिर गई थी। इसमें 17 की मौत हो गई थी, जबकि 80 से अधिक घायल हुए थे।

वह सरपंच के अपहरण और हत्या के बाद से ही फरार था। उसकी गिरफ्तारी की मांग को लेकर दो दिन पहले एक बड़ा मोर्चा निकाला गया था। इसमें सत्तापक्ष एवं विपक्ष दोनों के कई विधायक शामिल हुए थे। विपक्षी दल कराड के बहाने राकांपा कोटे के मंत्री धनंजय मुंडे पर भी निशाना साध रहे थे।

कर्नाटक हाई कोर्ट ने आइआइएमबी में भेदभाव मामले में कार्यवाही रोकी

बेंगलुरु, प्रेट्र: कर्नाटक हाई कोर्ट ने नागरिक अधिकार प्रवर्तन निदेशालय (डीसीआरई) प्रकोष्ठ के नोटिस के बाद भारतीय प्रबंधन संस्थान बेंगलुरु (आइआइएमबी) के अधिकारियों और संकाय सदस्यों के खिलाफ शुरू की गई कार्यवाही पर अंतरिम रोक लगा दी है। यह नोटिस आइआइएमबी के एसोसिएट प्रोफेसर गोपाल दास की शिकायत के बाद दिया गया था। दास ने संस्थान में जाति के आधार पर भेदभाव का आरोप लगाया है।

जस्टिस हेमंत चंदनगौदर ने अपने आदेश में स्पष्ट किया कि डीसीआरई को फर्जी जाति प्रमाण पत्र के दावों के संबंध में कार्रवाई करने का अधिकार है, लेकिन उत्पीड़न के आरोपों की जांच करने का अधिकार उसके पास नहीं है। नोटिस को डीसीआरई के अधिकार क्षेत्र से बाहर पाते हुए कोर्ट ने आइआइएमबी के निदेशक प्रोफेसर ऋषिकेश टी कृष्णन और संकाय सदस्यों दिनेश कुमार, श्रीलता जोनालागड्डा, प्रोफेसर राहुल डे, प्रोफेसर आशीष मिश्रा और प्रोफेसर चेतन सुब्रमण्यम सहित सभी याचिकाकर्ताओं को अंतरिम राहत प्रदान की।

श्रीराम

भव्य मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा ने किया गौरवान्वित, नया वैभव प्राप्त करने की ओर अग्रसर है रामनगरी अयोध्या

सनातन धर्म के गौरव की पुनर्प्रतिष्ठा के लिए जाना जाएगा वर्ष 2024

रघुवरशरण ● जागरण

अयोध्या : जिजिस चिर अभिलाषा के पूर्ण होने की आस पिछले 496 वर्ष से थी, उसकी तिथि अंततः 22 जनवरी, 2024 को आई। यह तिथि सनातन धर्म के गौरव की पुनर्प्रतिष्ठा के लिए इतिहास के पृष्ठों में अंकित हो गई। नव्य, भव्य और दिव्य राममंदिर में रामलला के विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा होने के बाद जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी उनके समक्ष साष्टांग थे तो सनातनियों की धर्मध्वजा शिखर पर थी। वह संभावना भी साकार होने लगी जो रामनगरी को त्रेतायुगीन वैभव दिलाने को लेकर व्यक्त की जा रही थी। प्राण प्रतिष्ठा के बाद तो राम मंदिर के साथ संपूर्ण रामनगरी की आकांक्षाओं को पंख लग गए।

रामलला को छह दिसंबर 1992 को मस्जिद के ढांचे से मुक्ति तो मिल गई, किंतु गरिमा के अनुरूप भव्य प्रासाद में वापसी के लिए रामलला को 32 साल और प्रतीक्षा करनी पड़ी। राम मंदिर के साथ रामनगरी को भी अपनी गरिमा से न्याय के लिए लंबी प्रतीक्षा करनी पड़ी। जो आज अयोध्या धाम रेलवे स्टेशन के रूप में वैश्विक स्तर की साज-सुविधा और विशालता से युक्त हो उठा है। रेलवे स्टेशन परिसर से बाहर निकलते-निकलते यह धारणा पुख्ता होने लगती है कि रामलला की प्रतिष्ठा के साथ यशस्वी सूर्यवंशीय नरेशों की प्राचीन राजधानी आज भी वैभव में कम नहीं है। उत्कर्ष की पुष्टि नगरी के एक अन्य संपर्क केंद्र महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा से भी होती है। युगों पूर्व लंका विजय के बाद श्रीराम पुष्पक विमान से माता सीता, लक्ष्मण एवं हनुमानजी सहित बड़ी संख्या में वानर-भालुओं के साथ अयोध्या आए थे। युगों बाद ही सही विमान सेवा की यह विरासत प्रवहमान होने के भी लिए 2024 दीर्घ काल तक अविस्मरणीय रहेगा।

रामलला की प्राण प्रतिष्ठा की तैयारी के साथ रामनगरी धर्म, अध्यात्म और पर्यटन के अन्य अंगों-उपांगों से सज्जित होती रही और प्राण प्रतिष्ठा के बाद के 343 दिन की अवधि में राम मंदिर के शिखर की तरह रामनगरी के इन आयामों का भी शिखर प्रशस्त हुआ। 2024 ने सुदीर्घ अवधि तक लंबित रहने के चलते असंभव प्रतीत होने वाले सपनों-संभावनाओं को अपेक्षा से भी अधिक मात्रा में साकार करने के साथ उस घुटन को भी उल्लास में रूपांतरित किया, जिसे रामनगरी और राम भक्तों ने सदियों तक सहन किया।

मंगलवार सुबह रामलला के दर्शन को लगी श्रद्धालुओं की भीड़। सौ. ट्रस्ट

प्राण प्रतिष्ठा के बाद से पौने तीन करोड़ श्रद्धालुओं ने किया दर्शन

रामलला के दर्शनार्थियों से लेकर रामनगरी आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या में भी ढाई से तीन गुना की वृद्धि दर्ज हुई। जहां पूर्व में पूरे साल रामनगरी आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या एक करोड़ तक होती थी, वहीं 2024 में यह संख्या तीन करोड़ का स्पर्श करने को है। 22 जनवरी को रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद से 2024 के अंत तक अकेले रामलला के दर्शनार्थियों की संख्या पौने तीन करोड़ के पार होने का अनुमान है। इतनी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के आगमन से आस्था का शिखर चमकने के साथ आर्थिकी का भी शिखर चमक उठा है।

विराजमान रामलला के दर्शन के लिए उमड़े दर्शनार्थी, बढ़ाई गईं लेन

लवलेश कुमार मिश्र ● जागरण

- नए वर्ष के प्रथम दिन मंदिर में दर्शनार्थियों की भीड़ नियंत्रित करने के लिए ट्रस्ट ने किए कई उपाय
- रामजन्मभूमि पथ पर बढ़ाई गईं चार लेन, अब आठ कतार में दर्शन के लिए मंदिर में जाएंगे भक्त

अयोध्या : सैकड़ों वर्षों की प्रतीक्षा के उपरांत रामजन्मभूमि पर निर्मित हुए मंदिर में विराजमान रामलला के दर्शन के लिए भक्तों में अपार उत्सुकता दिख रही है। मंगलवार को भी राम मंदिर में बड़ी संख्या में दर्शनार्थी पहुंचे। दिन भर मंदिर परिसर श्रद्धालुओं से खचाखच भरा रहा। नए वर्ष के प्रथम दिन भारी भीड़ उमड़ने की संभावना को लेकर श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने दर्शन व्यवस्था में थोड़ा बदलाव किया है। न केवल रामजन्मभूमि पथ पर लेन बढ़ा दी गई हैं, बल्कि मंदिर में भी सिंह द्वार से आगे अब दो कतार में श्रद्धालु आगे बढ़ेंगे।

नए वर्ष के आगमन और स्कूल-कालेजों व संस्थानों में शीतकालीन अवकाश के कारण बीते एक सप्ताह से राम मंदिर में दर्शनार्थियों की संख्या में काफी वृद्धि हुई है। बीत रहे वर्ष के अंतिम दिन मंगलवार को भी राम मंदिर में बड़ी संख्या में श्रद्धालु उमड़े। सुबह सात बजे से ही दर्शन शुरू होने के बाद से देर शाम तक पूरा रामजन्मभूमि परिसर श्रद्धालुओं से खचाखच भरा रहा। नववर्ष के प्रथम दिन बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने का अनुमान लगाते हुए ट्रस्ट ने दर्शन को लेकर न केवल व्यवस्थाएं सुनिश्चित की हैं, बल्कि कुछ बदलाव भी किए हैं, जिससे सभी भक्तों को सुगमता से दर्शन मिले।

****

" स्वास्थ्य सर्वोपरि और प्राथमिक चिंता का विषय है क्योंकि अच्छा स्वास्थ्य न केवल आवश्यक है, बल्कि समाज के अच्छे स्वास्थ्य के लिए भी आवश्यक है।
जगदीप धनखड़, उपराष्ट्रपति

निरोगी बनाने के लिए आकार ले रहे प्रयास

नववर्ष 2025 शुरू हो चुका है। यह वर्ष नई उम्मीदों, नए प्रयासों और उन्हें साकार होते देखने का वर्ष हो सकता है। स्वास्थ्य के लिए सरकार और समाज के स्तर पर होने वाले प्रयास बदलाव के वाहक हो सकते हैं। उम्मीदें 2025 में ऐसे दो बदलावों से जुड़ी सफलता की कहानियां साझा करेंगे। अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैया कराने के लिए हो रहे प्रयासों की अब एक बेहतर तस्वीर सामने आई है। आयुष्मान भारत योजना के तहत देश के दूर दराज के इलाकों में आयुष्मान मंदिर खोले जा रहे हैं। जिससे ग्रामीण इलाकों में स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैया हो रही हैं। ही ऐसी एईएस जैसी बीमारी, जिसके प्रकोप से कभी बच्चों की बड़ी संख्या में मौत होती थी, लेकिन अब उसे लेकर हुए अध्ययन और प्रबंधन से इस बीमारी के खात्मे की ओर हम बढ़ चुके हैं।

सुदूर गांव तक भी पहुंचीं स्वास्थ्य सेवाएं

शैलेंद्र गोदियाल • जागरण

उत्तरकाशी: उत्तराखंड के दूरस्थ अंचल में लोग आज भी स्वास्थ्य सुविधाओं का अभाव झेल रहे हैं, लेकिन कुछ क्षेत्र ऐसे भी हैं, जहां स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार हुआ है। ऐसा ही एक इलाका उत्तरकाशी जिले के मोरी ब्लाक में पड़ता है। कभी सिरदर्द की दवा के लिए भी ग्रामीणों को 25 किमी दूर मोरी या फिर 65 किमी दूर पुरोला जाना पड़ता था। लेकिन, वर्ष 2023 से ढडियार गांव में संचालित आयुष्मान आरोग्य मंदिर ने उम्मीद की किरण दिखाई है।

यह केंद्र बीमारियों की रोकथाम के अलावा गर्भवती महिलाओं और बच्चों की स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए मील का पत्थर साबित हो रहा है। यहां स्वास्थ्य कर्मियों के सामूहिक प्रयास से इस दूरस्थ क्षेत्र में स्वस्थ समाज की परिकल्पना साकार होती जा रही है। इसी कारण वर्ष 2024 में राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक के तहत क्वालिटी सर्टिफाइड प्राप्त करने वाला यह उत्तराखंड का पहला केंद्र बना है।

जिला मुख्यालय से करीब 183 किमी दूरी तय करने के बाद ढडियार गांव आता है। यह निकटवर्ती छह गांवों का केंद्र भी है। इन सात गांवों की आबादी 4,800 के आसपास है। इस आबादी को भी अब बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिल रही हैं।

उत्तरकाशी जिले के दूरस्थ क्षेत्र ढडियार में स्थापित आयुष्मान आरोग्य मंदिर • जागरण

जागरुकता बढ़ा कर रहे बीमारियों की पहचान और ट्रेकिंग

आयुष्मान आरोग्य मंदिर ढडियार में बीपी और शुगर के मरीजों की पहचान कर उनकी ट्रेकिंग भी की जा रही है। फिलहाल बीपी के 30 और शुगर के 20 मरीज नियमित इलाज ले रहे हैं। इन मरीजों की दवा नियमित इसी केंद्र में आती है और इसी के माध्यम से वितरित की जाती है। इसके अलावा ढडियार, बेगल, सल्ला, भंकवाड़, कुकरेड़ा, देवती व बुटूत्रा गांव में टीबी जांच के लिए स्क्रीनिंग की जाती है।

स्वास्थ्य के प्रति जागरुकता के लिए लगा रहे शिविर • जागरण

हाई रिस्क गर्भवती महिलाओं की ट्रेकिंग और नियमित जांच से मातृ-शिशु मृत्यु दर में कमी आई है।

अतिरिक्त सामग्री पढ़ने के लिए स्कैन करें।

एईएस की गंभीरता का मिला कारण, संभव होगा निवारण

मजाफर द्विवेदी • जागरण

गोरखपुर: नवजात से लेकर किशोरवय बच्चों का बुखार अनियंत्रित होने पर उन्हें सरकारी अस्पताल पहुंचा दिया जाए, तो एक्यूट इंसेफ्लाइटिस सिंड्रोम (एईएस) के खतरे को बहुत हद तक कम किया जा सकता है। इस एक वाक्य का यह निष्कर्ष निकला है पांच वर्षों तक चले अध्ययन में, जिसका प्रकाशन लंदन के ब्रिटिश मेडिकल जर्नल में नवंबर 2024 को हुआ और अध्ययन के निष्कर्षों पर मुहर लग गई। अध्ययनकर्ताओं का मानना है कि सरकारी अस्पताल में बुखार की पहचान कर उसका सटीक उपचार शुरू हो जाएगा और उसे इंसेफ्लाइटिस में तब्दील नहीं होने से रोका जा सकेगा।

पूर्वी उत्तर प्रदेश में एईएस के लिए छह बैक्टीरिया-वायरस (जापानी इंसेफ्लाइटिस, डेंगू, चिकनगुनिया, लैप्टोस्पायरा, स्क्रब टायफस व मलेरिया) को जिम्मेदार माना गया है। इनसे संक्रमित होने पर पहले बुखार होता है। उसे नियंत्रित कर लिया जाए तो इंसेफ्लाइटिस में तब्दील नहीं हो पाता। बुखार के इंसेफ्लाइटिस में तब्दील होने के कारणों की पड़ताल के लिए क्षेत्रीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान केंद्र (आरएमआरसी) ने बीआरडी मेडिकल कालेज के बाल रोग विभाग ने 242 बच्चों के डेटा पर अध्ययन किया।

बुखार को इंसेफ्लाइटिस में तब्दील होने से रोकना

आरएमआरसी के वायरोलाजिस्ट डा.अशोक पांडेय ने बताया कि हर पीएचसी पर इंसेफ्लाइटिस ट्रीटमेंट सेंटर है। सीएचसी से लेकर जिला अस्पताल तक में इस बीमारी के उपचार की अच्छी सुविधा है। शुरू में हाईग्रेड फीवर ही होता है, जब वह नियंत्रित नहीं हो पाता तो इंसेफ्लाइटिस में तब्दील हो जाता है। बुखार होने पर यदि तत्काल सरकारी अस्पताल पहुंचे तो वे उसे नियंत्रित कर लेंगे अथवा बीआरडी मेडिकल कालेज भेज देंगे।

डा. अशोक पांडेय

स्वस्थ समाज के लिए
नवाचार और संसाधन दोनों बढ़ेंगे

देश में स्वास्थ्य सुविधाएं प्रतिवर्ष बढ़ रही हैं। भारतीयों के लिए सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज की बात करें तो इसमें काफी चुनौतियां है, लेकिन आयुष्मान भारत योजना एक मील का पत्थर साबित हो रही है। 2025 में चिकित्सा क्षेत्र में नवाचार, एआइ और रोबोटिक्स पर निवेश और समावेश बढ़ेगा। कई बीमारियों से भी मुक्ति देश को मिल सकती है।

देश में एम्स की संख्या

- 6 पूरी तरह से संचालित
- 1 में एमबीबीएस की पढ़ाई शुरू
- 3 और एम्स का निर्माण जारी
- 12 में एमबीबीएस की पढ़ाई और ओपीडी व आइपीडी की सेवा शुरू

स्रोत- केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की 2023-24 की वार्षिक रिपोर्ट

चिकित्सा शिक्षा में आया कितना बदलाव

कुल मेडिकल कालेज

2013-14	387
2024-25	780

(431 सरकारी और 349 प्राइवेट)

कुल एमबीबीएस की सीटें

2014	51,348
2024	1,18,137

कुल पीजी की सीटें

2014	31,185
2024	73,157

157 नए मेडिकल कालेजों को केंद्र प्रायोजित योजना के तहत मंजूरी मिली। इनमें 109 पहले से ही काम कर रहे।

स्वास्थ्य के लिए जीडीपी के मुकाबले इतना खर्च

नए वर्ष से उम्मीदें

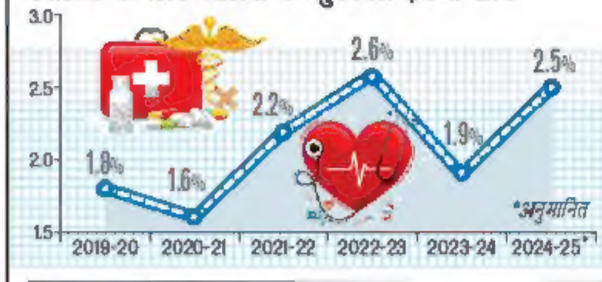

- भारत को टीबी और कुष्ठ रोग इस वर्ष मुक्ति मिलने की संभावना है।
- भारतीय स्वास्थ्य सेवा बाजार 638 अरब डालर पहुंचने का अनुमान है।
- टीकाकरण अभियान में नए टीके शामिल होंगे।
- स्वास्थ्य सेवा बाजार 2026 तक 52 लाख करोड़ होने का अनुमान।

भारत में कुल कितने अस्पताल हैं

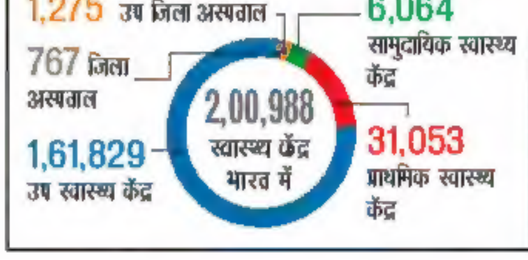

- 1,275 उप जिला अस्पताल
- 767 जिला अस्पताल
- 1,61,829 उप स्वास्थ्य केंद्र
- 6,064 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र
- 31,053 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र
- 2,00,988 स्वास्थ्य केंद्र भारत में

मातृत्व मृत्यु दर

2000	2020
384	103

(प्रति एक लाख गर्भवती महिलाओं में मृत्यु दर)

आयुष्मान भारत की स्थिति

34.7 करोड़ लोगों के आयुष्मान कार्ड बने

7.37 करोड़ लोगों को अस्पताल में इलाज की अनुमति दी गई

राष्ट्रीय फलक

नववर्ष पर मां वैष्णो का आशीर्वाद लेने आए श्रद्धालु, हिमाचल में ढाई लाख आए

जेएनएन, नई दिल्ली

- हड़ताल के बाद भी उत्साह बरकरार, साल के अंतिम दिन पहुंचे 25 हजार से अधिक श्रद्धालु
- पहलगाम में विंटर कार्निवाल की तैयारी पूरी, हिमाचल में भी पर्यटकों का उत्साह चरम पर

नववर्ष के मौके पर मां वैष्णो देवी का आशीर्वाद लेने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु कटड़ा पहुंचे हैं। चारों तरफ मां के जयकारे गूंज रहे हैं। दर्शन ड्योढ़ी पर एक किलोमीटर लंबी तो भवन पर डेढ़ किलोमीटर लंबी श्रद्धालुओं की कतार लगी रही।

मंगलवार दोपहर बाद चार बजे तक 25 हजार श्रद्धालु मां वैष्णो देवी भवन की ओर रवाना हो चुके थे और श्रद्धालुओं का अभी लगातार आना जारी था। उधर नववर्ष को लेकर पहाड़ी राज्यों में पर्यटक बड़ी संख्या में पहुंचे। हिमाचल प्रदेश में सोमवार शाम छह से मंगलवार शाम छह बजे तक करीब 45 हजार वाहनों से ढाई लाख पर्यटक नया साल बनाने के लिए पहुंचे हैं। वहीं पहलगाम में दो जनवरी से शुरू होने वाले विंटर कार्निवाल को लेकर तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

मां वैष्णो देवी के आधार शिविर कटड़ा से लेकर भवन तक हड़ताल के साथ ही घोड़ा, पिट्ठू पालकी की सेवाएं ठप होने के बावजूद मां वैष्णो देवी के श्रद्धालुओं का उत्साह बरकरार है।

हालांकि पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष करीब 40,000 श्रद्धालु कम पहुंचे हैं। उधर, दो जनवरी से पहलगाम में विंटर कार्निवल का आयोजन होगा, जिसमें घाटी की सभ्यता व संस्कृति को दर्शाया जाएगा। अधिकारियों के अनुसार, पर्यटक इस कार्निवल का हिस्सा बनने के लिए कितने उत्सुक हैं, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि पहलगाम में 70 प्रतिशत होटल व गेस्ट हाउस एडवांस में ही बुक हो चुके हैं। हाल ही में बर्फबारी के चलत पहलगाम की खूबसूरती देखने लायक है। ज्यादातर पहाड़ी इलाके पर्यटकों से भरे हुए हैं। वे नववर्ष के साथ स्नो का भी आनंद ले रहे हैं। यह मौसम कमाई के लिहाज से स्थानीय लोगों के लिए फायदेमंद है।

नव वर्ष की पूर्व संध्या पर प्रवेश द्वार दर्शनी डियोडी से कतारो में भवन की ओर रवाना होते श्रद्धालु|

देवभूमि में पर्यटकों ने किया नववर्ष का स्वागत

हिमाचल में करीब ढाई लाख पर्यटकों ने नववर्ष का जश्न मनाया। राजधानी शिमला सहित मनाली, कसौली, धर्मशाला, मैक्लोडगंज, चायल आदि प्रसिद्ध पर्यटक स्थलों में पर्यटकों ने नववर्ष का स्वागत किया। कुफरी, नारकंडा, नालदेहरा व मशोबरा सहित जिला के सभी होटल भरे रहे। धर्मशाला, चंबा, खजियार सहित अन्य स्थानों पर भी पर्यटकों की भीड़ रही।

पूर्व प्रधानमंत्री डा. मनमोहन सिंह के निधन के चलते राजधानी शिमला में विंटर कार्निवाल को स्थगित कर दिया गया था। इसके चलते रिज पर कोई कार्यक्रम नहीं हुआ। बावजूद इसके पर्यटक रातभर नए साल का जश्न मनाते रहे। शिमला में मंगलवार शाम ढलते ही नए साल का जश्न शुरू हो गया था। इस बीच वर्ष के अंतिम दिन प्रदेश के मंदिरों में हजारों श्रद्धालुओं ने माथा टेका और नए वर्ष में खुशहाली की कामना की। राजधानी शिमला के जाखू मंदिर, तारादेवी के अलावा प्रदेश के श्री नयनादेवी, ज्वालाजी, चिंतपूर्णी, बगलामुखी में दिनभर श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। नववर्ष का उत्सव मनाने के लिए कुछ ऐसा ही हाल उत्तराखंड के पर्यटन स्थलों पर भी देखने को मिला। नैनीताल, रामनगर, कैंची धाम से लेकर मुनस्यारी तक करीब 60 हजार पर्यटक पहुंचे हैं। मसूरी, औली, केदारकांठा, धनौल्टी, लैंसडौन में भी पर्यटकों से होटल पैक हैं।

पीएम मोदी ने काव्यात्मक अंदाज में देशवासियों को दी शुभकामना

नई दिल्ली, आइएएनएस : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आत्मविश्वास से भरे भारत के मूड को दर्शाते हुए इंटरनेट मीडिया पर एक पोस्ट में देश के लोगों को नए साल की शुभकामनाएं दीं। साथ ही 2024 में हासिल की गई उल्लेखनीय प्रगति और परिवर्तन को याद किया। पीएम मोदी ने इसे एक ''काव्यात्मक उत्सव'' बताते हुए एक्स पर साझा अपनी पोस्ट में कहा, 'मेरा भारत बढ़ रहा।''

पीएम मोदी ने लिखा, ''स्पेस से लेकर धरती तक, रेलवे से लेकर रनवे तक, संस्कृति से लेकर नवाचार तक, भारत के लिए 2024 अभूतपूर्व प्रगति और परिवर्तन के वर्ष के रूप में दर्ज किया गया।'' पीएम मोदी ने कहा, ''यह एक काव्यात्मक उत्सव है क्योंकि हम 2025 में आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ रहे हैं।'' पीएम मोदी ने नए साल के पोस्ट में 2.41 मिनट का एक वीडियो-एनिमेशन शेयर किया, जिसमें साल 2024 में हासिल की गई उपलब्धियों को दर्शाया गया। वीडियो में देश के अंतरिक्ष प्रक्षेपण, सुपर-कंप्यूटिंग, रक्षा विनिर्माण में वृद्धि, विमानन उद्योग में वृद्धि, पानी के नीचे हावड़ा मैदान मेट्रो, वंदे भारत रेल जैसे बुनियादी ढांचे के चमत्कार शामिल हैं। बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं, अटल पेंशन योजना, प्रधानमंत्री आवास, अबू धाबी में पहले मंदिर और तीन नए आपराधिक कानूनों के लागू करने को भी उजागर किया गया। 2024 में सरकार की वर्चुअल रिपोर्ट कार्ड, एनीमेशन क्लिप में अर्थव्यवस्था के बारे में विशेष जानकारी दी गई।

नए साल के पोस्ट में वीडियो-एनिमेशन साझा किया

नव वर्ष मंगलमय हो

नव वर्ष के स्वागत के लिए दुनियाभर में लोगों ने अलग-अलग योजनाएं बनाईं। हालांकि, अमृतसर में मंगलवार को एक बच्ची ने बेहद प्रसन्नता और खूबसूरत अंदाज से अपने हाथों और चेहरे पर पेंटिंग के जरिये नव वर्ष का स्वागत करने के लिए तैयारी की। प्रेट्र

हाई कोर्ट ने पूर्व क्रिकेटर राबिन उथप्पा की गिरफ्तारी पर लगाई रोक

बेंगलुरु, आइएएनएस: पूर्व क्रिकेटर राबिन उथप्पा को कर्नाटक हाई कोर्ट ने बड़ी राहत दी है। उनके खिलाफ कथित ईपीएफ धोखाधड़ी मामले में गिरफ्तारी वारंट जारी हुआ था, जिस पर अब कोर्ट ने रोक लगा दी है। सेंचुरीज लाइफस्टाइल ब्रांड प्राइवेट लिमिटेड नामक एक प्राइवेट फर्म का प्रबंधन करने वाले उथप्पा पर कर्मचारियों के वेतन से पीएफ योगदान में कटौती करने लेकिन राशि जमा करने में विफल रहने का आरोप लगाया गया, जिसके कारण 23 लाख रुपए की धोखाधड़ी हुई है।

सुनवाई के दौरान उथप्पा के वकील ने कहा कि याचिकाकर्ता राबिन उथप्पा प्राइवेट कंपनी में भागीदार थे। हालांकि, उन्होंने 2020 में पद से इस्तीफा दे दिया था। इसलिए उन्हें मामले में पक्षकार नहीं बनाया जा सकता।

प्रधानमंत्री ने ग्रीन आर्मी के काम को सराहा

जागरण संवाददाता, वाराणसी

- मोदी ने एक्स पर लिखा-नवाचार व साहस की असंख्य प्रेरक जीवन यात्राओं से भरा है देश
- दो वर्ष पहले स्लीपर फैक्टी का उद्घाटन करने अनुराधा पौडवाल और कविता पौडवाल आई थी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को काशी में ग्रीन आर्मी की महिलाओं के कार्यों और नवाचार को एक्स पर पोस्ट करके सराहा है। उन्होंने लिखा है-'भारत प्रतिभा का एक केंद्र है, जो नवाचार और साहस को प्रदर्शित करने वाली असंख्य प्रेरक जीवन यात्राओं से भरा हुआ है। उनमें से कई लोगों के साथ पत्रों के माध्यम से जुड़े रहना खुशी की बात है।'

मोदी आर्काइव से मंगलवार को जारी ढाई मिनट के वृत्तचित्र में ग्रीन आर्मी की महिलाओं के प्रयास को बताया गया है। गांव के लोगों के लिए पीएम का पत्र मिलने और उसमें दहेज प्रथा, नारी सशक्तीकरण, नशा मुक्ति के लिए प्रयास पर केंद्रित यह वीडियो इंटरनेट मीडिया पर भी खूब प्रसारित हुआ। बीएचयू के पूर्व छात्र रवि मिश्रा ने होप वेलफेयर ट्रस्ट के जरिये वर्ष 2014 में ग्रीन आर्मी का गठन किया था, जिसका मुख्य उद्देश्य गांवों में कुरीतियों को दूर करना है। महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए रोहनिया के देऊरा गांव में चप्पल कारखाने का ख्यात गायिका अनुराधा पौडवाल और उनकी बेटी कविता ने उद्घाटन किया था।

वाराणसी के देऊरा गांव में कारखाने में काम करती ग्रीन आर्मी की सदस्य। स्रोत- ग्रीन आर्मी

नए साल पर सुनीता विलियम्स ने 16 बार देखा सूर्योदय

जेएनएन, नई दिल्ली : अंतरिक्षयात्री सुनीता विलियम्स ने नए साल पर एक ही दिन में 16 सूर्योदय और 16 सूर्यास्त देखे। ऐसा इसलिए संभव हुआ, क्योंकि वह इस समय अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आइएसएस) पर हैं। आइएसएस लगातार घूमता रहता है। इस स्टेशन पर सुनीता और उनके साथी अंतरिक्षयात्री कई सूर्योदय और सूर्यास्त देख सकते हैं। आइएसएस ने सूर्यास्त की तस्वीरों को साझा किया है।

सुनीता विलियम्स बुच विल्मोर के साथ गत पांच जून को बोइंग के अंतरिक्षयान स्टारलाइनर से आइएसएस पहुंची थीं। उन्हें नौ दिनों में लौटना था, लेकिन नासा ने स्टारलाइनर को यात्रा के लिए अनुपयुक्त घोषित कर दिया, जिसके बाद वह बिना यात्रियों के पर लौट आया था।

हिंदू युवती से शादी कर दिल्ली में छिपा बांग्लादेशी घुसपैठिया गिरफ्तार

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

- पुलिस ने आरोपित को सरोजिनी नगर से किया गिरफ्तार
- बंगाल की सीमा से भारत में अवैध रूप से घुसा था शातिर

पुलिस ने एक बांग्लादेशी घुसपैठिए को गिरफ्तार किया है। वह 2004 में अवैध रूप से बंगाल की सीमा से भारत में घुसा था। उसने 2012 में एक हिंदू युवती से शादी कर ली और बंगाल में रहने लगा।

पुलिस उपायुक्त सुरेंद्र चौधरी ने बताया कि सरोजिनी नगर थाना पुलिस ने नशीले पदार्थ की तस्करी के मामले में आरोपित को पकड़ा था। उसकी पहचान मोहम्मद अख्तर शेख के रूप में हुई। पुलिस पूछताछ में अख्तर ने बताया कि वह मूलरूप से बांग्लादेश का रहने वाला है। वह जमानत लेने के बाद फरार हो गया था। पुलिस ने अख्तर द्वारा पेश दस्तावेजों के आधार पर उसके पते का सत्यापन किया। पता चला कि उसने फर्जी दस्तावेज दिए थे। पुलिस ने उसे सरोजिनी नगर रेलवे स्टेशन से पकड़ लिया।

अवैध रूप से रह रहे मां-बेटे को बांग्लादेश भेजा : दक्षिणी पश्चिमी जिला पुलिस ने 19 साल से कटवारिया सराय में अवैध रूप से रह रहे मां-बेटे को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दोनों को एफआरआरओ से बांग्लादेश भेज दिया।

ओडिशा के बालेश्वर में मतांतरण का आरोप लगा महिलाओं को पेड़ से बांधकर पीटा

जागरण संवाददाता, बालेश्वर

- वीडियो बहुप्रसारित, पुलिस ने चार आरोपितों को किया गिरफ्तार
- मतांतरण कराने की आरोपित महिलाओं व अन्य पर भी प्राथमिकी

ओडिशा में बालेश्वर जिले के रेमुणा थाना क्षेत्र में मतांतरण कराने का आरोप लगा दो आदिवासी महिलाओं को एक पेड़ से बांधकर पिटाई कर दी गई। इंटरनेट मीडिया पर संबंधित वीडियो प्रसारित होने के बाद मामला तूल पकड़ लिया है। घटना 26 दिसंबर की बताई जा रही है। बालेश्वर पूर्वांचल के डीआइजी सत्यजीत नायक के अनुसार मामले में चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। साथ ही मतांतरण कराने की आरोपित महिलाओं व अन्य के विरुद्ध भी प्राथमिकी दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है।

बताया गया कि 26 दिसंबर की दोपहर छणखणपुर गांव निवासी गोविंद सिंह, मुखुरा गांव की सुकांति सिंह और नीलगिरि प्रखंड के मित्रपुर मखापड़ा गांव की सुभाषिनी सिंह कुछ अन्य लोगों के साथ गोवर्धनपुर गांव पहुंचे। सभी गांव की ही विभिन्न गलियों में घूम रहे थे। इस बीच कुछ ग्रामीणों ने उनपर मतांतरण के प्रयास का आरोप लगाया और इसकी सूचना गांव के देवसेना को दी। देखते ही देखते देवसेना के अध्यक्ष बादल पांडा कुछ अन्य ग्रामीणों के साथ मौके पर पहुंचे। इस बीच ग्रामीणों ने दोनों महिलाओं को पेड़ से बांध दिया और उनकी पिटाई की, जबकि अन्य लोग भाग गए।

राहुल बोले, महिलाओं को पीटा जाना शर्मनाक और निंदनीय : उधर, मामला प्रकाश में आने के बाद कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि मध्य प्रदेश के देवास में गत दिनों पुलिस हिरासत में दलित युवक की हत्या और ओडिशा के बालेश्वर में महिलाओं को पीटा जाना शर्मनाक और निंदनीय है।

बंगाल से पकड़े गए आतंकी के दुबई कनेक्शन का चला पता

राज्य ब्यूरो, जागरण • कोलकाता

- महीने में दो बार जाता था दुबई, देश के अन्य राज्यों का भी यात्रा करता था आतंकी

बंगाल के मुर्शिदाबाद से पकड़े गए आतंकी संगठन अंसारुल्लाह बांग्ला टीम (एबीटी) के सदस्य सजीबुल इस्लाम के दुबई कनेक्शन का पता चला है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक वह महीने में दो बार दुबई जाता था। असम एटीएफ यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि क्या सजीबुल का दुबई से भारत विरोधी आतंकी संगठन से कोई संबंध है।

बता दें कि असम व बंगाल एसटीएफ की संयुक्त टीम ने रविवार रात मुर्शिदाबाद जिले के दुर्लभपुर गांव से एबीटी के सदस्य शब शेख के चचेरे भाई सजीबुल इस्लाम को गिरफ्तार किया था। असम पुलिस ने शब को केरल से गिरफ्तार किया था। पुलिस ने अन्य दो युवकों को भी हिरासत में लिया है। सजीबुल लकड़ी और शीशे का कारीगर है। पता चला है कि पिछले महीनों भी वह दुबई गया था। सजीबुल देश के अलग-अलग राज्यों में भी यात्रा करता था। बांग्लादेश में अस्थिरता के बाद असम, बंगाल व केरल से कई आंतकियों की गिरफ्तारी हुई है।

****

दैनिक जागरण

मनुष्य में शक्ति की नहीं, संकल्प की कमी होती है

बेहतर कल की आस

समय के साथ बहुत कुछ नया और बेहतर होता है, लेकिन नव वर्ष का आगमन यह कहीं अधिक उम्मीद जगाता है कि आने वाला समय शुभ हो। हम भारतीय सभी के शुभ की कामना करते हैं, क्योंकि भारतीय संस्कृति यही कहती है। यही कामना इस वर्ष भी की जानी चाहिए। इसके साथ ही यह आशा भी की जानी चाहिए कि देश ने अपने लिए जो लक्ष्य निर्धारित किए हुए हैं, वे समय पर सही तरह से पूरे हों, ताकि विकसित भारत की दिशा में कदम बढ़ा रहे देश के समक्ष कोई अवरोध उत्पन्न न हों और यदि वे उत्पन्न हों भी तो उन्हें सफलतापूर्वक दूर किया जा सके। अवरोधों को हटाने अर्थात समस्याओं का निराकरण करने की सबसे अधिक जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होती है और शासन-प्रशासन की सामर्थ्य बहुत कुछ देश की राजनीति के रुख-रवैये से तय होती है। इसीलिए यह कहा जाता है कि राजनीति का काम है लोगों को दिशा दिखाना। हमारी राजनीति यह काम वास्तव में कर सके, इसके लिए इस नए वर्ष में राजनीतिक दलों को अपने रवैये में बदलाव लाने के लिए विशेष प्रयत्न करने होंगे। इसलिए और भी, क्योंकि बीते वर्ष टकराव और कलह की जो राजनीति देखने को मिली और इसके चलते देश की जनता का ध्यान वास्तविक मुद्दों से भटकाने की जैसी कोशिश की गई, वह बहुत ही निराशाजनक है।

बीते कुछ समय से राजनीति के स्तर पर यह जो प्रतीति कराने की कोशिश की जा रही है कि स्वतंत्रता के इतने वर्षों बाद हमारा संविधान खतरे में है, वह व्यर्थ का विचार है। इसी तरह यह प्रचारित करना भी सस्ती राजनीति का ही परिचायक है कि गांधी अथवा आंबेडकर की विरासत खतरे में पड़ गई है। ऐसे विचार भारत की राजनीतिक अपरिपक्वता और साथ ही छिछले सार्वजनिक विमर्श का परिचायक हैं। अच्छा हो कि नए वर्ष में सचमुच नई तरह की राजनीति की जाए और उन मुद्दों पर ध्यान केंद्रित किया जाए, जो जनहित से जुड़े हैं और जिनका समाधान कर देश को आगे ले जाया जा सकता है। जब राजनीति अपने पथ और दायित्वों से भटके, तब समाज को अपनी सहमतियों और असहमतियों से राजनीतिक वर्ग पर ऐसा दबाव बनाना होता है कि वह जो अभीष्ट है, उसकी पूर्ति करे। जब इस पर देश और दुनिया एकमत है कि आने वाला कल भारत का है, तब उन संभावनाओं को भुनाने की हर संभव कोशिश होनी चाहिए, जो सामने दिख रही हैं। चूंकि संभावनाएं अपने साथ चुनौतियां लेकर भी आती हैं, इसलिए उनका सामना हमें पहले से अधिक दृढ़ता और मिलकर करना होगा। ऐसा किया जाना तब कहीं अधिक आसान होगा, जब नए विचार और नई कार्य संस्कृति को अपनाया जाएगा। इस संदर्भ में जितना सजग सरकारी तंत्र को रहना होगा, उतना ही समाज को भी।

अपराधियों पर नकेल

पंजाब पुलिस ने राज्य के अलग-अलग थानों और पुलिस चौकियों में किए गए विस्फोटों के मामले में बेशक बारह आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया है, लेकिन यह पता लगाया जाना जरूरी है कि इनके तार किस-किस से जुड़े हैं। इनको फंडिंग कौन कर रहा था, आरोपितों ने हैंड ग्रेनेड फेंकने की बारीकी कहां से और किससे सीखी। आरोपितों की इस बात पर विश्वास नहीं किया जा सकता कि उन्होंने यूट्यूब से विस्फोट करना सीखा है। उत्तर प्रदेश के पीलीभीत में मारे गए तीन आरोपितों के पास से मोडिफाइड एके-47 बरामद की गई थी। सवाल यह है कि इस हथियार को मोडिफाई कहां और किसने किया। वे ऐसे सवाल हैं कि जिनके बारे में पता किया जाना आवश्यक है। इन सवालों के जवाब पर राज्य और देश की सुरक्षा निर्भर करती है। पूरे मामले की गहन जांच की जानी चाहिए और जो लोग भी इन घटनाओं के पीछे हैं उन पर शिकंजा कसा जाना चाहिए। विदेश में छिपे आतंकियों और गैंगस्टरों के प्रत्यर्पण के प्रयास भी तेज किए जाने चाहिए। इसके अलावा बीते कुछ दिनों की घटनाओं को देखते हुए अतिरिक्त सतर्कता बरतना भी आवश्यक है। पाकिस्तान में बैठे असामाजिक तत्व पंजाब का माहौल खराब करने की कोशिश करते रहते हैं। ड्रोन से आए दिन हथियार और हेरोइन भेजने का प्रयास किया जाता है। सीमा पार से आने वाले हथियारों और हेरोइन को ठिकाने लगाने वालों के बारे में भी पता लगाया जाना जरूरी है।

> पंजाब का माहौल खराब करने की कोशिश कर रहे विदेश में छिपे आतंकियों पर शिकंजा कसा जाना आवश्यक है

संभावनाओं भरा समय

गिरीश्वर मिश्र

2025 में भारत के लिए अनेक संभावनाएं दिख रही हैं, लेकिन उसे कई चुनौतियों का सामना करने के लिए भी तैयार रहना होगा

अप्रवेश राजपूत

आज भारत अपनी 140 करोड़ से अधिक की आबादी के साथ इतिहास में एक महत्वपूर्ण मोड़ पर खड़ा है। आगे के समय में भारत की आर्थिक प्रगति वर्तमान सुधारों, तकनीकी प्रगति और जनसांख्यिकीय बदलावों से काफी प्रभावित होगी। अनुमान है इस वर्ष भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अपने तेज कदम बढ़ा देगा, लेकिन यह ध्यान रहे कि भारत केवल विकास नहीं, बल्कि समावेशी विकास चाहता है, जो लाखों लोगों को गरीबी और असमानता से मुक्ति दिला सके। डिजिटल इंडिया जैसी पहलों और फिनटेक के संतोषदायी अनुभव से प्रोत्साहित होकर भारत का डिजिटल अर्थव्यवस्था में परिवर्तन नए रोजगार के अवसर पैदा कर सकता है और नवाचार को बढ़ावा दे सकता है। देश डिजिटल साक्षरता, बुनियादी ढांचे और उद्यमिता पर ध्यान केंद्रित करके तकनीकी सेवाओं, ई-कामर्स, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ) और डाटा साइंस में वैश्विक नेता बनने का लक्ष्य बना रहा है। उभरती प्रवृत्तियों को देखते हुए यह लग रहा है कि मेक इन इंडिया पहल के तहत अपने विनिर्माण क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए भारत का प्रयास आत्मनिर्भरता और रोजगार सृजन हासिल करने के लिए महत्वपूर्ण सिद्ध होगा। बदलते परिवेश में भारत विशेष रूप से इलेक्ट्रानिक्स, आटोमोबाइल और दवा के क्षेत्र में एक वैश्विक विनिर्माण केंद्र के रूप में उभर सकता है। उद्योगीकरण और स्थिरता के बीच संतुलन बनाने की हमारी क्षमता ही आर्थिक मामलों में हमारी प्रगति को निश्चित करेगी। देश का लक्ष्य अक्षय ऊर्जा, विशेष रूप से सौर ऊर्जा के क्षेत्र में वैश्विक नेता बनना है।

आज भारत एआइ और डाटा साइंस से लेकर अंतरिक्ष अन्वेषण तक कई तकनीकी क्रांतियों में अग्रणी रहने की स्थिति में है। 2025 में देश एआइ, मशीन लर्निंग और आटोमेशन तकनीक का प्रमुख केंद्र बन सकता है। इससे कृषि और स्वास्थ्य सेवा से लेकर शहरी नियोजन और शिक्षा आदि को लाभ पहुंचेगा। हमारा इसरो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठा पा रहा है। चंद्रयान, गगनयान (मानव मिशन) और संभावित चंद्र और मंगल मिशन आने वाले दिनों में भारत को वैश्विक अंतरिक्ष अन्वेषण के क्षेत्र में अग्रणी बना सकते हैं। भारत का स्टार्टअप तंत्र तेजी से आगे बढ़ रहा है और यह भारत को वैश्विक स्तर पर एक प्रमुख नवाचार केंद्र के रूप में स्थापित करने में सहायक है, परंतु देश की प्रगति सिर्फ आर्थिक विकास पर ही निर्भर नहीं है, इसके लिए सामाजिक समावेशन, शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल और लैंगिक समानता भी जरूरी है।

यह अच्छी बात है कि भारत ने अपनी शिक्षा प्रणाली को बेहतर बनाने के लिए महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किए हैं, जिससे यह अधिक समावेशी और सुलभ बन सके। नए वर्ष में कक्षाओं में तकनीक का अधिक एकीकरण कर शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के साथ छात्रों में कौशल विकास किया जा सकता है। उच्च शिक्षा और अनुसंधान पर जोर देकर विश्वस्तरीय संस्थानों का निर्माण किया जा सकता है। इसी तरह टेलीमेडिसिन, निदान और स्वास्थ्य के बुनियादी ढांचे में सुधार से भारत की स्वास्थ्य सेवा प्रणाली की सुलभता और कुशलता प्रभावी हो सकती है। सरकार की आयुष्मान भारत योजना स्वास्थ्य सेवा असमानताओं को कम कर सकती है। देश में लैंगिक समानता और सशक्तीकरण को बढ़ाने के लिए अभियान चल रहा है, जिसके अच्छे परिणाम मिल सकते हैं। आशा है भारत में कार्यबल, राजनीति और नेतृत्व के पदों पर महिलाओं की प्रतिभागिता बढ़ेगी। इसके साथ-साथ शिक्षा, सुरक्षा और समान अधिकारों के लिए प्रयास एक समावेशी समाज के निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण साबित होंगे। इसके तहत आवास, पानी, स्वच्छता और बिजली जैसी बुनियादी सेवाओं तक पहुंच का विस्तार करके वंचितों के जीवन की गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार लाया जा सकता है, जिससे लाखों लोग गरीबी से बाहर आ सकेंगे।

आज देश स्वच्छ जल की कमी की गंभीर चुनौतियों का सामना कर रहा है। इस साल इससे पार पाने के लिए हमें जल संरक्षण, रिसाइकिलिंग और प्रबंधन पर विशेष ध्यान देना होगा। कुशल सिंचाई और जल वितरण के लिए तकनीक और बेहतर नीतियों से भी इन चुनौतियों का समाधान करने में मदद मिल सकती है। भारत में जैव विविधता बहुत समृद्ध है। वन्यजीवों, वनों और पारिस्थितिकी तंत्रों की सुरक्षा के लिए प्रयास और बढ़ाने होंगे। राष्ट्रीय उद्यानों, संरक्षित क्षेत्रों और टिकाऊ कृषि पद्धतियों के विस्तार से पर्यावरण की सुरक्षा में मदद मिल सकती है। सांस्कृतिक कूटनीति, मीडिया और बालीवुड के माध्यम से देश का बढ़ता साफ्ट पावर इसकी वैश्विक स्थिति को और मजबूत कर सकता है। उन्नत तकनीकी, स्वदेशी रक्षा उत्पादन में वृद्धि और वैश्विक साझेदारों के साथ बढ़े हुए सहयोग द्वारा भारत की रक्षा क्षमताएं सुदृढ़ होंगी। भारत की जनसंख्या बढ़ती रहेगी, लेकिन इसमें महत्वपूर्ण जनसांख्यिकीय परिवर्तन भी होंगे। भारत में शहरी आबादी बढ़ने की उम्मीद है। हमें टिकाऊ, लचीले और तकनीकी रूप से उन्नत शहरों के निर्माण पर बल देना होगा, जो बेहतर जीवन स्तर प्रदान करते हैं।

इन अनेक संभावनाओं के बावजूद नए साल में भारत को कई चुनौतियों का भी सामना करना पड़ेगा। अमीर-गरीब के बीच की खाई को पाटने के लिए कराधान, पुनर्वितरण और सामाजिक सेवाओं में पर्याप्त सुधार की आवश्यकता होगी। सरकार के सभी स्तरों पर भ्रष्टाचार को दूर करना सतत विकास के लिए महत्वपूर्ण होगा। यद्यपि प्रगति हो रही है, फिर भी सड़क, रेलवे, ऊर्जा और शहरी नियोजन सहित बुनियादी ढांचे में बड़े पैमाने पर निवेश की जरूरत होगी। जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण और संसाधनों की कमी से निपटने के लिए साहसिक एवं दूरदर्शी नीतियों की आवश्यकता होगी।

(लेखक शिक्षाविद् एवं पूर्व कुलपति हैं)
response@jagran.com

नए वर्ष में राजनीति की रंगत

राज कुमार सिंह

वर्ष 2024 बता रहा है कि 2025 में भी पक्ष और विपक्ष के बीच टकराव की राजनीति जारी रहेगी

नए वर्ष का स्वागत अनेक आशाओं के साथ अवश्य किया जा रहा है, लेकिन बीता वर्ष बता रहा है कि इस नए वर्ष में टकराव की राजनीति जारी रहेगी। शायद आपसी तल्खी और बढ़ जाए। 2024 राजनीतिक विरासत ही कुछ ऐसी छोड़ कर जा रहा है। वैसे राजनीतिक टकराव की नींव वर्ष 2023 में ही तब पड़ गई थी, जब दो दर्जन विपक्षी दलों ने आइएनडीआइए बनाया और कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने गौतम अदाणी के जरिये सीधे प्रधानमंत्री मोदी पर प्रहार किया, जिनकी साख भाजपा की सबसे बड़ी पूंजी रही है। बीच-बीच में उजागर अंतर्विरोधों के बावजूद आइएनडीआइए 18वीं लोकसभा चुनाव में भाजपा को अकेले दम बहुमत पाने से वंचित करने में सफल भी रहा, पर नीतीश कुमार और चंद्रबाबू नायडू जैसे मित्रों की बदौलत मोदी लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री बन गए। फिर भी लगातार दो लोकसभा चुनावों में पस्तहाल रहे विपक्ष को संजीवनी तो मिल ही गई। उसका असर भी नई संसद के पहले सत्र में दिखा, जब विपक्ष ज्यादा आक्रामक दिखा, पर फिर सम्मीकरण बदल गए। पहले हरियाणा और फिर महाराष्ट्र में प्रचंड जीत से भाजपा ने विपक्ष के उत्साह की हवा निकाल दी। संसद के शीतकालीन सत्र में भाजपा के आक्रामक तेवर भी लौट आए तो आइएनडीआइए में तकरार दरारों में तब्दील होती दिखी। संसद के बीते सत्र में भीमराव आंबेडकर का मुद्दा भी जुड़ गया।

यह तय है कि नए वर्ष में वक्फ बोर्ड और एक देश-एक चुनाव विधेयक पर भी जोर आजमाइश जारी रहेगी और समान नागरिक संहिता के मुद्दे पर भी राजनीति गरमाएगी। इस सबकी छाया वर्ष 2025 पर पड़ेगी ही। आंबेडकर मुद्दे पर प्रदर्शन के दौरान भाजपा-कांग्रेस सांसदों में हुई धक्का-मुक्की मामले में राहुल गांधी के विरुद्ध एफआइआर दर्ज हो चुकी है। यह मामला पिछली लोकसभा में मानहानि मामले में राहुल गांधी की सदस्यता समाप्ति के बाद भाजपा-कांग्रेस में चले टकराव के दूसरे संस्करण का रूप ले सकता है। हालांकि अदाणी और ईवीएम मुद्दे पर कांग्रेस आइएनडीआइए में अकेली पड़ती दिख रही है, लेकिन आंबेडकर के मुद्दे को वह फिर 'गेम चेंजर' बनाना चाहेगी। साझा लाभ देख कर आइएनडीआइए भी आंबेडकर के मुद्दे पर एक स्वर में बोलता नजर आएगा। इसकी पुष्टि इससे होती है कि दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने अपने भगवान का अपमान बताते हुए आंबेडकर के नाम पर स्कालरशिप शुरू करने का एलान कर दिया है। निःसंदेह भाजपा भी शांत नहीं बैठने वाली। जाहिर है इस मसले पर टकराव आगे भी देखने को मिलेगा।

एक-दूजे का विरोध करते पक्ष-विपक्ष के सांसद। फाइल

नया साल शुरू होते ही फरवरी में दिल्ली विधानसभा चुनाव हैं। देश की राजधानी में सत्ता की 'हैट्रिक' करने वाली आप चौथी बार जनादेश मांगेगी, जबकि 27 साल से विपक्ष में बैठी भाजपा दिल्लीवासियों का दिल जीतने में कोई कसर नहीं छोड़ेगी। यह राजनीतिक शोध का विषय है कि पिछले तीन लोकसभा चुनावों में भाजपा को सभी सात सीटें जिताने वाली दिल्ली उसे विधानसभा चुनावों में क्यों नकारती रही है? नए साल में दिल्ली के दिल में किसके लिए क्या है, वह तो चुनाव परिणाम बताएंगे, पर यह स्पष्ट है कि भाजपा और आप के बीच राजनीतिक टकराव चरम पर पहुंचेगा। टकराव कांग्रेस और आप के बीच भी बढ़ने वाला है। लोकसभा चुनाव मिलकर लड़ीं कांग्रेस और आप विधानसभा चुनाव अकेले तो लड़ेंगी ही, एक-दूसरे पर तल्ख आरोप भी लगाएंगी। इसकी शुरुआत हो चुकी है। दिल्ली कांग्रेस के बड़े नेता अजय माकन ने आप से दोस्ती को गलती मानते हुए केजरीवाल को देश विरोधी करार दे दिया है। आप ने माकन के विरुद्ध कार्रवाई न किए जाने पर गठबंधन से ही कांग्रेस को बाहर करने के लिए अन्य घटक दलों से बात करने की चेतावनी दे दी है।

आइएनडीआइए की बदौलत ही 99 सीटों पर पहुंच पाई कांग्रेस के लिए गठबंधन की राह लगातार मुश्किल होती दिख रही है। हरियाणा विधानसभा चुनाव में उसने किसी घटक दल को भाव नहीं दिया तो महाराष्ट्र में बड़ा भाई बन बैठी। ऐसे में हार का ठीकरा सबसे ज्यादा उसी पर फूटा। ममता बनर्जी ने गठबंधन के नेतृत्व के लिए दावेदारी जताई तो शरद पवार से लेकर लालू यादव तक ने उनका समर्थन करने में देर नहीं लगाई। उत्तर प्रदेश के नौ विधानसभा चुनावों में कांग्रेस को एक भी सीट न देकर अखिलेश यादव भी अपनी मंशा जता चुके हैं। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ईवीएम मुद्दे पर कांग्रेस को चुनाव परिणाम स्वीकार करने की नसीहत दे चुके हैं, तो उप मुख्यमंत्री पद मांग रही कांग्रेस से झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन भी खुश नहीं। पिछली बार 70 सीटों पर लड़ने वाली कांग्रेस 19 सीटें जीत कर गठबंधन में सबसे कमजोर कड़ी साबित हुई थी। इसलिए 2025 के अक्टूबर में होने वाले बिहार विधानसभा चुनाव में लालू-तेजस्वी भी उसे हद में रखना चाहेंगे। अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने 2025 को कांग्रेस के सशक्तीकरण का वर्ष बताया है, लेकिन मित्र दलों से उसके बढ़ते टकराव से तो गठबंधन में बिखराव की आशंका गहरा रही है।

(लेखक राजनीतिक विश्लेषक एवं वरिष्ठ पत्रकार हैं)
response@jagran.com

ऊर्जा

काल चक्र का प्रवाह

समय परिवर्तन शाश्वत सत्य है। यह एक-सा कभी नहीं रहा है। कोई भी युग हो समय सदैव अबाध गति से गतिमान रहता है। काल चक्र चलता रहता है। हम इसी काल चक्र के प्रवाह में स्वयं को ढालते हुए बहते रहते हैं। काल का बोध महत्वपूर्ण है और काल अस्तित्व का सृजनकर्ता भी है। अथर्ववेद में उल्लेख है कि काल से ही सब उत्पन्न होते हैं। काल सबका पिता है। काल से काल उत्पन्न होता है। काल के संबंध में यह तक कहा गया है कि काल पिता है और काल ही पुत्र है। काल से जल पैदा हुआ, काल से ज्ञान, तप और दिशाएं उत्पन्न हुईं। काल से सूर्योदय और काल से ही सूर्यास्त है।

वैसे काल का अस्तित्व एक समान भी नहीं होता है। हम सुख में होते हैं, तो काल अल्प जान पड़ता है। दुख में होते हैं, तो काल बहुत लंबा जान पड़ता है। महाभारत में भी काल की महिमा बताई गई है-काल से ऋतुएं हैं। काल से वनस्पतियां उगती हैं। काल से वर्षा है। काल से वायु की गति है। काल से वृक्षों पर फूल खिलते हैं। काल से सूर्य तपते हैं। काल से युद्ध होते हैं। काल से जय-पराजय का निर्धारण होता है। सबकुछ काल के अधीन है। काल सर्वव्यापी है।

यह क्रम युगों से साल दर साल चलता आ रहा है। साल बदलते जाते हैं और हम नई उम्मीदों के साथ जीवन जीते रहते हैं। एक बार फिर काल के प्रवाह में बहते हुए हम नए साल में आ गए हैं। सृष्टि अपनी गति से चलायमान है। अब यह इस पर निर्भर करता है कि हम सब इसको किस दृष्टि से अपनाते हैं। हम सिर्फ नव वर्ष का स्वागत ही न करें, बल्कि खुद को भी नई ऊर्जा और नए संकल्पों के साथ बदलें। आशाओं और विचारों की कल्पनाओं से निकल पुराने लक्ष्यों को पूरा करते हुए अपने जीवन के नए सकारात्मक लक्ष्यों को प्राप्त करने में अपनी ऊर्जा लगाएं और काल चक्र के प्रवाह का सकारात्मक रूप से आनंद लें।

पुष्पेंद्र दीक्षित

एकता का महाकुंभ

डा. मोनिका शर्मा

> दुनिया के हर कोने तक भारत की सांस्कृतिक विविधता के रंग पहुंचाने वाला महाकुंभ मेला एकता और सद्भाव का सार्थक अनुष्ठान है

प्रयागराज में होने जा रहा महाकुंभ मेला दुनिया का सबसे बड़ा सार्वजनिक समागम है। आध्यात्मिक जुड़ाव के साथ ही आस्था की अभिव्यक्ति का यह सामूहिक आयोजन वैश्विक स्तर पर भी चर्चित है। इस वर्ष महाकुंभ 13 जनवरी से 26 फरवरी तक चलेगा। अत्याधुनिक डिजिटल सुविधाओं के साथ आध्यात्मिक दिव्यता और भारत की सांस्कृतिक भव्यता की सुंदर झांकी के रूप में यह विशाल मेला सांस्कृतिक विरासत को एक सूत्र में बांधे रखने का उद्देश्य लिए है।

बीत दिनों मन की बात कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मोदी ने महाकुंभ को देश की एकता के भाव से जोड़कर अपनी बात कही। पीएम ने कहा कि 'इस आयोजन में करोड़ों लोग एक साथ एकत्रित होते हैं। लाखों संत, हजारों परंपराएं, सैकड़ों संप्रदाय, अनेक अखाड़े, हर कोई आयोजन का हिस्सा बनता है। कहीं भेदभाव नहीं दिखता, कोई बड़ा छोटा नहीं होता। अनेकता में एकता का ऐसा दृश्य विश्व में कहीं और देखने को नहीं मिलेगा। हमारा कुंभ एकता का महाकुंभ भी होता है। मैं आप सबसे कहूंगा जब हम कुंभ में शामिल हों तो एकता के इस संकल्प को अपने साथ लेकर वापस आएं। समाज में विभाजन और विद्वेष के भाव को नष्ट करने का संकल्प लें। प्रधानमंत्री मोदी के अनुसार 'कम शब्दों में कहूं तो महाकुंभ का संदेश, एक हो पूरा देश। और अगर दूसरे तरीके से कहना है तो मैं कहूंगा, गंगा की अविरल धारा, न बंटे समाज हमारा।'

वस्तुतः आध्यात्मिक भाव संग एकता का यह संदेश हर नागरिक के लिए विचारणीय है। हमारे देश की विविधता का सम्मान करने की सीख लिए है। प्रकृति से मनुष्य को जोड़ता यह पावन समागम भी हर ऊंच-नीच से दूर जुड़ाव और आपसी सामंजस्य के भाव को ही पोसता है। श्रद्धालुओं की भीड़ में संत समाज ही आमजन और विदेशी मेहमान तक शामिल होते हैं। दुनिया के सबसे बड़े धार्मिक मेले की मान्यता पाने वाले इस आयोजन से जुड़ी तैयारियां तक लोगों को चकित करती हैं। इस बार भी तकनीक की मदद से डिजिटल महाकुंभ में श्रद्धालुओं की सहजता और सुरक्षा के लिए की गई तैयारियां रेखांकित करने योग्य हैं। ग्यारह भारतीय भाषाओं में मेले से जुड़ी हर तरह की सूचना उपलब्ध होगी। एआइ चैटबोट, डिजिटल नेविगेशन और एआइ पावर्ड कैमरों से इस अद्वितीय आयोजन में सुरक्षा प्रबंध किए गए हैं। भीड़ के प्रबंधन से लेकर सुरक्षा व्यवस्था को चाक चौबंद करने तक श्रद्धालुओं का यह जमावड़ा सचमुच संसार का अनोखा आयोजन है। यूनेस्को द्वारा मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की प्रतिनिधि सूची में भी महाकुंभ मेले को स्थान दिया गया है। समझना कठिन नहीं कि दुनिया के हर कोने तक भारत की सांस्कृतिक विविधता के रंग पहुंचाने वाला महाकुंभ मेला एकता और सद्भाव का सार्थक अनुष्ठान ही है।

(लेखिका स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं)

संतुलित विकास का मार्ग

'नए अवसरों के द्वार खोलने वाला समय' शीर्षक से प्रकाशित आलेख में डा. सुरजीत सिंह ने बताया है कि भारत की आर्थिक प्रगति को संतुलित, समावेशी और सतत बनाने के लिए ग्रामीण विकास, हरित तकनीकों का उपयोग और सामाजिक एवं पर्यावरणीय प्राथमिकताओं को नीतियों में सम्मिलित करना आवश्यक है। भारतीय अर्थव्यवस्था आज वैश्विक मंच पर एक मजबूत स्थिति में खड़ी है, लेकिन क्या यह प्रगति सतत और समावेशी है? आर्थिक विकास में निवेश और उद्योगों के विस्तार की भूमिका तो अहम है, पर ग्रामीण क्षेत्रों और बुनियादी ढांचे को भी प्राथमिकता देना आवश्यक है। भारत की जीडीपी दर में 2024-25 तक 6.5 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान एक सकारात्मक संकेत है, लेकिन यह ग्रामीण क्षेत्रों के सतत विकास के बिना अधूरी है। आज भी ग्रामीण भारत की बड़ी आबादी बुनियादी सुविधाओं और रोजगार के अवसरों की कमी से जूझ रही है। इसके समाधान हेतु स्थानीय स्तर पर कृषि-आधारित उद्योगों का विकास, सूक्ष्म और लघु उद्यमों को प्रोत्साहन, और कौशल विकास कार्यक्रमों का व्यापक क्रियान्वयन आवश्यक है।

इसके अतिरिक्त, शहरीकरण की तेज रफ्तार में भी योजनाबद्ध दृष्टिकोण की कमी दिखती है। मेट्रो शहरों में बढ़ते कंस्ट्रक्शन प्रोजेक्ट्स के साथ पर्यावरणीय प्रभावों को कम करने के लिए हरित तकनीकों को अपनाना अनिवार्य है। उदाहरणस्वरूप, कानपुर जैसे औद्योगिक नगरों में स्मार्ट सिटी परियोजनाएं सकारात्मक ऊर्जा के माध्यम से अपने लक्ष्य की ओर अग्रसर हों। हमें छोटी-छोटी बाधाओं और मुश्किलों से घबराना नहीं चाहिए। उदाहरण के तौर पर जब जमीन के अंदर लगाया गया एक छोटा जा बीज सभी मुसीबतों से पार पाते हुए एक नए पौधे के रूप में सृजन हो सकता है तो मनुष्य भी अपने अंदर की नकारात्मक शक्तियां, उदासी, अवसाद, अपनी कमजोरियों पर नियंत्रण पा लें तो मनुष्य भी उस छोटे से पौधे का उदाहरण लेते हुए नई ऊर्जा से नई चीजों का सृजन कर सकता है। हम अपने लक्ष्य को निर्धारित करते हैं तो हमें हर लक्ष्य को पूरा करने के लिए, अपनी सकारात्मक सोच और शक्तियों से आगे बैठना चाहिए, क्योंकि जो बीत गया, उससे सबक लेकर सीखते हुए ही हम नए प्रयास से अपने निर्धारित लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं और जब हम नया लक्ष्य प्राप्त करेंगे तभी हम सृजन के प्रक्रिया के और आगे बढ़ पाएंगे।

विजय किशोर तिवारी, नई दिल्ली

मेलबाक्स

लागू करते समय जल प्रदूषण और कचरा प्रबंधन पर भी ध्यान देना होगा। भविष्य की नीतियों में एक संतुलित दृष्टिकोण की आवश्यकता है, जो निवेशकों के लिए अवसर प्रदान करे और आम नागरिकों को भी लाभान्वित करे। शिक्षा, स्वास्थ्य और डिजिटल साक्षरता में सुधार, साथ ही स्थानीय उत्पादों को वैश्विक बाजार में पहुंचाना, आत्मनिर्भर भारत का असली आधार बनेगा। विकास के इस युग में भारत को अपनी प्राथमिकताएं पुनः निर्धारित करनी होंगी। केवल आर्थिक आंकड़े नहीं, बल्कि सामाजिक समावेशिता और पर्यावरण संरक्षण ही देश को 2047 तक एक आदर्श राष्ट्र बनाएंगे।

awanishg30@gmail.com

नए साल पर नया लक्ष्य

नया साल नई उम्मीदों के साथ आया है। नए साल के साथ लोगों के अंदर नए लक्ष्य और नई उम्मीदों की आकांक्षाएं परवान चढ़ने लगती हैं। हम उम्मीद करते हैं कि नए साल में हम अपने नए लक्ष्य को तो पूरा करेंगे ही साथ ही अपने अधूरे कार्य को पूर्ण करने का प्रयास भी करेंगे। नया साल हमें इसकी भी प्रेरणा देता है कि बीते साल में हम से जो गलतियां हुई हैं। हम उन गलतियों का मूल्यांकन करें और उसे फिर से किसी भी रूप में दोहराने की कोशिश न करें। नए साल में हम इस बात की कोशिश करनी चाहिए कि हम अपने अंदर

इस स्तंभ में किसी भी विषय पर राय व्यक्त करने अथवा दैनिक जागरण के राष्ट्रीय संस्करण पर प्रतिक्रिया व्यक्त करने के लिए पाठकगण सादर आमंत्रित हैं। आप हमें पत्र भेजने के साथ ई-मेल भी कर सकते हैं।

अपने पत्र इस पते पर भेजें :
दैनिक जागरण, राष्ट्रीय संस्करण,
डी- 210-211, सेक्टर-63, नोएडा
ई-मेल: mailbox@jagran.com

संस्थापक-स्व. पूर्णचन्द्र गुप्त, पूर्व प्रधान संपादक-स्व. नरेन्द्र मोहन, नॉन एग्जीक्यूटिव चेयरमैन-महेन्द्र मोहन गुप्त, प्रधान संपादक-संजय गुप्त, जागरण प्रकाशन लि. के लिए; नीतेन्द्र श्रीवास्तव द्वारा 501, आई.एन.एस. बिल्डिंग, रफी मार्ग, नई दिल्ली से प्रकाशित और उन्हीं के द्वारा डी-210, 211, सेक्टर-63 नोएडा से मुद्रित, संपादक (राष्ट्रीय संस्करण) -विष्णु प्रकाश त्रिपाठी*
दूरभाष : नई दिल्ली कार्यालय : 011-43166300, नोएडा कार्यालय : 0120-4615800, E-mail: delhi@nda.jagran.com, R.N.I. No. DELHIN/2017/74721 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन ही होंगे। हवाई/रेल शुल्क ₹-2 अतिरिक्त।

****

प्रह्लाद सबनानी
आर्थिक मामलों के जानकार

आजकल

आर्थिक प्रगति की दिशा में अग्रसर भारत

भारत में आर्थिक प्रगति की दर निरंतर तेज होती दिखाई दे रही है। भारत के सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर भी अन्य देशों की तुलना में तीव्र गति से बढ़ रही है। भारतीय अर्थव्यवस्था आज विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। उम्मीद जताई जा रही है कि इस वर्ष यानी 2025 में ही जापान को पीछे छोड़ते हुए भारत विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन सकता है। इसके बाद जल्द ही जर्मनी को भी पछाड़ते हुए भारत तीसरे स्थान पर पहुंच सकता है। देश की इस आर्थिक बेहतरी में सभी का योगदान हो और सभी को लाभ हो, नववर्ष का एक यह भी संकल्प हो

अनेक ऐसे संकेत मिल रहे हैं जो भारतीय अर्थव्यवस्था में तीव्र विकास को रेखांकित कर रहे हैं। फाइल

वस्तुतः भारत का वैश्विक व्यापार भी द्रुत गति से आगे बढ़ रहा है। भारतीय अर्थव्यवस्था विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी है। हमारी आर्थिकी की गति यदि इसी प्रकार कायम रही तो इसी दशक में हम दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था का दर्जा प्राप्त कर सकते हैं। आज भारत अधिकांश क्षेत्रों में तेजी से आगे बढ़ रहा है। पूरे विश्व में हमारा देश एक चमकते सितारे के रूप उभर रहा है। लगातार तेज हो रही आर्थिक प्रगति का प्रभाव अब भारत में नागरिकों की औसत आय में हो रही वृद्धि के रूप में भी दिखाई देने लगा है।

हाल ही में अमेरिका में जारी की गई यूबीएस बिलियनेयर एंबिशन रिपोर्ट के अनुसार, भारत में बिलियनेयर (अरबपतियों) की संख्या 185 तक पहुंच गई है और भारत विश्व में अरबपतियों की संख्या की दृष्टि से तीसरे स्थान पर आ गया है। इस मामले में पहले स्थान पर अमेरिका है, जहां अरबपतियों की संख्या 835 है, जबकि तीसरे स्थान पर चीन है जहां इनकी संख्या 427 है। इस वर्ष भारत और अमेरिका में जहां अरबपतियों की संख्या में वृद्धि हुई है, वहीं चीन में इनकी संख्या में कमी आई है। अमेरिका में इस वर्ष अरबपतियों की सूची में 84 नए धनाढ्य जुड़े हैं एवं भारत में 32 नए अरबपति (21 प्रतिशत की वृद्धि के साथ) जुड़े हैं तो वहीं चीन में 93 अरबपति कम हुए हैं। पूरे विश्व में आज अरबपतियों की संख्या 2682 से अधिक हो गई है, जबकि वर्ष 2015 में इनकी संख्या 1757 थी। भारत में वर्ष 2015 की तुलना में अरबपतियों की संख्या में 123 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। वस्तुतः बिलियनेयर उस नागरिक को माना जाता है जिसकी संपत्ति 100 करोड़ डालर से अधिक हो गई है अर्थात भारतीय रुपये में 8,400 करोड़ रुपये मूल्य की संपत्ति हो।

भारत में तेजी से वृद्धि : पिछले एक वर्ष के दौरान भारत में उपरोक्त वर्णित अरबपतियों की संपत्ति 42 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करते हुए 9,560 करोड़ डालर के स्तर पर पहुंच गई है। जबकि अमेरिका में इनकी संपत्ति वर्ष 2023 में चार लाख 60 हजार करोड़ डालर से बढ़कर वर्ष 2024 में पांच लाख 80 हजार करोड़ डालर के स्तर पर पहुंच गई है। वहीं चीन में अरबपतियों की संपत्ति वर्ष 2023 में एक लाख 80 हजार करोड़ डालर से घटकर वर्ष 2024 में एक लाख 40 हजार करोड़ डालर हो गई है। पूरे विश्व में अरबपतियों की संपत्ति बढ़कर 14 लाख करोड़ डालर के स्तर पर पहुंच गई है। अच्छी बात यह है कि इस रिपोर्ट में यह उम्मीद व्यक्त की गई है कि आगामी 10 वर्षों में भारत में अरबपतियों की संख्या में तेज गति से वृद्धि होगी। भारत में सौ से अधिक पारिवारिक व्यवसाय में संलग्न ऐसे परिवार भी हैं जो अपने व्यवसाय को भारतीय परंपरा के अनुसार आगे बढ़ा रहे हैं और भारतीय अर्थव्यवस्था में अपना योगदान दे रहे हैं।

विदेशी मुद्रा भंडार में योगदान : भारतीय अरबपतियों की संख्या केवल भारत में ही नहीं बढ़ रही है, बल्कि अन्य देशों में निवास कर रहे भारतीय भी अरबपतियों की श्रेणी में शामिल हो रहे हैं। इससे भी अच्छी बात यह है कि वे अपनी आय के कुछ हिस्से को भारत में भेजकर यहां निवेश भी कर रहे हैं। इस प्रकार अन्य देशों में निवास कर रहे भारतीय मूल के नागरिक भी भारत के आर्थिक विकास में अपना योगदान दे रहे हैं। विशेष रूप से भारत के विदेशी मुद्रा भंडार को तेज गति से बढ़ाने में भारतीय मूल के इन नागरिकों का महत्वपूर्ण योगदान है। इस समय भारतीय मूल के एक करोड़ 80 लाख से अधिक नागरिक विभिन्न देशों में कार्य कर रहे हैं एवं प्रतिवर्ष वे अपनी कमाई का एक बड़ा हिस्सा भारत में जमा के रूप से भेजते हैं।

हाल ही में वर्ल्ड बैंक द्वारा जारी की गई एक रिपोर्ट में यह बताया गया है कि वर्ष 2024 में 12,900 करोड़ डालर की भारी रकम अन्य देशों में रह रहे भारतीयों द्वारा भारत में भेजी गई है। भारत पिछले कई वर्षों से इस दृष्टि पूरे विश्व में प्रथम स्थान पर कायम है। वहीं वर्ष 2021 में 10,500 करोड़ डालर, वर्ष 2022 में 11,100 करोड़ डालर और वर्ष 2023 में 12,500 करोड़ डालर की राशि भारत में भेजी गई थी। प्रतिवर्ष भारत में भेजी जाने वाली राशि की तुलना यदि अन्य देशों में भेजी जा रही राशि से करें तो ध्यान में आता है कि वर्ष 2024 में मेक्सिको में 6,800 करोड़ डालर की राशि भेजी गई थी, जिसे पूरे विश्व में इस दृष्टि से तीसरा स्थान प्राप्त हुआ है।

युवाओं से बढ़ती उम्मीद : विदित है कि प्रतिवर्ष भारत से लाखों युवा उच्च शिक्षा प्राप्त करने की दृष्टि से विकसित देशों की ओर जाते हैं। उच्च एवं तकनीकी शिक्षा प्राप्त करने के उपरांत भारतीय युवा इन देशों में ही रोजगार प्राप्त कर लेते हैं एवं अपनी बचत की राशि का बड़ा भाग भारत भेजते हैं। आज तक भारतीय मूल के इन नागरिकों द्वारा एक लाख करोड़ डालर की राशि भारत में भेजी गई है। भारत के लिए विदेशी मुद्रा भंडार के संग्रहण में यह राशि बहुत बड़ी भूमिका निभा रही है। वर्ष 2024 में पूरे विश्व में 68,500 करोड़ डालर की राशि विभिन्न देशों के नागरिकों द्वारा अपने अपने देशों को भेजी गई है। यह राशि वर्ष 2023 में भेजी गई राशि से 5.8 प्रतिशत अधिक है। पूरे विश्व में विभिन्न देशों में निवास कर रहे नागरिकों द्वारा भेजी गई उक्त राशि में से 20 प्रतिशत से अधिक की राशि अन्य देशों में निवास कर रहे भारतीयों द्वारा ही अकेले भारत में भेजी गई है। इस प्रकार, भारतीय मूल के नागरिकों की संपत्ति न केवल भारत में, बल्कि अन्य देशों में भी बहुत तेजी के साथ बढ़ रही है।

नववर्ष 2025 आज प्रारंभ हो रहा है। ऐसे शुभ अवसर पर उक्त समाचार का आना समस्त भारतवासियों के लिए बहुत बड़ी खुशखबरी है। क्योंकि देश एवं विदेश में रह रहे भारतीय मूल के नागरिकों की संपत्ति में वृद्धि होने से इन नागरिकों का भारत में निवेश बढ़ेगा जिससे निश्चित ही भारतीय अर्थव्यवस्था को और अधिक बल मिलेगा एवं रोजगार के नए अवसर निर्मित होंगे और इससे अंततः मध्यम वर्ग एवं गरीब वर्ग के नागरिकों की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी। वैसे भारतीय अर्थव्यवस्था में उत्पादों की मांग में लगातार वृद्धि दृष्टिगोचर है और यह मध्यम वर्ग द्वारा की जा रही खरीद के चलते ही संभव हो पा रहा है। अब, जब मध्यम वर्ग एवं गरीब वर्ग की आय में भी वृद्धि होने जा रही है तो भारतीय अर्थव्यवस्था को गति देने में इस वर्ग का योगदान और मजबूत होने जा रहा है।

कर्ज के जाल में फंसती ग्रामीण आबादी

राजेंद्र शर्मा

भारत में दो-तिहाई से अधिक लोगों ने अब तक कम से कम एक बार पर्सनल लोन अवश्य लिया है। शहरी क्षेत्रों में यह प्रवृत्ति तुलनात्मक रूप से अधिक है, परंतु ग्रामीण क्षेत्र में भी अब यह प्रवृत्ति जोर पकड़ रही है। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वय मंत्रालय की हालिया प्रकाशित एक संबंधित रिपोर्ट के अनुसार, शहरों की तुलना में गांवों में अब कर्जदार अधिक होते जा रहे हैं। गांवों में प्रति एक लाख पर 18,714 लोगों ने किसी न किसी तरह का कर्ज कभी न कभी लिया है, तो वहीं शहरी क्षेत्र का यह आंकड़ा 17,442 है। सबसे अच्छी बात यह है कि संस्थागत ऋणों की उपलब्धता अब सहज हो गई है, परंतु गैर संस्थागत ऋण प्रदाताओं ने भी तेजी से पांव पसारे हैं। चिंता का दूसरा कारण संस्थागत ऋण में भी इस तरह के ऋणों की ब्याज दर कहीं अधिक है और उससे भी ज्यादा गंभीर यह है कि संस्थागत हो या फिर गैर संस्थागत, ऋण प्रदाता ऋणी की एक किस्त भी समय पर जमा नहीं होती है तो अत्यधिक दंड, वसूली के नाम पर तमाम खर्चों को भी जोड़ता है।

इसमें कोई दो राय नहीं कि शहरी नागरिकों की तरह ही ग्रामीण नागरिकों के जीवन स्तर और रहन सहन में भी सुधार होना चाहिए। शहरों से किसी भी क्षेत्र में ग्रामीण इलाके पीछे नहीं रहने चाहिए। परंतु सवाल यह है कि कुछ इस तरह के ऋण होते हैं जिन्हें कई लोग देखा-देखी में ले लेते हैं और उसका सीधा असर कर्ज के मकड़जाल में फंसने की तरह हो जाता है। सांख्यिकी मंत्रालय के आंकड़े तो यह भी बताते हैं कि ग्रामीण क्षेत्र में ऋण लेने में महिलाएं भी पीछे नहीं हैं और कर्ज लेने वाली महिलाओं की संख्या भी बढ़ती जा रही है। चाहे ग्रामीण क्षेत्र हो या शहरी, अधिकांश व्यक्तिगत ऋण (पर्सनल लोन) घरेलू जरूरतों को पूरा करने, बच्चों की पढ़ाई लिखाई व शानो शौकत से रहने के लिए ही लिए जाते हैं।

वहीं गांवों और शहरों में एक अंतर यह है कि शहरों में स्वास्थ्य सेवाएं सरकारी स्तर पर भी आसानी से उपलब्ध हैं, जबकि गांवों में स्वास्थ्य पर अधिक खर्च करना पड़ता है। यही कारण है कि स्वास्थ्य संबंधी जरूरतों को पूरा करने के लिए भी ग्रामीणों को ऋण लेना पड़ता है। यह सब कृषि कार्यों के लिए लिए जाने वाले ऋण से अलग हटकर है। वैसे भी अधिकांश स्थानों पर संस्थागत कृषि ऋण नाममात्र या जीरो ब्याज दर पर उपलब्ध होता है, परंतु इस मामले में एक नकारात्मक पक्ष यह भी है कि बिना ब्याज के ऋण को समय पर नहीं चुका कर कर्ज माफी के राजनीतिक जुमले के चलते जीरो ब्याज सुविधा से भी वंचित हो जाते हैं। खैर यह विषय से भटकाव होगा।

मूल विषय पर आएं तो शहरों की तरह गांव भी आधुनिकतम सुख सुविधाओं से संपन्न हों, इसमें कोई दो राय नहीं। देश के सभी क्षेत्रों का समान विकास होना भी चाहिए। परंतु ग्रामीण क्षेत्र में बढ़ते कर्ज से एक आशंका यह भी उत्पन्न हो सकती है कि कर्ज लेकर कुछ पाने के बजाय वे इसके जाल में फंसकर अधिक खो न दें। इसका बड़ा कारण यह है कि संस्थागत ऋण यानी बैंकों द्वारा दिए जाने वाले ऋण हों या फिर गैर संस्थागत ऋण, परेशानी इनकी वसूली व्यवस्था को लेकर होती है। ऋण देते समय संस्थाएं जितनी उदारता दर्शाती हैं, किस्त वसूली के समय उतनी ही सख्ती बरतने लगती हैं। ऐसे में इस बारे में भी विचार करना होगा।

(लेखक सामाजिक-आर्थिक मामलों के जानकार हैं)

खरी-खरी

नोट प्राप्ति का रजिस्ट्रेशन

प्रदीप मिश्र

नववर्ष के अवसर पर एक दल के दफ्तर में 'वोटर रिझावक योजना' के अंतर्गत नोट पाने के लिए हो रहे रजिस्ट्रेशन की लाइन में मैं भी लगा हुआ था। नंबर आया तो बाबूजी ने पूछा, 'तुम्हारा आधार?'

मैंने कहा, 'मैं तो निराधार हूं।'

उसने झिड़कते हुए पूछा, 'तेरे पास आधार कार्ड है?'

'वो तो है।' आधार कार्ड दिखाया तो वह झल्लाया, 'फिर क्यों निराधार-निराधार चिल्ला रहा है? तेरी इनकम कितनी है?'

'इनकम होती तो लाइन में क्यों खड़ा होता?' मैंने जवाब दिया।

'वोटर पहचान पत्र है? किस जगह का है?' हमने दिखाया तो वह बोला, 'जबरदस्ती में टाइम खराब कर रहा है। वोटर है दूसरे प्रदेश का और नोट पाने के लिए यहां लाइन में लगा है। भाग यहां से...'

लाइन से जैसे ही बाहर आया, दूसरी पार्टी के नेता ने मुझे पकड़ लिया। तत्काल मेरे नाम का, अपने इलाके वाला वोटर आइडी कार्ड बनाकर मुझे पकड़ाते हुए बोला, 'जाओ अब हमारे पार्टी-दफ्तर के सामने लगी लाइन में लग जाओ और उससे ज्यादा नोट पाओ।'

मैं उस पार्टी की नोट-प्रदायक लाइन में लग गया। नंबर आने पर बाबू की कुर्सी पर बैठे नेताजी ने मुझे कुछ नोट दिखाते हुए कहा, 'ये देखो तुम्हारे अपने नोट। ये ही तुम्हें हमारी पार्टी के द्वारा दिए जाएंगे। चलो इन पर अंगूठे का निशान लगाओ।'

'नोट पर अंगूठे का निशान लगाने की तो सरकार से मनाही है।' मैंने नियम बताया तो नेताजी बोले, 'तुम्हें नियम चाहिए या नोट?'

'नोट चाहिए,' कहकर मैंने वह लेना चाहा तो उन्होंने छीन लिया। बोले, 'ये नोट तेरे हैं और गारंटी से तुझे ही मिलेंगे। लेकिन अभी हम तेरे ये नोट पार्टी आफिस के लाकर में रख देंगे और जैसे ही तू पार्टी को वोट देकर आएगा, पार्टी जीत जाएगी और हमारी सरकार बन जाएगी, तब ये करारे नोट तुझे मिल जाएंगे। लेकिन यदि सरकार नहीं बनी तो इन नोटों की अंत्येष्टि हो जाएगी और तुझे इनकी राख मिलेगी।'

फिर नेताजी ने मुझसे नोट ले लिए। अब मैं वोट वाले दिन का इंतजार कर रहा हूं।

पोस्ट

किसी जमाने में ग्रीटिंग कार्ड खरीदने और शायरी लिखने का भारी दबाव रहता था। लड़के राइटिंग पर खासा जोर देते थे। ओ माय डियर हैप्पी न्यू ईयर जैसी घिस चुकी लाइन से बचने के लिए तपस्या करनी पड़ती थी। आज वक्त बदल गया है।

अतुल कुमार राय@AuthorAtul

कोई व्यक्ति, कोई चीज, कोई रिश्ता, कोई सपना आपसे बड़ा नहीं है। इन सबका होना, आपके होने पर निर्भर करता है। इनमें से जो कुछ भी आपकी मानसिक शांति को प्रभावित कर रहा है, वह आपके योग्य नहीं। उससे दूर रहें।

डा. अनुज कुमार@dranuj_k

2024 बहुत कुछ सिखाकर गया है- अपने स्वास्थ्य का खयाल ही जीवन की सबसे बड़ी पूंजी है, इस जीवन में स्थाई कुछ नहीं है, परिवार सबसे बड़ी ताकत है और कम संसाधनों में भी आप अच्छे से रह सकते हैं।

आशीष ऊषा अग्रवाल@Ashish_HG

उम्र बढ़ना तो लाजिमी है, यह आपके काबू में नहीं होता, लेकिन आगे बढ़ना तो आपके हाथ में है, इसलिए रुको मत। चलते रहो।

रजत शर्मा@RajatSharmaLive

जागरण जनमत कल का परिणाम

क्या रोहित शर्मा-विराट कोहली टीम इंडिया की कमजोर कड़ी बन गए हैं?

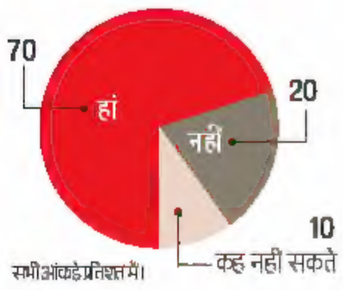

सभी आंकड़े प्रतिशत में।

आज का सवाल

क्या जजों के रिश्तेदारों को जज बनाने पर रोक लगाई जानी चाहिए?

परिणाम जागरण इंटरनेट संस्करण के पाठकों का मत है।

जनपथ

मंगलमय हो देश को दो हजार पच्चीस,
खुशियों की बरसात हो रहे न कोई टीस।
रहे न कोई टीस ठीक सैचले सियासत,
जो नेता हैं भ्रष्ट बढ़े बस उनकी सांसत।
रहें 'फील गुड' लोग न हो उनको कोई भय,
इस प्रकार नववर्ष सभी को हो मंगलमय!

- ओमप्रकाश तिवारी

भारतीय डाक के कायाकल्प की उम्मीद

अरविंद कुमार सिंह
वरिष्ठ पत्रकार

केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने हाल ही में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से मुलाकात की है। वस्तुतः अपने अधीनस्थ डाक विभाग की शीर्ष टीम के साथ सिंधिया ने इस विभाग के कायाकल्प के लिए उचित रकम की मांग हेतु यह मुलाकात की। देखा जाए तो सिंधिया डाक विभाग की ताकत और कमजोरी दोनों बखूबी जानते हैं। वर्ष 2007 में संचार राज्यमंत्री रहने के दौरान उन्होंने इसके आधुनिकीकरण और ग्रामीण डाक सेवकों को शक्ति संपन्न बनाने की दिशा में काम भी किया था। इस नाते अपने पुराने अनुभवों और भावी चुनौतियों के मद्देनजर पूरी तैयारी के साथ उन्होंने डाक विभाग के कायाकल्प और 2029 तक लाभ में लाने की जो रणनीति बनाई है, उसके लिए अगर उचित संसाधन मिला और ठीक क्रियान्वयन हुआ, तो इस विभाग का कायाकल्प बहुत मुश्किल नहीं है।

मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल में संचार मंत्रालय की जिम्मेदारी संभालने के साथ ही सिंधिया ने डाक विभाग को चाक-चौबंद करने के इरादे से कई कदम उठाए हैं। अपने उत्पादों की बाजार हिस्सेदारी बढ़ाने के साथ कई आधुनिक सामग्रियों से डाक विभाग को मजबूत करने की दिशा में काम भी हुआ है। ग्रामीण क्षेत्रों में विभाग ने और अधिक पकड़ बनाने की कोशिश की है, जहां शहरों की तुलना में अधिक संभावनाएं हैं।

महत्ता कायम : भारतीय डाक 1,64,987 डाकघर शाखाओं के साथ विश्व में संख्या में ही नहीं, शक्ति में भी अव्वल है। अधिकांश देशों में सूचना और संचार क्रांति के चलते डाकघर बंद होते जा रहे हैं, परंतु भारत में नए डाकघर खुल रहे हैं और नई भूमिकाओं में भी खड़े हैं। भारतीय डाक की महत्ता कायम रहने में इसकी विश्वसनीयता तथा ग्रामीण आधार के साथ पोस्टमैन का भी योगदान है जो सरकार और जनता के बीच सबसे मजबूत कड़ी है। केंद्र सरकार ने डाकघर अधिनियम, 2023 को 18 जून, 2024 से लागू किया है। इसके पहले भारतीय डाकघर अधिनियम, 1898 से डाकघरों का कामकाज चलता था। इन विधायी उपायों का विभाग के भविष्य पर कितना असर पड़ता है, इसका पता साल भर बाद चलेगा। फिलहाल पुस्तक प्रेमियों में बुक पोस्ट को बंद करने से हलचल है, क्योंकि जो विकल्प उनके सामने है, वह बहुत ही महंगा है। लेकिन अभी बहुत से पक्षों को जानना परखना है।

बाजार की जरूरतों के अनुरूप बदलाव लाने से लाभकारी बनाया जा सकता है डाकघर को। फाइल

राजस्व घाटा : फिलहाल चिंता की बात यह है कि भारतीय डाक की 2019-20 में जहां कुल राजस्व प्राप्तियां 13,558 करोड़ रुपये थीं, वह 2023-24 में घट कर 11,321 करोड़ हो गईं। वर्ष 2024-25 का लक्ष्य 12238 करोड़ रुपये है। राजस्व घाटे को कम करने के कई उपाय किए पर कामयाबी नहीं मिली। वर्ष 2019-20 में राजस्व घाटा 14,913 करोड़ था, जो 2023-24 में बढ़ कर 24,115 करोड़ रुपये हो गया है। लेकिन इस तस्वीर के पीछे महज विभागीय कारण ही नहीं हैं। वित्तीय सेवाओं में अपेक्षित पारिश्रमिक की दरों में बढ़ोतरी न होना और छोटी बचत योजनाओं की ब्याज दरें ठहरी होना भी एक अहम कारक है। ब्याज दरें बढ़ती हैं तो छोटे निवेशक डाकघरों को प्राथमिकता देते हैं। हाल के सालों में डाक विभाग स्पीड पोस्ट और पार्सल, विदेशी पार्सल, बिजनेस पार्सल, थोक डाक सेवाओं के माध्यम से डाक शुल्क, लघु बचत योजनाओं और नकद प्रमाण पत्र जैसी सेवाओं, नागरिक केंद्रित आधार नामांकन, पासपोर्ट और सामान्य सेवा केंद्र, शिक्षा संस्थाओं के फार्मों की बिक्री, जैसी कई पहल की है। इनमें कुछ सफल रहीं तो कुछ विफल।

विश्वसनीयता : समय के साथ बहुत से क्षेत्र बदल रहे हैं। डाक विभाग में पहले चिट्ठियों का वर्चस्व था, अब वित्तीय सेवाओं और ई-कामर्स में यह भूमिका निभा रहा है। बचत आंदोलन के विस्तार में इसकी भूमिका कायम है। देश में डाकघरों में 26 करोड़ खाते हैं, जिनमें 12.68 लाख करोड़ रुपए जमा हैं। सुकन्या खातों में से 84 प्रतिशत खाते डाकघरों में खुले हैं। डाक जीवन बीमा और ग्रामीण डाक जीवन बीमा से प्राप्त कुल प्रीमियम आय 2018-19 में 10,398 करोड़ था, जो 2022-23 में बढ़ कर 14,246 करोड़ हो गया। महिला सम्मान बचत पत्र योजना मार्च 2023 में आरंभ की गई, जिसके 43.30 लाख खाते खोले गए हैं। डाकघरों की बचत योजनाएं जोखिम रहित हैं। देश में पांच लाख से अधिक लघु बचत एजेंटों को भी इससे काम मिलता है।

भारतीय डाक 24 घंटे चलता रहता है। हवाई जहाज, मोटर और रेल से लेकर नाव जैसे साधनों से डाक सामग्री ढोई जाती है। पोस्टमैन और ग्रामीण डाक सेवकों की मदद से हाल के वर्षों में 'इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक' भी काफी लोकप्रिय हो रहा है। शहरी इलाकों में आम धारणा है कि संचार और सूचना क्रांति की आंधी में डाकघरों की जरूरत क्या है। पर ग्रामीण डाकघरों की उपयोगिता इस धारणा को झुठलाती है। भले ही आकर्षक इमारतों में कई देहाती डाकघर न हों, परंतु गांव और किसानों के वे बहुत करीब हैं। चमचमाते बैंकों से उनकी चमक कहीं फीकी नहीं है और उनमें महाबली बनने की संभावनाएं कायम हैं।

मंथन

विभाजनकारी तत्वों पर लगाम

विविधताओं में एकत्व की भावना ही भारत का आत्मा है। यह विविधता और एकता ही भारतीयता का सौंदर्य है। नववर्ष के अवसर पर हम इसे कायम रखने का संकल्प लें

डा. वेदप्रकाश
असिस्टेंट प्रोफेसर, किरोड़ीमल कालेज, दिल्ली विश्वविद्यालय

उच्चतम न्यायालय के एक न्यायाधीश न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा ने हाल ही में कहा है कि धर्म व जाति के आधार पर विभाजनकारी बयानबाजी का बढ़ता उपयोग संवैधानिक आदर्श बंधुत्व के साथ-साथ देश में एकता की भावना के लिए एक बड़ी चुनौती है। संविधान की भावना विषय पर उन्होंने यह भी कहा कि विभाजनकारी विचारधाराएं, बढ़ती आर्थिक असमानता और सामाजिक अन्याय, भाईचारे की भावना के लिए बड़े खतरे हैं। भाईचारे को बनाए रखना आम नागरिकों, संस्थाओं और नेताओं की साझा जिम्मेदारी है।

ध्यातव्य है कि बिगत कुछ वर्षों में जाति, संप्रदाय, भाषा एवं क्षेत्रीयता आदि आधारों पर वैमनस्य या भेदभाव बढ़ा है। इसके मूल में विभाजनकारी बयानबाजी है। बिगत दिनों बिहार में जाति आधारित गणना की रिपोर्ट जारी हुई, जिस पर राजनीतिज्ञों ने अपने-अपने हिसाब से विभाजन की दीवारें खड़ी करने का प्रयास किया। देश में कहीं भी कोई घटना अथवा दुर्घटना घटित होते ही राजनीति से जुड़े लोग उसमें जाति, संप्रदाय अथवा क्षेत्रीयता के दृष्टिकोण से विभाजनकारी बयान देते हैं। कुछ तथाकथित साहित्यकारों, सिनेमा एवं राजनीति से जुड़े लोगों का एक ऐसा वर्ग बन चुका है, जो भारत की श्रेष्ठ और सनातन परंपराओं, पर्व-उत्सव एवं देवी-देवताओं के विषय में समय-समय पर विवादास्पद टिप्पणी करता है। जाति, संप्रदाय की किसी घटना पर पूरे देश को कठघरे में खड़ा करने का प्रयास करता है। मूलतः ऐसे लोग टकरावजीवी या विभाजनजीवी हैं, जो निहित स्वार्थों के लिए टकराव की संभावनाएं ढूंढने और उन्हें क्रियान्वित करने के काम करते हैं।

बीते लोकसभा चुनाव में विपक्ष चुनाव आयोग, सीबीआइ एवं ईडी की गतिविधियों का विरोध करता रहा। ऐसे लोगों ने 'संविधान खतरे में है, आरक्षण खत्म कर दिया जाएगा, अल्पसंख्यक खतरे में हैं' आदि नारों से बंधुत्व की भावना को कमजोर करने का काम किया गया। संसद का हालिया शीतकालीन सत्र विरोध, बहिष्कार और हंगामे की भेंट चढ़ गया। लोकसभा व राज्यसभा अध्यक्ष, मुख्य चुनाव आयुक्त जैसे संविधान सम्मत पदों की गरिमा गिरने के प्रयास सामान्य होते जा रहे हैं। संसद के शीतकालीन सत्र में संविधान पर चर्चा होनी थी, लेकिन संविधान पर चर्चा से अधिक आरोप-प्रत्यारोपों के बाण चले। संसद में चर्चा के स्थान पर अदाणी, अंबानी और राज्यसभा के सभापति के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव आदि पर विभाजनकारी मानसिकता हावी रही। क्या यह लोकतंत्र के लिए चिंता का विषय नहीं है? भारतीय चिंतन में वैचारिक मतभेद रहे हैं, मनभेद के लिए कोई स्थान नहीं रहा। संसद जनकल्याण हेतु लोकनीति और चर्चा का मंदिर है, फिर वहां विरोध की राजनीति क्यों? हाल ही में विश्व बैंक ने भी कहा है कि विकसित देश बनने के लिए भारत के पास बहुत कम समय है और इस दौरान उसे कई बड़े सुधार करने होंगे। लिहाजा हमें उस दिशा में अग्रसर होना चाहिए।

विभाजनकारी बयानबाजी : भारत का संविधान विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक संविधान है, जो प्रत्येक नागरिक को धर्म, मूल वंश, जाति, लिंग, जन्मस्थान आदि के आधार पर बिना किसी भेदभाव के समान अधिकार देता है। संविधान की उद्देशिका समस्त नागरिकों को सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त करने के लिए तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए प्रविधान और आह्वान करती है। फिर क्या धर्म और जाति के आधार पर विभाजनकारी बयानबाजी चिंताजनक नहीं है? ऐसे लोगों पर कठोर दंडात्मक कार्रवाई क्यों नहीं होनी चाहिए? उल्लेखनीय है कि बिगत एक दशक में देश में लगभग 25 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर निकले हैं। वर्ष 2014 में 29.17 प्रतिशत से गरीबी दर घटकर 2024 में 11.5 प्रतिशत पर आ गई है। अनुसूचित जाति एवं कमजोर वर्गों के आर्थिक व सामाजिक उत्थान हेतु सरकार विभिन्न योजनाओं पर काम कर रही है। ये आंकड़े अंत्योदय की ओर बढ़ने के संकेत हैं। विकसित भारत की राह में शुद्ध पेयजल, आवास, मूलभूत सुविधाएं, समान अवसर, समानता और स्वतंत्रता का अधिकार जैसे अनेक मुद्दे बड़ी चुनौती हैं। क्या इन चुनौतियों पर संसद में चर्चा करते हुए संवैधानिक प्रविधानों के अनुसार आगे बढ़ने की आवश्यकता नहीं है?

जाति, धर्म, भाषा और क्षेत्रीयता आधारित विभाजनकारी बयानबाजी संवैधानिक आदर्शों के अनुकूल नहीं है। यह विकसित समाज और राष्ट्र के संकल्प में भी बाधक है। विकसित राष्ट्र के लिए हमें सभी मतभेदों को भुलाकर प्रगति पथ पर आगे बढ़ना होगा।

संसद के समुचित संचालन से ही निकलेगा समस्याओं का समाधान। फाइल

****

इंडो फार्म को पहले दिन 17.70 गुना अभिदान मिला

नई दिल्ली : इंडो फार्म इक्विपमेंट लिमिटेड के आइपीओ को मंगलवार को बोली के पहले दिन 17.70 गुना अभिदान मिला। गैर-संस्थागत निवेशकों की श्रेणी में 28.56 गुना, जबकि खुदरा व्यक्तिगत निवेशकों के हिस्से को 18.54 गुना अभिदान मिला। पात्र संस्थागत खरीदारों (क्यूआइबी) की श्रेणी को 8.10 गुना अभिदान मिला। इंडो फार्म इक्विपमेंट ने सोमवार को कहा कि उसने एंकर निवेशकों से 78 करोड़ रुपये से थोड़ा अधिक जुटाए हैं। (प्रेट्र)

2024 नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र के लिए एक उल्लेखनीय वर्ष रहा है और हम इस सेक्टर के विकास को आगे बढ़ाने के लिए अथक प्रयास कर रहे हैं।

-प्रल्हाद जोशी, केंद्रीय नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री

सेंसेक्स	निफ्टी	सोना प्रति दस ग्राम	चांदी प्रति किलोग्राम	डालर	क्रूड (ब्रेंट) प्रति बैरल
78,139.01 ▼ 109.12	23,644.80 ▼ 0.10	₹78,950 ▼ ₹550	₹89,700 ▼ ₹2000	₹85.64 ▲ ₹0.12	$ 74.34

एक नजर में

नवंबर में 4.3% रही आठ प्रमुख क्षेत्रों की वृद्धि दर

नई दिल्ली : इस वर्ष नवंबर में आठ प्रमुख इन्फ्रास्ट्रक्चर क्षेत्रों की वृद्धि दर 4.3 प्रतिशत रही है, जो पिछले वर्ष समान महीने में 7.9 प्रतिशत थी। मंगलवार को जारी सरकारी डाटा के अनुसार, मासिक आधार पर आठ प्रमुख क्षेत्रों की वृद्धि दर बढ़ी है। इसी वर्ष अक्टूबर में इन क्षेत्रों की वृद्धि दर 3.7 प्रतिशथ थी। नवंबर में कोयला, रिफाइनरी उत्पाद, उर्वरक, स्टील और बिजली की उत्पादन दर कम होकर क्रमशः 7.5, 2.9, दो, 4.8 और 3.8 प्रतिशत रही है। हालांकि, इस दौरान सीमेंट उत्पादन में 13 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि रही है। (प्रेट्र)

अब सभी वाट्सएप यूजर्स को मिलेगी यूपीआइ सेवा

नई दिल्ली : अब वाट्सएप के सभी यूजर्स यूपीआइ के जरिये भुगतान कर सकेंगे। भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआइ) ने वाट्सएप को अपने सभी यूजर्स तक इस सेवा का विस्तार करने की मंजूरी दे दी है। अभी तक वाट्सएप को केवल 10 करोड़ यूजर्स तक यूपीआइ सेवा उपलब्ध कराने की मंजूरी दी। इस सीमा को अब हटा लिया गया है। एनपीसीआइ ने कहा है कि वाट्सएप को यूपीआइ और थर्ड-पार्टी एप सेवा प्रदाताओं से जुड़े सभी नियमों का पालन करना होगा। (प्रेट्र)

छह प्रतिशत से ज्यादा टूटे अदाणी विल्मर के शेयर

नई दिल्ली : अदाणी समूह के अपनी कंपनी अदाणी विल्मर में से बाहर निकलने की घोषणा का इसके शेयरों पर प्रतिकूल असर पड़ा है। मंगलवार को बीएसई में अदाणी विल्मर के शेयर 6.45 प्रतिशत की गिरावट के साथ 308.25 रुपये प्रति इकाई पर बंद हुए। इसी तरह, एनएसई में कंपनी के शेयर 6.29 प्रतिशत लुढ़ककर 308.05 रुपये प्रति इकाई पर बंद हुए। अदाणी विल्मर में अदाणी समूह की 43.94 प्रतिशत हिस्सेदारी है। इस हिस्सेदारी की बिक्री से अदाणी समूह को दो अरब डालर मिलने की उम्मीद है। (प्रेट्र)

आज से बदलेंगे एफडी के नियम
कार खरीदना होगा महंगा

नए साल की शुरुआत के साथ आम लोगों को प्रभावित करने वाले कई नियमों में भी बदलाव होने जा रहा है। सभी प्रमुख कार कंपनियों के वाहन जहां महंगे हो जाएंगे, वहीं फिक्स्ड डिपाजिट से जुड़े नियमों में परिवर्तन होगा। नया साल किसानों के लिए अच्छी खबर लेकर आया है, क्योंकि अब उन्हें पहले से ज्यादा कर्ज मिल सकेगा। फीचर या बेसिक फोन प्रयोग करने वाले अपने अकाउंट से अब ज्यादा पैसा ट्रांसफर कर सकेंगे।

जीएसटी नियमों में बदलाव

एक जनवरी से जीएसटी से जुड़े कई नियमों में बदलाव होने जा रहा है। इसमें मल्टी फैक्टर आथेंटिकेशन (एमएफए) भी शामिल है। यह प्रक्रिया उन सभी पर लागू होगी जो जीएसटी फाइल करते हैं। इसका उद्देश्य जीएसटी फाइलिंग प्रक्रिया को और सुरक्षित बनाना है।

यूपीआइ 123पे पर बढ़ी लिमिट

वे यूजर्स जो स्मार्टफोन इस्तेमाल नहीं करते, वे अपने बेसिक या फीचर फोन से भी बैंक अकाउंट से पैसा ट्रांसफर कर सकते हैं। इसकी सीमा पहले पांच हजार रुपये थी। एक जनवरी से इसे बढ़ाकर 10 हजार रुपये कर दिया गया है। अब लोग ज्यादा रकम का लेनदेन कर सकेंगे।

किसानों को मिलेगा ज्यादा लोन

एक जनवरी से किसानों को अब बिना गारंटी के दो लाख रुपये तक का लोन मिल सकेगा। आरबीआइ ने हाल ही में इसके बारे में घोषणा की थी। केंद्रीय बैंक ने कहा था कि किसानों दिए जाने वाले लोन की सीमा को 1.60 लाख रुपये से बढ़ाकर दो लाख रुपये किया जाता है।

एफडी के नियम भी बदलेंगे

अगर आप निवेश के लिए फिक्स्ड डिपाजिट (एफडी) को तवज्जो देते हैं तो एक जनवरी से इसमें भी कुछ बदलाव होने जा रहे हैं। आरबीआइ ने एनबीएफसी के लिए एफडी से जुड़े नियमों में बदलाव किया है। ये बदलाव एफडी में जमा रकम को मेच्योरिटी से पहले निकालने से जुड़े हैं।

अमेजन प्राइम मेंबर अब केवल दो टीवी पर देख सकेंगे वीडियो

अमेजन प्राइम की मेंबरशिप में भी एक जनवरी से बदलाव हो रहे हैं। अब एक प्राइम अकाउंट से से केवल दो टीवी पर ही प्राइम वीडियो देख सकेंगे। अगर उस अकाउंट से तीसरे टीवी पर प्राइम वीडियो देखना चाहेंगे तो इसके लिए अलग से सब्सक्रिप्शन लेना होगा। पहले एक प्राइम अकाउंट से पांच डिवाइस (टीवी या स्मार्टफोन) तक पर वीडियो देखे जा सकते थे।

रूपे क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल सीमित होगा

एक जनवरी से रूपे क्रेडिट कार्ड से जुड़े कुछ नियम भी बदल रहे हैं। नेशनल पेमेंट कारपोरेशन आफ इंडिया (एनपीसीआइ) ने इसके लिए गाइडलाइन जारी कर दी है। नए नियमों के तहत प्रत्येक रूपे क्रेडिट कार्ड यूजर एयरपोर्ट पर लाउंज एक्सेस नहीं कर पाएगा। यह सुविधा क्रेडिट कार्ड से खर्च होने वाली रकम के आधार पर मिलेगी।

बढ़ेगा कारों का मूल्य

एक जनवरी से कार खरीदना महंगा होगा। मारुति सुजुकी, हुंडई, महिंद्रा, होंडा, बीएमडब्ल्यू आदि ने तीन प्रतिशत तक कीमत बढ़ाने का एलान किया है।

बिजनेस डेस्क

अब 15 जनवरी तक दाखिल कर सकेंगे संशोधित आयकर रिटर्न

नई दिल्ली, आइएएनएस: वित्त वर्ष 2023-24 के लिए आयकर रिटर्न (आइटीआर) दाखिल करने की अंतिम तिथि 31 जुलाई और जो लोग ऐसा नहीं कर सके थे, उनके लिए विलंब शुल्क के साथ संशोधित आइटीआर दाखिल करने का समय 31 दिसंबर था। अब केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) इस समयसीमा को बढ़ाकर 15 जनवरी कर दिया है।

चूंकि वित्त वर्ष 2023-24 के लिए जीएसटी वार्षिक रिटर्न दाखिल करने की अंतिम तिथि 31 दिसंबर है, इसलिए जीएसटी-पंजीकृत करदाताओं को अपने वार्षिक लेनदेन को समेकित करने के लिए इसे जमा करना होगा। जीएसटी वार्षिक रिटर्न (जीएसटीआर-9) दाखिल नहीं करने वाली कंपनियों को टर्नओवर के आधार पर जुर्माना देना होगा।

लघु बचत योजनाओं की ब्याज दरों में बदलाव नहीं

नई दिल्ली, प्रेट्र : सरकार ने वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही के लिए पीपीएफ और एनएससी सहित विभिन्न लघु बचत योजनाओं पर ब्याज दरों को अपरिवर्तित रखा है। वित्त मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, सुकन्या समृद्धि योजना के तहत जमा पर 8.2 प्रतिशत की ब्याज दर मिलेगी, जबकि तीन साल की सावधि जमा पर चालू तिमाही में ब्याज दर 7.1 प्रतिशत पर बरकरार रहेगी। सार्वजनिक भविष्य निधि (पीपीएफ) और डाकघर बचत योजनाओं की ब्याज दरें भी क्रमशः 7.1 प्रतिशत और चार प्रतिशत पर बरकरार रखी हैं।

2024 में सोने ने दिया शेयर बाजारों से ज्यादा रिटर्न

वीते कैलेंडर वर्ष में सोने के मूल्य में 23 प्रतिशत और बीएसई सेंसेक्स में आठ प्रतिशत से ज्यादा की बढ़ोतरी रही

जेएनएन, नई दिल्ली: कैलेंडर वर्ष 2024 निवेश के लिहाज से अच्छा रहा है। इस वर्ष कीमती धातुओं-सोना-चांदी के साथ घरेलू शेयर बाजारों ने उच्च स्तर के कई रिकार्ड बनाए हैं। हालांकि, बीते दो महीने से इनके मूल्य में नरमी बनी हुई है। इसके बावजूद सोना, चांदी और शेयरों ने वार्षिक आधार पर निवेशकों को सकारात्मक रिटर्न दिया है। पूरे कैलेंडर वर्ष के दौरान सोना और चांदी ने प्रमुख घरेलू सूचकांकों- सेंसेक्स और निफ्टी से ज्यादा रिटर्न दिया है।

डाटा के अनुसार, कैलेंडर वर्ष 2024 के दौरान सोने ने 23.41 प्रतिशत और चांदी ने 14.12 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। एक जनवरी 2024 को दिल्ली सराफा बाजार में सोने का मूल्य 63,970 रुपये प्रति दस ग्राम था, जो 31 दिसंबर 2024 को बढ़कर 78,950 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया है। इसी प्रकार, चांदी का मूल्य एक जनवरी के 78,600 रुपये प्रति किलोग्राम से बढ़कर 31 दिसंबर 2024 को 89,700 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गया है। पूरे वर्ष के दौरान सोना 82 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम और चांदी 1.02 लाख रुपये प्रति किलोग्राम के उच्च स्तर तक पहुंचे। 2024 के दौरान सोने की कीमतों में तेजी का एक प्रमुख कारण दुनियाभर के केंद्रीय बैंकों की ओर से इसकी खरीदारी भी रहा है। आरबीआइ 2024 के पहले 10 महीनों में 77 टन सोना खरीद चुका है। इसमें से 27 टन सोने की खरीदारी केवल अक्टूबर में की गई है, जो पिछले वर्ष समान महीने की तुलना में पांच गुना से अधिक है।

इसी तरह, कैलेंडर वर्ष 2024 के दौरान सेंसेक्स ने 8.11 प्रतिशत और निफ्टी ने 18.75 प्रतिशत रिटर्न दिया है। सेंसेक्स एक जनवरी 2024 को 72,271 अंक पर बंद हुआ था, जो 31 दिसंबर 2024 को 78,139 के स्तर पर पहुंच गया है। इसी तरह, निफ्टी एक जनवरी को 21,741 अंक पर था, जो 31 दिसंबर को 23,644 अंक पर पहुंच गया था। 2024 के दौरान सेंसेक्स 85,978 और निफ्टी 26,277 के उच्च स्तर तक पहुंचा था। पूरे वर्ष में सेंसेक्स में 5,898.75 और निफ्टी में 1,913.4 अंक की वृद्धि रही है। 2023 के दौरान सेंसेक्स ने 18.74 प्रतिशत और निफ्टी ने 20.03 प्रतिशत का रिटर्न दिया था।

2025 में 90 हजार रुपये तक पहुंच सकता है सोना: सुरक्षित निवेश के रूप में सोने का भाव नए साल में भी रिकार्ड तोड़ता रहेगा और यह 85,000 रुपये प्रति 10 ग्राम तक पहुंच सकता है। भू-राजनीतिक तनाव तथा वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के बीच घरेलू बाजार में यह 90,000 रुपये के स्तर तक भी जा सकता है। मौद्रिक नीति में नरम रुख तथा केंद्रीय बैंकों की खरीद से भी इसके भाव बढ़ेंगे। हालांकि भू-राजनीतिक संकट कम होने पर रुपये में गिरावट थमेगी, जिससे सोने की कीमत में भी नरमी आ सकती है। एलकेपी सिक्योरिटीज के उपाध्यक्ष अनुसंधान विश्लेषक (जिंस एवं मुद्रा) जतिन त्रिवेदी ने बताया कि यदि भू-राजनीतिक तनाव जारी रहता है या बढ़ता है तो चांदी की कीमतें 1.25 लाख रुपये तक पहुंच सकती हैं।

पूरे वर्ष में 77.66 लाख करोड़ रुपये बढ़ी निवेशकों की संपत्ति

कैलेंडर वर्ष 2024 के दौरान शेयर बाजारों में रही तेजी के चलते निवेशकों की संपत्ति में 77.66 लाख करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई है। इस बढ़ोतरी के साथ बीएसई में सूचीबद्ध सभी कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 441.95 लाख करोड़ रुपये हो गया है। कैलेंडर वर्ष 2023 में निवेशकों की संपत्ति में 81.90 लाख करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई थी। 2024 के अंतिम दिन मंगलवार को घरेलू शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद हुए। बीएसई का मानक सूचकांक सेंसेक्स 109.12 अंक की गिरावट के साथ 78,139.01 पर बंद हुआ। एनएसई का निफ्टी 0.10 अंक की मामूली गिरावट के साथ 23,644.80 के स्तर पर बंद हुआ।

78,950 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंचा सोने का भाव

89,700 रुपये प्रति किलो हुआ चांदी का मूल्य

78,139 पर बंद हुआ बीएसई का प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स

23,644 के स्तर पर पहुंचा एनएसई का मानक सूचकांक निफ्टी

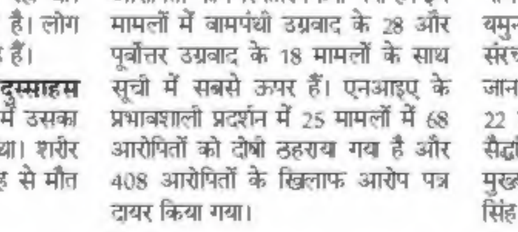

13 पैसे लुढ़का रुपया

घरेलू बाजारों से विदेशी निवेशकों की लगातार निकासी के चलते भारतीय रुपया मंगलवार को अमेरिकी डालर के मुकाबले 13 पैसे लुढ़कर 85.65 के सर्वकालिक निचले स्तर पर बंद हुआ। पूरे कैलेंडर वर्ष 2024 की बात करें तो डालर के मुकाबले रुपये में करीब तीन प्रतिशत की गिरावट रही है।

दो हजार रुपये टूटी चांदी

स्टाकिस्ट और खुदरा विक्रेताओं की कम खरीदारी के कारण दिल्ली में मंगलवार को सोने के मूल्य में 550 रुपये की गिरावट रही और यह 78,950 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ। इसी तरह, चांदी में दो हजार रुपये प्रति किलोग्राम घटकर 89,700 पर बंद हुई।

राजकोषीय घाटा बजट अनुमान का 52.5 प्रतिशत पर पहुंचा

नई दिल्ली, रायटर: अप्रैल से नवंबर के दौरान भारत का राजकोषीय घाटा 8.47 लाख करोड़ रुपये रहा। यह पूरे वित्त वर्ष के अनुमान का 52.5 प्रतिशत है। आंकड़ों से पता चलता है कि चालू वित्त वर्ष के पहले आठ महीनों के दौरान शुद्ध कर प्राप्तियां 14.43 लाख करोड़ रुपये या वार्षिक लक्ष्य का 56 प्रतिशत थी। पिछले साल की समान अवधि में यह आंकड़ा 14.36 लाख करोड़ रुपये था। भारत का वित्तीय वर्ष अप्रैल से मार्च तक चलता है।

आठ महीनों के दौरान कुल सरकारी व्यय 27.41 लाख करोड़ रुपये या वार्षिक लक्ष्य का लगभग 57 प्रतिशत था। सरकार ने पिछले साल इसी अवधि में 26.52 लाख करोड़ रुपये खर्च किए थे। नवंबर तक, बुनियादी ढांचे के निर्माण पर खर्च 5.13 लाख करोड़ या वार्षिक लक्ष्य का 46.2 प्रतिशत था जबकि एक साल पहले इसी अवधि में यह खर्च 5.86 लाख करोड़ रुपये था। आम चुनावों के चलते चालू वित्त वर्ष में व्यय धीमा रहा है और पूंजीगत व्यय वार्षिक लक्ष्य से कम रहने की संभावना है।

राष्ट्रीय फलक

उप्र के मुरादाबाद में गोहत्या के आरोपित को भीड़ ने पीट-पीटकर मार डाला

जागरण संवाददाता, मुरादाबाद

▸ मंडी समिति में सोमवार तड़के की घटना, घायल होने के बाद अस्पताल में हुई मृत्यु

गोहत्या के आरोपित शाहेदीन को भीड़ ने पीट-पीटकर अधमरा कर दिया। अस्पताल में उपचार के दौरान उसकी मृत्यु हो गई। शाहेदीन के भाई ने अज्ञात लोगों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराई है। दूसरी ओर तनाव फैलने की आशंका पर पुलिस ने मंगलवार तड़के शव का पोस्टमार्टम करा आनन-फानन में सुपुर्द ए खाक कर दिया।

इससे पहले आरोपित व उसके साथियों पर पुलिस ने गोवध अधिनियम की धारा में प्राथमिकी लिखी थी। गोहत्या के आरोप में अदनान को हिरासत में लेकर पुलिस पूछताछ कर रही है। एसएसपी सतपाल अंतिल ने इसे उन्मादी भीड़ की हिंसा से इन्कार किया है। उनका कहना है कि उन्मादी भीड़ की हिंसा में धर्म, जाति, जेंडर, स्थान सहित कई आधार होते हैं। पांच या इससे अधिक लोगों के हमले में शामिल होते हैं। शाहेदीन की मौत के मामले में अभी संख्या का पता नहीं है। हत्या की प्राथमिकी दर्ज करने के बाद विवेचना कराई जा रही है।

मृतक शाहेदीन। फाइल फोटो

मझोला के मंडी समिति क्षेत्र में सोमवार तड़के गोहत्या की घटना हुई थी। नालियों में खून फैलने पर लोगों को शक हुआ, जिसके बाद सभी एकजुट हुए। हिंदू संगठन के लोग भी आ गए और आरोपितों को दौड़ा लिया। जिनमें शाहेदीन हत्थे चढ़ गया। पुलिस ने जैसे-तैसे उसे भीड़ से छुड़ाया। हालत गंभीर होने के चलते शाहेदीन को जिला अस्पताल लाया गया। सोमवार देर रात अस्पताल में शाहेदीन की मौत हो गई। मृतक के भाई आलम का आरोप है कि अदनान भाई को बुलाकर ले गया था। भाई पहले से बीमार था। उसका गुर्दे का उपचार हो रहा था। वीडियो में शाहेदीन बेसुध पड़ा है। लोग बेरहमी से लातों से उसे मार रहे हैं।

पोस्टमार्टम में भीड़ के दुस्साहस की पुष्टि : पोस्टमार्टम रिपोर्ट में उसका एक फेफड़ा खराब हो चुका था। शरीर में अधिक खून बहने की वजह से मौत हुई है।

एनआइए ने 2024 में देश में 210 आरोपितों को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली, प्रेट्र: एनआइए ने मंगलवार को कहा कि उसने 2024 में 210 आरोपितों को गिरफ्तार किया और रिकार्ड 100 प्रतिशत सजा दर हासिल की। आतंकवाद रोधी जांच एजेंसी ने एक बयान में कहा कि एनआइए ने इस दौरान कम से कम 27 फरार अपराधियों को पकड़ा है। कई हाई प्रोफाइल मामलों की सफल जांच और वामपंथी उग्रवाद (एलडब्ल्यूई) से संबंधित मामलों को निपटने पर जांच केंद्रित किया।

एक बयान में कहा गया है कि 2024 में एनआइए द्वारा दर्ज 80 मामलों में 210 आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है। इन मामलों में वामपंथी उग्रवाद के 28 और पूर्वोत्तर उग्रवाद के 18 मामलों के साथ सूची में सबसे ऊपर हैं। एनआइए के प्रभावशाली प्रदर्शन में 25 मामलों में 68 आरोपितों को दोषी ठहराया गया है और 408 आरोपितों के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया गया।

यमुना प्राधिकरण में निवेश के लिए अमेरिका से मिला 35 करोड़

जागरण संवाददाता, ग्रेटर नोएडा

▸ 100 एकड़ भूमि सेक्टर 22 ई में विश्वविद्यालय के लिए दी गई

▸ ब्लू स्काई वेंटेज ने मांगी थी यमुना प्राधिकरण से जमीन

अमेरिकी कंसल्टेंसी फर्म ब्लू स्काई वेंटेज ने यमुना प्राधिकरण को भूमि आवंटन के लिए 35 करोड़ रुपये का भुगतान किया है। यह रकम सेक्टर 22 ई में आवंटित 100 एकड़ भूमि के एवज में भुगतान की गई है। यमुना प्राधिकरण ने भूमि आवंटन के लिए पूर्व में सैद्धांतिक सहमति दी थी।

यमुना प्राधिकरण को अमेरिका का पहला निवेश मिल गया है। ब्लू स्काई वेंटेज ने प्राधिकरण से विश्वविद्यालय, स्कूल आदि के लिए 100 एकड़ भूमि की मांग की थी। अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल ने यमुना प्राधिकरण क्षेत्र का दौरा कर यहां संरचनात्मक ढांचा व सुविधाओं की जानकारी ली थी। प्राधिकरण ने सेक्टर 22 ई में 100 एकड़ भूमि आवंटन पर सैद्धांतिक सहमति दी थी। प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी डा.अरुणवीर सिंह ने बताया कि ब्लू स्काई वेंटेज की ओर से प्राधिकरण को भूमि आवंटन में एवज में 35 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया है। प्राधिकरण क्षेत्र में स्थापित होने वाले विश्वविद्यालय में मैनेजमेंट स्कूल के अतिरिक्त आर्ट, ड्रामा आदि के स्कूल भी होंगे। इसके अतिरिक्त मनोरंजन हब भी विकसित होगा। इस पर करीब 800 करोड़ रुपये का निवेश होगा।

प्राधिकरण क्षेत्र में अमेरिकन सिटी बसाने की योजना भी है। इसे एक हजार एकड़ में बसाया जाएगा। इसमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, सेमीकंडक्टर, हेल्थकेयर, रिटेल, हास्पिटेलिटी आदि से संबंधित इकाई विकसित से संबंधित ढांचा विकसित होगा।

एक करोड़ की अल्प्राजोलम टेबलेट के साथ चार तस्कर किए गए गिरफ्तार

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली: नशा मुक्त दिल्ली अभियान के तहत क्राइम ब्रांच ने चार आरोपित को गिरफ्तार कर एक ड्रग्स कार्टेल का भंडाफोड़ किया है। इनके कब्जे से एक करोड़ रुपये मूल्य की 30 किलो ''अल्प्राजोलम'' टेबलेट के साथ तीन बाइक जब्त की है। अल्प्राजोलम का इस्तेमाल हेरोइन बनाने में किया जाता है। अल्प्राजोलम के अलावा ट्रामाडोल, स्पास्मो-प्राक्सीवान प्लस कैप्सूल आदि दवाओं का इस्तेमाल नशेड़ी काकटेल नशा करने के लिए करते हैं। इनमें कुछ दवाओं को मिलाकर ये लोग इंजेक्शन के जरिये दवा लेते हैं, जो काफी तेज होती है। काकटेल नशा करने के बाद अपराधी बेखौफ होकर सरेआम बड़ी से बड़ी आपराधिक वारदात भी कर देते हैं।

30 किलोग्राम अल्प्राजोलम गोलियां दो लाख गोलियों के बराबर है। 28 दिसंबर को क्राइम ब्रांच को सोनिया विहार के पास दवा शिपमेंट के बारे में जानकारी मिली।

पलवल में ईको कार व स्कार्पियो की भिड़ंत, परिवार के तीन लोगों की मौत

जागरण संवाददाता, पलवल

शहर थाना अंतर्गत सोहना रोड पर तेज रफ्तार स्कार्पियो कार की टक्कर से ईको कार चालक राजमिस्त्री, उसकी पत्नी और पिता की मौत हो गई, जबकि पुत्र और भतीजा गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद आरोपित चालक स्कार्पियो को मौके पर छोड़कर फरार हो गया। शहर थाना पुलिस ने मामले में मुकदमा दर्ज कर लिया है।

मूलरूप से राजस्थान के भरतपुर के रहने वाले 42 वर्षीय कुंवर अपने परिवार के साथ लंबे समय से सोहना में रह रहा था। 30 दिसंबर को वह, उसकी 40 वर्षीय पत्नी लता, 61 वर्षीय पिता डिब्बन, 16 वर्षीय पुत्र प्रिंस और भतीजा विवेक ईको कार से राजस्थान स्थित अपने गांव गए थे। सोमवार रात को सभी वापस अपने घर गुरुग्राम स्थित सोहना आ रहे थे, कार को कुंवर चला रहा था।

सोहना रोड पर घुघेरा गांव के समीप सामने से आ रही तेज रफ्तार स्कार्पियो ने ईको कार में टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि ईको कार में सवार सभी सवारियां गंभीर रूप से घायल हो गईं। ईको चालक ने सीट बेल्ट भी पहन रखी थी। हादसे के बाद आरोपित चालक स्कार्पियो को मौके पर ही छोड़कर फरार हो गया।

उप्र नंबर की स्कार्पियो पर लगा है विधायक का स्टीकर

स्कार्पियो और ईको कार में टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों के अगले हिस्से के परखच्चे उड़ गए। सूचना मिलने पर पुलिस ने स्कार्पियो को कब्जे में ले लिया। यूपी 87 यू 8788 नंबर की स्कार्पियो पर विधायक लिखा है। साथ ही उप्र विधानसभा का स्टीकर भी लगा हुआ है। पुलिस ने मामले में मुकदमा दर्ज कर लिया है। कासगंज सदर के भाजपा विधायक देवेंद्र सिंह राजपूत के भतीजे दुष्यंत कुमार के नाम गाड़ी है।

ईडी ने कहा, कांग्रेस सरकार में मंत्री रहे कवासी लखमा को अपराध की आय से मिलती थी राशि

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया • रायपुर

▸ छत्तीसगढ़ शराब घोटाले की जांच कर रही एजेंसी का दावा, राज्य विपणन निगम प्रति 'केस' खरीदी शराब पर लेता था रिश्वत

ईडी ने सोमवार को कहा कि छत्तीसगढ़ के वरिष्ठ कांग्रेस नेता और पूर्व आबकारी मंत्री कवासी लखमा को 2161 करोड़ रुपये के कथित शराब घोटाले से जुड़े अपराध की आय से हर महीने बड़ी नकद राशि मिलती रही है। ईडी के अनुसार, कवासी लखमा कांग्रेस सरकार में आबकारी मंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान अपराध की आय में नकद राशि के मुख्य प्राप्तकर्ता थे।

ईडी की जांच में दावा किया गया है कि 2019 से 2022 के बीच चलने वाले शराब घोटाले में अवैध कमीशन के माध्यम से अपराध की आय उत्पन्न की गई। यह रिश्वत छत्तीसगढ़ राज्य विपणन निगम लिमिटेड द्वारा डिस्टिलर्स से प्रति 'केस' खरीदी शराब पर वसूली जाती थी। कच्चे बही खातों से बाहर देशी शराब की बिना हिसाब वाली बिक्री, अवैध धन उत्पन्न करने का एक और तरीका था। इस मामले में एक भी रुपया राज्य खजाने में नहीं पहुंचा और बिक्री से प्राप्त पूरी राशि सिंडिकेट द्वारा हड़प ली गई। अवैध शराब राज्य सरकार द्वारा संचालित दुकानों से बेची गई।

आबकारी मंत्री के रूप में लखमा थे अपराध की आय में मुख्य प्राप्तकर्ता

बता दें कि ईडी रायपुर इकाई द्वारा इस मामले का राजफाश 28 दिसंबर, 2024 को रायपुर, धमतरी और सुकमा जिलों में सात परिसरों में छापेमार करवाई के दो दिन बाद किया गया। छापेमारी मनी लांड्रिंग रोकथाम अधिनियम के तहत की गई। इसमें छह बार कवासी लखमा के आवासीय परिसर, उनके बेटे हरीश और उनके करीबी सहयोगियों के आवासों की तलाशी ली गई। ईडी की जांच में पहले यह सामने आया था कि सेवानिवृत्त आइएएस अधिकारी अनिल टुटेजा, अनवर ढेबर और अन्य लोगों के नेतृत्व में शराब सिंडिकेट छत्तीसगढ़ में संचालित हो रहा था। इस मामले में पहले ही 205 करोड़ रुपये की संपत्तियों को जब्त करने का आदेश जारी किया जा चुका है। अब तक पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है। उधर, लखमा ने कहा कि विधानसभा सत्र के दौरान कई बड़े घोटालों का उजागर किया था, इसलिए उन्हें निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने भाजपा पर नगरीय निकाय चुनावों से पहले बदनाम करने की साजिश का आरोप लगाया।

लखमा ने कहा, मेरा घर खंगाला गया, लेकिन कुछ भी नहीं मिला। मैं अनपढ़ हूं और एपी त्रिपाठी जैसे अधिकारियों ने मुझे अंधेरे में रखा थे। मैं केवल फाइलों पर हस्ताक्षर करता था। इस घोटाले की मुझे कोई जानकारी नहीं है।

बिजनौर में भ्रूण लिंग जांच गिरोह का पर्दाफाश, दलाल सहित चार पकड़े

अवैध रूप से भ्रूण लिंग जांच करने वाले आरोपितों के साथ पीएनडीटी टीम। सौ. स्वास्थ्य विभाग

जागरण संवाददाता, सोनीपत

स्वास्थ्य विभाग की पीएनडीटी टीम ने उत्तर प्रदेश के जिला बिजनौर के धामपुर सिटी कालोनी में अवैध रूप से चल रहे भ्रूण लिंग जांच सेंटर का पर्दाफाश किया है। टीम ने महिला दलाल सहित चार लोगों को रंगे हाथों पकड़ा है।

मकान से अल्ट्रासाउंड मशीन और दो दलालों से 17,500 रुपये भी बरामद किए गए हैं। मामले में अब उत्तर प्रदेश की धामपुर पुलिस आगामी करवाई की जा रही है। पीएनडीटी अधिकारी डा. सुमित कौशिक ने बताया कि सीएमओ डा. जयंत आहूजा के पास कुछ समय सूचना थी कि सोनीपत के कुछ युवक मोटी रकम लेकर उत्तर प्रदेश में गर्भवती महिलाओं के गर्भ में पल रहे भ्रूण लिंग की जांच करवाते हैं। इसके बाद एक टीम का गठन किया गया। उन्होंने बताया कि एक डिकाय के माध्यम से 72 हजार रुपये में लड़का और लड़की की जांच करने का सौदा तय किया गया।

****

यमन के राष्ट्रपति अलीमी ने बरकरार रखा भारतीय नर्स का मृत्युदंड

केरल की रहने वाली निमिषा को हत्या के लिए सुनाई गई है सजा-ए-मौत

भारतीय विदेश मंत्रालय ने कहा, हरसंभव मदद कर रही सरकार

यमन के राष्ट्रपति रशाद अल अलीमी। फाइल

भारतीय नर्स निमिषा प्रिया। फाइल

नई दिल्ली, एएनआइ : यमन के राष्ट्रपति रशाद अल अलीमी ने भारतीय नर्स निमिषा प्रिया की मौत की सजा को बरकरार रखा है। उन्होंने इसी महीने की शुरुआत में सजा पर अपनी स्वीकृति दी। इसके महीनेभर के भीतर प्रिया को सजा दी जानी है। इससे पहले निमिषा को 2020 में ट्रायल कोर्ट ने मौत की सजा सुनाई थी जिसे वहां की सुप्रीम ज्यूडिशियल काउंसिल ने भी नवंबर, 2023 में बरकरार रखा था। भारत के विदेश मंत्रालय ने कहा है, 'हमें यमन में निमिषा प्रिया की सजा के बारे में जानकारी है। हमारा मानना है कि निमिषा का परिवार सभी प्रासंगिक विकल्पों पर विचार कर रहा है। सरकार इस मामले में हरसंभव मदद प्रदान कर रही है।'

केरल में पलक्कड़ जिले में कोल्लेनगोडे की रहने वाली निमिषा प्रिया प्रशिक्षित नर्स है। वह 2008 में यमन गई थी और कुछ वर्षों तक यमन के निजी अस्पताल में काम किया। उसके पति एवं नाबालिग पुत्री को वित्तीय कारणों से भारत लौटना पड़ा था। उसी वर्ष यमन में गृह युद्ध छिड़ गया था और वे वापस नहीं जा सके थे क्योंकि यमन ने नए वीजा जारी करना बंद कर दिया था। 2015 में निमिषा ने राजधानी सना में तलाल अब्दो मेहदी नामक यमनी व्यक्ति के साथ मिलकर एक क्लीनिक खोला था। उसने मेहदी की मदद इसलिए ली थी क्योंकि यमन के कानून के अनुसार सिर्फ वहां के नागरिक ही क्लीनिक या कंपनी स्थापित कर सकते हैं। उसी वर्ष जब वह एक महीने की छुट्टियों पर केरल आई थी तो मेहदी भी उसके साथ आया था। इसी दौरान उसने निमिषा की शादी की तस्वीर चुरा ली थी। बाद में उसने इस तस्वीर में हेराफेरी करके दावा किया कि उसने निमिषा से शादी कर ली है।

एक याचिका में निमिषा की मां ने दावा किया था कि क्लीनिक शुरू होने के बाद मेहदी ने मालिकाना दस्तावेज में हेराफेरी की और मासिक आय में से पैसे लेने लगा था। वह सभी को निमिषा को अपनी पत्नी बताता था। निमिषा ने आरोप लगाया था कि मेहदी वर्षों से उसका और उसके परिवार का उत्पीड़न कर रहा था। उसने निमिषा का पासपोर्ट भी ले लिया था ताकि वह यमन छोड़कर नहीं जा सके। मेहदी ने उसे यातनाएं दी, गन प्वाइंट पर धमकाया और उसका सारा पैसा और आभूषण भी ले लिए थे।

जब निमिषा ने पुलिस में शिकायत की तो उसे ही गिरफ्तार कर लिया गया और छह दिनों के लिए जेल में डाल दिया। जेल से लौटने के बाद उस पर मेहदी के अत्याचार और बढ़ गए थे। जुलाई, 2017 में उसने अपने क्लीनिक के पास रहने वाले एक जेल वार्डन से मदद मांगी। वार्डन ने उसे सुझाव दिया कि वह मेहदी को नशा देकर पासपोर्ट हासिल करने की कोशिश करे। लेकिन उस दवा का मेहदी पर असर नहीं हुआ क्योंकि वह नशे का आदी था, ज्यादा दवा देने पर कुछ ही मिनटों में उसकी मौत हो गई थी।

मां ने की भावुक अपील

मृत्युदंड का सामना कर रही नर्स निमिषा प्रिया की 57 वर्षीय मां प्रेमा कुमार ने अपनी बेटी का जीवन बचाने के लिए मंगलवार को मदद की भावुक अपील की। वह उसकी सजा माफ कराने के लिए अभियान चला रही हैं। इस वर्ष की शुरुआत में उन्होंने सना जाकर मेहदी के परिवार से ब्लडमनी की पेशकश कर उसे मनाने की कोशिश भी की।

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार 'जुलाई विद्रोह' पर देगी आधिकारिक बयान

ढाका, प्रेट : बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने घोषणा की है कि वह जुलाई विद्रोह पर आधिकारिक बयान देगी। इससे एक दिन पहले ही उसने भेदभाव विरोधी छात्र आंदोलन द्वारा समान शीर्षक के साथ प्रस्तावित घोषणा से खुद को अलग कर लिया था, जिसके कारण चार महीने पहले तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना को पद से हटना पड़ा था।

यूनुस के प्रेस सचिव बोले-कुछ दिनों में घोषणापत्र तैयार करके देश के सामने पेश होगा

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस के प्रेस सचिव शफीकुल आलम ने सोमवार को मध्य रात्रि में आयोजित एक प्रेस कांफ्रेंस में कहा, 'हमें उम्मीद है कि कुछ ही दिनों में सभी की भागीदारी और आम सहमति से सरकारी बयान तैयार कर राष्ट्र के सामने पेश कर दिया जाएगा।' यूनुस के आधिकारिक जमुना निवास के सामने आलम ने कहा कि यह बयान सभी सहभागी छात्रों, राजनीतिक दलों और हितधारकों के विचारों पर आधारित होगा, जिसमें भेदभाव विरोधी छात्र आंदोलन भी शामिल होगा, जिसके कारण 5 अगस्त को प्रधानमंत्री शेख हसीना को अवामी लीग सरकार को सत्ता से बाहर होना पड़ा था।

आलम ने कहा कि सरकार ने जुलाई के विद्रोह के माध्यम से विकसित लोगों की एकता, फासीवाद विरोधी भावना और राज्य सुधार की इच्छा को मजबूत करने के लिए प्रस्तावित चार्टर तैयार करने की पहल की है। भेदभाव विरोधी छात्र आंदोलन ने राष्ट्रीय नागरिक समिति (छात्रों के नेतृत्व वाला एक अन्य समूह) के साथ मिलकर दो दिन पहले एक आश्चर्यजनक घटनाक्रम में कहा था कि वे मंगलवार दोपहर को ढाका के केंद्रीय शहीद मीनार पर जुलाई विद्रोह की घोषणा करेंगे। उल्लेखनीय है कि उस विद्रोह के बाद बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों खासकर हिंदुओं के खिलाफ अत्याचार के मामले बढ़े हैं, जिसकी दुनियाभर में निंदा और आलोचना हो रही है।

यूनुस ने दिवंगत मनमोहन सिंह को दी श्रद्धांजलि

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस ने मंगलवार को ढाका स्थित भारत के उच्चायोग में पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि दी। उनकी प्रेस विंग ने बयान जारी करके बताया कि भारत के दिवंगत पूर्व प्रधानमंत्री की फोटो पर फूल चढ़ाए। प्रेट

टीटीपी आतंकियों ने पाकिस्तानी सेना की चौकी पर कब्जा का किया दावा

पेशावर, प्रेट: पाकिस्तानी सेना और तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के बीच जारी लड़ाई में अब नया मोड़ आ गया है। टीटीपी आतंकियों ने एक वीडियो जारी करके दावा किया है कि उन्होंने अफगानिस्तान सीमा के पास पाकिस्तानी सेना की चौकी पर कब्जा कर लिया है। टीटीपी की ओर से जारी वीडियो में दिखाया गया है कि कैसे पाकिस्तानी सेना अपनी चौकी छोड़कर भाग गई। टीटीपी ने बताया कि उन्होंने बाजौर जिले में पाकिस्तानी सेना की चेकपोस्ट पर कब्जा किया है। टीटीपी ने इस चौकी से पाकिस्तानी सेना का झंडा हटा दिया और अपना इस्लामिक झंडा लहराया। उधर, पाकिस्तानी सेना ने माना है कि टीटीपी की ओर से बड़ा हमला किया गया है।

टीटीपी ने अफगान सीमा के पास पाकिस्तानी चौकी पर कब्जे का वीडियो भी जारी किया

पाकिस्तान ने कहा, टीटीपी की घुसपैठ को अफगानिस्तान की तालिबानी सेना का समर्थन

पाकिस्तान के एक वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारी ने बताया कि इस चौकी को खाली करवाया गया था और यहां से सुरक्षाकर्मियों को दूसरी जगह स्थानांतरित कर दिया गया था। चौकी खाली कराने की यह प्रक्रिया केवल बाजौर जिले तक सीमित नहीं थी, बल्कि उत्तरी और दक्षिणी वजीरिस्तान जिलों में भी लागू की गई थी।

इससे पहले पाकिस्तानी सेना ने एक बयान जारी करके कहा कि टीटीपी की ओर से बिना किसी उकसावे के भारी हथियारों से उनकी सीमा चौकियों पर हमला किया गया है। पाकिस्तानी सेना ने दावा किया कि उसने जवाबी हमला किया है और 15 आतंकी मार गिराए हैं। पाकिस्तान ने कहा कि टीटीपी की इस घुसपैठ को अफगानिस्तान की तालिबानी सेना का भी समर्थन हासिल था। वहीं, तालिबानी सेना ने साफ कहा है कि उसने पाकिस्तान द्वारा अफगानिस्तान के अंदर पक्तिका प्रांत में हवाई हमले का बदला लिया है। तालिबान ने कहा कि बारमल जिले में हुए इस पाकिस्तानी हमले में करीब 50 लोग मारे गए हैं, जिसमें बच्चे और महिलाएं शामिल हैं। इस बीच, तालिबानी प्रवक्ता ने कहा है कि उन्होंने पाकिस्तान की सीमा के अंदर अपराधी तत्वों को निशाना बनाया है। उसने यह नहीं कहा कि इस हमले में पाकिस्तानी सेना को निशाना बनाया गया है या नहीं। पाकिस्तान का दावा है कि तालिबानी सरकार टीटीपी आतंकियों को पाल रही है। ये टीटीपी आतंकी लगातार पाकिस्तानी सेना पर खूनी हमले कर रहे हैं। तालिबान का कहना है कि टीटीपी के आतंकी पाकिस्तान की ही जमीन पर मौजूद हैं।

अमेरिकी सरकार के कंप्यूटरों में चीनी हैकरों ने लगाई सेंध

वाशिंगटन, एपी: चीनी हैकरों ने अमेरिकी सरकार के कोषागार विभाग के कार्यस्थलों के कंप्यूटरों में सेंध लगाई है। विभाग ने सोमवार को बताया कि चीनी हैकरों ने तीसरे पक्ष के सॉफ्टवेयर सेवा प्रदाता की प्रणाली में सेंध लगाने के बाद उसके कंप्यूटरों और दस्तावेज तक पहुंच बना ली। यद्यपि यह विवरण नहीं दिया कि कितने कंप्यूटर तक पहुंच बनाई गई या हैकरों ने किस तरह के दस्तावेज हासिल किए। कोषागार विभाग ने सांसदों को एक पत्र के जरिये बताया कि फिलहाल ऐसा कोई साक्ष्य नहीं है, जिससे यह पता चले कि सेंध लगाने वाले तत्वों की कोषागार तक पहुंच जारी है। कोषागार विभाग अपने सभी सिस्टम के खिलाफ खतरों को काफी गंभीरता से लेता है।

इधर, बीजिंग में चीन के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने दैनिक प्रेस वार्ता में कहा, 'हमने ऐसे निराधार आरोपों पर बार-बार अपना रुख स्पष्ट किया है। चीन सभी प्रकार की हैकिंग का विरोध करता है।'

बांग्लादेश के 20 अधिवक्ता इस्कान संन्यासी के लिए कोर्ट में करेंगे पैरवी

राज्य ब्यूरो, जागरण ●कोलकाता

चटगांव कोर्ट में दो जनवरी को होनी है जमानत याचिका पर सुनवाई

25 नवंबर को देशद्रोह के आरोप में गिरफ्तारी के बाद से है जेल में

बांग्लादेश के ढाका और चटगांव के 20 अधिवक्ता दो जनवरी को चटगांव कोर्ट में इस्कान संन्यासी चिन्मय कृष्ण दास की जमानत के लिए पैरवी करेंगे। चिन्मय कृष्ण दास गत 25 नवंबर को देशद्रोह के आरोप में गिरफ्तारी के बाद से जेल में बंद हैं। चिन्मय कृष्ण दास के मुख्य अधिवक्ता रवींद्र घोष को अग्रिम जमानत याचिका दायर करने की अनुमति नहीं दी गई है। घोष इस समय अपने इलाज के सिलसिले में बंगाल आए हुए हैं, हालांकि वे अपने कनिष्ठ अधिवक्ताओं के संपर्क में हैं और जमानत याचिका पर बहस के लिए उनका मार्गदर्शन कर रहे हैं।

मालूम हो कि इस्कान संन्यासी का समर्थन करने वाले चटगांव कोर्ट के कम से कम 30 अधिवक्ताओं पर बांग्लादेश सीआरपीसी की गैर-जमानती धाराओं के तहत आरोप लगाए गए हैं। चटगांव बार एसोसिएशन ने अधिवक्ताओं को चिन्मय कृष्ण दास की ओर से खड़े होने की अनुमति नहीं दी है इसलिए उन्हें दो जनवरी को उनकी पैरवी के लिए अन्य तरीकों पर विचार किया जा रहा है।

घोष ने कहा-'गत दो दिसंबर को चटगांव कोर्ट में अधिवक्ताओं के एक वर्ग ने मेरा पीछा किया था। मैं केवल पुलिस सुरक्षा के कारण चोटिल होने से बच गया था। इसे दोहराया जाना दुर्भाग्यपूर्ण होगा। अगर बांग्लादेश सरकार में अल्पसंख्यकों के अधिकारों की रक्षा करने की सद्इच्छा है, तो कुछ कट्टरपंथी इसे कैसे चुनौती दे सकते हैं?' बता दें कि कट्टरपंथियों के दबाव के कारण बांग्लादेश में वकील इस्कान संन्यासी का बचाव करने से कतराते रहे हैं। वकीलों के साथ हिंसा भी हुई थी। इससे स्थिति बिगड़ गई थी।

वेनेजुएला में टिकटाक पर एक करोड़ डालर जुर्माना

कराकस, एपी : वेनेजुएला सुप्रीम कोर्ट ने बच्चों को चैलेंज देने वाले प्रसारित वीडियो पर रोक नहीं लगाने के लिए टिकटाक के विरुद्ध एक करोड़ डालर का जुर्माना लगाया है। इस वीडियो के कारण हाल ही में वेनेजुएला के तीन बच्चों की मौत हो गई है। चीन के मालिकाना वाली टिकटाक पर भारत समेत कई देश प्रतिबंध लगा चुके हैं।

न्यायाधीश तानिया डी अमेलियो ने कहा कि टिकटाक ने लापरवाही का रवैया अपनाया है और जुर्माना भरने के लिए उसे आठ दिन का समय दिया गया है। वीडियो सर्विस कंपनी को वेनेजुएला में एक कार्यालय खोलने का आदेश दिया है। न्यायाधीश ने कहा कि कार्यालय खोले जाने के बाद कंटेंट की निगरानी की जा सकेगी जिससे स्थानीय नियमों का पालन सुनिश्चित हो सकेगा। हालांकि, न्यायाधीश ने यह स्पष्ट नहीं किया है कि वेनेजुएला टिकटाक को जुर्माना भरने के लिए किस तरह बाध्य करेगा, क्योंकि टिकटाक की पैरेंट कंपनी चीन में स्थित है।

9/11 मामले में अमेरिकी रक्षा मंत्री के खिलाफ आया फैसला

वाशिंगटन, एपी: अमेरिका की एक सैन्य अपील अदालत ने रक्षा मंत्री लायड आस्टिन के उस प्रयास के खिलाफ फैसला सुनाया है, जिसमें उन्होंने 9/11 हमले के मामले में खालिद शेख मोहम्मद और दो अन्य प्रतिवादियों के साथ किए गए समझौते को रद करने का प्रयास किया था। इस फैसले से वह समझौता फिर से बहाल हो जाएगा, जिसके तहत ये तीनों अमेरिका में हुए सबसे घातक हमलों में से एक के लिए अपना जुर्म स्वीकार करेंगे और इसके बदले में उन्हें मौत की सजा नहीं सुनाई जाएगी। सैन्य अदालत ने सोमवार रात फैसला जारी किया। आस्टिन ने बीती गर्मी के दौरान समझौते को रद करने का आदेश जारी किया था। बता दें कि अलकायदा द्वारा 11 सितंबर, 2001 को किए गए हमले में करीब तीन हजार लोग मारे गए थे।

नए साल का उल्लास...
आस्ट्रेलिया के सिडनी हार्बर ब्रिज और ओपेरा हाउस में आधी रात को रंग-बिरंगी आतिशबाजी के साथ नव वर्ष का स्वागत किया गया। एएफपी

नए साल पर पुतिन ने देशवासियों से कहा, सब कुछ ठीक हो जाएगा

मास्को, रायटर: रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने नए साल पर अपने संबोधन में देशवासियों से कहा कि देश 2025 में आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ेगा। उन्होंने अर्थव्यवस्था या यूक्रेन से युद्ध पर कोई विशेष बात नहीं किया। रूस में आम लोग बढ़ती महंगाई, व्यवसाय और घर खरीदने के लिए 21 प्रतिशत ब्याज दर से चिंतित हैं, ऐसे में पुतिन ने रूस के लोगों को आश्वस्त किया कि उनकी भलाई हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

उन्होंने कहा कि अब नए साल में हम भविष्य के बारे में सोच रहे हैं। हमें विश्वास है कि सब कुछ ठीक हो जाएगा, हम केवल आगे बढ़ेंगे। उन्होंने कहा कि हमारे लिए रूस का भविष्य और नागरिकों की भलाई सर्वोपरि है। क्रेमलिन से उनका साढ़े तीन मिनट का संदेश आधी रात को प्रसारित किया गया। पुतिन 25 साल बाद राष्ट्र को संबोधित किया। इससे पहले वह 1999 में बोरिस येल्तसिन के इस्तीफा देने के बाद पहली बार कार्यवाहक राष्ट्रपति के रूप में राष्ट्र को संबोधित किया था।

यूक्रेन ने नौसैनिक ड्रोन से पहली बार मार गिराया रूसी हेलीकाप्टर

कीव, रायटर: यूक्रेन ने नौसैनिक ड्रोन से पहली बार रूस के एक हेलीकाप्टर को मार गिराने का दावा किया है। यूक्रेनी सेना ने मंगलवार को कहा कि उसके नौसैनिक ड्रोन ने काला सागर में रूस के एक ड्रोन को तबाह कर दिया, जबकि एक अन्य को नुकसान पहुंचाया है। ऐसा पहली बार है, जब नौसेना के ड्रोन से किसी हवाई लक्ष्य को तबाह किया गया है।

एक अन्य रूसी हेलीकाप्टर को नुकसान पहुंचाने का भी दावा

रूस ने साल के अंतिम दिन यूक्रेन में किए कई ह्वाई हमले

इस बीच, रूस ने साल के अंतिम दिन यूक्रेन में कई हमलों को अंजाम दिया। राजधानी कीव समेत कई क्षेत्रों पर मिसाइल और ड्रोन हमले किए गए।

यूक्रेनी सेना की खुफिया एजेंसी जीयूआर ने टेलीग्राम पर बताया कि क्रीमिया के पश्चिमी तट पर केप तारखानकुट के समीप लड़ाई के दौरान मिसाइलों से लैस मैगुरा वी5 समुद्री ड्रोन ने एक रूसी एमआइ-8 हेलीकाप्टर को निशाना बनाया। जबकि दूसरे रूसी हेलीकाप्टर को नुकसान पहुंचा है। यूक्रेनी एजेंसी ने इसका एक वीडियो भी जारी किया है, जिसमें हेलीकाप्टर गिरता दिखा। हालांकि रूस की ओर से अभी तक इस पर कोई बयान नहीं आया है। जबकि रूसी सेना ने टेलीग्राम पर बताया कि उसके काला सागर बेड़े ने आठ मानवरहित ड्रोन जहाज को तबाह किया है।

बता दें कि फरवरी, 2022 में रूस ने यूक्रेन के विरुद्ध सैन्य अभियान शुरू किया था। इसके बाद यूक्रेन ने ड्रोन उत्पादन बढ़ा दिया और नौसैनिक हमलावर ड्रोन विकसित किए। यूक्रेनी सेना रूस के खिलाफ इनका लगातार उपयोग कर रही है। बीच-बीच में दोनों देशों के बीच कभी-कभी धौंसी भी होती है, लेकिन किसी न किसी कारणवश लड़ाई ऐसी तेज हो जाती है कि विश्वयुद्ध जैसा खतरा मंडराने लगता है।

चीन के साथ ताइवान के एकीकरण को कोई नहीं रोक सकता : चिनफिंग

बीजिंग, रायटर: चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने नए वर्ष के अपने संदेश में ताइवान को लेकर स्पष्ट चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि चीन के साथ ताइवान के एकीकरण को कोई रोक नहीं सकता है।

चिनफिंग ने मंगलवार को टेलीविजन संबोधन में कहा, 'ताइवान स्ट्रेट के दोनों तरफ के लोग एक परिवार हैं। हमारे पारिवारिक जुड़ाव को कोई तोड़ नहीं सकता और कोई भी राष्ट्रीय एकीकरण को रोक नहीं सकता।' उनके भाषण को सरकारी ब्राडकास्टर सीसीटीवी पर दिखाया गया। चिनफिंग ने पिछले वर्ष नए साल के संबोधन में कहा था कि चीन के साथ ताइवान का एकीकरण अवश्यंभावी है।

बता दें कि चीन लोकतांत्रिक रूप से शासित ताइवान को अपना क्षेत्र मानता है और इस पर कब्जे को लेकर सैन्य कार्रवाई की धमकी भी दे चुका है। हालांकि स्वायत्त ताइवान की सरकार चीन के इस दावे को खारिज करती है और कहती है कि केवल ताइवान के लोग अपने भविष्य का फैसला कर सकते हैं। जबकि चीन इस द्वीपीय क्षेत्र को धमकाने के लिए तमाम हथकंडे अपनाता है। इसी कवायद में उसने ताइवान पर दबाव बनाने के लिए पिछले वर्ष तकरीबन हर रोज उसके हवाई और जल क्षेत्र में विमान और युद्धपोत भेजे।

चीनी राष्ट्रपति ने नव वर्ष के अपने संदेश में दी यह चेतावनी

पिछले वर्ष के संबोधन में भी दिया था ऐसा ही संदेश

शी चिनफिंग। फाइल

ब्रिटेन ने भारत के लिए यात्रा परामर्श में सैटेलाइट फोन के खिलाफ दी चेतावनी

लंदन, प्रेट: ब्रिटेन की सरकार ने मंगलवार को भारत के लिए अपनी यात्रा परामर्श में बदलाव किया। उसने अपने नागरिकों को बिना लाइसेंस के भारत में सैटेलाइट फोन ले जाने या चलाने के खिलाफ चेतावनी दी है। विदेशी, राष्ट्रमंडल और विकास कार्यालय (एफसीडीओ) ने अपनी सुरक्षा की समीक्षा करते हुए यह साफ किया कि जो ब्रिटिश नागरिक बिना किसी अनुमति के सैटेलाइट फोन भारत में ले गए, उन्हें वहां गिरफ्तार किया गया।

जारी परामर्श में कहा गया है कि श्रवण उपकरणों और शक्तिशाली कैमरों या दूरबीनों के लिए भी दूरसंचार विभाग से पूर्व अनुमति लेना आवश्यक है। साथ ही ऐसे उपकरणों के बारे में लंदन स्थित भारतीय उच्चायोग से सलाह ली जा सकती है।

एफसीडीओ ने आगे कहा कि भारत में बिना लाइसेंस के सैटेलाइट फोन रखना या उनका उपयोग करना अवैध है। गौरतलब है कि सरकार की यह सलाह एक मार्गदर्शन है, न कि सरकार द्वारा लागू किया गया कोई कानून। इसका उद्देश्य यात्रियों को जोखिमों के बारे में निर्णय लेने में मदद करना है और यदि यह सलाह अनदेखी की जाती है, तो इससे यात्रा बीमा भी अमान्य हो सकता है।

भारत के लिए बाकी यात्रा सलाह में कोई बदलाव नहीं किया गया है, जिसमें भारत-पाकिस्तान सीमा के 10 किलोमीटर के दायरे में यात्रा करने से बचने की चेतावनी शामिल है। बाघा को छोड़कर जहां यात्री सीमा पार कर सकते हैं। इसके अलावा जम्मू-कश्मीर और मणिपुर क्षेत्रों के लिए भी यात्रा करने के संबंध में पूर्व में जारी की गई चेतावनियां जारी रखी गई हैं।

भारत में बिना लाइसेंस के सैटेलाइट फोन रखना या उपयोग करना अवैध

कहा, उपकरणों के बारे में लंदन स्थित भारतीय उच्चायोग से ले सकते हैं सलाह

****

ब्रिटिश किंग चार्ल्स की नववर्ष सम्मान सूची में 30 भारतवंशी

लंदन, प्रेट: ब्रिटेन के किंग चार्ल्स की 2025 नववर्ष सम्मान सूची सोमवार रात जारी की गई है। इसमें 30 से ज्यादा भारतीय मूल के पेशेवरों को भी शामिल किया गया है।

श्रीलंकाई और भारतीय मूल के कंजरवेटिव सांसद रानिल मैल्कम जयवर्धने को राजनीतिक एवं सार्वजनिक सेवा के लिए नाइटहुड की उपाधि से सम्मानित किया जाएगा। नववर्ष सम्मान सूची में खेल, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और स्वैच्छिक सेवा समेत विभिन्न क्षेत्रों के 1200 से अधिक लोगों को शामिल किया गया है। ब्रिटिश किंग के नाम पर कैबिनेट कार्यालय द्वारा प्रतिवर्ष जारी की जाने वाली इस सूची के अनुसार, शिक्षा के क्षेत्र में सेवाओं के लिए सतवंत कौर देओल को कमांडर्स आफ द आर्डर आफ द ब्रिटिश एम्पायर (सीबीई) से सम्मानित किया जाएगा। प्रतिस्पर्धा कानून के क्षेत्र में सेवाओं के लिए चार्ल्स प्रीतम सिंह धनोवा और स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में सेवा के लिए सर्जन प्रोफेसर स्नेह खेमका को इस सम्मानित किया जाएगा। सीबीई पुरस्कार पाने वाले भारतीय मूल के अन्य लोगों में लीना नायर, मयंक प्रकाश और पूर्णिमा मूर्ति शामिल हैं। आफिसर्स आफ द आर्डर आफ द ब्रिटिश एम्पायर से सम्मानित होने वाले भारतवंशियों में हृदय रोग विशेषज्ञ प्रोफेसर संजय आर्य, नंदिनी दास, तरसेम सिंह घालीवाल, जैस्मीन डोटीवाला, मोनिका कोहली, सौम्या मजूमदार, सीमा मिश्रा, उष्मा मनहर पटेल, ज्ञान सिंह और श्रव्या राव शामिल हैं। मेंबर्स आफ द आर्डर आफ द ब्रिटिश एम्पायर और मेडललिस्ट आफ द आर्डर आफ द ब्रिटिश एम्पायर सम्मान के लिए दलिम कुमार बसु, प्रोफेसर भास्कर दासगुप्ता और प्रोफेसर अजय जयकिशोर बोरा चुने गए हैं। सम्मान पाने वालों में संजीब भट्टाचार्य, जगरूप बिनिंग, हेमंद्र हिंडोचा, जसविंदर कुमार और संगीतकार बलबीर सिंह खानपुर भी शामिल हैं।

स्वास्थ्य, शिक्षा, खेल समेत विभिन्न क्षेत्रों में सेवाओं के लिए सम्मान

दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति येओल के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी

सियोल, एपी: दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति रहे यून सुक येओल की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। वह देश में अल्पकाल के लिए मार्शल ला लगाने के मामले में पहले से ही महाभियोग का सामना कर रहे हैं। अब एक कोर्ट ने उनको हिरासत में लेने और उनके कार्यालय की तलाशी लेने के लिए वारंट जारी किया है।

भ्रष्टाचार रोधी एजेंसी इस बात की जांच कर रही है कि तीन दिसंबर को यून की ओर से देश में लगाया गया मार्शल ला विद्रोह के समान था या नहीं। हालांकि विशेषज्ञों का अब भी यही मानना है कि जब तक यून को औपचारिक रूप से पद से नहीं हटाया जाता, तब तक उनको हिरासत में लेने या तलाशी लेने की संभावना कम है। बता दें कि मार्शल ला लागू करने का आदेश देने पर संसद में यून के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव 14 दिसंबर को पारित किया गया था। इसके बाद राष्ट्रपति के तौर पर यून की शक्तियों को अदालत के फैसला सुनाए जाने तक निलंबित कर दिया गया था।

दैनिक जागरण

बार्डर-गावस्कर ट्राफी

बुधवार 1 जनवरी, 2025 www.jagran.com

अब सिडनी में साख बचाने की चुनौती

बार्डर-गावस्कर ट्राफी का पांचवां व अंतिम टेस्ट शुक्रवार से होगा, जीते तो ट्राफी रहेगी भारत के पास

मेलबर्न में मिली हार के बाद रोहित शर्मा की अगुआई वाली भारतीय टीम मंगलवार को सिडनी पहुंच गई, जहां बार्डर-गावस्कर ट्राफी का पांचवां और अंतिम टेस्ट मैच खेला जाएगा। पांच मैचों की सीरीज में 1-2 से पिछड़ने के बाद सिडनी में भारत के सामने जीत के साथ ही साख बचाने की चुनौती है। पर्थ में खेले गए पहले टेस्ट मैच में 295 रन की शानदार जीत, एडिलेड में 10 विकेट की हार, ब्रिसबेन में ड्रा और फिर मेलबर्न में 184 रन से हार के बाद अब ये तय है कि इस बार सीरीज तो भारत नहीं जीत पाएगा, लेकिन अगर सिडनी में भारत टेस्ट जीत जाता है तो भले ही वह सीरीज न जीत पाए, लेकिन 2-2 से सीरीज ड्रा रहने के बाद बार्डर-गावस्कर ट्राफी उसी के पास रहेगी।

इतना ही नहीं अगर सिडनी में अगर भारत को जीत मिलती है तो उसके लिए, विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल में पहुंचने की आशाएं भी जीवित रहेंगी। बार्डर-गावस्कर ट्राफी 2-2 से बराबर रहने के बाद अगर श्रीलंका घरेलू सीरीज में आस्ट्रेलिया को 1-0 या 2-0 से हरा दे तो भारत फाइनल में पहुंच सकता है। अगर श्रीलंका ये दोनों टेस्ट ड्रा भी करा लेता है तो भी भारत फाइनल में पहुंचेगा।

सिडनी एयरपोर्ट पर भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ● एक्स

ऋषभ पंत ● एक्स

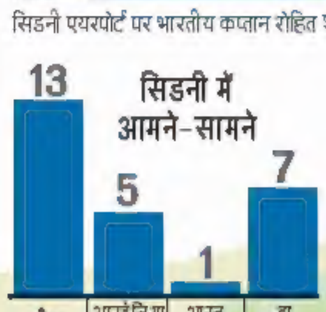

सिडनी में आमने-सामने

46 साल से सिडनी में नहीं जीता है भारत

सिडनी में पांचवां और अंतिम टेस्ट तीन जनवरी से खेला जाएगा। अगर बात सिडनी की बात करें तो यहां भारतीय टीम का रिकार्ड ज्यादा अच्छा नहीं है। भारतीय टीम ने अब तक यहां 13 टेस्ट मैच खेले हैं और उनमें से केवल एक ही जीत पाई है। ये टेस्ट मैच भी उसने 1978 में बिशन सिंह बेदी की कप्तानी में जीता था। तब उसने आस्ट्रेलिया को पारी और दो रन से हराया था, लेकिन उसके बाद से भारत यहां जीत नहीं सका है। हालांकि भारतीय टीम 2019 और 2021 में यहां ड्रा कराने में सफल रही है।

बुमराह सीए की टीम के कप्तान, यशस्वी भी शामिल

सिडनी: क्रिकेट आस्ट्रेलिया (सीए) ने बार्डर-गावस्कर ट्राफी में 30 विकेट लेने वाले जसप्रीत बुमराह को वर्ष 2024 की पुरुष टेस्ट टीम का कप्तान नियुक्त किया है। आरंभिक बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल इस टीम में अन्य भारतीय हैं। आस्ट्रेलिया की ओर से विकेटकीपर-बल्लेबाज एलेक्स कैरी और तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड इस टीम का हिस्सा हैं। बुमराह का 2024 का प्रदर्शन ऐतिहासिक रहा, जिसमें उन्होंने 13 मैचों में 14.92 की औसत से 71 विकेट लिए।

क्रिकेट आस्ट्रेलिया की टेस्ट टीम 2024: यशस्वी जायसवाल, बेन डकेट, जो रूट, रचिन रवींद्र, हैरी ब्रूक, कामिंदु मेंडिस, एलेक्स कैरी (विकेटकीपर), मैट हेनरी, जसप्रीत बुमराह (कप्तान), जोश हेजलवुड और केशव महाराज।

लेकिन अगर सिडनी टेस्ट ड्रा भी होता है तो भारत की फाइनल में जाने की उम्मीदें समाप्त हो जाएंगी और साथ ही उसे 2014-15 के बाद आस्ट्रेलिया के हाथों बार्डर-गावस्कर ट्राफी भी गंवानी पड़ेगी।

कोहली के बगैर पहुंची भारतीय टीम: सिडनी टेस्ट शुक्रवार से शुरू होगा और मंगलवार को पूरी टीम सिडनी पहुंच गई। हालांकि इस बार भी विराट कोहली टीम के साथ नहीं पहुंचे। विराट परिवार के साथ यात्रा कर रहे हैं और वह मेलबर्न भी टीम से अलग पहुंचे थे। कप्तान रोहित के साथ टीम के बाकी सदस्य सिडनी एयरपोर्ट पर साथ दिखे। रोहित और विराट के लिए सिडनी टेस्ट काफी अहम है। अगर सिडनी में वे दोनों रन नहीं बना पाते हैं तो फिर उनके लिए टेस्ट टीम के दरवाजे बंद भी हो सकते हैं। सूत्रों की मानें तो टीम प्रबंधन सिडनी में बड़े बदलाव कर सकता है। मेलबर्न में टीम से बाहर रहने वाले शुभमन गिल की वापसी हो सकती है। इसके साथ ही आकाश दीप और मोहम्मद सिराज को भी विश्राम दिया जा सकता है और उनकी जगह हर्षित राणा और प्रसिद्ध कृष्णा को मौका दिया जा सकता है। लगातार खराब शाट खेलकर आउट हो रहे ऋषभ पंत की जगह भी ध्रुव जुरैल को अंतिम एकादश में शामिल किया जा सकता है। आस्ट्रेलिया में ध्रुव जुरैल ने भारत ए की ओर से खेलते हुए प्रभावशाली प्रदर्शन किया था।

पंत को आउट करने के बाद 'फिंगर आन आइस' जश्न मनाया था : हेड

मेलबर्न, भेट : आस्ट्रेलिया के बल्लेबाज ट्रेविस हेड ने 'बाक्सिंग डे' टेस्ट में ऋषभ पंत को आउट करने के बाद अपने असामान्य जश्न के बारे में बताते हुए कहा कि यह 'फिंगर आन द आइस' (बर्फ पर अंगुली) का संकेत है और यह अजीब इशारा उन्होंने पहली बार श्रीलंका दौरे के दौरान दिखाया था। पंत ने पुल शाट खेलने के प्रयास में लांग आन पर कैच थमाया जिसके बाद हेड ने अपने बाएं हाथ की अंगुलियों को मोड़कर और दाहिने हाथ की तर्जनी अंगुली को उसमें डुबाकर इस क्षण का जश्न मनाया।

हेड ने ट्रिपल एम रेडियो से कहा, 'फिंगर आन द आइस। मैंने इसकी शुरुआत श्रीलंका में की। मैं अपनी अंगुली बर्फ पर रखी और गेंदबाजी के लिए तैयार हुआ। हेड ने कहा कि श्रीलंका के विरुद्ध मुझे गेंदबाजी करने की उम्मीद नहीं थी। मैंने सोचा था कि मुझे अगली बार गाल में गेंदबाजी का अवसर मिलेगा। इसके बाद जब मुझे गेंदबाजी का अवसर मिला और मैंने विकेट लिया तो इस तरह जश्न मनाया था।

इस बारे में जब आस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस से इसके बारे में पूछा गया और उन्होंने कहा कि मैं इसे समझा सकता हूं। उसकी अंगुली इतनी गर्म है कि उसे इसे एक कप बर्फ में डालना पड़ा। यही बात है। यह गाबा या कहीं और हुआ था जब उसे विकेट मिला और वह सीधे फ्रिज में गया, एक बाल्टी बर्फ ली, अपनी अंगुली डाली और नाथन लियोन के सामने चला गया।

ट्रेविस हेड ● एपी

कोच ने किया मार्श का बचाव, स्टार्क के खेलने की उम्मीद जताई

सिडनी: आस्ट्रेलिया के मुख्य कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड ने स्वीकार किया कि मिशेल मार्श बल्लेबाजी में अपेक्षाओं पर खरे नहीं उतर सके हैं और उन्होंने यह उम्मीद भी जताई कि मिशेल स्टार्क सिडनी में पांचवां टेस्ट खेल सकेंगे। स्टार्क की फिटनेस चिंता का सबब बनी हुई है जो बाक्सिंग डे टेस्ट के तीसरे दिन से ही पसली में सूजन से जूझ रहे हैं लेकिन उन्होंने प्रभावी गेंदबाजी करके विराट कोहली का विकेट लिया। मैकडोनाल्ड ने कहा कि तकलीफ भी स्टार्क को रोक नहीं सकी। शुरुआती स्पैल में उसे परेशानी हुई लेकिन इसके बाद उसने खुलकर गेंदबाजी की। देखते हैं कि वह कैसे रिकवर करता है। हम सिडनी क्रिकेट ग्राउंड की पिच देखकर टीम संयोजन तय करेंगे। उससे पहले कुछ नहीं कह सकते।

नवजोत सिद्धू ने की हेड पर कार्रवाई की मांग

भारत के पूर्व बल्लेबाज नवजोत सिंह सिद्धू को हेड का इस तरह जश्न मनाना पसंद नहीं आया और उन्होंने इस घृणित बताते हुए 'कड़ी कार्रवाई' की मांग की। सिद्धू ने एक्स पर लिखा, मेलबर्न टेस्ट के दौरान ट्रेविस हेड का घिनौना व्यवहार भद्रजनों के खेल के लिए अच्छा नहीं है, जब बच्चे, महिलाएं, युवा और बूढ़े खेल देख रहे हों तो यह सबसे खराब उदाहरण है। इस व्यवहार ने किसी एक व्यक्ति का नहीं बल्कि डेढ़ अरब भारतीयों के देश का अपमान किया है। उसे कड़ी सजा मिलनी चाहिए जिससे कि भविष्य की पीढ़ी ऐसा नहीं करे।

एक नजर में

अफगानिस्तान ने तोड़ा पाकिस्तान का रिकार्ड

नई दिल्ली: अफगानिस्तान और जिंबाब्वे के बीच खेला गया पहला टेस्ट ड्रा रहा। पहली पारी में तीन बल्लेबाजों के शतक के दम पर जिंबाब्वे ने 586 रन बनाए थे। इसके जवाब में अफगानिस्तान ने दो बल्लेबाजों के दोहरे शतक और एक शतक के साथ पहली पारी में 699 रन बना दिए। अफगानिस्तान ने सबसे कम मैचों में 600 प्लस का स्कोर बनाने का पाकिस्तान का रिकार्ड तोड़ दिया। 10वें मैच में ही अफगानिस्तान ने ऐसा किया है जबकि 1958 में पाकिस्तान ने 19वें मैच में यह कारनामा किया था। (जेएनएन)

मालदीव पर दूसरी जीत दर्ज करने उतरेगा भारत

बेंगलुरु: कोच जोकिम एलेक्जेंडरस मालदीव के विरुद्ध गुरुवार को खेले जाने वाले दूसरे मैत्री फुटबाल मैच में और नई खिलाड़ियों को मौका देने के लिए तैयार हैं। एलेक्जेंडरसन की देखरेख में टीम ने सोमवार को मालदीव को शुरुआती मुकाबले में 14-0 से हराया था। (प्रेट)

दीप्ति शर्मा वनडे रैंकिंग में पांचवें स्थान पर

दुबई: भारतीय आफ स्पिनर दीप्ति शर्मा वेस्टइंडीज के विरुद्ध हाल ही में हुई सीरीज में शानदार प्रदर्शन की बदौलत आइसीसी की वनडे गेंदबाजी रैंकिंग में एक स्थान के फायदे से पांचवें पायदान पर पहुंच गई। शीर्ष पांच में जगह बनाने वाली दीप्ति के अब 665 रेटिंग अंक हैं। बल्लेबाजों की सूची में जेमिमा रोड्रिग्स 537 अंक के साथ शीर्ष 20 में जगह बनाने के करीब हैं। वह चार स्थान के फायदे से 22वें स्थान पर हैं। आक्रामक बल्लेबाज रिचा घोष भी सात स्थान के फायदे से 41वें पायदान पर हैं। उनके 448 रेटिंग अंक हैं। (प्रेट)

वैशाली ने जीता ब्लिट्ज फाइनल्स क्वालीफायर

- टाइब्रेकर के कारण नौवें स्थान पर रहकर बाहर हुई कोनेरू हंपी
- वैशाली ने 11 में से 9.5 अंक लेकर मारी बाजी

न्यूयार्क, प्रेट : भारतीय ग्रैंडमास्टर आर वैशाली ने विश्व ब्लिट्ज शतरंज चैंपियनशिप में महिला क्वालीफायर जीतकर क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। वैशाली ने जार्जिया की ग्रैंडमास्टर नाना जागनिजे और रूस की वालेंटिना गुनिना को हराया। रैपिड वर्ग में कोनेरू हंपी के स्वर्ण पदक जीतने के बाद वैशाली ने अपने खेल से प्रशंसकों का दिल जीता और महिला वर्ग में 11 में से 9.5 अंक लेकर बाजी मारी।

केवल रूस की कैटरीना लागनो ही वैशाली के करीब पहुंची सकीं। कैटरीना के 8.5 अंक रहे, जबकि बाकी छह क्वालीफायर के आठ अंक रहे। हंपी टाइब्रेकर के कारण नौवें स्थान पर रहकर बाहर हो गईं। जीत के बाद वैशाली ने कहा, मैं अपने प्रदर्शन से बहुत खुश हूं। कल का दिन बहुत बड़ा होगा। सच कहूं तो यह मेरे लिए पूरी तरह से अप्रत्याशित था। मुझे ऐसा परिणाम मिलने की उम्मीद नहीं थी। अब मुझे क्वार्टर फाइनल के लिए तैयार रहना है और अच्छी तरह से तैयारी करनी है। क्वार्टर फाइनल में अब वैशाली का सामना चीन की जू जिनेर से होगा।

आर वैशाली ● एपी

कोई भारतीय पुरुष खिलाड़ी शीर्ष आठ में नहीं: वहीं, ओपन वर्ग में 10 खिलाड़ी पहले स्थान के लिए बराबरी पर थे जिसमें दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन भी शामिल हैं। कार्लसन ने 13 में से छह मुकाबले ड्रा खेले और क्वालीफायर के बाद संयुक्त रूप से शीर्ष पर रहे। रूस के इयान नेपोमनियाची ने 9.5 अंक के साथ क्वालीफायर जीता। अमेरिका के फाबियानो कारूआना दूसरे और कार्लसन तीसरे स्थान पर रहे। भारत का कोई खिलाड़ी शीर्ष आठ में नहीं पहुंच सका। भारतीय ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगेसी ने पहले पांच दौर में जीत दर्ज की लेकिन लय को कायम नहीं रख सके और उनके सात ही अंक रहे। आर प्रगनानंद 8.5 अंक लेकर दूसरे स्थान पर रहे।

17 साल और 168 दिन की उम्र में 181 रनों की पारी के साथ म्हात्रे ने तोड़ा यशस्वी का रिकार्ड

लिस्ट ए में 150 रन बनाने वाले सबसे युवा बने आयुष

विजय हजारे ट्राफी

अहमदाबाद, प्रेट: मुंबई के आयुष म्हात्रे ने मंगलवार को नगालैंड के विरुद्ध विजय हजारे ट्राफी मैच के दौरान लिस्ट ए क्रिकेट में 150 से अधिक रन बनाने वाले सबसे कम उम्र का खिलाड़ी होने का नया विश्व रिकार्ड बनाया। उन्होंने हमवतन यशस्वी जयसवाल के रिकार्ड को तोड़ा। म्हात्रे ने 17 साल और 168 दिन की उम्र में भारतीय सलामी बल्लेबाज जायसवाल द्वारा बनाए गए पिछले रिकार्ड को तोड़ दिया। जायसवाल 17 साल और 291 दिन के थे जब उन्होंने 2019 में झारखंड के विरुद्ध मुंबई के लिए खेलते हुए यह उपलब्धि हासिल की थी।

इस सत्र की शुरुआत में ही घरेलू दिग्गज मुंबई के लिए पदार्पण करने वाले म्हात्रे ने 11 छक्कों और 15 चौकों की मदद से केवल 117 गेंदों पर 181 रन बनाए। उनकी इस पारी से मुंबई ने 50 ओवर में सात विकेट पर 403 रन बनाए। रणजी ट्राफी में अपने पदार्पण पर म्हात्रे ने 71 गेंदों में 52 रनों की पारी खेली थी। म्हात्रे ने इसके बाद महाराष्ट्र के सामने 232 गेंदों में 22 चौकों और चार छक्कों की मदद से 176 रन बनाए थे।

आयुष म्हात्रे

अभिषेक-प्रभसिमरन ने बनाया ओपनिंग साझेदारी रिकार्ड

पंजाब की ओपनिंग जोड़ी अभिषेक शर्मा और प्रभसिमरन सिंह ने सौराष्ट्र के विरुद्ध 298 रनों की शानदार साझेदारी की और 2022 में बंगाल के सुदीप घरामी और अभिमन्यु ईश्वरन द्वारा टूर्नामेंट की दूसरी सबसे बड़ी ओपनिंग साझेदारी की बराबरी की है। प्रभसिमरन ने 95 गेंदों पर 125 रन बनाए जिसमें 15 चौके और तीन छक्के शामिल थे। उनके जोड़ीदार अभिषेक ने और भी शानदार प्रदर्शन किया और मात्र 96 गेंदों पर 170 रन बनाए। उनकी पारी में 22 चौके और आठ गगनचुम्बी छक्के शामिल थे। सलामी बल्लेबाजों द्वारा किए गए शानदार प्रदर्शन की बदौलत पंजाब ने अपनी पारी का अंत पांच विकेट पर 424 रन के विशाल स्कोर पर किया।

अभिषेक शर्मा

दिल्ली और यूपी को मिली जीत: आर्यन जुयाल के शतक के दम पर उत्तर प्रदेश ने चंडीगढ़ को चार विकेट से हराते हुए टूर्नामेंट की तीसरी जीत हासिल की है। शिवम मावी के चार विकेट से यूपी ने चंडीगढ़ को 271 के स्कोर पर रोका था। दिल्ली ने भी तेजस्वी दहिया के धुआंधार शतक और इशांत शर्मा तथा प्रिंस यादव की घातक गेंदबाजी से त्रिपुरा को 64 रन से हराया।

नाइटहुड पाने वाले चौथे इंग्लिश कोच बने गैरेथ साउथगेट

फुटबाल डायरी

लंदन, आइएएनएस: इंग्लैंड के पूर्व पुरुष सीनियर फुटबाल मैनेजर गैरेथ साउथगेट को 2025 के लिए नए साल की सम्मान सूची में शामिल किया गया है। एफए ने कहा, 'इंग्लैंड को चार प्रमुख टूर्नामेंटों में ले जाने और दो यूरो फाइनल और एक विश्व कप सेमीफाइनल में पहुंचाने के बाद साउथगेट को नाइटहुड से सम्मानित किया गया है।' गैरेथ ने लगभग आठ साल इंग्लैंड के कोच की भूमिका निभाई और इस दौरान 102 मैचों में 61 जीत, 24 ड्रा और 17 हार दर्ज किए।

54 साल के गैरेथ ने इंग्लैंड को लगातार दो बार यूरो फाइनल में पहुंचाया और साथ ही टीम 2018 फीफा विश्व कप का फाइनल भी खेली। वह रामसे के बाद सबसे सफल इंग्लिश कोच रहे। जुलाई में यूरो 2024 का फाइनल स्पेन के विरुद्ध गंवाने के बाद अपना पद छोड़ने वाले गैरेथ अब रामसे, वाल्टर विंटरबाटम और बाबी राब्सन के बाद नाइटहुड हासिल करने वाले चौथे कोच बने हैं।

गैरेथ साउथगेट ● फाइल फोटो, रायटर

कोच पद से बर्खास्त हुए रूनी: संघर्षरत चैंपियनशिप टीम की कमान संभालने के मात्र सात महीने बाद वेन रूनी को प्लायमाउथ आर्गेले के कोच पद से हटा दिया गया। 39 वर्षीय रूनी को मई में नियुक्त किया गया था और 23 मैचों में चार जीत के साथ प्लायमाउथ अंतिम स्थान पर है।

न्यूकासल से हारा युनाइटेड, चेल्सी को इप्सविच ने चौंकाया

मैनचेस्टर युनाइटेड ने खराब प्रदर्शन जारी रखते हुए न्यूकासल के विरुद्ध 2-0 की हार झेली है। 19 लीग मैचों में यह उनकी नौवीं हार है और वे 14वें स्थान पर हैं। दिसंबर में युनाइटेड ने सभी प्रतियोगिताओं को मिलाकर छह मैच गंवाए जो 1932 में एक महीने में हारे सात मैचों के बाद एक महीने में उनकी सबसे अधिक हार है। इसके साथ ही चेल्सी भी लय से भटकती दिख रही है और इप्सविच टाउन के विरुद्ध 2-0 की हार के साथ उन्होंने लगातार दूसरा मैच गंवाया है। इप्सविच ने 1993 के बाद पहली बार प्रीमियर लीग में

हार से निराश हैरी मैग्वायर ● रायटर

चेल्सी को हराने में सफलता पाई है। 35 अंकों के साथ वे चौथे स्थान पर खिसक गए हैं। चेल्सी शीर्ष पर काबिज लिवरपूल से 10 अंक पीछे हो गई है और उनके लिए खिताबी रेस कठिन हो चुकी है।

बंगाल ने केरल को 1-0 से हराकर 33वीं बार जीती संतोष ट्राफी

हैदराबाद, प्रेट: पश्चिम बंगाल ने मंगलवार को संतोष ट्राफी के फाइनल में केरल को 1-0 से हराकर राष्ट्रीय फुटबाल चैंपियनशिप में अपना वर्चस्व कायम रखा और 33वीं बार खिताब अपने नाम किया। दूसरे हाफ के अतिरिक्त समय में रोबी हंसदा ने मैच का एकमात्र गोल किया। आदित्य थापा ने हेडर से गेंद को बाक्स में पहुंचाया जिसे रोबी ने आसानी से गोल में पहुंचा दिया। ऐतिहासिक रूप से बंगाल ने इस प्रतियोगिता में दबदबा बनाया है। सात बार के विजेता केरल ने फाइनल में बंगाल को हराकर 2017-18 और 2021-22 का खिताब जीता था। इस तरह बंगाल ने मंगलवार को एकमात्र गोल से जीत हासिल कर बदला चुकता किया।

हरीश रेड्डी की अध्यक्षता वाले गोल्फ संघ को मिली मान्यता

आइओए अध्यक्ष पीटी ऊषा ने ब्रिजेंदर सिंह की अगुआई वाले संघ को अमान्य घोषित किया

नई दिल्ली, प्रेट: भारतीय ओलिंपिक संघ (आइओए) ने हरीश कुमार रेड्डी की अगुआई वाली भारतीय गोल्फ यूनियन (आइजीयू) को मान्यता दे दी है जबकि ब्रिजेंदर सिंह की अगुआई वाली दूसरी संस्था को अमान्य घोषित कर दिया है। आइओए अध्यक्ष पीटी ऊषा के हस्ताक्षर वाले जारी एक पत्र में कहा गया है कि राष्ट्रीय ओलिंपिक समिति ने रेड्डी की अगुआई वाली संस्था को मान्यता देने से पहले 'तथ्यों की समीक्षा' और 'प्रक्रियात्मक अनुपालन की जांच' की थी।

आइजीयू के नए पदाधिकारियों के चुनाव के लिए 15 दिसंबर को दो वार्षिक आम बैठक (एजीएम) आयोजित की गईं थी। इनमें से एक इंडिया हैबिटेट सेंटर में हुई जिसमें ब्रिजेंदर को फिर से अध्यक्ष चुना गया। इसके लिए पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश रामेश्वर मलिक को निर्वाचन अधिकारी बनाया गया। दूसरी एजीएम ओलिंपिक भवन में हुई जहां रेड्डी को अध्यक्ष चुना गया और न्यायमूर्ति ओपी गर्ग (सेवानिवृत्त) ने निर्वाचन अधिकारी की भूमिका निभाई। आइओए ने रेड्डी की अगुआई वाली संस्था को मान्यता देने के कारण बताते हुए कहा कि न्यायमूर्ति गर्ग ने कभी इस्तीफा नहीं दिया जैसा कि पिछले पदाधिकारियों ने आरोप लगाया था।

खो-खो विश्व कप में नेपाल से पहले मुकाबले में भिड़ेगा भारत

नई दिल्ली, जेएनएन : भारतीय पुरुष टीम 13 जनवरी से इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में शुरू होने वाले पहले खो-खो विश्व कप में अभियान की शुरुआत ग्रुप ए में नेपाल के विरुद्ध करेगी, जबकि महिला टीम इसके अगले दिन दक्षिण कोरिया के विरुद्ध अपना पहला मैच खेलेगी। 13 से 19 जनवरी तक आयोजित होने वाले इस विश्व कप के पुरुष वर्ग में 20 और महिला वर्ग में 19 टीमें भाग ले रही हैं।

खो-खो विश्व कप आयोजन समिति के अध्यक्ष सुधांशु मित्तल ने मंगलवार को बताया कि टीमों को चार ग्रुप में बांटा गया है।

13 जनवरी से शुरू होगा विश्व कप, महिला टीम पहले मैच में दक्षिण कोरिया से भिड़ेगी

प्रत्येक ग्रुप में शीर्ष पर रहने वाले दो टीमें नाकआउट चरण (क्वार्टर फाइनल) के लिए क्वालीफाई करेंगी। पुरुष वर्ग में ग्रुप ए में भारत और नेपाल के अलावा पेरू, ब्राजील और भूटान की टीमें हैं। महिला वर्ग के ग्रुप ए में भारत और दक्षिण कोरिया के साथ ईरान और मलेशिया की टीमें है। भारतीय पुरुष टीम इसके बाद 14 जनवरी को ब्राजील, 15 जनवरी को पेरू, 16 जनवरी को भूटान के विरुद्ध खेलेगी। महिला टीम 15 जनवरी को ईरान और 16 जनवरी को मलेशिया की चुनौती का सामना करेगी।

अनन्या ने जीता 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में स्वर्ण पदक

भोपाल, आइएएनएस: महाराष्ट्र की अनन्या नायडू ने मंगलवार को एमपी स्टेट एकेडमी शूटिंग रेंज में चल रही 67वीं राष्ट्रीय निशानेबाजी चैंपियनशिप प्रतियोगिता (राइफल) की महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में 252.5 अंकों के साथ स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने रेलवे की अनुभवी मेघना सज्जनार को मात्र 0.2 अंकों से हराकर पहला सीनियर राष्ट्रीय खिताब जीता। कांस्य पदक तमिलनाडु की आर. नर्मदा नितिन को मिला, जो 231.3 अंकों के साथ स्वर्ण पदक की होड़ से बाहर हो गईं। विजेता ने पहले पांच सिंगल शाट सीरीज के बाद ही 1.4 की बढ़त बना ली और फिर कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा।

जोकोविक और सबालेंका आसान जीत के साथ दूसरे दौर में

टेनिस डायरी

अरीना सबालेंका ● एएफपी

ब्रिस्बेन, आइएएनएस: नोवाक जोकोविक ने ब्रिस्बेन इंटरनेशनल में सिंगल्स मुकाबले में शानदार जीत के साथ वापसी की है। उन्होंने आस्ट्रेलियाई वाइल्डकार्ड रिंकी हिजिकाता को 6-3, 6-3 से हराया। महिलाओं की विश्व नंबर एक खिलाड़ी अरीना सबालेंका ने अपने सत्र की शुरुआत में रेनाटा जराजुआ को 6-4, 6-0 से हराया है। अक्टूबर के बाद से अपना पहला एटीपी सिंगल्स मैच खेलते हुए सर्बियाई दिग्गज ने अपने ट्रेडमार्क सटीकता और लचीलेपन का प्रदर्शन करते हुए अपने 2025 सिंगल्स सत्र की शानदार शुरुआत की। डबल्स में जीत के लिए निक किर्गियोस के साथ साझेदारी करने के एक दिन बाद जोकोविक ने अपने सिंगल्स ओपनर में 75 मिनट के अंदर जीत हासिल की।

हिजिकाता ने घरेलू दर्शकों के सामने खेलते हुए उम्मीद की किरण दिखाई, लेकिन जोकोविक के लगभग दोषरहित डिफेंस को भेदने में संघर्ष किया। ब्रिस्बेन में जोकोविक की अगली चुनौती एक परिचित प्रतिद्वंद्वी गाएल मोंफिल्स से है जिसके विरुद्ध उनका 19-0 का हेड-टू-हेड रिकार्ड है।

राडूकानू ने आकलैंड क्लासिक से वापस लिया नाम

आकलैंड, एपी: पूर्व यूएस ओपन चैंपियन एम्मा राडूकानू ने कमर की चोट के कारण आकलैंड टेनिस क्लासिक से नाम वापस ले लिया है। 22 वर्ष की ब्रिटिश खिलाड़ी राडूकानू को टूर्नामेंट में छठी वरीयता दी गई थी। उन्हें अमेरिका की राबिन मोंटगोमेरी के विरुद्ध पहला मैच खेलना था। मेलबर्न में 12 जनवरी से शुरू हो रहे आस्ट्रेलियन ओपन की तैयारी के लिये यह टूर्नामेंट अहम माना जाता है।

फ्रिट्ज, गफ यूनाइटेड कप क्वार्टर फाइनल में

पर्थ: टेलर फ्रिट्ज और कोको गफ ने मंगलवार को क्रोएशिया के विरुद्ध 3-0 की जीत के साथ यूएसए को यूनाइटेड कप क्वार्टर फाइनल में पहुंचा दिया। फ्रिट्ज ने बोर्ना कोरिच पर 6-3, 6-2 से आसान जीत हासिल की, जिससे यूएसए ग्रुप ए में शीर्ष पर रहा। गफ ने डोना वेकिच पर 6-4, 6-2 से एक प्रभावशाली जीत दर्ज की और फिर फ्रिट्ज के साथ मिलकर जीत हासिल की।

नोवाक जोकोविक ● एएफपी

****

सेहत भरे जीवन का

बुधवार, 1 जनवरी, 2025

होम्योपैथी

स्वस्थ रहने की डालनी होगी आदत

डा.आशीष आर. सिंह
मुक्ता होम्योपैथी, नोएडा, उत्तर प्रदेश

हमारा स्वास्थ्य केवल शरीर के सही कार्य करने तक सीमित नहीं है, बल्कि मानसिक, भावनात्मक और सामाजिक संतुलन भी इसका हिस्सा है। स्वास्थ्य का व्यापक दृष्टिकोण मन, शरीर और आत्मा के सामंजस्य को महत्व देता है, जिसमें रोगों की रोकथाम, जीवन की चुनौतियों का सामना करने की क्षमता और समग्र कल्याण सम्मिलित है।

स्वस्थ रहने के प्रभावी उपाय : स्वस्थ रहना आज के समय में सबसे बड़ी चुनौती है, लेकिन सही दिशा में उठाए गए कदम हमें रोगों से बचाते हैं।

रोजाना 'ग्राउंडिंग (पृथ्वी से जुड़ाव) करें' : सुबह या शाम को नंगे पैर घास पर चलें। यह तनाव, अनिद्रा और सूजन को कम करने में सहायक होता है।

श्वास-प्रश्वास तकनीक (ब्रीदिंग थेरेपी) : हर दिन 10 मिनट में गहरी सांस लेने का अभ्यास करना चाहिए।

4-7-8 ब्रीदिंग टेक्निक' अपनाएं : चार सेकंड तक सांस लें, सात सेकंड तक रोकें और आठ सेकंड तक छोड़ें। इससे तनाव, रक्तचाप में सुधार होता है।

किण्वित (फर्मेंटेड) खाद्य पदार्थों का सेवन : अपने आहार में किमची, इडली, दही या कांजी जैसे किण्वित खाद्य पदार्थ शामिल करना चाहिए। यह आंतों के स्वास्थ्य को बेहतर बनाते हैं, जिससे रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होती है।

सेहतमंद जीवन के कुछ जरूरी उपाय

'5x5 मैट्रिक्स' तकनीक अपनाएं : पांच मिनट तक पांच अच्छी चीजों के बारे में सोचें, जो आपके जीवन में हुई हैं। यह मानसिक सकारात्मकता को बढ़ावा देता है।

डिजिटल न्यूरोफास्टिंग करें : हफ्ते में एक दिन मोबाइल, टीवी और अन्य उपकरणों से पूरी तरह दूर रहें। इससे दिमाग खुद को रीसेट करता है और मानसिक शांति मिलती है।

मुस्कान थेरेपी करें : उन पुरानी चीजों, विचारों या लोगों को अलविदा कहें, जो नकारात्मक रूप से प्रभावित कर रहे हैं।

'स्माल टाक' से बचें : गहरी और अर्थपूर्ण बातचीत की आदत डालें। यह दूसरों से जुड़ने में मदद करती है।

होम्योपैथी का दृष्टिकोण

शारीरिक स्वास्थ्य को बढ़ावा : होम्योपैथी मानती है कि शरीर में एक प्राकृतिक जीवन शक्ति होती है, जो रोगों से लड़ने और संतुलन बनाए रखने का कार्य करती है। ये दवाएं इसे सक्रिय कर स्वास्थ्य को पुनः स्थापित करती हैं।

रोग का मूल कारण समझना : होम्योपैथी दवाएं रोग के मूल कारण को ठीक करने का प्रयास करती हैं। ट्यूबरकुलिनम और सल्फर जैसी दवाएं रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में मदद करती हैं।

मानसिक स्वास्थ्य सुधारने के लिए : काली फास और इग्नेशिया अमारा तनाव, चिंता और अनिद्रा में अद्भुत प्रभाव देती हैं।

पाचन सुधार के लिए : नक्स वोमिका पेट की समस्याओं को ठीक और लाइकोपोडियम गैस, एसिडिटी में लाभकारी है।

स्वस्थ रहना एक सतत प्रक्रिया है, जिसमें सही आहार, अनुशासन और दवाइयों का संयोजन जरूरी है। याद रखें, आपका स्वास्थ्य आपकी सबसे बड़ी पूंजी है। इसे बचाने और बढ़ाने के लिए सही कदम उठाएं और जीवन का आनंद लें। होम्योपैथी का लाभ है कि यह व्यक्ति-विशेष की शारीरिक और मानसिक स्थिति के अनुसार काम करती है। इसलिए, डाक्टर की सलाह लेकर ही दवा का चयन करें।

नववर्ष संकल्प

स्वस्थ और खुशहाल जीवन के लिए नए साल पर हम आदतों में बदलाव का संकल्प तो लेते हैं, पर कुछ दिनों में पुरानी आदतों में फिर से उलझ जाते हैं। ऐसे में सक्रिय दिनचर्या, नियंत्रित वजन, स्वस्थ आहार का संकल्प कैसे होगा पूरा, किन बातों का रखना होगा ध्यान, आइए जानते हैं...

फोटो : फ्रीपिक

7 आदतें रखेंगी सेहतमंद

स्वच्छता : हमें शरीर और दिमाग की स्वच्छता का ध्यान रखना चाहिए। सेहत के लिए अच्छी आदतों को विकसित करना होगा। ग्रीक सभ्यता में एक कहावत है कि 'स्वच्छता स्वास्थ्य की देवी है' (इससे तनाव, सांस और आंखों के संक्रमण से बचे रहेंगे)।

सक्रियता : आज के समय में सक्रिय रहना आवश्यक है। आराम तलब शिथिल भरी दिनचर्या को छोड़कर एक्टिव रहें तो बीमारियों के जोखिम से बचे रहेंगे।

स्वस्थ खानपान : भोजन में पर्याप्त मात्रा में फल, सब्जियां, अनाज आदि होना आवश्यक है। शरीर के पोषण के लिए संतुलित भोजन जरूरी है।

पर्याप्त और अच्छी नींद : स्लीप हाइजीन के नियमों का पालन करना चाहिए (सोने-जागने के समय में निरंतरता और कम से कम सात से आठ घंटे की अच्छी नींद होनी चाहिए। इसमें व्यवधान नहीं डालना चाहिए।)

नियमित व्यायाम : प्रतिदिन कम से कम आधे घंटे का व्यायाम आवश्यक है। व्यायाम करते हुए पसीना आना और सांस फूलना जरूरी है। 24 घंटे में आधा घंटा निकालना मुश्किल नहीं होना चाहिए।

तनाव का प्रबंधन : तनाव कई तरह की बीमारियों का जोखिम बढ़ा रहा है। तनाव अधिक होने पर डायबिटीज, हाइपरटेंशन जैसी परेशानियां बढ़ जाती हैं।

गलत आदतों को छोड़ना : धूम्रपान और शराब के सेवन की आदतों को नियंत्रित करने की आवश्यकता है। इससे स्वास्थ्य बेहतर रहेगा।

जीवनशैली

डा. जुगल किशोर
जन स्वास्थ्य विशेषज्ञ, सफदरजंग हास्पिटल, नई दिल्ली

सेहत का रहे खयाल खुशहाल होगा नया साल

शारीरिक, मानसिक और सामाजिक तौर पर हम संतुलित तभी रह सकते हैं, जब सेहत के लिए, जोखिमकारक आदतों से बचे रहें। शिथिलता और आरामदेह जीवनशैली, अस्वच्छ और हानिकारक आहार, तनाव भरी दिनचर्या के चलते लोग हृदय रोग, स्ट्रोक, डायबिटीज, मोटापा, अल्जाइमर, आर्थराइटिस और सीओपीडी (क्रोनिक आब्स्ट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज) के शिकार हो रहे हैं। नए साल में अगर हम पर्याप्त व्यायाम, अच्छी नींद और संतुलित व पोषक आहार लेने का संकल्प लें, तो बीमारियों के जोखिम से बचने के साथ-साथ सेहतमंद भी बने रहेंगे।

कैसे हो अच्छी आदतों का विकास : अच्छी सेहत के लिए, नए साल पर लोग स्वयं से वादा तो करते हैं, लेकिन इस पर खरे नहीं उतर पाते। इसके लिए, हमें पहले बुरी आदतों के रिस्क फैक्टर को समझना होगा। हमें स्वीकार करना होगा कि अधिक चीनी, वसायुक्त और तला-भुना भोजन हमें बीमार बना रहा है। शिथिलता मोटापे का कारण बन रही है। ये सभी आदतें जीवन को प्रभावित कर रही हैं। मोटापा, डायबिटीज, हाइपरटेंशन जैसी समस्याएं इन्हीं छोटी-मोटी आदतों के कारण गंभीर हो रही हैं। इसे स्वीकार करते हुए हमें आदतों में बदलाव लाना चाहिए।

क्यों नहीं छूटती बुरी आदतें : हर आदत आरंभ में बहुत अच्छी लगती है। धूम्रपान या शराब शुरुआत में बहुत आकर्षित करते हैं, लेकिन कुछ समय बाद जब पहले जैसा आकर्षण नहीं रह जाता, तो संतुष्टि पाने के लिए लोग यह काम अधिक करने लग जाते हैं। इसी को आदत या लत कहते हैं, जिससे एक समय बाद निकलना मुश्किल हो जाता है। जब हम किसी आदत को छोड़ते हैं तो परेशानी और बढ़ जाती है। इससे नींद प्रभावित होती है और बीमार महसूस करने लगते हैं। बार-बार उसी आदत पर लौटने का मन करता है। नए साल या किसी खास अवसर पर संकल्प लेने के साथ जीवनशैली में हमें धीरे-धीरे बदलाव करना चाहिए। चूंकि, आदतें जीवनशैली का हिस्सा बन चुकी होती हैं, इसलिए संकल्प को पूरा करने में परेशानी आती है। इसमें आसपास का माहौल, संपर्क और हमारे नेटवर्क की भी भूमिका होती है, उसमें भी बदलाव करने के बारे में सोचना चाहिए।

नियमित स्वास्थ्य जांच : प्रदूषण और आज की जीवनशैली को देखते हुए 50 की उम्र तक वर्ष में एक बार और उसके बाद वर्ष में दो बार स्वास्थ्य की जांच अवश्य करानी चाहिए। आनुवांशिक समस्याएं हैं, तो यह अनिवार्य है। महिलाओं में ब्रेस्ट कैंसर की स्क्रीनिंग आवश्यक है। चिकित्सक के निर्देश पर ब्लड प्रेशर, ब्लड शुगर, किडनी और लीवर फंक्शन टेस्ट करा लेना चाहिए।

स्वस्थ और संतुलित दिनचर्या : जीवनशैली के कई निवारक आज बहुत ही खतरनाक बन रहे हैं। अगर हम मोबाइल फोन का ही उदाहरण लें तो यह एक तरह का नशा बन चुका है। इसके बिना एक घंटा बिताना भी मुश्किल हो रहा है। हम बहुत सारी लतों से घिरे हुए हैं और बहुत सारे व्यवधान हमारे शरीर और जीवन को प्रभावित कर रहे हैं, तो एक-एक चीज को ध्यान देकर उसे हम स्वयं दूर रहने का प्रयास कर सकते हैं।

जीवनशैली का प्रबंधन : जिन्हें डायबिटीज या हाइपरटेंशन जैसी परेशानियां हैं, वे लोग अगर दवाओं का सही और नियमित ढंग से सेवन करते हैं तो लंबे समय तक स्वस्थ जीवन जी सकते हैं। चिकित्सक की सलाह लेते रहें, स्वयं पर प्रयोग करने से बचें। आज हर समस्या का उपचार उपलब्ध है, लेकिन जीवन में अनुशासन और जागरूकता भी आवश्यक है।

बातचीत : ब्रह्मानंद मिश्र

फिटनेस टिप्स

दिनचर्या का अनिवार्य अंग बने योग-व्यायाम

डा. ईश्वर बासवरेड्डी
पूर्व निदेशक, मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान, नई दिल्ली

दिनचर्या में योग अपनाना कठिन नहीं है। यदि आपको यह कठिन लगता है तो पूरे साल को दो भागों में बांटकर चलें। पहला उत्तरायण, जब सूर्य का प्रभाव रहता है और दूसरा दक्षिणायण, जब चंद्रमा प्रभावी होता है। यदि मौसम के अनुसार योगयुक्त जीवन की योजना बनाएं तो सेहतमंद रहने का लक्ष्य आसान हो सकता है। कुछ ही दिन बाद मकर संक्रांति आ रही है। इस दिन सूर्य उत्तरायण होते हैं। यह वह समय है, जब प्रकृति नई ऊर्जा से भर जाती है। सेहत पर भी इसका सकारात्मक प्रभाव रहता है, इसलिए व्यक्तित्व विकास और श्रेष्ठ भविष्य निर्माण के लिए यह उपयुक्त समय है। ऊर्जा बढ़ाने वाला कोई भी कार्य इस समय करें तो उसकी सफलता की संभावना अधिक होती है। योग अपनाने की शुरुआत करनी हो तो आपको सूर्य नमस्कार, कपालभाति, उज्जयी प्राणायाम का अभ्यास करना चाहिए। यही निरंतर करें तो आने वाले कुछ माह में ही बड़े बदलाव महसूस कर सकते हैं।

सूर्य नमस्कार का अभ्यास : यह शरीर की मांसपेशियों को सक्रिय करता है और मेटाबालिज्म को अच्छा करता है। बता दें कि सूर्य नमस्कार 12 आसान मुद्राओं का एक संयोजन है, जो आपके शरीर को लचीला बनाता है। यदि आपका इस साल वजन घटाने का संकल्प है तो सूर्य नमस्कार आपकी भरपूर मदद करेगा। साथ ही सूर्य नमस्कार से रक्तसंचार में सुधार के साथ तनाव व चिंता में कमी आती है। यह हार्मोन संतुलन बनाने के लिए बेहतरीन माध्यम है। सूर्य नमस्कार की विधि आप किसी विशेषज्ञ से जानें और उस अनुरूप नियमित अभ्यास करें।

कपालभाति का अभ्यास : यह ऐसा अभ्यास है, जो ब्रेन हेल्थ को बेहतर करता है। मस्तिष्क की कोशिकाओं को सक्रिय करने और उनके कार्यक्षमता को सुधारने में मदद करता है। बेहतर आक्सीजन आपूर्ति से ध्यान, स्मरण शक्ति और एकाग्रता बढ़ती है। यह अभ्यास करने के लिए पद्मासन में बैठें। गहरी सांस अंदर की ओर लें और झटके से सांस छोड़ें। इस दौरान पेट को अंदर खींचें। अभी शुरू कर रहे हैं तो समय कम रखें। धीरे-धीरे समय सीमा बढ़ा लें। इसे भी किसी योग प्रशिक्षक से सीख कर ही करें।

कुछ आवश्यक बातें

- प्राणायाम विधिपूर्वक ही करें और यदि कोई बीमारी है तो योग विशेषज्ञ से अवश्य परामर्श लें। जैसे कपालभाति तभी करें, जब आप पूरी तरह स्वस्थ हों। हृदय रोग की समस्या है तो कुशल विशेषज्ञ के निर्देशन में ही करें।

- सुबह प्रार्थना के बाद गहरी सांस लेने का अभ्यास करना चाहिए। इसके बाद जलनेति और कपालभाति करें।
- योग कर रहे हैं तो इसे खाली पेट करें।
- योग के 20-30 मिनट बाद ही स्नान करें। योग करने के आधे घंटे के बाद ही कुछ खाएं।

उज्जयी प्राणायाम का अभ्यास : इस अभ्यास से संपूर्ण शरीर को कई प्रकार के लाभ मिल सकते हैं। मस्तिष्क और तंत्रिकाओं को आराम देने के साथ मानसिक स्वास्थ्य विकारों के जोखिम को कम करने और शरीर को स्वस्थ रखने में यह आपकी मदद करता है। इस अभ्यास के लिए शांत जगह सुखासन की मुद्रा में बैठ जाएं। अब गहरी सांस लेते हुए फेफड़ों में जा रही हवा को महसूस करें। प्राणायाम के दौरान सारा ध्यान सांसों की प्रक्रिया पर रहना चाहिए। अपनी सांसों से आने वाली ध्वनि को महसूस करने की कोशिश करें व मन को शांत रखें। यह प्राणायाम कम से कम 5 मिनट तक करें, समय के साथ इसकी सीमा को बढ़ा सकते हैं।

बातचीत : सीमा झा

नया साल, नई शुरुआत

आयुर्वेद में आरोग्य के आवश्यक नियम

डा. तनुजा नेसारी
निदेशक, अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान, नई दिल्ली

यदि आप आयुर्वेद को अपनाना चाहते हैं तो सबसे जरूरी चीज है तन व मन के बीच सामंजस्य बनाने का प्रयास। अधिकतर लोग वर्ष के आरंभिक कुछ दिन तक उत्साहपूर्वक दिनचर्या में नियमों को शामिल करते हैं, पर कई कारणों से अधिक दिनों तक अपने संकल्प पर नहीं टिक पाते। इसके लिए अच्छा होगा थोड़ा लचीलापन लाएं, यानी सारे नियम न पूरे हो सकें तो कम से कम कुछ चीजें अवश्य शामिल करें।

सुबह उठने की क्रिया : कामकाजी लोग, युवाओं में देर रात सोने की प्रवृत्ति बढ़ रही है। आयुर्वेद के अनुसार ब्रह्ममुहूर्त में उठना आवश्यक है। ऐसे लोग प्रयास करें कि सूर्योदय से पूर्व उठ जाएं अथवा 45 मिनट बाद उठने के लिए घड़ी सेट कर लें तो भी नुकसान नहीं है। इसके बाद उठने से शरीर में विकारों का प्रभाव बढ़ने की आशंका होती है। पाचन सही नहीं रहता और मन पर भी कुप्रभाव पड़ता है।

प्रदूषण से ऐसे होगा बचाव : सेहतमंद रहने के लिए यह अनिवार्य है कि आप प्रदूषण से बचाव करें, इसलिए आयुर्वेद का नियम कारगर है। अणुतेल का घर से बाहर निकलते समय और रात को सोते समय सेवन करना चाहिए। अपनी नासिका में रोजाना एक-एक बूंद डालें तो प्रदूषणकारी कणों व सूक्ष्मजीवों से बचा जा सकता है।

मानसिक सेहत के लिए : मन स्वस्थ रखने में केवल ध्यान क्रिया ही नहीं, आप भोजन के रूप में जो ग्रहण कर रहे हैं, उसका भी योगदान रहता है। बनाने वाला शुद्ध व प्रसन्न मन से भोजन तैयार करें तो खाने वाले पर इसका सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। इसी तरह, भोजन परिवार के साथ करने प्रयास करना चाहिए।

नींद सेहत का स्तंभ : आयुर्वेद में नींद को सेहत का मुख्य स्तंभ माना गया है। यदि नींद पूरी न हो तो पित्तदोष का प्रकोप होता है। इससे हार्मोन संतुलन बिगड़ सकता है। माइग्रेन या ज्यादा भूख व प्यास लगना, बाल झड़ने, तनाव, क्रोध आदि समस्याएं हो सकती है। यह सब जीवनशैली को अस्त-व्यस्त कर सकता है और बीमारियों के कारण जीवन का संतुलन भी बिगड़ जाता है।

मौसमी फल-सब्जियां व गाय का घी : आयुर्वेद में आप जो कुछ भोजन के रूप में ग्रहण करते हैं, वे औषधि की तरह प्रभावकारी होते हैं। मौसम के हिसाब से फल व सब्जियों का सेवन रोजमर्रा में आपकी सेहत को बेहतर करने में मदद करता है। इसी तरह गाय के घी का सेवन भी लाभकारी है। शर्त यह है कि यह बिलौना कर बनाया गया घी हो। यह अच्छा कोलेस्ट्रोल बढ़ाता है।

आवश्यक बातें का रखें ध्यान

- सुबह नींद खुलने के बाद बिस्तर से तुरंत न उठें। आंख खुलने के कुछ क्षण बाद उठकर बैठें व शरीर के बारे में चिंतन करें। ध्यान करें कि अंग सुचारु चल रहे हैं या कठिनाई आ रही है।
- ब्रश करने के दौरान नमक व गुनगुने पानी से गरारे का अभ्यास करें। इससे आप विभिन्न प्रकार की एलर्जी से बचे रह सकते हैं।
- यदि कामकाजी हैं, रोजाना लंच लेकर कार्यस्थल पर जाते हैं तो प्रयास करें कि उससे पूर्व कुछ ताजा भोजन करके जाएं।
- ऋतुओं के साथ दिनचर्या का सामंजस्य बनाकर चलें तो यह अधिक लाभकारी होगा।
- स्नान पूर्व अभ्यांग यानी तेल मालिश करने से रक्तसंचार बढ़ता है।

भोजन के नियम : आयुर्वेद के अनुसार, भोजन में 6 रस शामिल होने चाहिए। ये हैं- मधुर (मीठा), लवण (नमकीन), अम्ल (खट्टा), कटु (कड़वा), तिक्त (तीखा) और कषाय (कसैला)। भोजन के समय ध्यान रखें कि पेट के आधे भाग में ठोस भोजन, एक-चौथाई में द्रव और चौथाई भाग खाली रहे। ताजा भोजन न कर सकें तो आपका प्रयास होना चाहिए कि वह साफ-सुथरा व उचित रीति से बनाया गया हो। साथ बैठकर खाने का नियम लुप्त हो रहा है, प्रयास करें इसे अपनी दिनचर्या में शामिल करें।

आज का भविष्यफल-01 जनवरी, 2025 बुधवार

पं. के. ए. दुबे पद्मेश

आज की ग्रह स्थिति :
पौष मास शुक्ल पक्ष द्वितीया।
आज का राहुकाल : दोपहर 12 बजे से 01 बजकर 30 मिनट तक।
आज का दिशाशूल :
उत्तर
विशेष : कैलेंडर वर्ष 2025 प्रारंभ।

कल 02 जनवरी, 2025 का पंचांग

कल का दिशाशूल : दक्षिण

विक्रम संवत 2081 शके 1946 दक्षिणायण, दक्षिणगोल, हेमंत ऋतु पौष मास शुक्ल पक्ष की तृतीया 25 घंटे 09 मिनट तक, तत्पश्चात चतुर्थी श्रवण नक्षत्र 23 घंटे 11 मिनट तक, तत्पश्चात धनिष्ठा नक्षत्र हर्षण योग 14 घंटे 58 मिनट तक, तत्पश्चात वज्र योग मकर में चंद्रमा।

मेष : व्यावसायिक व्यस्तता बढ़ेगी। सहयोग लेने में सफलता मिलेगी। आर्थिक मामलों में सफलता मिलेगी।

वृष : धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी। शासनसत्ता का सहयोग रहेगा। जीविका में प्रयास सार्थक होगा।

मिथुन : उपहार या सम्मान में वृद्धि होगी। राजनीतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। धन, सम्मान में वृद्धि होगी।

कर्क : पारिवारिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। आर्थिक मामलों में सुधार होगा। देशाटन, देवदर्शन आदि का योग है।

सिंह : स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहना होगा। वाहन चलाते समय सावधानी रखें। उत्तेजित होने से बचना होगा।

कन्या : आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। गृह उपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

तुला : रचनात्मक प्रयास फलीभूत होगा। आर्थिक मामलों में सुधार होगा। गृह उपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी।

वृश्चिक : शासनसत्ता का सहयोग रहेगा। जीविका में प्रयास सार्थक होगा। पुरुषार्थ फलीभूत होगा।

धनु : आर्थिक योजना फलीभूत होगी। महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। संतान के मामले में विवेक से कार्य लेना होगा।

मकर : पारिवारिक दायित्व की पूर्ति होगी। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में चल रहा प्रयास सार्थक होगा।

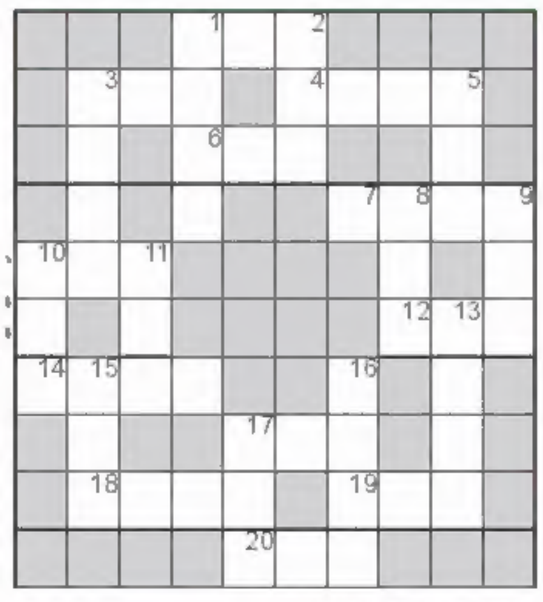

कुंभ : रचनात्मक प्रयास सफलता देगा। सामाजिक कार्यों में रुचि लेंगे। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहने की आवश्यकता है।

मीन : पारिवारिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। धन, सम्मान में वृद्धि होगी। आर्थिक मामलों में सफलता मिलेगी।

वर्ग पहेली-2855

© Bird Features & Writing Agency

बाएं से दाएं
1. बगीचे की देखभाल करने वाली स्त्री (3)।
3. मैलयुक्त, गंदा, मैला (3)।
4. पशु, चौपाया (4)।
6. चित्रकार (3)।
7. जो समय पर न हो (4)।
10. शांत करना, बुझाना (3)।
12. एक जैसा, बराबर (3)।
14. राजकीय आज्ञा, आज्ञापत्र (4)। 17. हवा, समीर, वायु (3)। 18. ईसाईयों का पवित्र ग्रंथ (4)। 19. मुग्ध, लुभाया हुआ (3)। 20. गजब, आश्चर्य (3)।

ऊपर से नीचे
1. नक्शा (4)।
2. सुंदर दृश्य, तमाशा (3)।
3. सबसे बड़ा (4)।
5. रस्म, नियम, कानून, कायदा (3)। 8. रसयुक्त (3)। 9. विश्वास (3)। 10. सज्जन, भद्र (3)। 11. सुरीली आवाज, गीत (3)। 13. अधीन (4)। 15. क्षेत्रफल, अहाता (3)। 16. जिसकी कीमत का अंदाज नहीं लगाया जा सके (4)। 17. आंख के ऊपर का पतला आवरण (3)।

कल का हल

अ	व	रो	ह			ना	जा	य	ज
लं			जौ	र	जौ	र			मा
का		ह्य	र		त		था		न
र	सौ				क		रं	चि	त
	मा	न	स					त्रां	
	जि					सु	रं	ग	
वि	क	नै		कु				दी	ती
ष्टा		ट		पु		बे	हू		न
चा			पं	त्र	का	र			पू
र	त	ना	रा			सं	त	फे	रा

खेद प्रकाश : कल वर्ग पहेली 2853 के हल प्रकाशन में हुई गलती के लिए खेद है।

जागरण सुडोकू-2855

		9		2		6		5
7			4		6			2
	5				9		1	
1			3			5		9
	4	7			8			
3				4		7		8
6				3			8	
	1	3			7			4
5			8		4			6

कल का हल

8	6	7	9	3	1	5	2	4
2	1	9	8	4	5	6	7	3
3	4	5	2	6	7	8	9	1
9	5	6	1	2	3	4	8	7
7	8	2	4	5	6	1	3	9
1	3	4	7	8	9	2	5	6
5	7	8	3	1	4	9	6	2
6	9	1	5	7	2	3	4	8
4	2	3	6	9	8	7	1	5

राष्ट्रीय फलक

उत्तराखंड में अल्मोड़ा के सौनी बिनसर में बनेगा बर्ड म्यूजियम

जागरण संवाददाता, रानीखेत (अल्मोड़ा)

- कार्बेट पार्क के टाइगर म्यूजियम की तर्ज पर विकसित करने की योजना
- 50 से ज्यादा प्रजाति के पक्षियों का वासस्थल है सौनी बिनसर वन क्षेत्र में

उत्तराखंड में अल्मोड़ा जिले का खूबसूरत पर्यटन स्थल सौनी बिनसर अब उत्तराखंड में ईको टूरिज्म का बड़ा केंद्र बनेगा। कार्बेट नेशनल पार्क रामनगर के धनगढ़ी में बनाए गए टाइगर म्यूजियम की तर्ज पर सौनी बिनसर में पहला बर्ड म्यूजियम आकार लेगा। बर्ड वाचिंग सेंटर भी खुलेगा। इसमें थिएटर बनेगा, जहां बर्ड वाचर, प्रकृति, पक्षी प्रेमी स्थानीय व मेहमान परिंदों के बारे में जान सकेंगे। सर्वे हो चुका है। इसे मूर्त रूप देने में करीब डेढ़ करोड़ रुपये लागत आने का अनुमान है। पक्षियों की 50 से अधिक प्रजातियों का वासस्थल सौनी बिनसर में है। अगले तीन महीने में जैव विविधता वाले इस क्षेत्र में वन विभाग का बर्ड म्यूजियम अस्तित्व में आने की उम्मीद है। डीएफओ दीपक सिंह की पहल के बाद शासन स्तर से इस प्रस्ताव को स्वीकृति दे दी है। इस म्यूजियम में पक्षियों की प्रजातियों, उनके नाम, परिवार, संख्या आदि की पूर्ण जानकारी मिलेगी। सौनी बिनसर में कैंपिंग स्थल है। यहां से लेकर भतरौंजखान के लौकोट तक वन विभाग की ओर से मिश्रित वन क्षेत्र के बीच 16 किमी की तीन नेचर ट्रेल चिह्नित की गई हैं। आरक्षित वन क्षेत्र व वन पंचायत में ये ट्रेल हैं।

रानीखेत के सौनी बिनसर में स्थित कैंपिंग साइट। इसी के पास बनेगा बर्ड म्यूजियम व बर्ड वाचिंग सेंटर। जागरण

विज्ञानियों ने स्पैडेक्स मिशन के साथ अंतरिक्ष में भेजा पालक, खुलेंगी नई संभावनाएं

जागरण संवाददाता, नोएडा

- एमिटी एजुकेशन एंड रिसर्च ग्रुप के विज्ञानियों ने स्पैडेक्स मिशन के साथ भेजा
- अंतरिक्ष में पालक की स्थिति की जानकारी धरती पर सेंसर से मिलेगी

अंतरिक्ष में खेती कैसे होगी, इसकी रिपोर्ट पालक देगा। एमिटी एजुकेशन एंड रिसर्च ग्रुप के विज्ञानियों ने सोमवार को भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के स्पैडेक्स मिशन के पीएसएलवी सी-60 यान के साथ सेंसरयुक्त पालक का कैलस (जैविक पे लोड) अंतरिक्ष में भेजा है। अंतरिक्ष में पहुंचने पर पालक की स्थिति की जानकारी धरती पर सेंसर के माध्यम से मिलेगी।

एमिटी एजुकेशन एंड रिसर्च ग्रुप के वैज्ञानिक डा.एडब्ल्यू संतोष कुमार व उनकी टीम डा.स्नेहा गोकानी, डा.आर सेल्वाकुमारन व डा.रविशंकर ने डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट आर्गनाइजेशन (डीआरडीओ) के साथ पालक के कैलस की रिसर्च की। उसके बाद पालक के कैलस को स्पैडेक्स मिशन के लिए चुना गया। शोधकर्ताओं ने बताया कि पालक के कैलस में सेंसर लगा है। अंतरिक्ष में पहुंचने के बाद उसकी प्रगति की रिपोर्ट धरती पर सेंसर से मिलेगी। अंतरिक्ष में पहुंचने के बाद उसका आकार बढ़ता है या कम होता है, इसे देखा जा सकेगा। उसके रंग बदलने की स्थिति को भी सेंसर से देखा जा सकेगा। सेंसर से अंतरिक्ष में प्रकाश व गुरुत्वाकर्षण की कमी का अध्ययन कर वहां खेती की संभावनाओं का अध्ययन किया जाएगा। उसी के आधार पर अंतरिक्ष में खेती की संभावनाओं को विकसित किया जाएगा। वहां पर खेती संभव होगी भी या नहीं, यह भी उससे ही पता चलेगा। अंतरिक्ष में कम गुरुत्वाकर्षण की दशा में पौधों का व्यवहार क्या रहता है, इसके बारे में भी जान सकेंगे।

एमिटी शिक्षण समूह के संस्थापक डा. अशोक चौहान ने बताया कि यह क्षण वैज्ञानिक नवाचार के प्रति एमिटी विश्वविद्यालय की अटूट प्रतिबद्धता व भारत को विकसित भारत बनाने में इसके योगदान को दर्शाता है।

नोएडा : स्पैडेक्स मिशन के तहत अंतरिक्ष की ओर जाते यान को देखते एमिटी शिक्षण समूह के संस्थापक डा. अशोक के चौहान। सौ. समूह

****

चौरीचौरा एक्सप्रेस के शौचालय में खून से लथपथ मृत मिला युवक

जागरण संवाददाता, गाजीपुर

- जनरल कोच के शौचालय की कुंडी से गले में बंधी थी बेल्ट

बबलू कुमार। स्वजन

कुशीनगर से साथियों के साथ मीरजापुर स्थित लौट रहा था घर

औड़िहार रेलवे स्टेशन पर मंगलवार तड़के लगभग सवा तीन बजे चौरीचौरा एक्सप्रेस की जनरल बोगी के शौचालय में खून से लथपथ 23 वर्षीय युवक बबलू कुमार का शव मिला। उसका गला शौचालय में लगी कुंडी में बेल्ट से कसा हुआ था। रेलवे कंट्रोल की सूचना पर आरपीएफ व जीआरपी ने शव को ट्रेन से नीचे उतारा। वाश बेसिन पर उसका मोबाइल फोन रखा था। आरपीएफ-जीआरपी जहां इसे आत्महत्या बता रहे हैं, वहीं शौचालय के गेट पर खून के निशान और कम ऊंचाई से लटक कर आत्महत्या करने की कहानी गले नहीं उतर रही है।

मीरजापुर निवासी आठ मजदूर चार दिसंबर को इंडियन आयल के पेट्रोल पंप पर डीजल-पेट्रोल टैंक बनाने कुशीनगर के पडरौना गए थे। इनके साथ बबलू और उसके चाचा बबलेश भी थे। काम खत्म होने के बाद सभी सोमवार को गोरखपुर से कानपुर जा रही चौरीचौरा एक्सप्रेस (15004) से आ रहे थे। जनरल डिब्बे में खचाखच भीड़ होने के चलते सभी अलग-अलग हो गए। बबलू के साथी पुन्नू ने बताया कि वह लगातार किसी युवती से वीडियो काल पर बात करता रहा। रात सवा एक बजे के आसपास वह शौचालय की ओर गया, लेकिन लौटा नहीं। इस बीच कोई शौचालय गया तो दरवाजा पूरी तरह नहीं खुला। अंदर से हलचल नहीं होने पर रेलवे कंट्रोल को जानकारी दी गई। ट्रेन औड़िहार पहुंची तो आरपीएफ के जवान पहुंचे।

दैनिक जागरण 2025 राष्ट्रीय संस्करण
आजकल
बुधवार 1 जनवरी, 2025
14
www.jagran.com

पहली बार टेबलेट के रूप में उपलब्ध कराई गई एस्प्रिन

1915 में आज ही जर्मनी की बायर फार्मास्यूटिकल्स ने दर्द, बुखार आदि में कारगर एस्प्रिन को टेबलेट के रूप में उपलब्ध कराया था। पहले यह पाउडर के रूप में बेची जाती थी। 10 अगस्त, 1897 को कंपनी में काम करने वाले रसायनज्ञ फेलिक्स हाफमैन ने इसकी खोज की थी।

यूरोप के 11 देशों ने आधिकारिक मुद्रा यूरो को किया लांच

1999 में आज ही यूरोप के 11 देशों ने आधिकारिक मुद्रा के तौर पर यूरो को लांच किया। पहले तीन वर्षों के लिए इसका उपयोग केवल इलेक्ट्रानिक भुगतानों के लिए किया गया। एक जनवरी, 2002 को सिक्के और नोट जारी किए गए। यूरो यूरोप के 19 राष्ट्रों की आधिकारिक मुद्रा है।

सत्येंद्र नाथ बोस के शोध ने रखी क्वांटम सांख्यिकी की नींव

महान गणितज्ञ और भौतिक विज्ञानी सत्येंद्र नाथ बोस का जन्म 1894 में आज ही कलकत्ता (अब कोलकाता) में हुआ था। गणित में उच्च शिक्षा हासिल कर अध्यापन से जुड़े। साथ ही शोध करते रहे। उनके शोधकार्यों ने क्वांटम सांख्यिकी की नींव रखी। 1924 में विज्ञानी अल्बर्ट आइंस्टीन को अपना शोधपत्र 'प्लाक्स ला एंड द हाइपोथिसिस आफ लाइट क्वांटा' भेजा। इसी से 'बोस-आइंस्टीन स्टेटिस्टिक' की बुनियाद पड़ी। यही शोधपत्र पार्टिकल फिजिक्स में क्रांति का आधार बना और आगे चल कर बोसोन कण की खोज हुई। बोस के सम्मान में ही इसे बोसोन कण कहा गया।

कृत्रिम हृदय मांसपेशियों को कर सकता है पुनर्जीवित

शोध ▶ हार्ट फेल होने पर उपचार के नए तरीकों के द्वार खुले, हार्ट अटैक का इलाज भी अब संभव

नई दिल्ली, आइएएनएस : कृत्रिम हृदय वाले कुछ लोग हृदय की मांसपेशियों को पुनर्जीवित कर सकते हैं। यह एक ऐसी प्रगति है जो उपचार के नए तरीकों के द्वार खोल सकती है और किसी दिन हार्ट अटैक का इलाज भी कर सकती है। एक अध्ययन के अनुसार यह जानकारी मिली है। वर्तमान में हार्ट फेल होने का कोई इलाज नहीं है। हालांकि, दवाइयों से इसकी प्रगति को धीमा किया जा सकता है। ट्रांसप्लांट के अलावा हार्ट फेल होने के लिए एकमात्र इलाज कृत्रिम हृदय है, जो हृदय को ब्लड पंप करने में मदद कर सकता है।

- **कृत्रिम हृदय वाले रोगियों ने स्वस्थ हृदय की तुलना में छह गुना ज्यादा दर से मांसपेशियों की कोशिकाओं को जीवित किया**
- **विज्ञानियों ने मानव हृदय के ऊतकों की कार्बन डेटिंग की विधि का उपयोग करके यह पता लगाया**

प्रतीकात्मक

अमेरिका में एरिजोना विश्वविद्यालय के कालेज आफ मेडिसिन के शोधकर्ताओं ने कहा कि हड्डियों की मांसपेशियों में चोट लगने के बाद पुनर्जीवित होने की महत्वपूर्ण क्षमता होती है। टीम ने कृत्रिम हृदय रोगियों के ऊतकों से अध्ययन शुरू किया। इसमें स्वीडन और जर्मनी के शोधकर्ता शामिल थे और उन्होंने मानव हृदय के ऊतकों की कार्बन डेटिंग की विधि का उपयोग करके यह पता लगाया कि क्या इन नमूनों में नई निर्मित कोशिकाएं हैं। सर्कुलेशन पत्रिका में प्रकाशित परिणामों से पता चला कि इन कृत्रिम हृदयों वाले लोग स्वस्थ हृदयों की तुलना में छह गुना अधिक गति से मांसपेशी कोशिकाओं का पुनर्जीवित कर सकते हैं।

टक्सन विश्वविद्यालय के सरवर हार्ट सेंटर के निदेशक हेशाम सादेक ने कहा, यह अब तक का सबसे मजबूत सुबूत है कि मानव हृदय की मांसपेशी कोशिकाएं पुनर्जीवित हो सकती हैं, जो वास्तव में रोमांचक है, क्योंकि यह इस धारणा को पुष्ट करता है कि मानव हृदय में पुनर्जीवित होने की अंतर्निहित क्षमता होती है। शोधकर्ता ने बताया कि कुछ कृत्रिम हृदय रोगी के लक्षणों के उलट होने के कारण अपने उपकरण हटा सकते हैं। अगर आप फुटबाल खेल रहे हैं और आपकी कोई मांसपेशी फट जाती है तो आपको उसे आराम देने की जरूरत होती है और वह ठीक हो जाती है।

हेशाम सादेक ने कहा कि निष्कर्षों से पता चलता है कि कोशिका विभाजन में शामिल आणविक मार्गों को लक्षित करके हृदय के पुनर्जीवित क्षमता को बढ़ाना संभव हो सकता है।

हृदय की मांसपेशियां क्षतिग्रस्त होने पर ठीक नहीं हो सकती

जब हृदय की मांसपेशियां क्षतिग्रस्त हो जाती है, तो वह वापस ठीक नहीं होती। सादेक ने कहा कि हृदय की मांसपेशियों के नुकसान होने पर ठीक करने के लिए हमारे पास कुछ भी नहीं है। सादेक ने हृदय की मांसपेशियों के पुनर्जीवित होने की जांच करने के लिए अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों की टीम के बीच सहयोग का नेतृत्व किया। यह प्रोजेक्ट यूटा स्वास्थ्य विश्वविद्यालय और स्कूल आफ मेडिसिन के सहयोगियों द्वारा प्रदान किए गए कृत्रिम हृदय के रोगियों के उतकों से शुरू हुआ, जिसका नेतृत्व लेफ्ट वेंट्रिकुलर सहायक टूल मीडिएट रिट्रीवल में अग्रणी स्टावरोस ड्रेकोस ने किया। सादेक ने कहा, यह सबसे मजबूत सुबूत है कि मानव हृदय की मांसपेशियों की कोशिकाए पुनर्जीवित हो सकती हैं, जो वास्तव में रोमांचक है। यह इस बात की पुष्टि करता है कि मानव हृदय में पुनर्जीवित होने की क्षमता है।

ठंड से जमी झील

चीन में कई जगहों पर कड़ाके की ठंड पड़ रही है। कई जगहों पर तापमान शून्य से नीचे चला गया है। इसी कड़ी में पूर्वी चीन के शांदोंग प्रांत के डोंगयिंग में येलो रिवर डेल्टा वेटलैंड में यान झील की सतह पर बर्फ की पतली परत के हवाई दृश्य की यह तस्वीर ली गई है। एएफपी

इधर-उधर की

जाना था पानी के पार, चींटियों ने बना दिया पुल

चींटियों ने दिखाई इंजीनियरिंग स्किल। इंटरनेट मीडिया

नई दिल्ली: जेएनएन: चींटियों का आपस में सामंजस्य शानदार होता है साथ ही उनमें समस्याओं को सुलझाने की भी अद्भुत क्षमता होती है। चींटियों का एक ऐसा ही वीडियो इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हो रहा है जिसमें उनकी यह विशेषताएं साफ नजर आ रही हैं। वीडियो में चींटियां एक पुल पर दिख रही हैं। खास बात यह है कि इस पुल को उन्होंने खुद ही बनाया है। इसमें उनका टीमवर्क भी साफ नजर आ रहा है। यह साबित करता है कि चींटियों में प्राकृतिक रूप से इंजीनियरिंग स्किल होती है।

नशे से किशोरों की मस्तिष्क संरचना हो सकती है प्रभावित

नई दिल्ली, प्रेट्र : किशोरों द्वारा नशीले पदार्थ का सेवन माता-पिता और देखभाल करने वालों के लिए चिंता का विषय होते हैं। नशीले पदार्थों का सबसे बुरा असर दिमाग पर पड़ता है, क्योंकि जब दिमाग इन पदार्थों की गिरफ्त में आता है तो उसकी काम करने की प्रक्रिया पूरी तरह गड़बड़ा जाती है। नशीले पदार्थ दिमाग में मौजूद न्यूरान्स के काम में बाधा डालना शुरू कर देते हैं।

अमेरिका में किशोरों पर किए गए अध्ययन से पता चला कि 15 साल की उम्र से पहले शराब और भांग सहित मादक द्रव्यों का सेवन करने वालों और न करने वालों के मस्तिष्क की संरचना में स्पष्ट अंतर देखा गया। अमेरिका के सेंट लुइस में वाशिंगटन विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने पाया कि इनमें से कई अंतर जैसे कि बड़ा मस्तिष्क और पतला प्रीफ्रंटल कार्टेक्स संभवतः किशोरों द्वारा मादक द्रव्यों का सेवन शुरू करने से पहले मौजूद थे। इससे पता चलता है कि ये पहलू बाद के जीवन में मादक द्रव्यों का सेवन शुरू करने के बाद शामिल हो सकते हैं, साथ ही आनुवंशिक और पर्यावरणीय कारकों सहित अन्य कारक भी हो सकते हैं। प्रीफ्रंटल कार्टेक्स कॉर्टेक्स का हिस्सा है - मस्तिष्क की सबसे बाहरी परत और यह व्यक्ति को योजना बनाने, निर्णय लेने और लक्ष्य हासिल करने जैसे उच्च स्तरीय कार्य करने में मदद करने के लिए जाना जाता है।

- **बड़ा मस्तिष्क और पतला प्रीफ्रंटल कार्टेक्स नशा करने वालों में पाया गया है संकेतक**
- **अमेरिका में 9-11 वर्ष के 9,804 बच्चों के एमआरआई स्कैन को देखा गया**
- **3,460 किशोरों ने 15 वर्ष की आयु से पहले नशीले पदार्थ के सेवन की शुरुआत की सूचना दी**

प्रतीकात्मक

नौ हजा से अधिक बच्चों के मस्तिष्क का किया गया अध्ययन

विश्लेषण के लिए शोधकर्ताओं ने अमेरिका में 9-11 वर्ष के 9,804 बच्चों के एमआरआई स्कैन को देखा। प्रतिभागियों का तीन साल की अवधि में फालोअप किया गया। इनमें 3,460 बच्चों ने 15 वर्ष की आयु से पहले नशीले पदार्थ के सेवन की शुरुआत की सूचना दी, जबकि अन्य ने नहीं। दोनों समूहों के बीच पांच संरचनात्मक अंतर सामान्य रूप से मस्तिष्क से संबंधित थे, जबकि 39 अतिरिक्त विशिष्ट क्षेत्रों से संबंधित थे, जिनमें से 22 कार्टेक्स की मोटाई से संबंधित थे। इसमें नौ साल से लेकर वयस्कता तक अमेरिका में 12,000 युवाओं में मस्तिष्क के विकास और मानसिक स्वास्थ्य की जांच की गई थी।

टीम ने कहा कि किशोरों के दो समूहों के बीच देखे गए मस्तिष्क के बीच अंतर भी इस्तेमाल किए जाने वाले पदार्थ के प्रकार के लिए अलग प्रतीत होते हैं। हालांकि, शोधकर्ताओं ने कहा कि यह समझने के लिए और अधिक काम करने की आवश्यकता है कि ये संरचनात्मक अंतर मस्तिष्क के काम या व्यवहार में कैसे परिवर्तित होते हैं। यूएस के नेशनल इंस्टीट्यूट आन ड्रग एब्यूज की निदेशक नोरा वोल्को ने कहा, यह अध्ययन कुछ सुबूतों को जोड़ता है कि किसी व्यक्ति की मस्तिष्क संरचना, उनके आनुवंशिकी, पर्यावरणीय खतरे और इन कारकों के बीच संवाद के साथ ड्रग्स के उपयोग और लत के खतरे और लचीलेपन के स्तर को प्रभावित कर सकती है। इसके योगदान करने वाले कारकों के बीच परस्पर क्रिया को समझना होगा, जो नशीली दवाओं के उपयोग के खिलाफ सुरक्षा करते हैं। इसके प्रभावी रोकथाम हस्तक्षेपों को सूचित करने और उन लोगों के लिए सहायता प्रदान करने के लिए महत्वपूर्ण है जो असुरक्षित हो सकते हैं।

महिलाओं में शराब पीने की आदत को बढ़ावा दे सकता है एस्ट्रोजन

अनुसंधान

एस्ट्रोजन का बढ़ा लेवल महिलाओं को शराब का आदी बना सकता है। चूहों पर किए गए एक प्रीक्लिनिकल अध्ययन में यह जानकारी सामने आई है। वेइल कार्नेल मेडिसिन के विज्ञानियों के नेतृत्व में अध्ययन के अनुसार, महिला सेक्स हार्मोन एस्ट्रोजन उनके शराब सेवन की प्रवृत्ति को कंट्रोल करता है। नेचर कम्युनिकेशन्स पत्रिका में प्रकाशित अध्ययन में जानकारी मिली है कि एस्ट्रोजन का हाई लेवल महिलाओं में शराब पीने की प्रवृत्ति बढ़ाता है। यह खोज उनके बर्ताव को समझने में मदद कर सकती है।

विश्वविद्यालय में फार्माकोलाजी की एसोसिएट प्रोफेसर और वरिष्ठ लेखक डा. क्रिस्टन प्लील ने कहा, महिलाओं में शराब पीने के व्यवहार के पीछे क्या कारण है, इसके बारे में हम बहुत कम जानते हैं, क्योंकि शराब के सेवन के ज्यादातर अध्ययन पुरुषों पर किए गए हैं। फिर भी हाल के अध्ययनों से पता चलता है कि महिलाओं ने पुरुषों की तुलना में शराब का ज्यादा सेवन किया है। प्लील ने कहा कि इस सेवन के कारण वे पुरुषों की तुलना में शराब के नकारात्मक स्वास्थ्य प्रभावों के प्रति ज्यादा संवेदनशील हो जाती हैं। कई अध्ययनों से पता चलता है कि शराब पीने की आदत हानिकारक प्रभावों को बढ़ाती है। इन निष्कर्षों से महिलाओं में अल्कोहल यूज डिसआर्डर के इलाज के लिए नए तरीके खोजे जा सकते हैं।

टीम ने एस्ट्रोजन की संभावित भागीदारी का आकलन करने के लिए सबसे पहले मादा चूहों के ओस्ट्रस चक्र (महिलाओं में मासिक धर्म चक्र के समान) के दौरान हार्मोन लेवल की निगरानी की और फिर शराब की खुराक दी। पता चला कि महिलाओं में सर्कुलेटिंग एस्ट्रोजन का हाई लेवल उन्हें ज्यादा शराब पीने के लिए प्रेरित करता है। डा. प्लील ने बताया, जब एक महिला शराब की पहली घूंट लेती है, तो उसके न्यूरान्स बेकाबू हो जाते हैं। (आइएएनएस)

स्क्रीन शाट

झुकने का नाम नहीं ले रही अल्लू अर्जुन की पुष्पा 2। फाइल

फिल्म पुष्पा 2 ने बाहुबली 2 को छोड़ा पीछे, आमिर खान की टीम से मिली शुभकामनाएं

हिंदी में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बनने के बाद अल्लू अर्जुन अभिनीत फिल्म पुष्पा 2 : द रूल की नजरें वैश्विक स्तर पर भी सबसे ज्यादा कमाई के रिकार्ड पर बनी हैं। वैश्विक स्तर करीब 2024 करोड़ रुपये के साथ साल 2016 में प्रदर्शित आमिर खान अभिनीत फिल्म दंगल सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म है। इसके बाद साल 2017 में प्रदर्शित एस एस राजमौली निर्देशित बाहुबली 2 : द कंक्लूजन 1742.3 करोड़ के साथ इस सूची में दूसरे नंबर पर थी। हालांकि, पुष्पा 2 रविवार को बाहुबली 2 को पीछे छोड़ते हुए वैश्विक कमाई के मामले में दूसरे स्थान पर आ गई है। वहीं रविवार तक हिंदी में पुष्पा 2 की कमाई 769.75 करोड़ रुपए हो चुकी है। हिंदी के साथ-साथ तेलुगु, तमिल, मलयालम और कन्नड़ भाषाओं में मिलाकर फिल्म देशभर में 1163.65 करोड़ रुपये कमा चुकी है।

वैश्विक कमाई के मामले में दूसरे स्थान पर आते ही आमिर की टीम ने पुष्पा 2 को शुभकामनाएं दी। आमिर खान प्रोडक्शन की तरफ से एक्स पर लिखा गया कि आमिर खान प्रोडक्शंस की तरफ से पुष्पा 2 : द रूल की पूरी टीम को फिल्म की ब्लाकबस्टर सफलता के लिए ढेर सारी शुभकामनाएं। आपको आगे भी लगातार सफलता की शुभकामनाएं। इसके जवाब में अल्लू अर्जुन की टीम ने भी आमिर खान प्रोडक्शन को धन्यवाद दिया।

बस अच्छा काम करना चाहती हैं प्रतिभा

गत वर्ष 2024 अभिनेत्री प्रतिभा रांटा के लिए काफी खास रहा। वह दो बहुचर्चित प्रोजेक्ट फिल्म लापता लेडीज और वेब सीरीज हीरामंडी में नजर आईं। लापता लेडीज को तो भारत की तरफ से आस्कर अवार्ड के लिए आधिकारिक प्रविष्टि के तौर पर भेजा गया था। ऐसे में प्रतिभा लोगों से मिले प्यार और उसके साथ आने वाली जिम्मेदारियों को भी समझती हैं। वह कहती हैं, '2024 अब तक मेरी जिंदगी का सबसे अच्छा वर्ष रहा है। मैंने उन चीजों का अनुभव किया है, मैं शिमला में बैठकर जिनका सपना देखा करती थी। फिल्म इंडस्ट्री से मुझे जो प्यार और स्वीकृति मिली है, वो बहुत खास है। नए वर्ष में तो मैंने और भी बड़ा लक्ष्य बना लिया है। मैं चाहती हूं कि मेरा नया वर्ष पिछले वर्ष से भी अच्छा जाए। लापता लेडीज की शूटिंग और उसकी रिलीज के बीच दो वर्ष का अंतराल था। तो दो वर्ष मैंने बहुत छुट्टी ले ली है, इस वर्ष अब मुझे कोई छुट्टी नहीं लेनी है, बस अच्छा काम करना है। पिछले साल सिनेमा इंडस्ट्री और इसके दर्शकों में सबसे अच्छा बदलाव यह देखने को मिला कि लोगों ने कंटेंट को प्राथमिकता देते हुए नए कलाकारों को भी बहुत प्यार दिया। उम्मीद है कि नए वर्ष में यह बदलाव और ज्यादा देखने को मिलेगा।'

दर्शकों से मिले प्यार के साथ उनके प्रति अपनी जिम्मेदारियों को लेकर सजग हैं प्रतिभा रांटा

अपने पूर्व ब्वायफ्रेंड को लेकर संगीता ने कहा कि बहुत रोकटोक करता था

कुछ पुरानी यादें दिल पर लगे चोट को फिर से कुरेद जाती हैं। प्यार मोहब्बत के रिश्तों से जुड़ी कड़वी यादें भी ऐसी ही होती हैं। साल 1966 में क्रिकेटर मोहम्मद अजहरुद्दीन से शादी करने से पहले अभिनेत्री संगीता बिजलानी अभिनेता सलमान खान के साथ प्रेम संबंधों में रही। दोनों का रिश्ता इतना आगे बढ़ चुका था कि दोनों की शादी के कार्ड भी छप चुके थे, लेकिन फिर संगीता ने शादी करने से इन्कार कर दिया। हाल ही में संगीता ने एक रियलिटी शो के मंच पर इस घटना को लेकर कहा कि यह झूठ नहीं है। इस दौरान एक प्रतिभागी ने संगीता से पूछा कि कोई एक चीज जिसे वह अपने करियर में बदलना चाहेंगी? इस पर संगीता ने बिना सलमान का नाम लिए, सांकेतिक तौर पर कहा, 'वो जो थे ना, हमारे एक्स (सलमान खान)। मुझे बहुत रोकटोक करते थे। मतलब कपड़े यह नहीं पहनना है, इतना छोटा नहीं होना चाहिए, इतना लंबा होना चाहिए। मैं एक खास तरीके के ड्रेस नहीं पहन पाती थी। शुरु शुरू में मैं पहनती थी, लेकिन बाद में मुझे पहनने की अनुमति नहीं थी। उस समय मैं शर्मीली थी। अभी मैं वैसी नहीं हूं। अभी मैं पूरी गुंडी की गुंडी हूं। मैं जिंदगी का वह हिस्सा बदलना चाहूंगी।'

चर्चा में रहा था सलमान व संगीता का रिलेशनशिप। फाइल

मुगल-ए-आजम से बाहुबली तक वृहद नजरिये से बोनी कपूर ने दिया जवाब

भाषा, स्टारडम और कंटेंट की प्रधानता को लेकर अलग-अलग समय पर दक्षिण भारतीय और हिंदी सिनेमा के कलाकारों और निर्माताओं के बीच असहमतियां और विवाद सामने आते रहते हैं। दरअसल, पैन इंडिया फिल्मों पर निर्माताओं की एक राउंडटेबल चर्चा के दौरान निर्माता बोनी कपूर के साथ दक्षिण भारतीय निर्माता नागा वम्सी भी बैठे थे। इसमें बोनी अलग-अलग क्षेत्रों पर चर्चा कर रहे थे कि नागा वम्सी ने उन्हें बीच में रोक दिया। फिर वम्सी ने कहा कि सर एक बात आपको स्वीकार करना होगा कि हम दक्षिण भारतीयों ने, सिनेमा को देखने का आपका (बालीवुड) तरीका बदल दिया है। क्योंकि, आप लोग (बालीवुड) बांद्रा और जुहू के लिए फिल्में बनाने में फंस गए थे। उसके बाद बोनी ने उनका जवाब में मुगल-ए-आजम से लेकर बाहुबली तक वृहद नजरिए से वम्सी को जवाब दिया। वम्सी के इस व्यवहार से निर्देशक संजय गुप्ता खफा हो गए। उन्होंने एक्स पर लिखा, 'चार-पांच हिट देने से ये बालीवुड के बाप नहीं बने, ना बनेंगे।'

मैदान की असफलता से काफी प्रभावित हुए थे बोनी कपूर: (इंस्टाग्राम)Boney.kapoor

हर गुजरा वर्ष कुछ सिखाता है: सौरभ सचदेवा

हर जाता हुआ वर्ष कुछ सिखाता है और आने वाला वर्ष नई उम्मीदें लेकर आता है। एनिमल और पुष्पा 2 : द रूल फिल्म में अपने अभिनय के लिए सराहना पाने वाले अभिनेता सौरभ सचदेवा हर वर्ष से कुछ सीखते हैं। सौरभ कहते हैं कि गुजरे हुए वर्ष से मैंने यही सीखा कि केवल अपना काम करते रहो। परिणाम के बारे में ज्यादा मत सोचो। परिणाम सोचकर अगर कुछ करने जाओगे, तो कुछ का कुछ और हो हो जाएगा। शुरुआती दौर में मैं भी काफी सोचा करता था लेकिन हर गुजरते वर्ष के साथ बदलाव है। नए वर्ष में अपने अनुभवों के साथ आगे बढ़ूंगा, फिर उससे कुछ सीखूंगा। मैंने पिछले वर्ष शार्ट फिल्म फर्स्ट टाइम के साथ नए वर्ष की शुरुआत की थी। उसे अवार्ड मिला। फिर पुष्पा 2 : द रूल की थी, तब पता भी नहीं था कि वह इतनी बड़ी फिल्म बन जाएगी। कमाई के सारे रिकार्ड्स तोड़ देगी।

> "हर गुजरे वर्ष के साथ मैंने यही सीखा है कि नतीजों की चिंता किए बिना केवल अपना काम करते रहो। अगर नतीजों के बारे में सोचते रहे तो कुछ का कुछ हो जाएगा। अनुभव के साथ यह बदलाव आया है।

मैदान नहीं था कीर्ति के लिए सही डेब्यू ...

साउथ की अभिनेत्रियां हिंदी सिनेमा में अपनी किस्मत आजमाती रही हैं। अब कीर्ति सुरेश ने फिल्म बेबी जान से हिंदी सिनेमा में पदार्पण किया है। यह तमिल फिल्म थेरी की रीमेक है। कीर्ति का मानना है कि हिंदी फिल्मों में पदार्पण के लिए बेबी जान सही फिल्म थी। यहां पर उन्हें अपने किरदार में कई इमोशन को दिखाने का मौका मिला। फिल्म में उनके साथ वरूण धवन नायक की भूमिका में हैं। कीर्ति कहती हैं मैं वरूण से अक्सर कहती थी कालीस (फिल्म के निर्देशक), एटली (फिल्म के निर्माता) सब चेन्नई से हैं। मैं भी चेन्नई से हूं। ऐसा लगता है कि यह आपका तमिल फिल्मों में डेब्यू है। बहुत सारे लोग जिन्हें मैं जानती हूं इस फिल्म से जुड़े रहे। एटली और उनकी पत्नी प्रिया के साथ अच्छे संबंध है। पहली बार उनके साथ काम किया। कीर्ति को लेकर खबरें थी कि वह फिल्म मैदान से हिंदी सिनेमा में डेब्यू करने वाली थी। इस फिल्म को न करने पर कीर्ति ने बताया कि तेलुगु फिल्म महानती करने के बाद मैं उससे हिंदी में डेब्यू करने वाली थी लेकिन कुछ वजहों से बात नहीं बनी। बाद में उन्होंने (निर्माताओं) मुझसे कहा कि यह सही डेब्यू नहीं था। मुझे खुशी है कि उन्हें यह अहसास हुआ। मुझे लगता है कि कुछ चीजें अपने समय पर होती हैं।

बेबी जान से कीर्ति सुरेश ने हिंदी सिनेमा में रखा है कदम : इंस्टाग्राम(@keerthysureshofficial)

नए वर्ष में दुनिया घूमना चाहती हैं: शेफाली जरीवाला

> "इस वर्ष मैं भरपूर नींद लेना चाहती हूं। अच्छा खाना खाना है। जिम जाना है और फिट रहना है। कुल मिला कर सेहत पर ध्यान देना चाहती हूं। उम्मीद है नया वर्ष मेरे लिए और बेहतर होगा।
>
> @shefalijariwala

कांटा लगा गर्ल के नाम से प्रख्यात अभिनेत्री शेफाली जरीवाला गत वर्ष 2024 को अपने लिए खट्टा-मीठा मानती हैं। ऐसे में उन्हें नए वर्ष से व्यक्तिगत और पेशेवर तौर पर काफी उम्मीदें हैं। वह कहती हैं, '2024 मेरे लिए खट्टा-मीठा रहा। मैंने इस वर्ष अपना पहला टीवी शो किया, दुनिया भर में सफर करने का मौका मिला, कई नए दोस्त, नए संबंध बने। मगर पारिवारिक जीवन में थोड़ा उतार-चढ़ाव रहा। मेरे पिता को कैंसर होने का पता चला। हालांकि, अब उनकी सेहत बहुत अच्छी है। मैं बहुत सारी उम्मीदों और सपनों के साथ नए वर्ष 2025 का स्वागत करती हूं। इस वर्ष मुझे नींद को प्राथमिकता देनी है, अच्छा खाना खाना है, जिम जाना है और फिट रहना है। कुल मिला कर सेहत पर ध्यान देना है। दुनिया बहुत बड़ी है, इस वर्ष मेरी कोशिश होगी कि दुनिया के किसी दूसरे कोने में घूमने जाऊं और वहां की संस्कृति के बारे में जानूं। मैं नए वर्ष के मौके पर कोई नया संकल्प नहीं लेती हूं, क्योंकि मैंने देखा है कि हम जो संकल्प लेते हैं, वो आगे जाकर टूट ही जाते हैं। इसलिए संकल्प से बचती हूं।'

****